राष्ट्रीय संस्करण

दैनिक जागरण

वर्ष 9 अंक 330
मूल्य ₹8 .00 नई दिल्ली, शनिवार, 9 मई, 2026
www.jagran.com
पृष्ठ 14

ट्रंप के दूसरे टैरिफ आदेश को भी अमेरिकी कोर्ट ने किया खारिज >>11

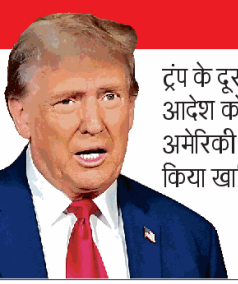

दैनिक जागरण बना विश्व का सर्वाधिक पुरस्कृत समाचार पत्र

जेएनएन, बर्लिन: इंटरनेशनल न्यूज मीडिया एसोसिएशन (इनमा) ग्लोबल मीडिया अवार्ड्स 2026 में भारत के अग्रणी मीडिया संस्थान दैनिक जागरण ने शानदार उपलब्धि हासिल की है। बर्लिन (जर्मनी) में आयोजित एक भव्य समारोह में दैनिक जागरण को कुल आठ सम्मान प्राप्त हुए, जिसमें दो प्रथम पुरस्कारों के साथ दैनिक जागरण इस वर्ष दुनिया में सर्वाधिक पुरस्कार जीतने वाला मीडिया संस्थान बना।

देशभर में फिल्म संस्कृति के विकास के लिए प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले जागरण फिल्म फेस्टिवल को दक्षिण एशिया में सर्वश्रेष्ठ अभियान के तौर पर चुना गया। इस श्रेणी में सर्वश्रेष्ठ सम्मान प्रदान करते हुए दक्षिण एशिया क्षेत्र में मीडिया नवाचार और सामाजिक प्रभाव के लिए जागरण की सराहना की गई। मुरादाबाद में 'लाइन पार' को पहचान दिलाए जाने के लिए जागरण का अभियान 'लाइन पार' भी पुरस्कृत हुआ। अपनी भाषा हिंदी को समृद्ध करने के दैनिक जागरण के अभियान 'हिंदी हैं हम' को भी वैश्विक मंच पर सराहना मिली।

inma GLOBAL MEDIA AWARDS 2025

- इनमा में **जागरण फिल्म फेस्टिवल** दक्षिण एशिया में सर्वश्रेष्ठ, **हिंदी हैं हम अभियान** को सम्मान

मिले आठ ग्लोबल पुरस्कार

श्रेणी	अभियान	पुरस्कार
दक्षिण एशिया अभियान विजेता	जागरण फिल्म फेस्टिवल	सर्वश्रेष्ठ
न्यूज ब्रांड निर्माण	जागरण फिल्म फेस्टिवल	प्रथम
पाठकों की सहभागिता को प्रोत्साहन	जागरण फिल्म फेस्टिवल	प्रथम
सर्वोत्तम राजस्व वर्गीकरण की रणनीति	जागरण फिल्म फेस्टिवल	द्वितीय
सर्वोत्तम जनसंपर्क/सामुदायिक सेवा	जनहित जागरण	द्वितीय
पाठकों की सहभागिता को प्रोत्साहन	लाइन पार (मुरादाबाद)	द्वितीय
प्रिंट का सर्वश्रेष्ठ इस्तेमाल	लाइन पार (मुरादाबाद)	द्वितीय
सर्वश्रेष्ठ ब्रांड जागरूकता	हिंदी हैं हम	विशेष सम्मान

इनमा द्वारा आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में विश्वभर के मीडिया संस्थानों के नवाचार, पाठक सहभागिता, ब्रांड निर्माण, सामाजिक सरोकारों तथा न्यूज रूम में व्यापक और सकारात्मक बदलाव के उत्कृष्ट कार्यों को सम्मानित किया जाता है। वर्ष 1937 से आयोजित हो रहे इनमा पुरस्कारों को वैश्विक मीडिया उद्योग में उत्कृष्टता का प्रतीक माना जाता है। इस वर्ष प्रतियोगिता में 46 देशों के 274 प्रमुख मीडिया ब्रांड्स से 960 प्रविष्टियों के बीच मुकाबला था। दैनिक जागरण की यह उपलब्धि भारतीय मीडिया के लिए गौरव का पल है।

जागरण के पाठकों का भरोसा ही उसको सात सरोकारों के अंतर्गत निरंतर बेहतर कार्य करने की प्रेरणा देता है। जागरण की ये उपलब्धि इस बात का सूचक है कि भारतीय समाचार संस्थान वैश्विक मंच पर नवाचार, सामाजिक सरोकार और पाठक सहभागिता के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को प्राप्त कर रहे हैं।

होर्मुज से जहाजों को निकालने के लिए कोई वित्तीय भुगतान नहीं करेगा भारत

जयप्रकाश रंजन • जागरण

- सरकार मानती है कि किसी देश को पैसे देने से गलत परंपरा की शुरुआत हो जाएगी

नई दिल्ली: पश्चिम एशिया में संघर्ष के बाद से होर्मुज जलडमरूमध्य में फंसे भारतीय जहाजों को लेकर भारत एक सख्त और अलिखित नीतिगत फैसले पर कायम है। वह यह है कि कोई भी भारतीय कंपनी/जहाज मालिक ईरान को किसी रूप में वित्तीय भुगतान करके बाहर नहीं निकलेगा। अब भी 14 भारतीय जहाज इस क्षेत्र में फंसे हुए हैं। संघर्ष शुरू होने पर कई जहाजों को ईरानी नौसेना ने रोक लिया था या हमले का सामना करना पड़ा था। इसके बाद राजनयिक वार्ता और अंतरराष्ट्रीय दबाव के जरिये 11 जहाजों को सुरक्षित निकाला गया, पर बिना आर्थिक समझौते के। जानकारों के अनुसार, गैर-खाड़ी देशों से तेल आपूर्ति में भारी वृद्धि के कारण यह फैसला भारत के लिए अपेक्षाकृत आसान हो गया।

विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने कहा, यह भारत की स्पष्ट नीति है कि जहाजों को होर्मुज से बाहर निकालने के लिए किसी भी पक्ष को किसी तरह का वित्तीय भुगतान नहीं किया जाएगा। अधिकारियों के मुताबिक, हमारी ऊर्जा सुरक्षा और समुद्री व्यापार की स्वतंत्रता पर जोखिम है, पर किसी भी देश को 'टोल टैक्स' या रिहाई शुल्क के रूप में पैसे देने से गलत परंपरा शुरु हो जाएगी। कई मीडिया रिपोर्टों में दावा किया गया है कि कुछ अन्य देशों के जहाजों को ईरान ने 'टोल टैक्स' या स्थानीय बैंक के जरिये भुगतान लेकर ही गुजरने की अनुमति दी है। भारत का मानना है कि ऐसा भुगतान न सिर्फ सुरक्षा जोखिम बढ़ाएगा, बल्कि भविष्य में समुद्री मार्गों पर दबाव बनाने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देगा।

अमेरिकी पक्ष को आवागमन के लिए राजी करना मुश्किल नहीं पेज>>11

यात्रा

गंगोत्री धाम के यात्रा मार्ग में करें प्रकृति का दर्शन

उत्तरकाशी: गंगोत्री धाम की यात्रा श्रद्धालुओं को तीर्थाटन के साथ खूबसूरत पर्यटन स्थलों के दर्शन का भी अवसर प्रदान करती है। • पेज-7

संपादकीय

बंगाल में परिवर्तन के साथ पुनर्जागरण: बंगाल में हुआ बदलाव सिर्फ राजनीतिक सत्ता का हस्तांतरण नहीं, बल्कि यह ऐसे लोगों के खिलाफ जनादेश भी है, जिन्होंने राज्य को उसके मूल से दूर किया। **राजनाथ सिंह** का आलेख।

सरकार और देश में अंतर करना जरूरी: एक सशक्त लोकतंत्र वही है, जहां नागरिक निर्भीक होकर सवाल पूछ सकें और जहां असहमति को भी सम्मान मिले। **प्रो. मनोज कुमार झा** का दृष्टिकोण। • पेज-8

विमर्श

चीन से संबंधित भारत की भूआर्थिक चुनौतियां: भारत की सामरिक चुनौती और एशियाई शक्ति-संतुलन के बदलते भूगोल और वैश्विक राजनीति में चीन का उभार सबसे निर्णायक घटनाओं में समझा जा रहा है। **प्रो. एम एल मीणा** का विश्लेषण।

आबादी की हो अदला-बदली: बांग्लादेशी हिंदुओं पर हो रहे जुल्मों को देखते हुए भारत व बांग्लादेश के बीच हिंदू एवं मुस्लिम आबादी की अदला-बदली की मांग उठाई जानी चाहिए। **ओमप्रकाश तिवारी** का आलेख। • पेज-9

बंगाल में सुवेंदु बने भाजपा के पहले 'अधिकारी'

अमित शाह की मौजूदगी में चुने गए भाजपा विधायक दल के नेता, आज शपथ ग्रहण

जयकृष्ण वाजपेयी • जागरण

- शपथ से पहले गूंजेगा रवींद्र संगीत, पीएम मोदी, 21 राज्यों के सीएम, कई हस्तियां बनेंगी गवाह
- बंगाल में सत्ता परिवर्तन को भव्यता देने की तैयारी, विपक्षी नेताओं को भी न्योता, 'बंगालियत' पर खास जोर

कोलकाता: बंगाल की राजनीति में शनिवार को नए अध्याय की शुरुआत होने जा रही है। दशकों के इंतजार के बाद भाजपा राज्य की सत्ता पर काबिज होने जा रही है। कोलकाता के ऐतिहासिक ब्रिगेड परेड मैदान में सुवेंदु अधिकारी भाजपा के पहले मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेंगे। यह आयोजन सिर्फ एक शपथ ग्रहण नहीं, बल्कि बंगाल में सत्ता परिवर्तन का राष्ट्रीय संदेश देने वाला मंच माना जा रहा है। रवींद्र जयंती पर होने वाला यह समारोह सिर्फ सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि भाजपा के 'मिशन बंगाल' की पूर्णता का प्रतीक है।

शुक्रवार को न्यू टाउन स्थित विश्व बांग्ला कंवेंशन सेंटर में हुई विधायक दल की बैठक में गृह मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में सुवेंदु को निर्विरोध विधायक दल का नेता चुना गया। बंगाल में सीएम सहित अधिकतम 44 मंत्री बनाए जा सकते हैं। ज्ञात हो, चार मई को विस चुनाव के नतीजे आने के बाद ममता बनर्जी ने सीएम पद से इस्तीफा देने से इन्कार कर दिया था। इसके बाद कार्यकाल पूरा होने पर राज्यपाल आरएन रवि ने गुरुवार को विस भंग कर शासन की बागडोर अपने हाथ में ले ली।

ममता को पटखनी देने का मिला 'महा-पुरस्कार' पेज>>4

कोलकाता में शुक्रवार को भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ सुवेंदु अधिकारी। प्रेट्र

प्रमुख बिंदु

- 206 नवनिर्वाचित विधायकों ने सर्वसम्मति से सुवेंदु को चुना अपना नेता, अमित शाह और मोहन चरण माझी रहे पर्यवेक्षक
- पारंपरिक सीट नंदीग्राम के बाद ममता को उनके गढ़ भवानीपुर में भी पटखनी देने का सुवेंदु को मिला इनाम
- संवैधानिक संकट का अंत, ममता के त्याग-पत्र से इन्कार के बीच राज्यपाल ने संभाली थी कमान,
- रवींद्र जयंती का संयोग, नौ मई को बांग्ला संस्कृति और रवींद्र संगीत के बीच होगा शक्ति प्रदर्शन
- दो उपमुख्यमंत्री भी बनाए जाने की रही चर्चा, लेकिन भाजपा ने अभी इस बारे में पत्ते नहीं खोले

लोकभवन में राज्यपाल आरएन रवि को 207 विधायकों के समर्थन का पत्र सौंपा

सुवेंदु अधिकारी शुक्रवार देर शाम भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य व अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ लोकभवन पहुंचे और राज्यपाल आरएन रवि को 207 विधायकों के समर्थन का पत्र सौंपकर सरकार बनाने का दावा पेश किया।

लोकतांत्रिक चयन : विरोध में नहीं उठा एक भी हाथ

भाजपा विधायक दल की बैठक के बाद अमित शाह ने बताया कि सीएम के चयन की प्रक्रिया पारदर्शी रही। विधायक दल की ओर से कुल आठ प्रस्ताव आए और सभी में सिर्फ सुवेंदु अधिकारी का ही नाम था। शाह ने कहा, हमने अन्य नामों के लिए पर्याप्त समय दिया, पर समूचा सदन सुवेंदु के नेतृत्व पर एकजुट दिखा। इससे पूर्व शाह ने पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष शमिक भट्टाचार्य व सुवेंदु संग दक्षिणेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना कर नई सरकार के लिए मंगलकामना की।

बंगाल में पहली बार बन सकते हैं दो उपमुख्यमंत्री

भाजपा सरकार में मुख्यमंत्री के अलावा दो उपमुख्यमंत्री भी बनाए जाने की खबर है। इसमें पहला नाम है दिलीप घोष का है, जो संघ से जुड़े पुराने भाजपा नेता हैं और जंगलमहल से जीते हैं। दूसरा नाम है अग्निमित्रा पाल का, जो पश्चिम बर्द्धमान से जीती हैं। तीसरा नाम है शंकर घोष का, जो सिलीगुड़ी से विजयी हुए हैं। मंत्रिमंडल में मतुआ, एससी-एसटी, महिला व क्षेत्रीय संतुलन साधने के लिए समावेशी नीति अपनाए जाने की भी चर्चा है।

वाम दलों के समर्थन से बहुमत के करीब पहुंची टीवीके

- माकपा और भाकपा ने किया बिना शर्त समर्थन देने का एलान
- वीसीके और आइयूएमएल ने भी दिया साथ जाने का संकेत

चेन्नई, प्रेट्र: वामपंथी दलों के समर्थन से टीवीके प्रमुख विजय तमिलनाडु में सरकार बनाने के करीब पहुंच गए हैं। माकपा व भाकपा ने जहां आधिकारिक तौर पर विजय के समर्थन का एलान कर दिया है, वहीं वीसीके ने भी साथ जाने का संकेत दिया है। आइयूएमएल ने सरकार गठन की दिशा में उठाए जा रहे कदमों के समर्थन की बात कही है। वहीं, एएनआइ के अनुसार, वाम दलों के समर्थन के बाद टीवीके प्रमुख विजय ने शुक्रवार को लगातार तीसरे दिन लोक भवन में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ अर्लेकर से भेंट की और सरकार बनाने का दावा पेश किया। राज्यपाल ने उन्हें सरकार बनाने का न्योता दे दिया है। विजय शनिवार सुबह मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले सकते हैं। शपथ ग्रहण समारोह में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के भी भाग लेने की उम्मीद है।

त्रिशंकु विधानसभा के चलते तमिलनाडु में कई दिनों तक सियासी गहमागहमी चरम पर रही। टीवीके द्वारा नई सरकार में हिस्सेदारी का प्रस्ताव मिलने पर कांग्रेस ने बुधवार को आनन-फानन में दशकों पुराने सहयोगी द्रमुक से नाता तोड़ लिया था। यह भी स्पष्ट कर दिया था कि वह भविष्य के चुनावों में टीवीके संग गठबंधन में रहेगी। कांग्रेस के कदम को द्रमुक ने पीठ में छुरा घोंपने जैसा बताया था। वहीं, सियासी राह अलग होने के बाद शुक्रवार को मयिलादुथुराई जिले में द्रमुक-कांग्रेस कार्यकर्ताओं में झड़प हो गई। इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित विजुअल में दोनों दलों के समर्थक तीखी बहस व नारेबाजी करते दिखे। सड़क पर कांग्रेस के फटे झंडे बिखरे पड़े थे।

टीवीके प्रमुख विजय ने शुक्रवार को लोक भवन चेन्नई में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर से भेटकर सरकार बनाने का दावा पेश किया। प्रेट्र

विजय की पार्टी टीवीके ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया पेज>>5

आइएनडीआइए में बड़ी फूट, द्रमुक को संसद में कांग्रेस संग बैठना भी मंजूर नहीं

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- तमिलनाडु में टीवीके को समर्थन देने वाली कांग्रेस को धोखेबाज बताकर द्रमुक ने तोड़ा गठबंधन
- कनीमोरी ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर बैठने की अलग व्यवस्था करने का किया अनुरोध

भाजपा के खिलाफ विपक्ष को एकजुट करते हुए कांग्रेस ने जिस आइएनडीआइए का गठन 2024 के लोकसभा चुनाव के दौरान किया था, उसमें इस बीच दरारें तो कई बार पड़ीं, पर अब बड़ी फूट सामने आई है। तमिलनाडु में कांग्रेस ने जिस तरह से द्रमुक का हाथ झटक कर उसके राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके को समर्थन दिया है, उसे धोखेबाजी करार दे चुके द्रमुक ने गठबंधन खत्म होने की घोषणा कर दी है। वर्षों पुराने गठबंधन सहयोगियों के बीच कड़वाहट इस कदर बढ़ चुकी है कि द्रमुक को लोकसभा में कांग्रेस सांसदों के पास बैठना भी मंजूर नहीं है। लोकसभा में द्रमुक संसदीय दल की नेता कनीमोरी ने शुक्रवार को स्पीकर ओम बिरला को पत्र लिखकर पार्टी सांसदों के लिए अलग बैठने की व्यवस्था करने का अनुरोध किया है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि वर्तमान हालात में द्रमुक सांसदों का कांग्रेस के साथ बैठना सही नहीं है।

तमिलनाडु में कांग्रेस लंबे समय से द्रमुक के साथ मिलकर चुनाव लड़ती रही है। इस बार भी कांग्रेस द्रमुक के साथ चुनाव लड़कर पांच विधानसभा सीटें जीतने में सफल रही। इधर, द्रमुक व अन्नाद्रमुक को खारिज कर मतदाताओं ने अभिनेता से नेता बने विजय की पार्टी टीवीके को 108 सीटें जिता दीं। इतनी बड़ी जीत के बाद भी विजय बहुमत से दूर रह गए। 234 विधानसभा सीटों वाले राज्य में सरकार बनाने के लिए कम से कम 118 विधायकों का समर्थन चाहिए। लिहाजा, टीवीके की ओर से जैसे ही कांग्रेस को सरकार में शामिल होने का न्योता मिला, कांग्रेस बिना देर किए समर्थन के लिए तैयार हो गई। यूं गठबंधन में सीटें जीतकर प्रतिद्वंद्वी के पाले में कांग्रेस का चले जाना द्रमुक को चुभ गया। द्रमुक ने इसे कांग्रेस द्वारा दिया गया धोखा करार दिया और कहा, यह पीठ में छुरा घोंपने जैसा है।

<< द्रमुक संसदीय दल की नेता कनीमोरी। फाइल

Kanimozhi Karunanidhi

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को लिखा गया द्रमुक संसदीय दल की नेता कनीमोरी का पत्र। सौ. इंटरनेट मीडिया >>

अखिलेश का तंज, हम मुश्किल समय में साथ नहीं छोड़ते

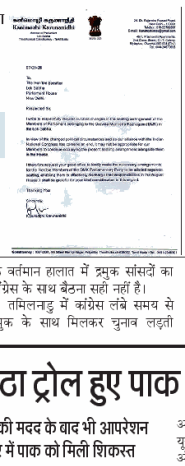

एएनआइ के अनुसार, कांग्रेस द्वारा द्रमुक से नाता तोड़कर टीवीके का समर्थन करने के बाद समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने शुक्रवार को कांग्रेस पर हमला बोला और आइएनडीआइए के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी और द्रमुक सुप्रीमो एमके स्टालिन के साथ अपनी तस्वीरें साझा करते हुए अखिलेश ने एक्स पर लिखा-हम मुश्किल समय में एक-दूसरे का साथ नहीं छोड़ते।

कांग्रेस ने तमिलनाडु की जनता और उसके जनादेश को धोखा दिया है : अनादुरई पेज>>5

800 वर्ष पुराना काकतीय युग का शिव मंदिर ध्वस्त, रिपोर्ट दर्ज

नई दिल्ली : तेलंगाना के वारंगल जिले में 800 साल पुराने काकतीय काल के शिव मंदिर ध्वस्त कर दिया गया। इससे आक्रोश फैल गया है। प्राचीन मंदिर के ध्वस्त होने की घटना पर विपक्षी दल भाजपा और बीआरएस ने कड़ी निंदा करते हुए जवाबदेही तय करने की मांग की है। केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने इस मामले में रिपोर्ट दर्ज की है। (पेज-6)

दैनिक जागरण सप्तरंग

जोश नई राहों का

पढ़ाई और जीवन के बीच बनाएं संतुलन

कुश्ती खेल का प्रशिक्षक बनना चाहता हूं

• पेज-13

आइपीएल 19 धूम धड़ाका

आज का मैच

राजस्थान रायल्स vs गुजरात टाइटंस

शाम 7:30 बजे स्थान : जयपुर

प्रसारण : स्टार स्पोर्ट्स/जियो हाटस्टार

फजीहत

इंटरनेट मीडिया पर पाकिस्तानियों ने ही लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी की उड़ाई खिल्ली, बोले-झूठ और धोखे की फैक्ट्री बन चुकी है पाकिस्तानी सेना

भारतीय अफसरों की अंग्रेजी पर सवाल उठा ट्रोल हुए पाक के सैन्य प्रवक्ता

नई दिल्ली, जागरण न्यूज नेटवर्क

- कहा, हमारी सेना का सारा कामकाज अंग्रेजी में होता है, लेकिन उर्दू बोलकर अपनी ही अवाम को गुमराह करते हैं आप

पाकिस्तानी सेना बार फिर दुनिया के सामने हास्यास्पद स्थिति में खड़ी दिखाई दी। भारतीय सैन्य अफसरों की अंग्रेजी पर सवाल उठाने वाले पाकिस्तान सेना के मीडिया विंग आइएसपीआर के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी को इस बार उनके ही देश के लोगों ने इंटरनेट मीडिया पर जमकर धो डाला।

दरअसल, आपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ पर भारतीय सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने पत्रकार वार्ता कर पाकिस्तान के खिलाफ की गई कार्रवाई और उसके रणनीतिक असर की जानकारी दी थी। इसी सम्मेलन का हवाला देते हुए चौधरी ने तंज कसते हुए पूछा-भारतीय अधिकारी अंग्रेजी में क्यों बोल रहे हैं। आगे कहा- वह अंग्रेजी में बात इसलिए रख रहे हैं ताकि दुनिया के ज्यादा से ज्यादा लोगों को भ्रमित किया जा सके। उनका यह बयान उन्हीं पर भारी पड़ गया। पाकिस्तानियों ने ही इंटरनेट मीडिया पर उनकी खिल्ली उड़ानी शुरू कर दी।

आइएसपीआर पर झूठ व दुष्प्रचार फैलाने का आरोप : पूर्व पाकिस्तानी सैन्य अधिकारी और पत्रकार आदिल फारूक राजा ने अहमद शरीफ चौधरी की जमकर क्लास लगाई। कहा, पाकिस्तान सेना में ऊपर से नीचे तक पूरा कामकाज अंग्रेजी में होता है। आदेश अंग्रेजी में जारी होते हैं। कहा, सेना उर्दू का इस्तेमाल सिर्फ अपनी जनता को गुमराह करने और प्रचार फैलाने के लिए करती है। उन्होंने आइएसपीआर पर झूठ और दुष्प्रचार फैलाने का भी आरोप लगाया। इंटरनेट मीडिया पर पाकिस्तानियों ने भी अपनी ही सेना को आड़े हाथों लिया। एक यूजर ने लिखा कि पाकिस्तानी सेना झूठ और धोखे की फैक्ट्री बन चुकी है। वहीं दूसरे ने कहा कि डीजी आइएसपीआर के झूठ ने लोगों के सामने उनकी सच्चाई उजागर कर दी है।

कई पाकिस्तानियों ने सवाल उठाया कि भारतीय अफसरों की भाषा पर बहस करने के बजाय सेना यह क्यों नहीं बताती कि आपरेशन सिंदूर के दौरान भारत ने उसके 11 एयरबेसों को कितना भारी नुकसान पहुंचाया था। आखिर सेना जनता से सच्चाई क्यों छिपा रही है।

भारतीय सेना की कार्रवाई से बौखलाए पाकिस्तान की हालत ऐसी हो गई है कि अब वह असली मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए भाषा पर राजनीति कर रहा है। लेकिन इंटरनेट मीडिया पर पाकिस्तानियों की प्रतिक्रियाओं ने साफ कर दिया कि अब वहां की जनता भी सेना के दुष्प्रचार और झूठ से परेशान हो चुकी है।

लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी। फाइल

चीन की मदद के बाद भी आपरेशन सिंदूर में पाक को मिली शिकस्त

बीजिंग: आपरेशन सिंदूर के एक वर्ष बाद ही सही, आखिर चीन ने पहली बार यह माना कि उसने भारत के खिलाफ चार दिन चले संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को तकनीकी सहायता मुहैया कराई थी। हालांकि चीन की मदद के बाद भी उसे शिकस्त मिली थी। गत वर्ष सात से दस मई तक चले संघर्ष के दौरान पाक को भारत के हाथों मुंह की खानी पड़ी थी। उसी समय से यह बात आ रही थी कि संघर्ष के दौरान चीन पर्दे के पीछे से पाक की मदद कर रहा था। (पेज-11)

आनलाइन गेमिंग कंपनी गेम्जक्राफ्ट पर कसा ईडी का शिकंजा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- मनी लांड्रिंग का आरोप, 17 स्थानों पर छापा, एनसीआर-बेंगलुरु से तीन आरोपित गिरफ्तार

आनलाइन गेमिंग कंपनी गेम्जक्राफ्ट पर ईडी का शिकंजा कस गया है। कंपनी पर मनी लांड्रिंग करने का आरोप है। बेंगलुरु व एनसीआर में 17 स्थानों पर छापे के बाद ईडी ने कंपनी के तीन संस्थापकों को गिरफ्तार कर लिया है। कंपनी के विरुद्ध पुलिस में फर्जीवाड़े व धोखाधड़ी की कई एफआइआर दर्ज हैं।

ईडी के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार, गेम्जक्राफ्ट रम्मीकल्चर और रम्मटाइम एप जैसे कई रियल मनी गेम्स चलाती है। इनमें खेलने वालों के साथ धोखाधड़ी के आरोप लगते रहे हैं। इनमें से कुछ लोगों ने आत्महत्या तक कर ली। आनलाइन गेम खेलने वालों के साथ धोखाधड़ी कर की गई काली कमाई को हवाला, क्रिप्टो करेंसी व अन्य माध्यमों से दूसरी कंपनियों में ट्रांसफर करने के सुबूत मिले हैं। इनके तीन संस्थापकों में से दो दीपक सिंह और पृथ्वीराज सिंह को एनसीआर से और विकास तनेजा को बेंगलुरु से गिरफ्तार किया गया है। दीपक और पृथ्वीराज को ट्रांजिट रिमांड पर लेकर ईडी बेंगलुरु ले जा रही है, जहां उसे ट्रायल कोर्ट में पेश किया जाएगा।

8 मई को विधानसभा अध्यक्ष विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि राजधानी में थैलेसीमिया मेजर से प्रभावित बच्चों के जन्म रोकने के लिए गर्भवती महिलाओं की अनिवार्य थैलेसीमिया जांच होगी और विधानसभा में विधेयक लाकर इस पर कानून बनाया जाएगा।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शनिवार, 9 मई, 2026

आज का मौसम

सामान्यतया आसमान साफ रहेगा। धूप भी निकली रहेगी।

पूर्वानुमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली		
9 मई	36.0	24.0
10 मई	38.0	26.0
नोएडा		
9 मई	31.0	21.0
10 मई	32.0	22.0
गुरुग्राम		
9 मई	36.0	24.0
10 मई	37.0	25.0

डिग्री सेल्सियस में

न्यूज गैलरी

सोमवार से फिर बदलेगा मौसम, तेज हवा के साथ वर्षा के आसार

नई दिल्ली: सोमवार और मंगलवार के लिए मौसम विभाग ने यलो अलर्ट भी जारी किया है। दोनों ही दिन बादलों की आवाजाही बनी रहेगी। 50 किमी प्रति घंटे की तेज रफ्तार हवा चलने के साथ-साथ ही हल्की वर्षा होने की भी संभावना है। शुक्रवार को अधिकतम तापमान जहां सामान्य से 2.9 डिग्री कम 36.4 डिग्री दर्ज हुआ और न्यूनतम तापमान सामान्य से 2.5 डिग्री कम 22.6 डिग्री रिकार्ड किया गया। (राब्यू)

आरोपित को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेजा

नई दिल्ली: कैलाश हिल्स में युवती से दुष्कर्म और हत्या के मामले में गिरफ्तार आरोपित राहुल मीणा की चार दिन की न्यायिक हिरासत की अवधि पूरी होने पर शुक्रवार को उसे साकेत कोर्ट में पेश किया गया। न्यायिक मजिस्ट्रेट दीपिका ठाकरान ने आरोपित को चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया है। बता दें कि 22 अप्रैल को अमर कालोनी थाना क्षेत्र स्थित एक मकान में आइआरएस अधिकारी की बेटी का शव मिला था। (जासं)

शुभकामना बिल्डटेक के खिलाफ छठी चार्जशीट दाखिल की

नई दिल्ली : सीबीआइ ने शुभकामना बिल्डटेक प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशकों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की है। बिल्डर-बैंकर साठगांठ मामले में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर चल रही जांच में यह सीबीआइ की छठी चार्जशीट है। चार्जशीट में आरोप लगाया है कि आरोपित कंपनी व निदेशकों ने घर खरीदारों को झूठे भरोसे के जरिए नोएडा प्रोजेक्ट में निवेश करने के लिए उकसाया। (प्रेट्र)

आइएसआइ एजेंट शहजाद भट्टी के गुर्गों से सामने आई आतंक की गहरी साजिश

राजफाश ▶ एक गुर्गे ने की थी चांदनी चौक स्थित गौरी शंकर मंदिर की रेकी

दिल्ली-सोनीपत हाइवे पर मुरथल ढाबे पर हमले की रची थी साजिश

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दो दिन पहले गिरफ्तार किए गए आइएसआइ के एजेंट व पाकिस्तानी गैंगस्टर शहजाद भट्टी के नौ गुर्गों से पूछताछ में जांच एजेंसियों को देश में आतंक की साजिश से जुड़ी सनसनीखेज जानकारी मिली है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल और केंद्रीय एजेंसियों की पूछताछ में पता चला है कि पाकिस्तान दिल्ली के चांदनी चौक स्थित गौरी शंकर मंदिर व दिल्ली-सोनीपत हाइवे पर मौजूद नामी मुरथल ढाबा समेत तमाम सैन्य ठिकाने पर हैंड ग्रेनेड से हमले की साजिश रच रहा है। इसके लिए आइएसआइ अपने एजेंटों के माध्यम से लगातार इंटरनेट मीडिया के जरिये ड्रग्स के आदी युवाओं को पैसों का लालच देकर उन्हें भारत में आतंकी वारदात के लिए तैयार कर रही है।

स्पेशल सेल द्वारा गिरफ्तार शहजाद भट्टी के पांच गुर्गे। सौजन्य : दिल्ली पुलिस

स्पेशल सेल के साथ आइबी और एनआइए समेत तमाम केंद्रीय एजेंसियां भट्टी के गुर्गों से गहन पूछताछ में जुटी हैं। स्पेशल सेल सूत्रों के मुताबिक गिरफ्तार गुर्गों में से कुछ ने न केवल गौरी शंकर मंदिर की रेकी की थी बल्कि मंदिर के फोटो भी पाकिस्तान में बैठे हैंडलर्स को भेजे थे। आइएसआइ से निर्देश मिलने व भट्टी के इशारे पर इनकी योजना मंदिर पर मौजूद पुलिसकर्मियों और अर्धसैनिक बलों पर गोली चलाने की थी। उन्होंने दिल्ली और एनसीआर की कई बड़े औद्योगिक इकाइयों की भी रेकी की थी, जहां बड़ी संख्या में कर्मचारी काम करते हैं।

हिसार में मौजूद एक सैन्य कैंप भी पाकिस्तान के निशाने पर था। उसकी भी इन आरोपितों ने रेकी की थी और वीडियो बनाकर पाकिस्तानी हैंडलर्स को भेजे थे। हिसार में सामरिक दृष्टि से दो महत्वपूर्ण केंद्र है, जिनमें सैनिक छावनी और बीएसएफ कैंप शामिल हैं। दिल्ली पुलिस ने अभी स्पष्ट नहीं किया है कि इनमें से किसका वीडियो बनाकर पाकिस्तान भेजा गया है।

इसके अलावा उत्तर प्रदेश के कुछ पुलिस थाने भी इनके निशाने पर थे। शहजाद भट्टी की भारत में लगातार बढ़ती गतिविधियों को देखते हुए भारतीय एजेंसियां इसके नेटवर्क को ध्वस्त करने में जुट गई हैं।

नौ आरोपित गिरफ्तार : स्पेशल सेल ने शहजाद भट्टी के नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए जिन नौ आरोपितों को गिरफ्तार किया है, उनमें अमरोहा का शोएब खान, रवि कश्यप, मध्य प्रदेश के टीकमगढ़ का अनमोल राय, जम्मू-कश्मीर के राजौरी का इम्तियाज, रामपुर का रिजवान खान, फिरोजपुर का जसबीर सिंह, मोगा का जसकरण सिंह, अमृतसर का सतारा सिंह व गुजरात के बनासकांठा का मनोज शामिल हैं। ये सभी उत्तर भारत व एनसीआर में सुरक्षा बलों पर गोलीबारी करने की साजिश में शामिल थे।

दिल्ली से ग्रेटर नोएडा होकर एयरपोर्ट तक एक जून से दौड़ेंगी हाइड्रोजन बस

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

▶ नोएडा एयरपोर्ट को बस कनेक्टिविटी के लिए उत्तर प्रदेश परिवहन निगम संचालित करेगा बस

नोएडा एयरपोर्ट से बस कनेक्टिविटी के लिए एक जून से हाइड्रोजन बसों का संचालन होगा। पांच हाइड्रोजन बस नोएडा, ग्रेटर नोएडा होकर नोएडा एयरपोर्ट तक यात्रियों को लेकर जाएंगी। बस व ईंधन के लिए एनटीपीसी को तयशुदा रकम दी जाएगी। बस संचालन पर घाटा होने पर भरपाई यमुना प्राधिकरण करेगा। यीडा व परिवहन निगम अधिकारियों के बीच शुक्रवार को बैठक में इस पर सहमति बन गई है।

नोएडा एयरपोर्ट से 15 जून से विमान सेवा शुरू हो जाएंगी। यात्रियों को एयरपोर्ट तक आने जाने की सुविधा के लिए बस संचालन किया जाएगा। एनटीपीसी की ओर से उपलब्ध कराई जा रही पांच हाइड्रोजन बसों का एक जून से संचालन शुरू करने का फैसला किया गया है। यह बसें अक्षरधाम, मयूर विहार होते हुए नोएडा के बोटेनिकल गार्डन, सिटी सेंटर, ग्रेटर नोएडा के परीचौक होकर नोएडा एयरपोर्ट तक जाएंगी। यीडा एसीईओ राजेश कुमार सिंह ने बताया कि बसों का संचालन उत्तर प्रदेश परिवहन निगम कराएगा। बस संचालन पर एनटीपीसी को प्रति किमी 58 रुपये का भुगतान किया जाएगा।

परिवहन निगमों की बसों का संचालन भी होगा शुरू : नोएडा एयरपोर्ट के लिए यात्रियों को विभिन्न शहरों से लाने ले जाने के लिए यमुना इंटरनेशनल एयरपोर्ट प्रा. लि. (यापल) ने भी अनुबंध कर रखा है। इसमें दिल्ली, हरियाणा, उत्तराखंड, उप्र परिवहन निगम शामिल हैं। एसीईओ शैलेंद्र भाटिया का कहना है कि निगम मई अंत या जून से बसों का संचालन शुरू करेगा। उबर, ओला, समेत टैक्सी कंपनी सेवा शुरू करेंगे।

अकासा एयरलाइंस 16 जून से नोएडा एयरपोर्ट से शुरू करेगी उड़ान

जासं, ग्रेटर नोएडा: इंडिगो के बाद अकासा एयरलाइंस भी 16 जून से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से उड़ान शुरू करेगी। इसके लिए जल्द फ्लाइट शेड्यूल घोषित व टिकट की बुकिंग शुरू होने की संभावना है। देश के कुछ और शहर नोएडा एयरपोर्ट से विमान सेवा से जुड़ जाएंगे। एयर इंडिया एक्सप्रेस और कार्गो सेवा शुरू करने के लिए तिथि घोषित होना शेष है। इंडिगो ने नोएडा एयरपोर्ट से उड़ान सेवा के लिए गुरुवार को फ्लाइट शेड्यूल घोषित करने के लिए टिकट बुकिंग शुरू कर दी है। 15 जून को लखनऊ से पहली फ्लाइट नोएडा एयरपोर्ट आएगी। नोएडा एयरपोर्ट से बेंगलुरु के लिए पहली फ्लाइट रवाना होगी। पहले दिन लखनऊ, हैदराबाद, बेंगलुरु व अमृतसर के लिए फ्लाइट शुरू होंगी।

आपरेशन गैंग बस्ट के तहत द्वारका में कार्रवाई, 48 घंटे में दबोचे 61 बदमाश

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: संगठित अपराध और गैंगस्टरों के खिलाफ छेड़े गए विशेष अभियान 'आपरेशन गैंग बस्ट' के तहत द्वारका जिला पुलिस ने 48 घंटे में सात गिरोहों से जुड़े 61 बदमाशों को गिरफ्तार किया है। यह अभियान बुधवार और गुरुवार को चलाया गया था। पकड़े गए 61 आरोपितों में गैंगस्टरों के कई शूटर और फाइनेंसर भी शामिल हैं। इस दौरान 2748 संदिग्धों को हिरासत में लिया गया है, जिनसे पूछताछ की जा रही है।

द्वारका जिले के पुलिस उपायुक्त कुशल पाल सिंह और एडिशनल डीसीपी निहारिका भट्ट की निगरानी में 'आपरेशन गैंग बस्ट' के तहत जिले की आपरेशंस यूनिट और विभिन्न थानों की 54 विशेष टीमें बनाई गई थीं। इन टीमों ने दो दिनों में द्वारका जिले में पहले से चिह्नित अपराधियों के 169 ठिकानों पर छापेमारी की और सात गिरोहों के 61 बदमाशों को गिरफ्तार किया। इसमें मंजीत महल गैंग का एक शूटर व उसका एक सहयोगी, काला जठेड़ी गैंग के दो शूटर आदि गिरफ्तार किए गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट का नोएडा हिंसा में छात्रा को जमानत से इन्कार, हाई कोर्ट जाने को कहा

▶ कहा- हर कोई अनुच्छेद-32 के तहत यहां आ जाता है, बताया, शीर्ष अदालत में लंबित हैं 93,000 मामले

नई दिल्ली, प्रेट्र : नोएडा में 13 अप्रैल को औद्योगिक श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़काने की आरोपित एक छात्रा को सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को जमानत देने से इन्कार कर दिया। साथ ही उसे इलाहाबाद हाई कोर्ट जाने को कहा। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ ने आरोपित आकृति चौधरी की ओर से पेश वकील से कहा, "आप हाई कोर्ट क्यों नहीं जाते? हर कोई संविधान के अनुच्छेद-32 (मौलिक अधिकारों के हनन पर सुप्रीम कोर्ट जाने का अधिकार) के तहत याचिका दायर करके यहीं आ जाता है। सुप्रीम कोर्ट में 93,000 मामले लंबित हैं।" आकृति की ओर से पेश वकील ने दलील दी कि पुलिस ने गिरफ्तारी के आधार नहीं बताए हैं और जमानत देने की मांग की। उन्होंने बताया कि आकृति डीयू की छात्रा है।

नोएडा की एक अदालत ने इससे पहले नोएडा में हिंसा भड़काने की आरोपित तीन महिलाओं- आकृति, मनीषा चौहान और सृष्टि गुप्ता की सशर्त पुलिस रिमांड की अनुमति दी थी।

सुप्रीम कोर्ट। फाइल

अदालत ने उनके वकीलों को भी जांच के दौरान मौजूद रहने की अनुमति दी थी। आकृति और सृष्टि दोनों दिल्ली की रहने वाली हैं और उनकी उम्र 20 वर्ष के आसपास है। आकृति ने दौलत राम कालेज से इतिहास में परास्नातक किया है, जबकि मनीषा नोएडा की एक औद्योगिक इकाई में श्रमिक है। हिरासत के लिए दी गई अर्जी में पुलिस ने दलील दी थी कि आरोपितों के घर से अहम सुबूत मिलने की पूरी संभावना है।

चीन-पाकिस्तान में बैठे सरगना के इशारे पर ठगे आठ करोड़, 14 धरे

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ टेलीग्राम के जरिये चलता था नेटवर्क, नौकरी लगवाने और वर्क फ्राम होम का झांसा देकर लोगों को ठगते थे

शाहदरा जिला पुलिस ने साइबर ठगी के अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़ कर 14 ठगों को गिरफ्तार किया है। ये सभी अपने आका के साथ मिलकर करीब आठ करोड़ कर चुके हैं। गिरोह टेलीग्राम के जरिये संगठित तरीके से आनलाइन ठगी को अंजाम दे रहा था। गिरोह के सरगना की लोकेशन चीन व पाकिस्तान की मिली है, जो कुछ दिन से लगातार बदल रही है। पुलिस ने गिरोह के पास से 18 मोबाइल फोन, 19 सिम कार्ड, एक लैपटाप, तीन एटीएम कार्ड, चार चेकबुक और दो मुहरें बरामद की हैं।

डीसीपी आरपी मीणा के अनुसार, नौकरी लगवाने और वर्क फ्राम होम के जरिये हर माह लाखों रुपये कमाने का झांसा देकर ठगी की शिकायतें मिल रही थीं। पुलिस टीम ने गीता कालोनी स्थित एक होटल में छापा मारकर 12 आरोपितों को पकड़ा गया। पूछताछ के बाद दो अन्य आरोपितों को लुधियाना से

ठगों से बरामद सामान। सौ. पुलिस

गिरफ्तार किया गया। पुलिस के अनुसार, गिरोह के सरगना की लोकेशन लगातार बदल रही है। आरोपितों में संदीप सिंह, हरसिमरन पाल सिंह, साहिल, परमिंदर सिंह और गुरदीप सिंह लुधियाना, विशाल कुमार सीवान, अजीत कुमार पांडेय लखनऊ, सैयद जीशान अली व सैयद आदिल हुसैन हैदराबाद, स्वराज कुमार गुप्ता जलपाईगुड़ी, राजू कोंवर असम और अनिल कुमार जबलपुर का रहने वाला है।

सेना के अधिकारी बनकर व्यापारियों को ठगते थे, चार गिरफ्तार

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक ऐसे अंतरराज्यीय साइबर ठग गिरोह का भंडाफ़ोड़ किया है, जो भारतीय वायु सेना और सेना के अधिकारी बनकर व्यापारियों को शिकार बनाता था। यह गिरोह वायु सेना के नाम से जाली दस्तावेज और फर्जी परचेज आर्डर भेजकर व्यापारियों का भरोसा जीतकर उनसे लाखों की ठगी कर रहा था। पुलिस ने मामले में चार आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित बुलंदशहर निवासी मनीष, अलीगढ़ निवासी कौशल और नूंह निवासी आमिर उर्फ बुरहान व रिजवान अहमद है। इनके तार दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से जुड़े हुए हैं।

आदेश गुप्ता पर आय से अधिक संपत्ति की शिकायत लोकायुक्त ने खारिज की

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: पूर्वकालिक उत्तरी दिल्ली नगर निगम के महापौर व दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष आदेश गुप्ता को आय से अधिक संपत्ति के आरोपों पर लोकायुक्त से राहत मिली है। लोकायुक्त ने अधिवक्ता हेमंत चौधरी द्वारा दायर शिकायत को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया है। लोकायुक्त न्यायमूर्ति हरिश चंद्र मिश्रा ने अपने आदेश में कहा कि जांच और उपलब्ध रिकार्ड से यह साबित नहीं हुआ कि आदेश गुप्ता ने अपने पद का दुरुपयोग कर अवैध तरीके से संपत्ति अर्जित की या भ्रष्टाचार के जरिये धन इकट्ठा किया। आदेश में कहा गया कि शिकायतकर्ता आरोपों के समर्थन में कोई ठोस साक्ष्य पेश नहीं कर सके।

हेमंत चौधरी ने आरोप लगाया था कि 2017 में निगम पार्षद और 2018-19 में महापौर बनने के बाद गुप्ता ने वेस्ट पटेल नगर और बलजीत नगर में कई संपत्तियां खरीदीं। साथ ही उनके परिवार के पास महंगी गाड़ियां हैं, जबकि उनके चुनावी हलफनामे में सीमित संपत्ति का उल्लेख किया गया था।

जमीन के लालच में पिता ने ही बुझा दिया घर का इकलौता चिराग

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

▶ ग्रेटर नोएडा में भाइयों को फंसाने के लिए गला दबाकर की बेटे की हत्या

जमीन के लालच में भाइयों को फंसाने के लिए बुधवार रात पिता ने 13 वर्षीय इकलौते बेटे सुधांशु की गला दबाकर हत्या कर दी। बेटे के लापता होने की कहानी गढ़ते हुए स्वजन के साथ तलाश करने का नाटक किया। स्वजन ने कोतवाली में गुमशुदगी दर्ज करा दी। सीसीटीवी में उसकी करतूत सामने आई तो उसने आत्महत्या का प्रयास किया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

प्रदीप भाटी का 13 वर्षीय बेटा सुधांशु कक्षा आठ का छात्र था। बुधवार रात वह नौ बजे घर से निकला और गायब हो गया। चाचा मोहित ने गुमशुदगी दर्ज कराई। प्रदीप स्वजन के साथ बेटे की तलाश करता रहा। गुरुवार शाम करीब सात बजे गांव के बाहर तालाब में सुधांशु का शव मिला। प्रदीप ने भाइयों पर ही सुधांशु का अपहरण कर हत्या का आरोप लगाया। पुलिस ने सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। फुटेज में रात नौ बजे बाहर खड़ी कार में पहले सुधांशु

सुधांशु की हत्या का आरोपित पिता प्रदीप कुमार।

और कुछ देर बाद प्रदीप बैठते दिखा। दो घंटे बाद कार लेकर प्रदीप लौटा तो सुधांशु साथ नहीं था। ग्रामीणों व पुलिसकर्मियों ने उसे दबोचा तो ब्लेड से गले पर वार कर आत्महत्या की कोशिश की। ग्रामीणों ने बताया कि चारों भाइयों की दो बीघा जमीन है। उसी में दुकान की जमीन पर भाइयों से विवाद है।

सीएम पर हमले के आरोपितों ने जेल में पिटाई और धमकी का लगाया आरोप

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: तीस हजारी स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर हमले के मामले में आरोपित दो व्यक्तियों ने तिहाड़ जेल के भीतर पिटाई और जान से मारने की धमकी मिलने का आरोप लगाया है। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने शुक्रवार को तिहाड़ जेल प्रशासन से जवाब-तलब किया।

अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश निशांत गर्ग ने आरोपित राजेशभाई खिमजीभाई सकारिया और तहसीन रजा शेख की ओर से दायर अर्जी पर जेल अधिकारियों को नोटिस जारी किया। आरोपितों की ओर से अधिवक्ता सिद्धांत मलिक ने अदालत में कहा कि उनके मुवक्किलों को जेल में अन्य कैदियों द्वारा पीटा गया और धमकियां दी जा रही हैं। अर्जी में कहा गया कि कुछ कैदियों ने आरोपितों को जान से मारने की धमकी दी है कि कहा गया है कि जेल के अंदर उन्हें तब तक पीटा जाएगा, जब तक वे सबक नहीं सीख लेते। आरोपितों ने अदालत से मांग की कि उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जाए और अलग बैरक में रखा जाए।

कैब ड्राइवरों के डर से 37 मिनट कार में कैद रही छात्रा, तब पहुंची पुलिस

जागरण संवाददाता, गुरुग्राम

▶ कैब से हल्की टक्कर होने पर एकत्र हुए ड्राइवरों ने घेर ली थी कार, छात्रा के ड्राइवर से की मारपीट

▶ कार का दरवाजा खोलकर छात्रा को बाहर निकालने का किया प्रयास, सेंट्रल लाक लगाकर बचाई जान

साइबर सिटी में गुरुवार शाम को एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। 12वीं कक्षा की छात्रा टैक्सी ड्राइवरों के डर से 37 मिनट तक अपनी कार में कैद रही। सहायता के लिए अपनी मां को वीडियो काल की। फिर पुलिस कंट्रोल रूम में फोन किया। 10 से 12 मिनट में कहीं भी पहुंचने का दावा करने वाली पुलिस 37 मिनट बाद पहुंची लेकिन टैक्सी ड्राइवरों से पीछा तब छूटा जब दो हजार रुपये दिए। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है।

घटना सेक्टर-49 इलाके में पार्क व्यू सिटी-दो के नजदीक की है। सेक्टर-67 निवासी एक महिला का कहना है कि उनकी बेटी गुरुवार को परीक्षा देने के बाद अपनी सहेली को उसके घर पहुंचाकर ड्राइवर के साथ घर लौट रही थी। एक कैब से कार की हल्की टक्कर हो गई। टक्कर के बाद कई टैक्सी ड्राइवर एकत्र हो गए और उनकी कार के ड्राइवर के साथ हाथापाई शुरू कर दी। आरोपितों ने कार का दरवाजा खोलकर उनकी बेटी को बाहर निकालने का प्रयास किया। डर से उनकी बेटी ने कार का सेंट्रल लाक लगाकर अपने आपको अंदर बंद कर लिया। वह रोती रही लेकिन कैब ड्राइवर बदसलूकी करते रहे। उसने पुलिस कंट्रोल रूम पर काल कर मदद मांगी। पहली काल शाम पांच बजकर दो मिनट पर की गई, लेकिन पुलिस करीब 37 मिनट बाद मौके पर पहुंची। इस दौरान 20 से अधिक बार फोन किया गया। पुलिस के आने के बाद टैक्सी ड्राइवरों से छुटकारा तब मिला, जब दो हजार रुपये दिए गए। वहीं, पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार का कहना है कि मामला इंटरनेट मीडिया से संज्ञान में आया है। पुलिस के देरी से पहुंचने की जानकारी हासिल की जा रही है।

नशे में साथी ने की दो मालियों की हत्या, चार घंटे शव के साथ रहा हत्यारोपित

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा: नालेज पार्क कोतवाली क्षेत्र में निर्माणाधीन हास्टल में गुरुवार देर रात साथी ने धारदार हथियार से गले और सिर पर वार कर दो मालियों मेरठ के अब्दुल्लापुर के इंद्र (45), इंचौली के शीशपाल (45) की हत्या कर दी। चार घंटे शव के साथ कमरे में ही रहा। शुक्रवार सुबह करीब चार बजे सुरक्षाकर्मियों से शौच के लिए जाने की बात कहकर फरार हो गया। सुबह करीब 10 बजे सूचना पर अधिकारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और फोरेंसिक टीम को साक्ष्य एकत्र करने के लिए बुलाया। पुलिस जांच में शराब के नशे में विवाद के बाद हत्या की बात सामने आई है। घटनास्थल से शराब की खाली बोतलें, फिटकरी, कुकर में पकी खिचड़ी बरामद हुई है। पुलिस ने फरार हत्यारोपित की गिरफ्तारी के लिए दो टीमें गठित कर तलाश शुरू कर दी है।

यहां सीताराम एसआरएम इंस्टीट्यूट में हास्टल का निर्माण चल रहा है। निर्माण कार्य फरीदाबाद का ठेकेदार करीब एक वर्षा से करा रहा है।

इंटर्न से यौन उत्पीड़न के मामले में कंपनी के सीईओ पर एफआइआर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ बेवक्त करता था फोन, साथ में रात बिताने के लिए बना रहा था दबाव

▶ किसी को कुछ बताने पर दी थी करियर बर्बाद करने की धमकी

साकेत थाना क्षेत्र स्थित एक निजी डिजिटल मार्केटिंग कंपनी के सीईओ पर महिला इंटर्न ने यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है। पीड़िता की शिकायत पर साकेत थाना पुलिस ने एफआइआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पीड़िता राजस्थान की रहने वाली है और दिल्ली में रहकर एक डिजिटल कंपनी में इंटरनेट मीडिया इंटर्न के तौर पर काम कर रही थी। पुलिस को दी गई शिकायत में पीड़िता ने बताया कि कंपनी का सीईओ पद का फायदा उठाकर उसके साथ लगातार अनुचित व्यवहार करता था। आरोपित साथ में रात बिताने के लिए दबाव बना रहा था।

शिकायत में कहा गया है कि आरोपित देर रात वाट्सएप काल करता था और निजी व आपत्तिजनक बातें करता था। पीड़िता ने बताया कि आरोपित सीईओ अक्सर आफिस और आफिस के बाहर उसे आपत्तिजनक शब्दों से बुलाता था। आफिस में कई बार बिना अनुमति उसके हाथ, कंधे और बाल छूता था। युवती ने यह भी आरोप लगाया कि पांच मार्च को आरोपित ने अपने केबिन में उसके साथ बदसलूकी की। विरोध करने पर आरोपित ने इसे 'दिल्ली का कार्पोरेट कल्चर' बताया और किसी को जानकारी देने पर करियर बर्बाद करने की धमकी भी दी। शिकायत में कंपनी की महिला डायरेक्टर और एचआर कर्मी पर भी मानसिक प्रताड़ना एवं धमकी देने के आरोप लगाए गए हैं।

आइफोन की झपटमारी में पांच दिन में चार्जशीट, 13 दिन में सुनवाई पूरी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: देश में लूट और झपटमारी के लंबित लाखों मामलों के बीच दिल्ली की अदालत ने मोबाइल झपटमारी के मामले में मिसाल पेश की है। राजधानी की एक अदालत ने वारदात के महज 18वें दिन सुनवाई पूरी कर आरोपित को दोषी करार दे दिया है। अब 11 मई को दोषी को सजा पर सुनाई जाएगी। इस मामले में पुलिस ने महज 72 घंटे में जांच पूरी करने के बाद पांचवें दिन चार्जशीट पेश कर दी थी, जबकि अदालत ने 13 दिन में सुनवाई पूरी कर ली। किसी भी मामले में सबसे कम समय में सुनवाई पूरी करने का दिल्ली का यह दूसरा मामला है। इससे पहले नवंबर 2025 में पोक्सो के एक मामले में दिल्ली की 30 हजारी कोर्ट ने 14 दिन में सुनवाई पूरी कर दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाई थी। हालांकि ये केस फास्ट ट्रैक कोर्ट में चला था।

संपत्ति के लालच में पत्नी की हत्या का आरोप, पुलिस ने चिता से उठाया शव

संवाद सहयोगी, जागरण ● दादरी

▶ दादरी के घोड़ी बछेड़ा गांव का मामला, मृतका की मां ने पति समेत 10 लोगों पर कराया हत्या का केस दर्ज

क्षेत्र के घोड़ी बछेड़ा गांव में तीन करोड़ की संपत्ति के लालच में पत्नी की हत्या करने का आरोप लगाते हुए दामाद समेत 10 लोगों के खिलाफ महिला ने मुकदमा दर्ज कराया है। गुरुवार को ससुराल वाले गांव के ही एक प्लाट में अंतिम संस्कार कर रहे थे। मायके पक्ष की सूचना पर पहुंची दादरी पुलिस को देखकर ससुराल वाले मौके से भाग गए। पुलिस ने चिता से अधजला शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। स्वजन ने बताया कि 17 फरवरी को ही बेटी से युवक ने कोर्ट मैरिज की थी। पुलिस आरोपितों की तलाश में जुटी है।

बरौला गांव की रेनू नागर ने पुलिस को बताया कि 16 फरवरी को उनकी 20 वर्षीय बेटी मोनिका घर से गायब हो गई थी। 17 फरवरी को वह घोड़ी बछेड़ा

मृतक मोनिका। फाइल

17 फरवरी को महिला मोनिका ने युवक से की थी कोर्ट मैरिज

गांव के अनुज चौहान से कोर्ट मैरिज कर लौटी। इसके बाद से वह पति के घर घोड़ी बछेड़ा गांव में रह रही थी। रेनू ने पुलिस को बताया कि उनके पति ने दुजाना गांव में पैतृक संपत्ति के अलावा मोनिका के नाम बरौला में भी संपत्ति खरीद रखी थी। संपत्ति की कीमत तीन करोड़ से अधिक की है।

आबकारी नीति मामले में सीबीआइ की याचिका पर सुनवाई टली

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

▶ अधिवक्ताओं की सहमति के बाद केजरीवाल-सिसोदिया के लिए न्याय मित्र नियुक्त करेगा हाई कोर्ट

हाई कोर्ट ने आबकारी नीति मामले में सभी आरोपितों को ट्रायल कोर्ट द्वारा डिस्चार्ज किए जाने के आदेश को चुनौती देने वाली सीबीआइ की याचिका पर सुनवाई टाल दी। कोर्ट ने संकेत दिया कि वह केजरीवाल, मनीष सिसोदिया व दुर्गेश पाठक की ओर से गैर प्रतिनिधित्व वाले वरिष्ठ अधिवक्ताओं को न्याय मित्र नियुक्त करेगी। अगली सुनवाई 11 मई को होगी।

मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा के समक्ष हुई। कोर्ट ने कहा कि प्रस्तावित वरिष्ठ अधिवक्ताओं की सहमति का इंतजार किया जा रहा है, जिसके बाद उन्हें न्याय मित्र नियुक्त किया जाएगा। सुनवाई के दौरान सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सीबीआइ की ओर से पक्ष रखा। उन्होंने अदालत से पहले याचिका की स्वीकार्यता पर सुनवाई शुरू करने का अनुरोध किया। मेहता ने दलील दी कि सीबीआइ की ओर से जवाब दाखिल किया जा चुका है और सबसे पहले यह सुना जाना चाहिए कि याचिका विचारणीय क्यों है। वहीं, कुछ आरोपितों की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता शादान फरासत ने याचिका के स्वीकार्यता पर आपत्ति जताई। कोर्ट ने कहा कि पहले न्याय मित्र की नियुक्ति पूरी की जाएगी, उसके बाद इस मुद्दे पर बहस शुरू होगी। यह मामला दिल्ली आबकारी नीति विवाद से जुड़ा है, जिसमें सीबीआइ और ईडी दोनों जांच कर रहे हैं।

राजनाथ का कमांडरों को निर्देश, युद्ध में दुश्मन को रणनीति से चौंकाएं

रक्षा मंत्री का सेना को किसी भी सुरक्षा चुनौती के लिए तैयार रहने का आह्वान

संयुक्त कमांडरों के सम्मेलन में एआइ, सुरक्षित संचार नेटवर्क पर दिया जोर

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को जयपुर में आपरेशन सिंदूर की पहली वर्षगांठ के मौके पर आयोजित कमांडरों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए। प्रेट्र

नई दिल्ली, प्रेट्र : रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने तीनों सेवाओं के शीर्ष सैन्य कमांडरों को निर्देश दिया कि वे आधुनिक युद्ध में "आश्चर्य का तत्व" शामिल करें ताकि भारत के विरोधियों को मात दी जा सके और रणनीतिक स्थिति को मजबूत किया जा सके। उन्होंने कहा, "भविष्य के युद्ध केवल हथियारों के माध्यम से नहीं जीते जाएंगे, बल्कि नई सोच और बढ़े हुए आपसी सहयोग से जीते जाएंगे।"

जयपुर में संयुक्त कमांडरों के सम्मेलन में अपने संबोधन में राजनाथ सिंह ने आपरेशन सिंदूर को भारतीय सशस्त्र बलों की "तेज, सटीक और संयुक्त प्रतिक्रिया" का प्रमाण बताया, जो राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए है और सेना को किसी भी सुरक्षा चुनौती का सामना करने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया।

रक्षा मंत्री ने कमांडरों को "आश्चर्य का तत्व" विकसित करने के लिए प्रेरित किया ताकि वे राष्ट्र के विरोधियों के लिए अप्रत्याशित बने रहें और किसी भी स्थिति में रणनीतिक बढ़त हासिल कर सकें। हालांकि, उन्होंने उन्हें दुश्मन के आश्चर्य के तत्व के प्रति सतर्क रहने और हमेशा दो कदम आगे रहने की सलाह दी। राजनाथ सिंह ने कमांडरों से कहा कि वे आपरेशन और वर्तमान वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य से सीखकर "भविष्य के लिए तैयार" रहें। उन्होंने तेजी से विकसित हो रहे भू-राजनीतिक सुरक्षा परिदृश्य में तैयार रहने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआइ), स्वायत्त प्रणालियों, डाटा एनालिटिक्स और सुरक्षित संचार नेटवर्क में क्षमताओं को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य के संघर्षों को हाइब्रिड खतरों, सूचना प्रभुत्व और साइबर, अंतरिक्ष, विद्युतचुंबकीय और संज्ञानात्मक डोमेन में एक साथ किए गए संचालन द्वारा आकार दिया जाएगा। उन्होंने दो दिवसीय विचार-विमर्श में कमांडरों ने विकसित हो रही क्षेत्रीय सुरक्षा स्थिति के मद्देनजर सैन्य की युद्ध तत्परता की व्यापक समीक्षा की। इसमें रक्षा प्रमुख जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी, थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह व रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

दिल्ली सहित 23 राज्यों में जल्द एसआइआर की होगी शुरुआत

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- अगले सप्ताह तक घोषणा संभव, आयोग इन राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पहले ही दे चुका है तैयारी के निर्देश
- एसआइआर के बाद तैयार नई मतदाता सूची के आधार पर बिहार सहित छह राज्यों में चुनाव भी करा चुका है आयोग

प्रतीकात्मक

बंगाल, केरल सहित पांच राज्यों के विस चुनाव से निपटने के बाद चुनाव आयोग अब दिल्ली, पंजाब सहित बाकी बचे 23 राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों में मतदाता सूची के विशेष सघन पुनरीक्षण (एसआइआर) का काम जल्द ही शुरू करेगा। माना जा रहा है कि अगले हफ्ते तक इसकी घोषणा हो जाएगी। पहले इसे अप्रैल से शुरू करने की तैयारी थी, पर बंगाल चुनाव को लेकर बढ़ी व्यस्तता के मद्देनजर आयोग ने इसे चुनाव बाद शुरू करने के संकेत दिए थे।

इस बीच आयोग ने चुनाव से निपटने के बाद 23 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू होने वाले एसआइआर को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। आयोग ने इसे लेकर 19 फरवरी 2026 को ही इन सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को एसआइआर से जुड़ी तैयारी करने के निर्देश दिए थे। इस बीच इन राज्यों की मौजूदा मतदाता सूची को पिछले एसआइआर के आधार पर मैपिंग करने का काम किया गया है। माना जा रहा है कि इससे एसआइआर के काम में आसानी होगी। आयोग इस दौरान जिन राज्यों में एसआइआर का काम शुरू करने वाला है, उसमें दिल्ली, आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, चंडीगढ़, दादर नगर हवेली, दमन दीव, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, झारखंड, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैंड, ओडिशा, पंजाब, सिक्किम, त्रिपुरा, तेलंगाना व उत्तराखंड शामिल है। आयोग ने इन सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारियों को एसआइआर शुरू होने से पूर्व जरूरी तैयारियों के निर्देश दिए थे। गौरतलब है कि आयोग अब तक बिहार, उत्तर प्रदेश सहित 13 राज्यों में एसआइआर का काम पूरा कर चुका है। साथ ही एसआइआर के बाद तैयार हुई नई मतदाता सूची के आधार पर बिहार सहित छह राज्यों में विधानसभा चुनाव भी करा चुका है।

एनसीईआरटी जल्द ही पीजी और डाक्टरेट कार्यक्रम शुरू करेगा

नई दिल्ली, एएनआइः राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) शिक्षा में स्नातकोत्तर और डाक्टरेट अनुसंधान कार्यक्रम शुरू करने की योजना बना रहा है। शिक्षा मंत्रालय के अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने प्रस्तावित पाठ्यक्रमों के लिए समयसीमा नहीं बताई। यह कदम शिक्षा मंत्रालय द्वारा अप्रैल 2026 में एनसीईआरटी को मानित विश्वविद्यालय के रूप में विशिष्ट श्रेणी के तहत घोषित करने के कुछ हफ्ते बाद आया है, जिससे संस्थान को अपने स्वयं के स्नातक, स्नातकोत्तर व डाक्टरेट डिग्री प्रदान करने की अनुमति मिली है, जो टीचर एजुकेशन व स्कूल एजुकेशन रिसर्च पर केंद्रित है। नए दर्जे के साथ, एनसीईआरटी अपने स्वयं के पाठ्यक्रम को डिजाइन करने, मानकों को तय करने और डिग्री प्रदान करने में सक्षम होगा। अफसरों ने कहा, मानित विश्वविद्यालय का दर्जा एनसीईआरटी के राष्ट्रीय शिक्षा अनुसंधान, शिक्षक प्रशिक्षण व पाठ्यक्रम विकास में योगदान को मान्यता देने के लिए विशिष्ट श्रेणी के तहत दिया गया है। यह दर्जा एनसीईआरटी के छह क्षेत्रीय शिक्षा संस्थानों पर भी लागू होगा। इन कार्यक्रमों का फोकस मुख्य रूप से टीचर एजुकेशन, करिकुलम स्टडीज और एजुकेशनल टेक्नोलाजी पर होगा।

हिमाचल में वित्तीय संकट से उबरने को लाटरी शुरू करने की तैयारी

राज्य ब्यूरो, जागरण • शिमला

- साफ्टवेयर तैयार, प्रदेश में 27 वर्ष बाद शुरू होगी लाटरी
- टिकट वितरण, ड्रा प्रक्रिया व भुगतान प्रणाली होगी डिजिटल

हर्षवर्धन चौहान। फाइल

वित्तीय संकट से उबरने के लिए हिमाचल प्रदेश में 27 वर्ष बाद पुनः लाटरी शुरू करने की तैयारी पूरी हो चुकी है। आनलाइन लाटरी के लिए साफ्टवेयर तैयार किया गया है। 31 जुलाई, 2025 को मंत्रिमंडल की बैठक में वित्तीय संकट से उबरने और बढ़ते ऋण के बोझ को कम करने के उद्देश्य से लाटरी पर लगे प्रतिबंध को हटाने का निर्णय लिया गया था।

लाटरी की शुरुआत स्थानीय निकाय चुनाव की आदर्श आचार संहिता के कारण अटकी है। आचार संहिता हटने के बाद ही इसकी औपचारिक लांचिंग की जाएगी। लाटरी संचालन को पारदर्शी बनाने के लिए तैयार साफ्टवेयर से टिकट वितरण, ड्रा प्रक्रिया और भुगतान प्रणाली को डिजिटल माध्यम से संचालित किया जाएगा, ताकि अनियमितता की गुंजाइश न रहे। सरकार को उम्मीद है कि लाटरी शुरू होने से प्रदेश को हर साल 75 से 100 करोड़ रुपये तक की अतिरिक्त आय हो सकती है।

उद्योग मंत्री हर्षवर्धन चौहान की अध्यक्षता में गठित मंत्रिमंडलीय उपसमिति ने नियमों की जांच कर लाटरी शुरू करने संबंधित नियमावली सरकार को सौंप दी थी। प्रधान सचिव वित्त देवेश कुमार का कहना है कि लाटरी की खुले बाजार में बिक्री नहीं होगी। यह आनलाइन खेली जा सकेगी। विशेष अवसरों पर लकी ड्रा निकाला जा सकेगा, जो चिह्नित स्थानों पर उपलब्ध रहेगा। हिमाचल पर इस समय 1,10,500 करोड़ रुपये का ऋण है।

पीएम-कुसुम 2.0 योजना जल्द होगी लांच, किसानों को मिलेगी दोहरी आय

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- पीएम-कुसुम 2.0 को जल्द लांच करने की तैयारी, खेती कार्यों से डीजल पंपों की हो जाएगी विदाई

प्रतीकात्मक

केंद्र सरकार पीएम-कुसुम योजना के नए संस्करण पीएम-कुसुम 2.0 को जल्द लांच करने की तैयारी में है। इस नई योजना से फलों व सब्जी उत्पादक किसानों को खास तौर पर फायदा होने की उम्मीद है। किसानों को दोहरी आय का मौका मिलेगा क्योंकि फसल बिक्री के साथ सोलर पावर बेचकर मासिक कमाई भी कर सकेंगे। नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा (एमएनआरई) मंत्रालय योजना का कैबिनेट नोट तैयार कर रहा है, जिस पर अन्य मंत्रालयों से विमर्श के बाद अगले कुछ हफ्तों के भीतर मंजूरी मिलने की संभावना है।

नई योजना के तहत किसानों के खेतों में सोलर पैनल लगाकर 10 हजार मेगावाट बिजली बनाने का लक्ष्य होगा। किसानों को अपनी फसलों के ऊपर ऊंचे स्ट्रक्चर पर सोलर पैनल लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। इससे खेती को रोके बिना ही बिजली का उत्पादन होगा। यह योजना फल-सब्जी बागान वाले किसानों के लिए खास तौर पर फायदेमंद साबित होगी।

सूत्रों के अनुसार एग्री-पीवी सिस्टम में पैनल कम से कम 2.1 मीटर ऊंचे लगाए जाएंगे, जिससे फसलों को पर्याप्त धूप और छाया दोनों मिलेगी। टमाटर, पपीता, आम जैसी फसलें छाया में बेहतर विकसित होती हैं। बड़ी जोत के किसान सालाना लाखों रुपये की अतिरिक्त कमाई कर सकेंगे।

सूत्रों ने बताया कुसुम 2.0 का एक खास लक्ष्य यह होगा कि देश में कृषि कार्यों में डीजल पंपों का इस्तेमाल पूरी तरह से बंद हो। मौजूदा डीजल आधारित सिंचाई को सौर ऊर्जा से बदलने से किसानों को दिन-रात मुफ्त या बेहद सस्ती बिजली मिलेगी। इससे राज्य सरकारों को भी फायदा होगा क्योंकि उन पर बिजली सब्सिडी का बोझ कम होगा।

नई योजना का कुल आउटले लगभग 50 हजार करोड़ रुपये प्रस्तावित है, जो मौजूदा योजना से करीब 45 प्रतिशत अधिक है। इसमें विकेंद्रीकृत सोलर, फीडर लेवल सोलराइजेशन और बैटरी स्टोरेज पर भी जोर दिया जाएगा ताकि रात में भी बिजली उपलब्ध रहे। 2019 में लांच मौजूदा पीएम-कुसुम योजना की प्रगति मिश्रित रही है।

नवीन व नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय के आधिकारिक पोर्टल के अनुसार, कंपोनेंट-ए में 10 हजार मेगावाट लक्ष्य के मुकाबले 1,052.95 मेगावाट बिजली बनाने की क्षमता ही स्थापित हो सकी है। फीडर लेवल सोलराइजेशन में 35.13 लाख पंपों में से 14.24 लाख सोलराइज्ड हो पाए हैं। कुल मिलाकर योजना ने 21.77 लाख से अधिक किसानों को लाभ पहुंचाया है, लेकिन लक्ष्य से काफी पीछे है। इसी के मद्देनजर पीएम-कुसुम में सुधार की तैयारी है।

बिहार की लीची पर संकट, केंद्र ने संभाला मोर्चा

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- केंद्र ने क्षति का आकलन और राहत के लिए विशेषज्ञों की टीम उतारी
- स्टिंग बग के हमले से लीची की गुणवत्ता होती है प्रभावित

लीची पर स्टिंग बग कीटाणु के हमले की शिकायतें आने के बाद सरकार एक्शन में आ गई है। विशेष कार्यबल (टास्क फोर्स) गठित कर प्रभावित क्षेत्रों में विशेषज्ञों की टीम उतार दी गई हैं, जो फसल को हुई क्षति का आकलन करेगी और हफ्ते भीतर समाधान की तलाश कर रिपोर्ट देगी। स्टिंग बग एक तरह का कीट है, जिसके हमले से लीची की गुणवत्ता प्रभावित होती है। फल सिकुड़ने लगते हैं, समय से पहले गिर जाते हैं। पत्तियां सूखने लगती हैं। बिहार प्रमुख लीची उत्पादक राज्य है। मुजफ्फरपुर की लीची को अंतरराष्ट्रीय पहचान प्राप्त है।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान को लखनऊ में सात मई को आयोजित कृषक संवाद कार्यक्रम के दौरान किसानों ने स्टिंग बग से लीची को हो रहे नुकसान के बारे में बताया था। इस पर शिवराज ने टास्क फोर्स के गठन का निर्देश दिया। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र द्वारा जारी आदेश के अनुसार, टास्क फोर्स प्रभावित क्षेत्रों में फसल क्षति का वैज्ञानिक अध्ययन करेगी। टीम नियंत्रण उपायों के साथ ही दीर्घकालिक रणनीति भी सुझाएगी, ताकि भविष्य में ऐसे प्रकोप से बचाव की स्थायी व्यवस्था बनाई जा सके। किसानों को तकनीकी सलाह देने, विस्तार गतिविधियां तेज करने, राज्य-केंद्र स्तर पर जरूरी हस्तक्षेप सुझाने की जिम्मेदारी भी टास्क फोर्स को सौंपी गई है।

टीम में केंद्र व राज्य सरकार से जुड़े कृषि विज्ञानी, कीट विशेषज्ञों व बागवानी अधिकारियों को शामिल किया गया है। राष्ट्रीय लीची अनुसंधान केंद्र मुजफ्फरपुर के निदेशक को टीम का अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि पूसा कृषि विश्वविद्यालय, बिहार कृषि विश्वविद्यालय सबौर, रांची स्थित कृषि प्रणाली अनुसंधान केंद्र तथा बेंगलुरु के राष्ट्रीय कृषि कीट संसाधन ब्यूरो के विशेषज्ञ भी इसमें शामिल हैं।

एनआइए के मामलों के निपटारे में तेजी को विशेष अदालतें बनाएं: सुप्रीम कोर्ट

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कहा, 10-15 लंबित मुकदमों की सुनवाई के लिए हो कम से कम एक विशेष अदालत
- एक महीने में हों गठित, केंद्र सरकार हाई कोर्टों के मुख्य न्यायाधीशों से करे संपर्क

सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) अधिनियम के तहत दर्ज मामलों की सुनवाई में तेजी लाने के लिए शुक्रवार को विशेष अदालतों के गठन के साथ कई निर्देश जारी किए। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि 10 से 15 मुकदमों के लिए एक विशेष अदालत होनी चाहिए, लेकिन जिन हाई कोर्टों के क्षेत्राधिकार में 15 से अधिक मुकदमे लंबित हैं, वहां दो विशेष अदालतें स्थापित की जाएंगी। जहां 25 से अधिक मुकदमे लंबित हैं वहां तीन अदालतें स्थापित की जाएंगी। मामले की अगली सुनवाई जुलाई में होगी। शीर्ष अदालत ने कहा,विशेष अदालतें एक महीने के भीतर बनाई जानी चाहिए।

ये निर्देश प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जोयमाल्या बागची की पीठ ने शुक्रवार को दिए। कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया कि वह एनआइए एक्ट, 2008 की धारा-11 के तहत विशेष अदालतें बनाने के लिए संबंधित हाई कोर्टों के मुख्य न्यायाधीशों से संपर्क करें और उनसे सलाह मशविरा करें। एनआइए एक्ट की धारा-11 केंद्र सरकार को विशेष अदालतें गठित करने की शक्ति प्रदान करती है। कोर्ट ने हाई कोर्टों के मुख्य न्यायाधीशों से आग्रह किया है कि वे राज्य सरकारों से परामर्श करके विशेष न्यायालयों की स्थापना के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध कराएं जहां ऐसे मामलों का ट्रायल चले। कोर्ट ने विशेष अदालतों के सृजन के मामले में स्वतः संज्ञान लेकर की जा रही सुनवाई के दौरान ये निर्देश दिए। कोर्ट ने आदेश में कहा, विशेष अदालतों को और कोई मामले नहीं सौंपे जाएंगे एवं मुकदमों की सुनवाई प्रतिदिन के आधार पर की जाएगी। न्यायाधीश मामलों को अपनी इच्छानुसार सूचीबद्ध करने के लिए स्वतंत्र होंगे, बशर्ते कम से कम एक सुनवाई एक माह के भीतर पूरी हो जाए।

महीनेभर में आ जाएगी अहमदाबाद विमान हादसे की जांच रिपोर्ट: नायडू

- उड्डयन मंत्री ने कहा, मंत्रालय का सेल पीड़ितों के स्वजनों से समन्वय कर रहा
- जून 2025 में हुए हादसे में मारे गए थे 260 लोग, एक व्यक्ति बच सका था

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राम मोहन नायडू और गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल शुक्रवार को गांधीनगर स्थित गिफ्ट सिटी में आयोजित एक कार्यक्रम में बातचीत करते हुए। प्रेट्र

गांधीनगर, आइएएनएसः केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू ने शुक्रवार को जानकारी दी कि अहमदाबाद विमान हादसे की अंतिम रिपोर्ट ज्यादा से ज्यादा महीनेभर में आ जाएगी। इस मामले की छानबीन अपने अंतिम चरण में है और पूरी पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ रही है।

गिफ्ट सिटी में इंडिया एयरक्राफ्ट लीजिंग एंड फाइनेंसिंग समिट 2.0 में हिस्सा लेने आए नायडू ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन ब्यूरो (एएआइबी) की तरफ से की जा रही जांच में तमाम एजेंसियां शामिल हैं। उन्होंने कहा कि चूंकि ये अंतरराष्ट्रीय फ्लाइट थी, इसलिए कोई भी देश रिपोर्ट की पड़ताल कर सकता है। ज्ञात हो, अहमदाबाद से लंदन के गैटविक की उड़ान (एआइ 171) के दौरान गत वर्ष 12 जून को एअर इंडिया का बोइंग 787-8 ड्रीमलाइनर मेघनी नगर इलाके में गिर गया था। इस हादसे में 260 लोग मारे गए थे। इसमें चालक दल के 10 सदस्यों के साथ कुल 242 लोग सवार थे, जिसमें से केवल एक यात्री सकुशल बचा था।

प्रेट्र के अनुसार, नायडू ने कहा, मंत्रालय पीड़ितों के स्वजनों द्वारा एयरलाइन के खिलाफ उठाए गए मुद्दों को देख रहा है। हमने एक सेल का गठन किया है, जो हादसे के बाद घोषित मुआवजे व अन्य मामलों में समन्वय कर रहा है। अगर किसी को दिक्कत है, तो हम उसे देखेंगे। ज्ञात हो 30 पीड़ितों के स्वजनों ने पीएम को पत्र लिखकर काकपिट वायस रिकार्डर, फ्लाइट डाटा रिकार्डर ब्लैक बाक्स डाटा जारी करने की अपील की है ताकि हादसे के पीछे के सच का पता लगाया जा सके।

गोवा में वाघेरी पहाड़ी और साओ-जार्ज द्वीप 'एनडीजेड' घोषित

- पर्यावरण की रक्षा के लिए गोवा सरकार ने जारी की अधिसूचना

विश्वजीत राणे। फाइल

इन क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियों पर पूरी तरह से होगी रोक

पणजी, प्रेट्र : गोवा सरकार ने पर्यावरण की रक्षा के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए वाघेरी पहाड़ी और साओ-जोर्ज द्वीप को 'नो डेवलपमेंट जोन' (एनडीजेड') या 'विकास निषेध क्षेत्र' घोषित कर दिया है। इसका उद्देश्य इन क्षेत्रों में निर्माण गतिविधियों को पूरी तरह से रोकना है। महाराष्ट्र-गोवा सीमा के पास स्थित वाघेरी पहाड़ी की ऊंचाई 780 मीटर है। यह गोवा के सबसे ऊंचे स्थानों में से एक है।

नगर एवं ग्रामीण योजना मंत्री विश्वजीत राणे ने गुरुवार को बताया कि पश्चिमी घाट में स्थित इस पहाड़ी को 'एनडीजेड' घोषित करते हुए अधिसूचना जारी कर दी गई है। राज्य वन विभाग द्वारा गठित एक समिति ने पाया कि इस पहाड़ी पर विकासात्मक गतिविधियों के लिए हरित आवरण या ग्रीन कवर को हटाया जा रहा है, जिसके बाद यह निर्णय लिया गया। अधिसूचना के अनुसार, सत्तारी तालुका में स्थित वाघेरी पहाड़ी 65.31 लाख वर्ग मीटर में फैली है। इस पर प्राकृतिक आवरण है और इसकी ढलान सिंचाई कमांड क्षेत्र से मिलती है। सरकार ने मोरमुगाओ में स्थित 6.63 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र वाले साओ-जार्ज द्वीप को भी इसके विरासत मूल्य और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील प्रकृति को ध्यान में रखते हुए 'एनडीजेड' घोषित किया है। जनता अधिसूचना की तारीख (सात मई) से 30 दिनों के भीतर राज्य के मुख्य नगर योजनाकार को अपनी आपत्तियां और सुझाव भेज सकती है। नगर एवं ग्रामीण योजना बोर्ड ने दक्षिण गोवा के माजोर्डा गांव में रेत के टीलों और सिंचाई कमांड क्षेत्र की रक्षा के लिए 2.5 लाख वर्ग मीटर भूमि को 'विकास निषेध क्षेत्र' घोषित करने को भी मंजूरी दे दी है। गोंसुआ गांव में 1.95 लाख वर्ग मीटर क्षेत्र में भी निर्माण गतिविधियों पर रोक लगा दी गई है।

भावुक और प्रेरणादायक पल

न्यायिक अधिकारी बनने के सपने पर मिली थी झिड़की, आज वही बने देश के मुख्य न्यायाधीश, रीवैल्यूएशन मांगने पहुंची युवती की याचिका खारिज, लेकिन चीफ जस्टिस की कहानी ने दी प्रेरणा

जब सीजेआइ ने कोर्ट में खोला टूटे सपनों का राज

सूर्यकांत। फाइल

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट में शुक्रवार को एक ऐसा पल आया, जिसने अदालत की गंभीर कार्यवाही को अचानक बेहद भावुक व प्रेरणादायक बना दिया। दरअसल, न्यायिक सेवा परीक्षा में शामिल अभ्यर्थी प्रेरणा गुप्ता अपनी उत्तरपुस्तिका के रीवैल्यूएशन की मांग लेकर कोर्ट पहुंची थीं। उनकी याचिका पर सुनवाई के दौरान भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने अपनी जिंदगी का ऐसा किस्सा सुनाया, जिसे सुनकर अदालत में कुछ देर के लिए सन्नाटा छा गया।

सीजेआइ ने कहा, वह भी कभी न्यायिक अधिकारी बनना चाहते थे। वर्ष 1984 में कानून की पढ़ाई के अंतिम वर्ष के दौरान उन्होंने न्यायिक सेवा परीक्षा दी थी। लिखित परीक्षा पास कर ली थी और इंटरव्यू की तैयारी कर रहे थे। उसी समय उन्होंने पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में वकालत शुरू कर दी थी। संयोग से इंटरव्यू पैनल में वही वरिष्ठ न्यायाधीश शामिल थे, जिनके सामने वह हाल ही में दो बड़े मामलों में बहस कर चुके थे। इनमें सुनीता रानी बनाम बलदेव राज मामला भी शामिल था, जिसमें सिजोफ्रेनिया के आधार पर दिए गए तलाक के आदेश को पलट दिया गया था।

जज ने उन्हें अपने चैंबर में बुलाया : सीजेआइ ने बताया कि इंटरव्यू से पहले उस जज ने उन्हें अपने चैंबर में बुलाया और पूछा क्या तुम न्यायिक अधिकारी बनना चाहते हो? उन्होंने हां में जवाब दिया तो जज ने तुरंत कहा, मेरे चैंबर से बाहर निकल जाओ। यह सुनते ही उनके सपने टूट गए। मैं कांपते हुए बाहर निकला। मुझे लगा कि मेरा करियर खत्म हो गया, पर अगले ही दिन कहानी ने नया मोड़ लिया। वही जज फिर से उन्हें बुलाते हैं और कहते हैं, अगर जज बनना चाहते हो तो बन जाओ, लेकिन मेरी सलाह है कि न्यायिक अधिकारी मत बनो... बार तुम्हारा इंतजार कर रहा है।

एक सलाह ने जिंदगी की दिशा बदल दी : सीजेआइ ने बताया कि उस एक सलाह ने जिंदगी की दिशा बदल दी। उन्होंने इंटरव्यू छोड़ दिया और पूरी तरह वकालत में जुट गए। शुरुआत में उन्होंने अपने माता-पिता को भी यह बात नहीं बताई, क्योंकि उन्हें डर था कि वे निराश हो जाएंगे। सुनवाई के दौरान सूर्यकांत ने युवती से मुस्कुराते हुए पूछा अब बताइए, मैंने सही फैसला लिया या गलत? इसके बाद उन्होंने कहा, एक उत्तरपुस्तिका या परीक्षा पर रुकने के बजाय भविष्य की ओर देखना चाहिए। बार में बहुत संभावनाएं हैं। याचिका भले खारिज हो गई, लेकिन अदालत से बाहर निकलते समय प्रेरणा गुप्ता के चेहरे पर मायूसी नहीं, मुस्कान थी।

अमित शाह लू, बाढ़ से निपटने की तैयारियों की करेंगे समीक्षा

नई दिल्ली, प्रेट्रः केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह लू और बाढ़ की संभावित स्थितियों से निपटने के लिए देश की तैयारियों की रविवार को व्यापक समीक्षा करेंगे। आधिकारिक बयान के अनुसार, शाह केंद्रीय एजेंसियों की तैयारियों का आकलन करने, प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों, संसाधनों की तैनाती व अंतर-एजेंसी समन्वय की समीक्षा के लिए उच्च स्तरीय बैठक की अध्यक्षता करेंगे, ताकि जान का कोई नुकसान नहीं होने पाए और संपत्ति को न्यूनतम क्षति पहुंचे। बैठक के दौरान गृह मंत्री उन्नत तकनीक और रियल टाइम डाटा एकीकरण के माध्यम से बाढ़ पूर्वानुमान और प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों को मजबूत करने की स्थिति का आकलन करेंगे। बैठक में विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहेंगे।

कह कर रहेंगे

माधव जोशी

ममता को पटखनी देने का 'महा-पुरस्कार'

प्रथम पृष्ठ से आगे

2021 में नंदीग्राम में ममता बनर्जी को हराने के बाद, इस बार उन्होंने भवानीपुर जैसी कठिन सीट पर मुख्यमंत्री को 15 हजार से अधिक मतों के अंतर से करारी शिकस्त दी। बंगाल के चुनावी इतिहास में यह दुर्लभ है कि विपक्ष के किसी नेता ने मुख्यमंत्री को सीधे मुकाबले में हराकर सत्ता की कमान संभाली हो। शनिवार सुबह 10 बजे से शुरू होने वाले इस भव्य समारोह के लिए ब्रिगेड मैदान को एक किले और सांस्कृतिक केंद्र के रूप में तब्दील कर दिया गया है। समारोह में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, अमित शाह और एनडीए शासित 21 राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे। 50 हजार लोगों के बैठने के लिए वाटरप्रूफ पंडाल और 20 जिला-थीम वाले प्रवेश द्वार बनाए गए हैं। शपथ ग्रहण 'रवींद्र जयंती' के दिन हो रहा है, जिसे देखते हुए समारोह में रवींद्र संगीत, छाऊ और

बंगाल में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह से पहले ब्रिगेड परेड ग्राउंड में चल रही तैयारियां। एएनआइ

बाउल गायन की प्रस्तुति होगी।

ममता और विमान बसु को भी न्योता : भाजपा ने इस मौके पर राजनीतिक कटुता को किनारे रख राजनीतिक सौहार्द की मिसाल पेश की है। सूत्रों के मुताबिक, पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी, वाममोर्चा के चेयरमैन विमान बसु और कांग्रेस के नेताओं को भी आमंत्रित किया गया है। इसके अलावा फिल्म स्टार मिथुन चक्रवर्ती, ममता शंकर और पंडित अजय चक्रवर्ती जैसे सांस्कृतिक दिग्गजों को भी विशिष्ट अतिथि बनाया गया है।

राइटर्स बिल्डिंग से शुरू होगा नया सफर: शपथ ग्रहण के बाद मुख्यमंत्री सीधे सचिवालय राइटर्स बिल्डिंग (महाकरण) जाएंगे, जहां वे प्रतीकात्मक रूप से पदभार ग्रहण करेंगे। चूंकि, राइटर्स में अभी मरम्मत का काम जारी है, इसलिए वह फिलहाल विधानसभा स्थित अपने कार्यालय से कामकाज संचालित करेंगे। खबर है कि मुख्यमंत्री के साथ उपमुख्यमंत्री और कैबिनेट के खास सदस्य पद और गोपनीयता की शपथ लेंगे।

ममता के कड़े विरोध, बड़ी जीत से सीएम की कुर्सी तक पहुंचे

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

- बंगाल में मुख्यमंत्री पद पर काबिज होने वाले भाजपा के पहले नेता होंगे
- ममता बनर्जी को मुख्यमंत्री पद पर रहते पांच साल के अंतराल में दो बार हराया

सुवेंदु अधिकारी कई वजहों से मुख्यमंत्री पद के हकदार माने जाते हैं। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस सुप्रीमो ममता बनर्जी को मुख्यमंत्री पद पर रहते पांच साल के अंतराल में दो बड़े चुनावी झटके दिए। पहला, 2021 के विधानसभा चुनाव में सुवेंदु ने अपने गृह जिले व राजनीतिक गढ़ कहलाने वाले पूर्व मेदिनीपुर के नंदीग्राम में। दूसरा, 2026 के विधानसभा चुनाव में ममता का अभेद्य गढ़ माने जाने वाले कोलकाता में उनकी घर की सीट भवानीपुर में।

सुवेंदु की जीत और बंगाल में भाजपा की ऐतिहासिक सफलता सुनिश्चित करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका ने उन्हें राज्य में पार्टी के उल्लेखनीय उभार के प्रमुख वास्तुकारों में से एक के रूप में मजबूती से स्थापित किया। विपक्ष के नेता के रूप में विधानसभा परिसर के भीतर तीखी विधायी लड़ाइयों से लेकर उग्र प्रदर्शनों तक, सुवेंदु ने ममता सरकार की नीतियों और कानूनों के खिलाफ भाजपा के अभियान में खुद को अग्रिम मोर्चे पर रखा। वह सदन में आक्रामक भाषणों और जोरदार हस्तक्षेपों के साथ अक्सर कार्यवाही के केंद्र में रहे।

कई बार विधानसभा से किया गया निलंबित :उस उथल-पुथल भरे दौर में उन्हें विपरीत परिणाम भी भुगतने पड़े। तत्कालीन तृणमूल नेतृत्व के साथ बार-बार टकराव के चलते विधानसभा में विपक्ष के नेता के रूप में सुवेंदु और कई भाजपा विधायकों को विधानसभा से कई बार निलंबित किया गया। कुछ निलंबन तत्कालीन सत्र की पूरी अवधि तक बरकरार रहे, जबकि अन्य भी अपने आपमें लगभग उतने ही कठोर थे।

कोलकाता में विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद सभा को संबोधित करते सुवेंदु। प्रेट्र

फरवरी 2025 में ऐसा ही एक उदाहरण देखने को मिला, जब सुवेंदु को 30 दिन के लिए विधानसभा की कार्यवाही में हिस्सा लेने से प्रतिबंधित कर दिया गया। सुवेंदु सदन से लेकर सड़क तक बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल के खिलाफ भाजपा के विरोध-प्रदर्शनों में सबसे आगे रहे।

आरजी कर व संदेशखाली कांड : साल 2023 के पंचायत चुनावों के दौरान उन्होंने कथित चुनावी हिंसा और धमकी के खिलाफ प्रदर्शनों का लगातार नेतृत्व किया। 2024 में वह संदेशखली में अशांति को लेकर पार्टी के आंदोलन के सबसे प्रमुख चेहरों में से एक रहे। उन्होंने सत्ताधारी प्रतिष्ठान पर स्थानीय दबंगों को संरक्षण देने और असहमति को दबाने का आरोप लगाया। आरजी कर अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला चिकित्सक की बलात्कार-हत्या की घटना को लेकर भाजपा के विरोध-प्रदर्शनों का भी नेतृत्व किया। सुवेंदु दिसंबर 2020 में तृणमूल छोड़ भाजपा में शामिल हो गए थे, वह तभी से बंगाल में पार्टी के लगभग हर बड़े आंदोलन में सबसे आगे रहे। सुवेंदु उन सभी पैमानों पर भी खरे उतरते हैं, जिन्हें गृह मंत्री शाह ने बंगाल में चुनाव प्रचार के दौरान मुख्यमंत्री पद के चेहरे में वांछित बताया था। उन्होंने कहा था कि बंगाल में भाजपा का मुख्यमंत्री पद का चेहरा वह व्यक्ति होगा, जो राज्य में जन्मा और पला-बढ़ा हो, जिसने बांग्ला माध्यम में शिक्षा हासिल की हो और जिसमें बांग्ला संस्कृति की झलक दिखती हो।

बंगाल का भरोसा न टूटे, मुख्यमंत्री के नाम के साथ शाह ने दिया सुशासन का मंत्र

श्यामप्रसाद मुखर्जी की धरती पर अब भयमुक्त और सुरक्षित सोनार बांग्ला का होगा निर्माण

कहा- बिना किसी हिंसा और 93 प्रतिशत मतदान के साथ संपन्न हुआ यह चुनाव लोकतंत्र की जीत

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

बंगाल के राजनीतिक इतिहास में एक नए युग का सूत्रपात करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने न्यू टाउन स्थित विश्व बांग्ला कंवेंशन सेंटर से राज्य के नए मुख्यमंत्री के नाम की घोषणा कर दी है। सरकार गठन के इस ऐतिहासिक अवसर पर शाह ने राज्य की जनता का आभार व्यक्त करते हुए नवनिर्वाचित विधायकों व बंगाल के नेताओं को बड़ी नसीहत दी। स्पष्ट शब्दों में कहा कि बंगाल के लोगों ने जिस अटूट विश्वास के साथ भाजपा को प्रचंड बहुमत दिया है, उसे किसी भी कीमत पर टूटने नहीं देना है।

आरजी कर पीड़िता की मां और रेखा पात्रा की जीत का जिक्र: गृह मंत्री ने पानीहाटी से आरजी कर पीड़िता की मां, संदेशखाली की रेखा पात्र और आउशग्राम से चुनाव जीतने वाली घरेलू सहायिका कलिता माझी को विशेष बधाई दी। कहा कि यह जीत शोषितों और वंचितों की आवाज है। शाह ने दोहराया कि भाजपा का लक्ष्य घुसपैठ मुक्त और सुरक्षित बंगाल बनाना है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि अपनी हार सुनिश्चित देख कांग्रेस देश की चुनावी प्रक्रिया को बदनाम करने की कोशिश कर रही है, जबकि उन्हें आत्मचिंतन की आवश्यकता है। शाह ने अंत में 'वंदे मातरम्' के रचयिता बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के परिवार की सदस्य की जीत को गौरवपूर्ण बताते हुए संकल्प लिया कि बंगाल एक बार फिर देश का सांस्कृतिक और आर्थिक केंद्र बनेगा।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शुक्रवार को कोलकाता स्थित दक्षिणेश्वर काली मंदिर में पूजा-अर्चना करते हुए। प्रेट्र

सुवेंदु की 'भवानीपुर विजय' पर विशेष सराहना

अमित शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के गढ़ भवानीपुर में सुवेंदु अधिकारी की जीत को ऐतिहासिक बताया। कहा कि नंदीग्राम में तो ममता जी ने कहा था कि वह सुवेंदु के इलाके में हार गईं, लेकिन इस बार सुवेंदु ने उन्हें उन्हीं के घर में जाकर परास्त किया है। शाह ने इसे बंगाल की राजनीति का सबसे बड़ा 'टर्निंग पाइंट' करार दिया। भावुक होते हुए शाह ने कहा कि 2014 में एक विधानसभा सीट से शुरू हुआ सफर आज 207 सीटों तक पहुंच गया है, लेकिन इसके पीछे 321 भाजपा कार्यकर्ताओं का बलिदान है। उन्होंने चुनाव आयोग की सराहना करते हुए कहा कि बिना किसी हिंसा और 93 प्रतिशत मतदान के साथ संपन्न हुआ यह चुनाव लोकतंत्र की जीत है।

विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद सुवेंदु बोले-मैं नहीं, हम के सिद्धांत पर चलेगी सरकार

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

- केंद्र और राज्य कंधे से कंधा मिलाकर करेंगे काम, जनता के मन से डर को खत्म करना उनकी प्राथमिकता
- कहा-अब बंगाल में 'डबल इंजन' की सरकार होगी, जहां केंद्र व राज्य कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे

भाजपा विधायक दल के नेता चुने गए सुवेंदु अधिकारी ने प्रदेश के विकास और सुशासन के लिए अपना विजन स्पष्ट कर दिया है। गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में नवनिर्वाचित विधायकों की बैठक में नेता चुने जाने के बाद सुवेदु ने अपने पहले संबोधन में स्पष्ट किया कि उनकी सरकार 'मैं नहीं, हम' के सिद्धांत पर चलेगी।

स्वामी विवेकानंद का मंत्र और डबल इंजन का संकल्प : सुवेंदु ने अपने संबोधन में स्वामी विवेकानंद के कालजयी मंत्र 'चरैवेति' (चलते रहो, आगे बढ़ो) का आह्वान किया। कहा कि उनका एकमात्र लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सपनों का बंगाल बनाना है। जोर देकर कहा कि अब बंगाल में 'डबल इंजन' की सरकार होगी, जहां केंद्र और राज्य कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे। सुवेंदु के अनुसार, भाजपा सरकार का उद्देश्य केवल सत्ता भोगना नहीं, बल्कि उत्तर प्रदेश और राजस्थान की तर्ज पर बंगाल में विकास की नई गाथा लिखना है।

सुवेंदु ने शाह द्वारा चुनाव पूर्व जारी की गई 'चार्जशीट' का जिक्र करते हुए कहा कि नई सरकार संस्थागत भ्रष्टाचार और महिला उत्पीड़न के विरुद्ध कठोरतम कदम उठाएगी। घोषणा की कि आरजी कर अस्पताल और संदेशखाली जैसी घटनाओं की जांच के लिए विशेष आयोग गठित किए जाएंगे। साथ ही, सरकारी धन का दुरुपयोग करने वालों के विरुद्ध सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की देखरेख में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

अगला लक्ष्य 60 प्रतिशत वोट बैंक और 'सोनार बांग्ला': चुनाव में मिले 46 प्रतिशत जनसमर्थन को ऐतिहासिक बताते हुए सुवेंदु ने कहा कि आगामी समय में सकारात्मक कार्यों और 'संकल्प पत्र' को जमीन पर उतारकर इस आंकड़े को 60 प्रतिशत के पार ले जाना उनका संकल्प है। रवींद्रनाथ टैगोर की पंक्तियों 'चित्त जेथा भयशून्य, उच्च जेथा शिर' (जहां चित्त भय से शून्य हो जहां हम गर्व से माथा ऊंचा करके चल सकें) को उद्धृत करते हुए कहा कि बंगाल की जनता के मन से डर को पूरी तरह खत्म करना उनकी प्राथमिकता है। भाषण के दौरान सुवेंदु भावुक भी हुए। उन्होंने श्यामा प्रसाद मुखर्जी और स्वामी प्रणवानंद को नमन करने के साथ-साथ उन 321 भाजपा कार्यकर्ताओं को याद किया, जिन्होंने पार्टी के लिए अपने प्राणों की आहुति दी। विश्वास दिलाया कि प्रताड़ित और झूठे मुकदमों में फंसे हजारों कार्यकर्ताओं के संघर्ष को व्यर्थ नहीं जाने दिया जाएगा।

बंगाल में भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद शुक्रवार को पूर्वी मेदिनीपुर के कोंताई में सुवेंदु अधिकारी के आवास के पास जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता। एएनआइ

हुमायूं कबीर बोले, भाजपा से गठबंधन का सवाल ही नहीं

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाताः आम जनता उन्नयन पार्टी के प्रमुख हुमायूं कबीर ने भाजपा के साथ किसी भी तरह के गठबंधन की संभावना को सिरे से खारिज कर दिया है। कबीर ने कहा कि उनकी पार्टी विपक्ष में बैठेगी और भाजपा के साथ जाने का कोई सवाल नहीं उठता। हुमायूं ने कहा कि अगर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' के अनुसार काम होता है, तो मुझे कोई दिक्कत नहीं है। कबीर ने ममता पर भी तीखा हमला बोला। कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान सपा प्रमुख अखिलेश यादव कहां थे? उन्हें उस समय ममता बनर्जी के समर्थन में आना चाहिए था। अभिषेक बनर्जी की राहुल गांधी से इतनी घनिष्ठता थी तो फिर उन्होंने ममता के खिलाफ उम्मीदवार क्यों उतारा? ममता बनर्जी भी झूठ बोलती हैं।

हुमायूं कबीर

पार्टी विरोधी बयान पर तृणमूल के पांच प्रवक्ताओं को कारण बताओ नोटिस

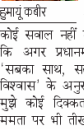

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

- प्रवक्ताओं ने सार्वजनिक रूप से शीर्ष नेतृत्व की कार्यशैली पर उठाए थे सवाल, जिससे संगठन के भीतर असंतोष सामने आया

तृणमूल कांग्रेस ने बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद पार्टी नेतृत्व के खिलाफ कथित तौर पर बयान देने के आरोप में अपने पांच प्रवक्ताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। पार्टी सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। नोटिस पाने वालों में रिजु दत्ता, कृष्णेंदु नारायण चौधरी, कोहिनूर मजूमदार, पापिया घोष और कार्तिक घोष शामिल हैं। पार्टी की अनुशासन समिति ने उनसे पूछा है कि पार्टी अनुशासन का उल्लंघन करने पर उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों न की जाए।

हाल में हुए विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को 80 सीटें मिली थीं, जबकि भाजपा ने 207 सीटों के साथ भारी जीत दर्ज की। हार के बाद पार्टी के कई नेताओं, पूर्व विधायकों और प्रवक्ताओं ने सार्वजनिक रूप से शीर्ष नेतृत्व की कार्यशैली पर सवाल उठाए थे, जिससे संगठन के भीतर असंतोष सामने आया। कोहिनूर मजूमदार ने मीडिया से कहा था कि पार्टी नेताओं को अभिषेक बनर्जी से मिलने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता था। वहीं, मालदा के वरिष्ठ नेता कृष्णेंदु नारायण चौधरी ने भी अभिषेक की कार्यशैली की आलोचना की थी। रिजु दत्ता ने इंटरनेट मीडिया पोस्ट में चुनाव बाद हिंसा रोकने को लेकर भाजपा सरकार के कदमों की सराहना की थी। पापिया घोष और कार्तिक घोष ने भी पार्टी नेतृत्व के खिलाफ बयान दिए थे। पापिया, वरिष्ठ तृणमूल नेता रवींद्रनाथ घोष की बेटी हैं। रवींद्रनाथ ने भी सार्वजनिक रूप से अभिषेक बनर्जी की आलोचना की थी, हालांकि अब तक उन्हें कोई नोटिस जारी नहीं किया गया है। पार्टी ने नोटिस में कहा है कि तय समय के भीतर जवाब नहीं मिलने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। वहीं डेरेक ओ ब्रायन और चंद्रिमा भट्टाचार्य ने इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से इन्कार कर दिया।

डेढ़ माह पहले रची गई साजिश, बिहार के शूटरों पर शक

सुवेंदु के निजी सचिव की हत्या

8 लोगों का वारदात में शामिल होने का लगाया जा रहा कयास

50 सेकेंड में 10 गोलियां मारी गई थीं चंद्रनाथ रथ को

50 घंटे से अधिक बीत वाद जाने के भी पुलिस खाली हाथ

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

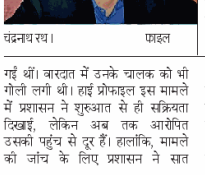

- सूत्रों के अनुसार 40 लाख रुपये में दी गई भाजपा नेता की हत्या की सुपारी
- बंगाल सहित अन्य राज्यों में खंगाला जा रहा जेल में बंद शूटरों का रिकार्ड
- राज्य के सीमावर्ती जिलों के थानों ने तेज किया गया तलाशी अभियान

बंगाल में भाजपा विधायक दल के नेता चुने गए सुवेंदु अधिकारी के निजी सचिव चंद्रनाथ रथ की बुधवार रात हत्या की वारदात में पड़ोसी राज्यों के पेशेवर शूटर की संलिप्तता का संदेह जताया जा रहा है। सूत्र बताते हैं कि बिहार के दो शूटरों ने वारदात को अंजाम दिया है। इसके लिए करीब डेढ़ माह पहले साजिश रची गई थी। सूत्र तो यहां तक बता रहे हैं कि इसके लिए करीब 40 लाख रुपये की सुपारी दी गई थी। ऐसे में पुलिस प्रशासन ने सीमावर्ती जिलों के पुलिस थानों ने निगरानी और तलाशी अभियान तेज कर दिया है। बंगाल समेत दूसरे राज्यों की जेलों में बंद पेशेवर शूटरों और सुपारी किलर का रिकार्ड भी खंगाला जा रहा है।

मालूम हो कि बुधवार रात 10:30 बजे मध्यमग्राम के दोहारिया में दो बाइक व एक कार से आए बदमाशों ने चंद्रनाथ की कार को रोककर बिल्कुल करीब से उनको गोली मार कर हत्या कर दी थी। करीब 50 सेंकेंड में 10 गोलियां चलाई गईं थीं। वारदात में उनके चालक को भी गोली लगी थी। हाई प्रोफाइल इस मामले में प्रशासन ने शुरुआत से ही सक्रियता दिखाई, लेकिन अब तक आरोपित उसकी पहुंच से दूर हैं। हालांकि, मामले की जांच के लिए प्रशासन ने सात सदस्यीय एसआइटी का गठन किया है। वारदात 50 घंटे से अधिक समय बीत बाद जाने के भी पुलिस किसी को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। इतना ही नहीं, हत्या के मकसद का भी पता नहीं कर सकी। अलबत्ता, पुलिस उन स्थानीय अपराधियों की भूमिका की भी जांच कर रही है, जिन्होंने हमलावरों को संभवतः साजो-सामान और अन्य सहायता उपलब्ध कराई। पुलिस सूत्रों के अनुसार, हत्या की वारदात के लिए बिहार से दो शार्प शूटर बुलाए गए थे।

चंद्रनाथ रथ। फाइल

वारदात के लिए अपराधियों ने बनाया था वाट्सएप ग्रुप

पुलिस का अनुमान है कि हत्याकांड में सात से आठ लोग शामिल थे। इन्होंने सूचनाओं के आदान-प्रदान के लिए एक वाट्सएप ग्रुप बनाया था। पुलिस ने हत्याकांड में इस्तेमाल की गई दूसरी बाइक को भी उत्तर 24 परगना के बारासात से बरामद कर लिया है। इसके अलावा सीसीटीवी फुटेज की जांच से एक लाल रंग की कार के बारे में पता चला है। माना जा रहा है कि हत्याकांड को अंजाम देने के बाद अपराधी इसी कार के जरिये फरार हो गए। एक बाइक को पुलिस पहले ही बरामद कर चुकी है।

साक्ष्य जुटाने लखनऊ पहुंची एसआइटी

इस हत्याकांड की जांच के सिलसिले में एसआइटी के सदस्य लखनऊ गए हैं। दरअसल, चंद्रनाथ की गाड़ी को रोकने के लिए जिस कार का इस्तेमाल किया गया था, उस पर लगाई गई नंबर प्लेट से संबंधित कार सिलीगुड़ी निवासी जेम्स विलियम्स के नाम पर दर्ज है। उसने अपनी कार को बेचने के लिए विज्ञापन दिया था। उसकी कार को खरीदने के लिए उत्तर प्रदेश के कुछ लोगों ने संपर्क किया था।

झालमुड़ी खाते हुए 'जय श्रीराम' के साथ रील बनाना पड़ा भारी

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता

- विश्वभारती विश्वविद्यालय का मामला, वीडियो में छात्र ने कहा- झालमुड़ी को खाकर सरकार बदली है, मांगी माफी

बंगाल में सत्ता परिवर्तन के माहौल के बीच विश्वभारती विश्वविद्यालय के एक शोध छात्र द्वारा 'जय श्रीराम' का नारा लगाते हुए इंटरनेट मीडिया पर रील पोस्ट करने को लेकर विवाद खड़ा हो गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्र को लिखित माफी और मुचलका देने का निर्देश दिया। छात्र ने निर्देश मानते हुए माफी मांग ली है और कथित विवादित रील भी इंटरनेट मीडिया से हटा दी गई है। इस मामले पर विश्वभारती के कार्यवाहक जनसंपर्क अधिकारी ने कहा कि यह पूरी तरह विभागीय स्तर का आंतरिक मामला है।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने स्पष्ट संदेश दिया है कि एक शैक्षणिक संस्थान के रूप में विश्वभारती किसी भी राजनीतिक बयानबाजी का समर्थन नहीं करता। जानकारी के अनुसार, अर्थशास्त्र विभाग के एक शोध छात्र ने फेसबुक पर एक वीडियो पोस्ट किया था। वीडियो में वह विश्वविद्यालय परिसर में हाथ में झालमुड़ी लेकर 'जय श्रीराम' के नारे लगाते दिखाई दे रहा था। वीडियो में छात्र यह भी कहते सुनाई दे रहा था कि यह हमारे बंगाल की प्रसिद्ध झालमुड़ी है। इसी को खाकर सरकार बदली है। अब हम भी विश्वभारती में बदलाव का ट्रेंड शुरू कर रहे हैं।

वीडियो प्रसारित होने के बाद विश्वविद्यालय परिसर में विवाद शुरू हो गया। इसके बाद संबंधित छात्र को लिखित रूप से माफी मांगने और मुचलका देने को कहा गया। विभाग को दिए गए मुचलके में छात्र ने अपनी पोस्ट पर खेद जताया और भविष्य में विभाग या विश्वविद्यालय को लेकर कोई विवादित पोस्ट नहीं करने का आश्वासन दिया। घटना को लेकर विश्वविद्यालय के भीतर अलग-अलग राय भी सामने आई है। अधिकारियों के एक वर्ग का कहना है कि पहले भी छात्र, शिक्षक और अधिकारी राजनीतिक गतिविधियों से जुड़े रहे हैं।

सीईओ मनोज अग्रवाल बनाए जा सकते हैं बंगाल के अगले मुख्य सचिव

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता: बंगाल के मुख्य चुनाव अधिकारी (सीईओ) मनोज कुमार अग्रवाल को राज्य का अगला मुख्य सचिव नियुक्त किया जा सकता है। प्रशासनिक सूत्रों से यह जानकारी मिली है। अग्रवाल वेस्ट बंगाल कैडर के 1990 बैच के आइएएस अधिकारी हैं। बंगाल में स्वतंत्र व शांतिपूर्ण तरीके से गत विधानसभा चुनाव कराने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। इससे पहले वे कार्मिक व प्रशासनिक सुधार विभाग के प्रधान सचिव, वन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव के साथ आपदा प्रबंधन व नागरिक सुरक्षा विभाग का अतिरिक्त प्रभार और वेस्ट बंगाल हाइवे कार्पोरेशन के अध्यक्ष का दायित्व बखूबी संभाल चुके हैं। अग्रवाल 2001 में अविभक्त बर्द्धमान के जिलाधिकारी भी रहे हैं। वह वर्तमान में राज्य के आइएएस एसोसिएशन के अध्यक्ष भी हैं। आइआइटी खड़गपुर के पूर्व छात्र अग्रवाल के लंबे प्रशासनिक अनुभव व दक्षता को देखते हुए मुख्य सचिव के पद के लिए उनके नाम पर विचार किया जा रहा है।

भाजपा ने संजय राउत को बताया भारतीय राजनीति का जोकर

राज्य ब्यूरो, जागरण ● मुंबई

- कहा- भारतीय लोकतंत्र की वैश्विक स्तर पर हो रही प्रशंसा है, विपक्षी नेता कर रहे झूठे दावे

बंगाल विधानसभा चुनाव परिणामों को लेकर शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत द्वारा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को संबोधित इंटरनेट मीडिया पोस्ट के बाद भाजपा ने शुक्रवार को संजय राउत को भारतीय राजनीति का जोकर करार दिया और विपक्ष पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत की छवि खराब करने का आरोप लगाया। संजय ने बंगाल चुनाव में भाजपा की जीत पर अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा पीएम मोदी को दी गई बधाई को अनुचित एवं समय से पहले दी गई बधाई करार दिया है।

राउत पर पलटवार करते हुए भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि राउत और कांग्रेस नेता राहुल गांधी, नरेन्द्र मोदी के विरोध में इस तरह के बयान देते हैं। पूनावाला ने कहा, संजय राउत भारतीय राजनीति के जोकर हैं। उन्होंने और राहुल ने घरेलू राजनीतिक छोटी लड़ाइयों के लिए भारत की छवि खराब करने की 'सुपारी' ले रखी है। ये मोदी विरोध करते-करते देश विरोध करने लगे हैं। भारत के लोकतंत्र की वैश्विक स्तर पर प्रशंसा हो रही है, वहीं विपक्षी नेता चुनावी प्रक्रियाओं को लेकर झूठे दावे कर रहे हैं।

इससे पहले एक्स पर ट्रंप को टैग करते हुए संजय ने लिखा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप महोदय, भारत के सांसद के रूप में, मैं बंगाल विधानसभा चुनाव परिणामों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को आपकी बधाई से संबंधित खबरों के जवाब में लिख रहा हूं। ये राज्य स्तरीय चुनाव हैं। किसी भी बाहरी समर्थन को जल्दबाजी और अनुचित माना जा सकता है। पोस्ट में राउत ने दावा किया कि चुनावों के संचालन को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं और आरोप लगाया कि "भय, धमकी और दबाव" की शिकायतें मिली हैं। धारणा है कि चुनाव आयोग ने निष्पक्षता से काम नहीं किया। प्रतीत होता है कि उसका कामकाज भाजपा के पक्ष में था। लोकतंत्र का मतलब यह सुनिश्चित करना है कि चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष और विश्वसनीय हों। उन्होंने ट्रंप से सवाल किया है कि क्या आपके बयान से पहले इन चिंताओं पर विचार किया गया था। राउत ने ट्रंप को सलाह देते हुए लिखा, मैं आपसे अधिक जानकारीपूर्ण और संतुलित दृष्टिकोण अपनाने का आग्रह करता हूं।

शहजाद पूनावाला। फाइल

कार्यकाल खत्म, फिर भी इंटरनेट मीडिया पर खुद को 'मुख्यमंत्री' बता रहीं ममता

राज्य ब्यूरो, जागरण ● कोलकाता: बंगाल में तृणमूल कांग्रेस की हार और विधानसभा भंग होने के बाद भी ममता बनर्जी ने अपने इंटरनेट मीडिया प्रोफाइल से 'मुख्यमंत्री' की पहचान नहीं हटाई हैं। फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स पर अब भी वह खुद को बंगाल की मुख्यमंत्री बता रही हैं। बंगाल में पूर्ववर्ती सरकार का कार्यकाल गत गुरुवार को समाप्त हो गया है। सात मई की रात में राज्यपाल आरएन रवि ने बंगाल की 17वीं विधानसभा भंग करने की अधिसूचना जारी कर दी यानी अब विधानसभा अस्तित्व में नहीं है। इसके बावजूद तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने अब तक अपने इंटरनेट मीडिया प्रोफाइल में कोई बदलाव नहीं किया है। फेसबुक, इंस्टाग्राम और एक्स पर उनके परिचय में अभी भी उन्हें बंगाल की मुख्यमंत्री बताया जा रहा है। ममता के अपने इंटरनेट मीडिया एकाउंट में अपनी तस्वीर के नीचे दो परिचय दिए गए हैं। पहला, तृणमूल कांग्रेस की संस्थापक व चेयरपर्सन और दूसरा, बंगाल की मुख्यमंत्री के तौर पर।

केंद्र से सहयोग की दिशा में बढ़ना चाहेगी तमिलनाडु की नई सरकार

सरकार गठन के सिलसिले में टीवीके को एक-एक सीट के लिए करनी पड़ी मशक्कत

माना जा रहा है कि सरकार बहुत दबाव में होगी और स्थिरता पर संकट के बादल होंगे

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

टीवीके प्रमुख विजय ने शुक्रवार को चेन्नई में माकपा कार्यालय में पार्टी के नेता बालकृष्ण और शनमुगम से मुलाकात की। एएनआइ

तमिलनाडु में आखिरकार सरकार गठन को लेकर चल रही अनिश्चितता लगभग खत्म हो गई है। सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी टीवीके कांग्रेस और वाम दलों के साथ मिलकर जरूरी संख्या बल के करीब पहुंच गई है। लेकिन, एक-एक सीट के लिए जो मशक्कत उसे करनी पड़ी, उससे यह भी अटकलें तेज हो गई हैं कि सरकार बहुत दबाव में होगी और स्थिरता पर हमेशा संकट के बादल होंगे। संभव है कि उससे बचने के लिए भविष्य में राज्य में बड़ा जोड़तोड़ हो। हालांकि, यह भी माना जा रहा है कि द्रमुक की पिछली सरकार से अलग नई सरकार केंद्र से सहयोग की दिशा में बढ़ेगी और संभवतः हिंदी को लेकर दुराग्रह भी कम हो।

विधानसभा चुनाव में 108 सीटें जीतने वाले विजय सरकार बनाने का दावा करने के लिए दो बार राज्यपाल से मिल चुके हैं। लेकिन, दोनों बार उन्हें लोकभवन से खाली हाथ लौटना पड़ा। पहले पांच विधायकों वाली कांग्रेस ने टीवीके को समर्थन का एलान किया। लेकिन, इसके बाद भी पांच विधायक कम हो रहे थे। शुक्रवार की शाम टीवीके वाम दलों के चार सदस्यों का समर्थन जुटाने में भी कामयाब रही। लेकिन, फिर भी एक विधायक कम पड़ रहा था। माना जा रहा है कि वह अंक पूरा हो जाएगा। पर इस पूरी कवायद में दो दल बुरी तरह बेनकाब हुए हैं। एक कांग्रेस, जिसने पहला मौका मिलते ही पुराने साथी द्रमुक को छोड़ दिया और दूसरा अन्नाद्रमुक, जिसने धुर विरोधी द्रमुक का समर्थन लेकर सरकार बनाने की असफल कोशिश की। ध्यान रहे कि अन्नाद्रमुक राज्य में राजग का नेतृत्व कर रहा है। अंक तालिका में भी वह तीसरे नंबर की पार्टी थी। लेकिन, उसकी बेचैनी इसलिए ज्यादा है, क्योंकि उसे डर है कि विपक्ष में रहते हुए कहीं पार्टी और ज्यादा न बिखर जाए। धीरे-धीरे राज्य में भाजपा भी पदचाप बढ़ाएगी। वहीं सरकार बनाने की दशा में टीवीके संख्याबल में मजबूती की भी कोशिश करेगी। इन दोनों स्थितियों में नुकसान अन्नाद्रमुक को ही होगा।

सूत्रों के अनुसार केंद्र के नेताओं को उम्मीद है कि विजय द्रमुक की तरह असहयोग और हिंदी विरोध की राजनीति से बाज आएंगे। टीवीके की एक युवा विधायक ने कहा भी है कि वह हिंदी में ही बोलेंगी। खुद विजय की ओर से ऐसा कोई संकेत नहीं दिया गया है, लेकिन बहुत ही नाजुक बहुमत पर चल रही सरकार के लिए केंद्र से सहयोग कर चलना ही अच्छा रहेगा।

केरलम में मुख्यमंत्री चयन को लेकर कांग्रेस पर्यवेक्षकों ने खरगे को सौंपी रिपोर्ट

- विधायकों की राय से कांग्रेस अध्यक्ष को कराया अवगत
- पार्टी हाई कमान ने चर्चा के लिए प्रांतीय नेतृत्व को किया तलब

नई दिल्ली, प्रेट्र : केरलम में नवनिर्वाचित विधायकों की राय जानने के लिए नियुक्त किए गए कांग्रेस के दोनों पर्यवेक्षकों ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को शुक्रवार को अपनी रिपोर्ट सौंप दी और पार्टी हाई कमान से मुख्यमंत्री चयन पर अंतिम निर्णय लेने का आग्रह किया, वहीं कांग्रेस नेतृत्व ने मुख्यमंत्री पद के चयन और सरकार गठन पर चर्चा के लिए राज्य नेतृत्व को तलब किया है।

केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वीडी सतीशन, पार्टी के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्निथला और केरल कांग्रेस के अध्यक्ष सनी जोसेफ पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व से बातचीत करने के लिए दिल्ली पहुंच रहे हैं। सूत्रों के अनुसार मुख्यमंत्री चुनने से पहले शीर्ष नेतृत्व मुख्यमंत्री पद के तीनों दावेदारों - एआइसीसी महासचिव (संगठन) केसी वेणुगोपाल, सतीशन और चेन्निथला - के साथ चर्चा कर सकता है। एएनआइ के अनुसार विधायक के. मुरलीधरन ने बताया कि रविवार तक मुख्यमंत्री पद को लेकर फैसला हो सकता है।

एआइसीसी पर्यवेक्षक मुकुल वासनिक और अजय माकन ने कांग्रेस के सभी विधायकों से बात करने के बाद पार्टी नेतृत्व को अपनी रिपोर्ट सौंपी है। दोनों पर्यवेक्षक बुधवार को केरलम गए थे और गुरुवार को सभी कांग्रेस विधायकों और सांसदों से मिलने के बाद राष्ट्रीय राजधानी लौट आए। केरलम के कांग्रेस विधानमंडल दल ने प्रस्ताव पारित कर कांग्रेस अध्यक्ष को मुख्यमंत्री चुनने का अधिकार दिया है।

राज्य में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाले यूडीएफ ने 140 सीटों में से 102 सीटें हासिल कीं। इनमें से 63 सीटें कांग्रेस ने जीती हैं। माकन और वासनिक ने खरगे को पार्टी के नए विधायकों की राय से अवगत कराया। पर्यवेक्षकों ने विधायकों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात भी की थी और उनके विचार सुने थे।

तिरुअनंतपुरम में शुक्रवार को कांग्रेस नेता वीडी सतीशन के समर्थकों ने प्रदर्शन किया। प्रेट्र

सड़कों पर पहुंची मुख्यमंत्री पद की दौड़

केरलम में मुख्यमंत्री पद की दौड़ सड़कों पर पहुंच गई है। वेणुगोपाल और सतीशन दोनों के समर्थकों ने अपने नेताओं के पोस्टर और बैनर लेकर राष्ट्रीय राजधानी के साथ तिरुअनंतपुरम में प्रदर्शन किया है। दिल्ली के कुछ छात्र भी सतीशन के दिल्ली पहुंचने पर उनका स्वागत करने के लिए सड़कों पर उतरेंगे।

केवल कांग्रेस ही भाजपा को हरा सकती है : राहुल गांधी

नई दिल्ली, एएनआइ : लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने शुक्रवार को जोर देकर कहा कि भविष्य में भाजपा को सिर्फ कांग्रेस ही हराएगी। एक्स पोस्ट में राहुल ने कहा, "यह बात लिख लीजिए, कोई दूसरी पार्टी भाजपा को नहीं हरा सकती। भाजपा और नरेन्द्र मोदी को सिर्फ कांग्रेस पार्टी ही हरा सकती है और हम उन्हें हराएंगे।"

पोस्ट के साथ अटैच एक वीडियो में राहुल ने इस बात पर जोर दिया कि भारत में विचारधाराओं की लड़ाई चल रही है। उन्होंने बताया कि कांग्रेस प्यार और एकता की बात करती है, जबकि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ नफरत और बंटवारे की बात करता है। वीडियो में उन्होंने कहा, "यह विचारधाराओं की लड़ाई है।

राहुल ने कहा कि इस देश में सिर्फ दो राजनीतिक विचारधाराएं आपस में लड़ रही हैं। आप देखेंगे कि कोई दूसरी पार्टी इनका मुकाबला नहीं कर पाएगी। आखिर में, कांग्रेस ही इन्हें हराएगी।"

उप राज्यपाल से मिले रंगासामी, पुडुचेरी में सरकार बनाने का दावा पेश

शुक्रवार को एन रंगासामी ने उपराज्यपाल कुनीयिल कैलाशनाथन (मेज पर फाइल देखते) से मुलाकात की और उनके समक्ष सरकार बनाने का दावा पेश किया। एएनआइ

पुडुचेरी, एएनआइ : आल इंडिया एनआर कांग्रेस के संस्थापक एन रंगासामी ने शुक्रवार शाम पुडुचेरी के उपराज्यपाल कुनीयिल कैलाशनाथन से मुलाकात की और हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में जीत के बाद इस केंद्र शासित प्रदेश में सरकार बनाने का दावा पेश किया।

पुडुचेरी के सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहनेवाले रंगासामी ने विधानसभा सदस्यों का समर्थन पत्र प्रस्तुत किया, जिसमें सरकार बनाने का अधिकार मांगा गया है। यह पत्र राष्ट्रपति की स्वीकृति के लिए भेजा गया है। यह बैठक उस समय हुई जब रंगासामी को उसी दिन पुडुचेरी में राजग के विधायी दल का नेता फिर से चुना गया। अनुभवी नेता एन. रंगासामी मई, 2021 से इस केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने पहले भी कई बार मुख्यमंत्री का पद संभाला है, पहली बार 2001 से 2008 तक और फिर 2011 से 2016 तक। 2011 में उन्होंने कांग्रेस से अलग होकर एआइएनआरसी की स्थापना की।

कांग्रेस का विजय को समर्थन देना राजनीतिक अवसरवाद : मणिशंकर

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मणिशंकर अय्यर ने तमिलनाडु में तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के साथ गठबंधन करने के अपनी पार्टी के फैसले को गलत करार दिया और कहा कि यह राजनीतिक अवसरवाद है। उन्होंने यह भी कहा कि यह महात्मा गांधी के 1925 के उस कथन का अक्षम्य उल्लंघन है कि स्वराज का अर्थ नैतिकता पर आधारित शासन होना चाहिए।

पूर्व केंद्रीय मंत्री अय्यर ने कहा कि द्रमुक के साथ चुनाव लड़ने के तुरंत बाद कांग्रेस का पाला बदलकर उसी टीवीके के साथ संबंध स्थापित करने का निर्णय बहुत खराब है, जिसने 23 विधानसभा क्षेत्रों में कांग्रेस को हराया।

अय्यर ने कहा, हमने विजय के साथ जुड़कर अनैतिकता तो की ही है, साथ ही राजनीतिक मूर्खता भी की है। क्या यह अच्छी राजनीति है? इस तरह की व्यावहारिक राजनीति किस मानदंड को पूरा करती है? मुझे नहीं लगता कि हम इस तरह की राजनीति के साथ आगे बढ़ सकते हैं।

टीवीके ने खटखटाया सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा

प्रथम पृष्ठ से आगे

सरकार बनाने के सिलसिले में शुक्रवार को टीवीके ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा भी खटखटाया। याचिका में शीर्ष अदालत से राज्यपाल अर्लेकर को सबसे बड़ी पार्टी को सरकार बनाने के लिए आमंत्रित करने का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में राज्यपाल के प्रधान सचिव, राज्य सरकार और केंद्र को पक्षकार बनाया गया है।

234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा में टीवीके 108 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। इसके बाद विजय बहुमत जुटाने की कोशिशों में लगे रहे। पांच विधायकों वाली कांग्रेस ने विजय को समर्थन देने का पहले ही एलान कर दिया है। सरकार बनाने के लिए राज्य में 118 विधायकों के समर्थन की आवश्यकता होती है। विजय चूंकि दो सीटों से जीते हैं और एक सीट से उन्हें त्यागपत्र देना होगा, ऐसे में बहुमत के लिए जरूरी विधायकों की संख्या भी घटकर 117 रह जाएगी। वीसीके ने टीवीके को समर्थन देने के संबंध में तुरंत कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की, लेकिन पार्टी प्रमुख तिरुमावलवन ने कई बार यह दोहराया है कि उनकी पार्टी का रुख वामपंथी दलों के अनुरूप होगा।

विधानसभा की दलीय स्थिति

टीवीके	108
द्रमुक	59
अन्नाद्रमुक	47
कांग्रेस	5
पीएमके	4
आइयूएमएल	2
भाकपा	2
वीसीके	2
माकपा	2
भाजपा	1
डीएमडीके	1
एएमएमके	1

अनादुरई बोले- कांग्रेस ने तमिलनाडु की जनता और जनादेश को धोखा दिया

प्रथम पृष्ठ से आगे

द्रमुक प्रवक्ता सरवनन अनादुरई ने कहा कि कांग्रेस ने तमिलनाडु की जनता और उसके जनादेश को धोखा दिया है। द्रमुक के वरिष्ठ नेता टीआर बालू ने कहा, कांग्रेस द्वारा जारी टीवीके को समर्थन देने वाला पत्र उसके उस "असली स्वरूप" को उजागर करता है, जिसे वह कुछ समय से छिपा रही थी। इसके अगले दिन गुरुवार को द्रविड़ विधायकों की बैठक में प्रस्ताव पारित कर कांग्रेस द्वारा टीवीके को समर्थन देने की कड़ी निंदा की गई। इस बैठक में द्रमुक ने औपचारिक रूप से कांग्रेस से नाता तोड़ लिया और पूर्व सहयोगी पर एक बार फिर पीठ में छुरा घोंपने और विश्वासघात करने का आरोप लगाया।

आपसी तल्खी अब दिल्ली तक आ पहुंची है। शुक्रवार को द्रमुक महासचिव कनीमोरी ने लोकसभा अध्यक्ष को पत्र लिखा। उसमें कहा कि बदली राजनीतिक परिस्थितियों और कांग्रेस के साथ हमारा गठबंधन समाप्त होने के बाद द्रमुक सांसदों का कांग्रेस सांसदों के साथ बैठना सही नहीं है।

राष्ट्रीय फलक

जम्मू में मंत्री को रास नहीं आ रहा नशा तस्करों के घरों पर बुलडोजर एक्शन

राज्य ब्यूरो, जागरण, श्रीनगर

- सकीना इट्टू का आरोप, नशा मुक्त अभियान की आड़ में कश्मीर में तोड़े जा रहे मकान

जम्मू-कश्मीर की युवा पीढ़ी को बरबाद कर रहे नशा तस्करों और उनके सहयोगियों की संपत्ति पर बुलडोजर एक्शन प्रदेश की समाज कल्याण एवं शिक्षा मंत्री सकीना इट्टू को रास नहीं आ रहा है। मंत्री ने शुक्रवार को इसे कश्मीर बनाम जम्मू मुद्दा बनाते हुए कहा कि नशा मुक्त अभियान पूरे प्रदेश में चल रहा है। जम्मू संभाग में कश्मीर की अपेक्षा ज्यादा नशा पीड़ित हैं, लेकिन ऐसा लगता है कि जम्मू के मुकाबले कश्मीर में ही ज्यादा कार्रवाई हो रही है। कश्मीर में ही ज्यादा संपत्तियां कुर्क हो रही हैं, गिराई जा रही हैं। नशा मुक्त अभियान की आड़ में प्रशासन कश्मीर में लोगों के मकान तोड़ रहा है, उनकी संपत्ति कुर्क कर रहा है, जम्मू में ऐसा क्यों नहीं हो रहा है? नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई में ऐसा पक्षपात क्यों है? वहीं, भाजपा ने इसका जवाब देते हुए कहा कि सकीना को पता होना चाहिए कि नशा विरोधी अभियान की शुरुआत जम्मू से ही हुई थी।

अभियान के तहत पूरे प्रदेश में पुलिस व अन्य एजेंसियां नशीले पदार्थों के तस्करों की धरपकड़ में जुटी हैं। नशे की काली कमाई से बनाई गई तस्करों की संपत्तियों को कुर्क और जमींदोज किया जा रहा है। श्रीनगर में पत्रकारों से बातचीत में सकीना ने कहा कि जिस तरह बुलडोजर से आरोपितों के मकान और घर गिराए जा रहे हैं, वह सही नहीं है। यह तोड़फोड़ बंद होनी चाहिए। सकीना ने नशा तस्करी के लिए पुलिस व अन्य सुरक्षा एजेंसियों की भूमिका पर भी सवाल उठाया।

लखीमपुर खीरी हिंसा केस में गवाह पेश नहीं किए जाने से सुप्रीम कोर्ट निराश

- ट्रायल कोर्ट के जज को गवाहों की उपस्थिति सुनिश्चित करने को कहा

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा के बेटे आशीष मिश्रा और अन्य के खिलाफ 2021 के लखीमपुर खीरी हिंसा मामले में चल रहे ट्रायल के दौरान गवाहों को पेश नहीं किए जाने पर शुक्रवार को निराशा व्यक्त की।

पीठ ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से जो स्टेटस रिपोर्ट सौंपी गई है, उसमें गवाहों को पेश नहीं करने का कोई कारण नहीं बताया गया है। पीठ ने यह भी कहा कि पिछले करीब दो महीने में इस मामले में किसी भी गवाह से पूछताछ नहीं की गई है। पीठ ने कहा, "हम पीठासीन जज को गवाहों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए कानून के तहत कदम उठाने का निर्देश देते हैं।" पीठ ने ट्रायल कोर्ट के जज से मुकदमे को समयबद्ध तरीके से समाप्त करने का प्रयास करने और अदालत के समक्ष स्टेटस रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है। सर्वोच्च न्यायालय लखीमपुर खीरी हिंसा मामले से संबंधित एक याचिका पर सुनवाई कर रहा था। घटना से जुड़े दो मामले की सुनवाई उत्तर प्रदेश की एक अदालत में चल रही है। पीठ ने इस बात पर गौर किया कि पहले मामले में 131 गवाहों में से 44 से पूछताछ हो चुकी, 15 को बरी कर दिया गया है और 72 को पेश किया जाना है। जबकि दूसरे मामले में 35 गवाहों में से 26 से पूछताछ हो चुकी है और नौ से बाकी है। आशीष मिश्रा की ओर से पेश हुए वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ दवे ने कहा कि उत्तर प्रदेश द्वारा प्रस्तुत की गई नई स्टेटस रिपोर्ट के अनुसार, पहले मामले में अब तक 44 गवाहों से पूछताछ हो चुकी है। पिछले दो महीने में किसी गवाह से पूछताछ नहीं हुई। पीठ ने उत्तर प्रदेश की ओर से पेश हुए वकील ने पूछा, "आपने मार्च से आज तक क्या किया।" मामले की अगली सुनवाई जुलाई में होगी। बता दें कि लखीमपुर खीरी जिले के तिकुनिया में तीन अक्टूबर, 2021 को उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के दौरे के विरोध में किसानों द्वारा किए गए प्रदर्शन के दौरान चार किसानों समेत आठ लोग मारे गए थे।

बरात लेकर जा रही बस हुई थी खराब, 50 हजार जुर्माना लगाया

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

- 6 % ब्याज के साथ 14 हजार किराया भी लौटाने का निर्देश

बरात लेकर जा रही बस रास्ते में खराब होने को जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने ट्रांसपोर्ट सेवा प्रदाता कंपनी की लापरवाही मानते हुए फटकार लगाई है। आयोग ने कहा कि विवाह जैसे अवसर पर सामाजिक रूप से समय बेहद महत्वपूर्ण होता है। ऐसी लापरवाही परिवार और मेहमानों के लिए मानसिक पीड़ा और शर्मिंदगी का कारण बनती है। आयोग की अध्यक्ष दिव्या ज्योति जयपुरियार और सदस्य रश्मि बंसल की पीठ ने ट्रांसपोर्ट सेवा प्रदाता को सेवा में कमी का दोषी मानते हुए 14 हजार रुपये किराया छह प्रतिशत वार्षिक ब्याज सहित लौटाने और मानसिक पीड़ा, उत्पीड़न व असुविधा के लिए 50 हजार जुर्माना देने का निर्देश दिया।

शिकायतकर्ता ने बरात के लिए 25 अक्टूबर, 2022 को दिल्ली से बुलंदशहर के लिए बस बुक कराई थी। बरात आठ दिसंबर 2022 को जानी थी। इसके लिए कुल 18,500 रुपये किराया तय हुआ, जिसमें शिकायतकर्ता ने दो हजार रुपये अग्रिम और यात्रा से एक दिन पहले 12 हजार रुपये का भुगतान कर दिया। बस को दोपहर ढाई बजे पहुंचना था, लेकिन वह करीब दो घंटे की देरी से पहुंची। आरोप है कि बस ने जेवर के रास्ते लंबा रूट लिया और आधी रात के वक्त रास्ते में खराब हो गई। उस समय बरात गंतव्य से करीब 58 किलोमीटर दूर थी। स्थिति ऐसी हो गई कि शिकायतकर्ता को आपात स्थिति में दूसरी गाड़ी की व्यवस्था करनी पड़ी। इससे बरात रात करीब तीन बजे विवाह स्थल पहुंच सकी, जबकि रस्मों का तय समय काफी पहले निकल चुका था।

भाजपा में शामिल सांसद को राहत, बिना कोर्ट की अनुमति कार्रवाई नहीं करेगी पंजाब सरकार

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़

- एफआइआर पर कहा-यह कल्पना से परे कि वकील को ही जानकारी नहीं

पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट में शुक्रवार को आप छोड़कर भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सदस्य संदीप पाठक के खिलाफ दर्ज कथित एफआइआर के मामले में सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस शील नागू की अगुआई वाली खंडपीठ ने राज्य सरकार के वकील से बार-बार पूछा कि आखिर क्या पाठक के खिलाफ वास्तव में कोई एफआइआर दर्ज हुई है या नहीं। अदालत ने टिप्पणी की कि यह कुछ हद तक अकल्पनीय है कि मामला कोर्ट में लंबित होने के बावजूद राज्य सरकार के वकील स्पष्ट रूप से यह न बता सके कि कोई केस दर्ज है या नहीं। अंतरिम राहत के मुद्दे पर प्रारंभिक विरोध के बाद पंजाब सरकार ने हाई कोर्ट को आश्वस्त किया कि सोमवार तक बिना अदालत की पूर्व अनुमति के संदीप पाठक के खिलाफ कोई भी दमनात्मक या सख्त कार्रवाई नहीं की जाएगी।

संदीप पाठक। फाइल

पंजाब सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता ने कहा कि याचिका केवल मीडिया रिपोर्ट्स पर आधारित है और फिलहाल यह बताने के लिए राज्य को सभी जिलों से जानकारी एकत्र करनी होगी कि कहीं कोई मामला दर्ज है या नहीं।

ट्राइडेंट को समय दिए बिना सख्त कार्रवाई नहीं करेगा पीपीसीबी

पंजाब की प्रमुख औद्योगिक इकाई ट्राइडेंट लिमिटेड को पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट से शुक्रवार को अंतरिम राहत मिली है। अदालत ने स्पष्ट किया कि मौजूदा चरण पर पीपीसीबी यह दिखाने में विफल रहा है कि कंपनी की इकाई से जहरीले अपशिष्टों द्वारा जल, भूमि या पर्यावरण को ऐसा कोई आपातकालीन नुकसान पहुंच रहा है, जिसके आधार पर तत्काल दंडात्मक या कठोर कार्रवाई आवश्यक हो। कोर्ट ने आदेश दिया कि बोर्ड किसी भी प्रकार की सख्त दंडात्मक कार्रवाई तभी कर सकेगा, जब कंपनी को कथित कमियों को दूर करने के लिए 30 दिन का उचित अवसर दिया जाए।

दो दिनों में वितरित किए गए 97 लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलेंडर

नई दिल्ली, आइएएनएस : पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय से बुधवार को मिली जानकारी के अनुसार, पिछले दो दिनों में लगभग 97 लाख से अधिक घरेलू एलपीजी सिलेंडर वितरित किए गए। इससे खाना बनाने की गैस के लिए आनलाइन बुकिंग 99 प्रतिशत तक पहुंच गई। वितरक स्तर पर हेराफेरी को रोकने के लिए उपभोक्ताओं के पंजीकृत मोबाइल नंबरों पर भेजे गए प्रमाणीकरण कोड के आधार पर 95 प्रतिशत डिलीवरी की गई है। पिछले दो दिनों में लगभग 1.11 लाख छोटे पांच किलोग्राम एलपीजी सिलेंडर भी बेचे गए। तीन अप्रैल से सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों ने शहरी क्षेत्रों में प्रवासी श्रमिकों द्वारा खाना बनाने के लिए उपयोग किए जाने वाले छोटे सिलेंडरों के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए 10,700 से अधिक शिविरों का आयोजन किया है।

बिहार में कुछ मंत्रियों को मिले पुराने विभाग, अब अधूरे काम होंगे पूरे

राज्य ब्यूरो, जागरण ● पटना

- विजय सिन्हा एवं दिलीप जायसवाल से जनता को विशेष उम्मीद

बिहार में सम्राट सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार में कई मंत्रियों को फिर से उनके पुराने विभाग सौंपे जाने के पीछे केवल प्रशासनिक अनुभव ही नहीं, बल्कि अधूरे राजनीतिक और विकासात्मक एजेंडों को पूरा करने की रणनीति भी मानी जा रही है। भाजपा और सहयोगी दलों के कई ऐसे चेहरे हैं, जिन्होंने पूर्व में अपने विभागों में कुछ महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की थीं, लेकिन राजनीतिक बदलाव, विभागीय फेरबदल या सरकार परिवर्तन के कारण वे योजनाएं अधूरी रह गई थीं। अब दोबारा वही जिम्मेदारी मिलने से इन मंत्रियों को अपने पुराने विजन को जमीन पर उतारने का अवसर मिल सकता है। ऐसे मंत्रियों में पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं कृषि मंत्री विजय सिन्हा एवं राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री दिलीप जायसवाल से जनता को सर्वाधिक उम्मीद है। वैसे तो कुल 14 मंत्री ऐसे है, जिन्हे पुनः पुराने विभाग मिले हैं, लेकिन इसमें विजय एवं दिलीप ऐसे हैं जिन्हें लंबे अंतराल के उपरांत फिर पुराने विभाग का दायित्व मिला है। विजय सिन्हा का कद भाजपा सरकार में घट गया है।

उधर, राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि कई मंत्री अपने विभागों में पहले से लंबित परियोजनाओं, अधूरी घोषणाओं एवं प्रशासनिक सुधारों को नई गति देने की तैयारी में हैं। भाजपा कोटे से जुड़े अन्य सहयोगी दलों के मंत्रियों के विभाग में कोई परिवर्तन नहीं कर पार्टी चाहती है कि जिन मंत्रियों की अपने विभागों में पहले सकारात्मक छवि रही है, वे अधूरे कार्यों को पूरा कर जनता के बीच फिर मजबूत संदेश दे सकें।

राजस्थान में सीडीईओ बोले- 'बीजेपी मतलब भारतीय झालमुड़ी पार्टी'

जासं, उदयपुर : राजसमंद जिले में सरकारी कार्यक्रम के दौरान मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी (सीडीईओ) रामेश्वर लाल की राजनीतिक टिप्पणी विवादों में आ गई है।

पीएम श्री महात्मा गांधी स्कूल, गावगुड़ा की नई बिल्डिंग के लोकार्पण समारोह में मंच से संबोधन के दौरान उन्होंने बंगाल के चुनाव परिणामों का जिक्र करते हुए कहा कि अब बीजेपी का मतलब भारतीय झालमुड़ी पार्टी हो गया है। 10 रुपये की झालमुड़ी कमाल कर गई, ममता दीदी का राज सफाया हो गया। जिला कलेक्टर अरूण कुमार हसीजा ने कहा कि सरकारी कर्मचारी से अपेक्षा नहीं की जाती कि किसी भी राजनीतिक दल के पक्ष में बयान दे और ना ही प्रचार करे। कार्यक्रम में डिप्टी सीएम दिया कुमारी के आने से पहले दिए गए इस बयान का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो गया।

2.23 लाख नशीली गोलिया बरामद की गई हैं हिमाचल प्रदेश में नशे के विरुद्ध अभियान के तहत गुरुवार को। पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। नशे के कारोबार को तोड़ने में इसे बड़ी सफलता माना जा रहा है।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शनिवार, 9 मई, 2026

800 वर्ष पुराना काकतीय युग का शिव मंदिर ध्वस्त, रिपोर्ट दर्ज

- तेलंगाना का मामला, राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण में शिकायत बाद केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय ने केस दर्ज किया
- भाजपा-बीआरएस ने कांग्रेस सरकार की निंदा की, तत्काल मंदिर की पुनर्स्थापना की मांग

जेएनएन, नई दिल्ली : तेलंगाना के वारंगल जिले में 800 साल पुराने काकतीय काल के शिव मंदिर के ध्वस्त होने से व्यापक आक्रोश फैल गया है, जिसके चलते केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय और इतिहासकारों ने जवाबदेही की मांग की है। प्राचीन मंदिर के ध्वस्त होने की घटना पर विपक्षी दल भाजपा और बीआरएस ने कड़ी निंदा की है। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव ने इस कृत्य को निंदनीय बताते हुए मंदिर की तत्काल पुनर्स्थापना की मांग की है। जबकि संस्कृति मंत्रालय और पुरातत्व विभाग ने मंदिर के ध्वस्त होने के मामले में रिपोर्ट दर्ज की है।

बीआरएस नेता रामाराव ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट में कहा, "इस राज्य में मूर्खों का शासन जारी है, जिन्हें तेलंगाना के इतिहास, संस्कृति या अस्तित्व की कोई समझ नहीं। यह निंदनीय है कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने 800 साल पहले काकतीयों द्वारा निर्मित प्राचीन शिव मंदिर को खंडहर में बदल दिया है।" वहीं केटीआर ने कहा, "रेवंत रेड्डी की सरकार ने निर्दयता से हजारों घरों को ध्वस्त किया और लाखों पेड़ों को बेरहमी से काटा। अब हमारी ऐतिहासिक धरोहर को भी नहीं छोड़ रही है।" भाजपा ने भी इस प्राचीन मंदिर के ध्वस्त होने की निंदा की। तेलंगाना भाजपा ने एक्स हैंडल पर कहा, "कांग्रेस की देश की धरोहर के प्रति लापरवाही फिर इस विध्वंस से उजागर हुई है। सबसे दुखद है कि राज्य के पुरातत्व विभाग की सुरक्षा में होने के बावजूद इसे ध्वस्त किया गया।" तेलंगाना के अधिकार वकील राम राव इम्मानेनी ने राष्ट्रीय स्मारक प्राधिकरण के समक्ष एक शिकायत दर्ज कराई, तब केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय और पुरातत्व विभाग ने एक मामला दर्ज किया। पुरातत्व और दान विभागों से अनिवार्य अनुमतियों के बिना काम करने की अनुमति देने वाले अधिकारियों के खिलाफ तेलंगाना धरोहर अधिनियम की धारा 30 के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है। शिकायत में राज्य सरकार पर अनिवार्य धरोहर संरक्षण समिति का गठन नहीं करने का भी आरोप है। जनता के आक्रोश का जवाब देते हुए वारंगल जिला कलेक्टर कार्यालय ने 6 मई को निरीक्षण के बाद कहा कि 30 एकड़ में फैली घनी झाड़ियों को साफ करते समय बस "पुरानी जर्जर संरचना के अवशेष" मिले थे।

तेलंगाना के वारंगल जिले में 800 साल पुराने शिव मंदिर ध्वस्त। सौ. इंटरनेट मीडिया

शासक गणपतिदेव का बनवाया

इंटरनेट मीडिया के अनुसार वारंगल स्थित खानापुर मंडल के अशोक नगर में इस प्राचीन शिव मंदिर को एक सरकारी एकीकृत स्कूल के लिए भूमि खाली करने के लिए बुलडोजर से ध्वस्त किया गया। यह मंदिर काकतीय शासक गणपतिदेव के 13वीं सदी के शासनकाल का है और इस स्थल पर फरवरी 1231 ईस्वी की एक दुर्लभ तेलुगु शिलालेख है, जिसमें सात लाइनों में राजा (राजाधिराजुलु) संबंधी संदेश उकेरा है। 1965 में धरोहर विभाग ने मंदिर परिसर को प्राचीन तालाबों और किलों से घिरे ऐतिहासिक "कोटा कट्टा" मिट्टी के किले क्षेत्र का हिस्सा बताया गया है।

सीयूईटी-यूजी में छात्रों को धार्मिक आस्था से जुड़े वस्त्र या कलावा पहनने की मिली अनुमति

- एनटीए ने ड्रेस कोड और परीक्षा केंद्र पर ले जाने वाले सामान को लेकर जारी की एडवाइजरी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

कामन यूनिवर्सिटी एंट्रेंस टेस्ट (सीयूईटी-यूजी) के शुरू होने से पहले नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) ने परीक्षार्थियों के लिए ड्रेस कोड और परीक्षा केंद्र पर ले जाने वाले सामान को लेकर विस्तृत एडवाइजरी जारी की है। एजेंसी के अनुसार, परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा जांच को तेज और सुचारू बनाने के लिए परीक्षार्थियों को तय दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा। धार्मिक प्रतीकों और धागों को लेकर भी एनटीए ने निर्देश जारी किए हैं। धार्मिक आस्था से जुड़े वस्त्र या कलावा पहनने की अनुमति होगी, लेकिन ऐसे परीक्षार्थियों को अतिरिक्त जांच प्रक्रिया के लिए समय से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचना होगा।

एनटीए के अनुसार, सीयूईटी-यूजी की परीक्षा 11 मई से 31 मई तक कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) मोड में आयोजित की जाएगी। परीक्षा देशभर के साथ विदेश के 15 शहरों में भी होगी। गर्मी को देखते हुए परीक्षार्थियों को परीक्षा केंद्र के अंदर पारदर्शी पानी की बोतल ले जाने की अनुमति रहेगी। बोतल पर किसी प्रकार का लेबल या कवर नहीं होना चाहिए। परीक्षार्थी सफेद या हल्के रंग के कपड़े पहनकर आएंगे, ताकि जांच प्रक्रिया में कम समय लगे। भारी जैकेट, मोटे कपड़े और ऊंची हील वाले फुटवियर से बचने की हिदायत दी गई है। परीक्षार्थी सामान्य जूते, चप्पल या लो-हील फुटवियर ही पहनकर आएं। परीक्षा से जुड़ी जानकारी के लिए हेल्पलाइन नंबर 011-40759000 और ई-मेल के माध्यम से संपर्क किया जा सकता है।

सीयूएसएटी ने आज होने वाली कैट परीक्षा से पहले दिल्ली में सेंटर बदला

कोच्चि, प्रेट्र : कोचीन यूनिवर्सिटी आफ साइंस एंड टेक्नोलाजी (सीयूएसएटी) ने कैट 2026 परीक्षा देने वाले उम्मीदवारों के लिए नई दिल्ली में परीक्षा केंद्र बदल दिया है। जिन उम्मीदवारों को नई दिल्ली केंद्र आवंटित किया गया है, उन्हें अपने कैंडिडेट प्रोफाइल से अपडेटेड एडमिट कार्ड डाउनलोड करने चाहिए और शनिवार से संशोधित स्थान, एचआरएल डिजिटल साल्यूशन पर परीक्षा देने के लिए उपस्थित होना चाहिए। उम्मीदवार 90 मिनट पहले नए आवंटित परीक्षा केंद्र पर रिपोर्ट करें। यूनिवर्सिटी के विभिन्न शैक्षणिक कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए कामन एडमिशन टेस्ट 2026 की परीक्षाएं नौ, 10 और 11 मई को आयोजित की जाएंगी।

संरक्षित धरोहरों पर लागू नहीं होता पूजा स्थल अधिनियम

भोजशाला मामला : सुनवाई में मंदिर पक्ष का तर्क, 24 घंटे पूजा का अधिकार मांगा

कहा-न वजू खाना, न मीनार, मेहराब भी बाद में बनी, भोजशाला मस्जिद हो ही नहीं सकती

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर

धार स्थित ऐतिहासिक भोजशाला के धार्मिक स्वरूप का निर्धारण करने के लिए मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ में चल रही सुनवाई में प्रस्तुत याचिकाओं में शुक्रवार को मंदिर पक्ष ने प्रतिउत्तर प्रस्तुत किया। हिंदू फ्रंट फार जस्टिस और एक याचिकाकर्ता कुलदीप तिवारी की ओर से कहा गया कि मस्जिद में तीन चीजें- वजू खाना, मीनार और मेहराब अनिवार्य रूप से होती हैं। इनके बगैर मस्जिद की कल्पना नहीं की जा सकती, लेकिन भोजशाला में न वजूखाना है, न मीनार। एएसआइ की रिपोर्ट बताती है कि मेहराब भी बाद में बनाई गईं। ऐसे में यह मस्जिद हो ही नहीं सकती।

मंदिर पक्ष ने प्रतिउत्तर में कहा कि मस्जिद पक्ष कह रहा है कि पूजा स्थल अधिनियम के प्रविधानों के तहत उन्हें भोजशाला में नमाज का अधिकार है, लेकिन राष्ट्रीय महत्व की संरक्षित धरोहरों पर यह एक्ट लागू नहीं होता। ब्रिटिश संग्रहालय में रखी वाग्देवी की मूर्ति के बारे में खुद संग्रहालय ने स्वतंत्रता से पहले लिखे पत्र में बताया है कि भोजशाला का निर्माण 1034 में राजा भोज द्वारा कराया गया था। मामले में शुक्रवार को मस्जिद पक्ष की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सलमान खुर्शीद को भी रिजाइंडर देना था, लेकिन वह उपस्थित नहीं हुए।

सिविल मामला बताकर उलझाने की हो रही कोशिश : हिंदू फ्रंट फार जस्टिस के अधिवक्ता विष्णु शंकर जैन ने हाई कोर्ट से कहा कि मुस्लिम पक्ष भोजशाला को सिविल मामला बताकर उलझाना चाहता है। हम स्वामित्व के निर्धारण के लिए नहीं, बल्कि एएसआइ के सात अप्रैल 2023 के आदेश में संशोधन के लिए कोर्ट आए हैं।

भोजशाला परिसर। फाइल

मनीष गुप्ता

विष्णु शंकर जैन

'जैसा जूना महाकाल मंदिर, वैसी भोजशाला'

याची के अधिवक्ता मनीष गुप्ता ने पुरातत्वविद सीतारमण की पुस्तक का संदर्भ देते हुए कहा कि इस पुस्तक में 2800 से ज्यादा ऐसे मंदिरों की जानकारी है, जिन्हें मुस्लिम शासकों ने ध्वस्त किया था। भोजशाला को पाठशाला ठहराने का प्रयास हो रहा है, लेकिन भोजशाला की तरह जूना महाकाल मंदिर और उज्जैन के चौबारा मंदिर में लिखावट और श्लोक मिले हैं, जो बताते हैं कि भोजशाला मंदिर ही है।

आंध्र हाई कोर्ट जज के युवा वकील को हिरासत में भेजने पर दर्ज किया केस

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) द्वारा पारित एक प्रस्ताव को जनहित याचिका मानते हुए एक केस दर्ज किया। एससीबीए ने आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के जज द्वारा एक युवा वकील को प्रक्रियागत चूक के लिए 24 घंटे की न्यायिक हिरासत में भेजने पर चिंता जताई थी। शीर्ष अदालत में मामले की सुनवाई 15 मई को होने की संभावना है। एससीबीए ने छह मई को हाई कोर्ट के आदेश पर हैरानी जताते हुए प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत से इस घटना का संज्ञान लेने का आग्रह किया था। प्रस्ताव में कहा गया था, "एससीबीए आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट के समक्ष पांच मई, 2026 को हुई घटना पर गहरी चिंता और हैरानी व्यक्त करता है, जिसमें जस्टिस तरलाडा राजशेखर राव के समक्ष कार्यवाही के दौरान एक युवा वकील को न्यायिक हिरासत में भेजने का निर्देश दिया गया था।" बार काउंसिल आफ इंडिया (बीसीआइ) ने भी इस मामले में प्रधान न्यायाधीश से तुरंत दखल देने का अनुरोध किया है। बीसीआइ के मुताबिक, वायरल हो रहे वीडियो में जस्टिस राव युवा वकील को डांटते हुए दिखे, जो सुनवाई के दौरान किसी खास आदेश की प्रति पेश नहीं कर पाया। वकील के बार-बार माफी मांगने, रहम की गुजारिश करने और शारीरिक पीड़ा के बारे में बताने के बावजूद जज टस से मस नहीं हुए।

सटीक निशाना लगाने वाले पहले स्वदेशी ग्लाइड हथियार का परीक्षण

- रक्षा मंत्री की डीआरडीओ, वायुसेना, निर्माण से जुड़ी संस्थाओं को बधाई
- कम खर्च में सामान्य हथियारों की मारक क्षमता, रेंज बढ़ा देती है यह प्रणाली

टैक्टिकल एडवांस्ड रेंज आगमेंटेशन (टीएआरए) हथियार के परीक्षण का दृश्य। स्रोत: डीआरडीओ

जागरण संवाददाता, बालेश्वर

रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ) और भारतीय वायु सेना ने ओडिशा के चांदीपुर तट पर सामरिक उन्नत रेंज संवर्धन (टैक्टिकल एडवांस्ड रेंज आगमेंटेशन- टीएआरए) हथियार का पहला सफल परीक्षण किया। यह भारत की पहली स्वदेशी ग्लाइड हथियार प्रणाली है, जो साधारण बमों को सटीक निर्देशित हथियारों में बदलकर लंबी दूरी के लक्ष्यों को नष्ट करने की क्षमता रखती है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफल परीक्षण के लिए किट का निर्माण व विकास करने वाले संगठनों को बधाई दी है और इसे भारत की स्वदेशी रक्षा क्षमता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है।

डीआरडीओ के अध्यक्ष डा. समीर वी कामत ने भी सफल उड़ान परीक्षण से जुड़ी सभी टीमों को बधाई दी है। टीएआरए एक विशेष रेंज एक्सटेंशन किट है, जिसे बम के साथ जोड़ा जाता है। इसके बाद बम हवा में लंबी दूरी तक जा सकता है और तय लक्ष्य पर अधिक सटीकता से हमला कर सकता है। इससे विमान को दुश्मन के बेहद करीब जाने की जरूरत कम पड़ती है।

यह प्रणाली साधारण यानी बिना गाइडेंस वाले बम या वारहेड को सटीक निशाना लगाने वाले स्मार्ट हथियार में बदल देती है। इसकी मदद से वायु सेना के लड़ाकू विमान दुश्मन के ठिकानों पर दूर से ही ज्यादा सटीक हमला कर सकेंगे।

इसे माड्यूलर तरीके से तैयार किया गया है, यानी जरूरत के अनुसार इसे अलग-अलग हथियारों के साथ इस्तेमाल किया जा सकता है। इस हथियार प्रणाली की खास बात यह है कि यह कम खर्च में सामान्य हथियारों की मारक क्षमता, दूरी और सटीकता तीनों बढ़ा देती है।

रेलवे में मेडिकल रिपोर्ट के लिए रिश्वत घोटाले का किया राजफाश

नई दिल्ली, प्रेट्र : सीबीआइ ने रेलवे में मेडिकल रिपोर्ट के लिए कथित रिश्वत घोटाले का राजफाश किया है। इस मामले में एक रेलवे डाक्टर और दो लोको पायलटों के खिलाफ एफआइआर दर्ज की है। इन्होंने साउथ सेंट्रल रेलवे जोन के तहत अपने-अपने कार्यस्थलों पर मनचाही मेडिकल रिपोर्ट पाने और गलत तरीके से फायदे उठाने के लिए डाक्टर को रिश्वत दी थी।

अधिकारियों का कहना है कि यह तो रेलवे जोन में फैले बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का बस छोटा सा हिस्सा है, जहां डाक्टर कथित तौर पर कर्मचारियों से झूठी मेडिकल रिपोर्ट देने के बदले रिश्वत लेते हैं। कर्मचारी इन रिपोर्टों का इस्तेमाल लंबी छुट्टी लेने या मेडिकल आधार पर अपनी कैटेगरी बदलवाने के लिए करते हैं। इससे उन्हें मुश्किल फील्ड ड्यूटी से हटकर आफिस-आधारित भूमिकाओं में जाने का मौका मिल जाता है। एफआइआर में कहा गया है कि डा. प्रियदर्शिनी, जो गुंटूर डिवीजन के नंद्याल में सीनियर डिवीजनल मेडिकल आफिसर के तौर पर काम करती थीं, ने कथित तौर पर एक निजी व्यक्ति, शेख रसूल करीमुल्ला के साथ साठगांठ की थी। करीमुल्ला दोनों कर्मचारियों से बीमारी के सर्टिफिकेट देने के बदले रिश्वत की रकम वसूलता था। शक से बचने के लिए करीमुल्ला कथित तौर पर यह पैसा डाक्टर के ड्राइवर के खाते में ट्रांसफर कर देता था।

आरओ-एआरओ भर्ती में नई नियुक्तियों पर लगी अंतरिम रोक

विधि संवाददाता, जागरण • लखनऊ : इलाहाबाद हाई कोर्ट लखनऊ खंडपीठ ने समीक्षा अधिकारी (आरओ) और सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) भर्ती परीक्षा-2023 में आरक्षण लागू किए जाने को लेकर उठे विवाद में अंतरिम आदेश पारित करते हुए अगली सुनवाई तक नई नियुक्तियों पर रोक लगा दी है।

विशेष अपील में एकल पीठ के एक फरवरी 2026 के उस आदेश को चुनौती दी गई थी, जिसमें याचिकाकर्ताओं को अंतरिम राहत देने से इन्कार कर दिया गया था।

अपीलकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता आलोक मिश्रा ने अदालत में पक्ष रखते हुए कहा कि याचिकाकर्ता ओबीसी के अभ्यर्थी हैं और प्रारंभिक परीक्षा में उन्हें ऐसे अंक प्राप्त हुए हैं, जो सामान्य वर्ग से मुख्य परीक्षा के लिए चयनित कम से कम 25 अभ्यर्थियों से अधिक हैं। इसके बावजूद उन्हें प्रारंभिक परीक्षा में असफल घोषित कर मुख्य परीक्षा से बाहर कर दिया गया।

आतंकी गतिविधियों में शामिल रहने वाले युवक के खिलाफ मामला दर्ज

- पंजाब के तरनतारण जिले का निवासी है आरोपित युवक, आतंकी संगठन से बातचीत के भी मिले सुबूत

जागरण संवाददाता, जयपुर

राजस्थान एटीएस ने इंटरनेट मीडिया पर देशविरोधी और अलगाववादी सामग्री प्रसारित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए पंजाब के एक युवक की पहचान कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू करवाई है। प्रारंभिक जांच में युवक के इंटरनेट मीडिया पर प्रो-खालिस्तान और प्रो-पाकिस्तान समर्थक पोस्ट, वीडियो एवं कमेंट्स मिले हैं। राजस्थान एटीएस के अतिरिक्त महानिदेशक दिनेश एम.एन के निर्देशन में निरंतर राज्य पुलिस की इंटरनेट शाखा निरीक्षक निशा चांवरिया के नेतृत्व में इंटरनेट मीडिया की संदिग्ध गतिविधियों पर निगरानी रखती है। इसी दौरान पंजाब के तरनतारण जिले निवासी गुरविंदर सिंह के इंटरनेट मीडिया पर संदिग्ध गतिविधियां नजर आई। गुरविंदर के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच आगे बढ़ाई गई तो उसके इंटरनेट मीडिया पर देश विरोधी और अलगाववादी सामग्री प्रसारित होने की बात सामने आई।

राजस्थान पुलिस ने तत्काल पंजाब पुलिस से संपर्क किया और गुरविंदर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता एवं आइटी कानून की धाराओं में मुकदमा दर्ज करवाया गया है। मामले की जांच जारी है।

जांच एजेंसियां उसके नेटवर्क एवं संभावित संपर्कों की पड़ताल में जुटी है। राजस्थान एटीएस के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुरेंद्र सिंह के नेतृत्व में टीम को पंजाब भेजा गया था।

वहां पूछताछ में सामने आया कि गुरविंदर के इंटरनेट मीडिया एकाउंट्स पर प्रो-खालिस्तान एवं प्रो-पाकिस्तान के समर्थन मे आडियो, वीडियो पोस्ट एवं चैट अपलोड की गई है। गुरविंदर के फेसबुक मैसेंजर पर संदिग्ध लोगों एवं प्रतिबंधित आतंकी संगठन टीआरएफ के सदस्यों से बातचीत करना एवं उन लोगों से एक-47 और ग्रेनेड मंगवाकर धमाके करने की चैटिंग के वाइस नोट पाए गए हैं।

जालंधर में दो दिन की रेकी, धमाके के बाद भागा आरोपित दिल्ली से गिरफ्तार

- बीएसएफ के पंजाब फ्रंटियर मुख्यालय के बाहर धमाके का मामला
- सीआइए स्टाफ जालंधर और दिल्ली पुलिस की टीम ने पकड़ा

जागरण संवाददाता, जालंधर

जालंधर में बीएसएफ के पंजाब फ्रंटियर मुख्यालय के बाहर मंगलवार को हुए बम धमाके के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कूड़े के डिब्बे में बम रखने के मामले में एक आरोपित को दिल्ली पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया और उससे सीआइए स्टाफ पूछताछ कर रही है। आरोपित ने बम खुद रखा था या फिर उसकी डिलीवरी दी थी, यह पता लगाया जा रहा है। आरोपित वारदात को अंजाम देने के बाद जालंधर बस स्टैंड पहुंचा था और वहां से दूसरे शहर के लिए बस पकड़ी और बाद में दिल्ली जाकर छिप गया था। इस मामले में पुलिस ने कोई पुष्टि तो नहीं की, लेकिन बताया जा रहा है कि आरोपित को पुलिस जालंधर ले आई है। सीआइए स्टाफ जालंधर और दिल्ली पुलिस की टीम ने संयुक्त आपरेशन चलाकर उसे पकड़ा। जल्द ही पुलिस पत्रकार वार्ता कर जानकारी दे सकती है।

जांच में पता चला है कि आरोपित ने वारदात को अंजाम देने से पहले दो दिन तक इलाके की रेकी की थी। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि आरोपित अकेला था या उसके साथ कोई और भी शामिल था। धमाके के तुरंत बाद आरोपित फरार हो गया था। पुलिस ने बस स्टैंड और रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के जरिये उसकी लोकेशन ट्रेस की।

पुलिस और फोरेंसिक टीमें कर रहीं जांच : धमाके के बाद शुक्रवार को भी फोरेंसिक और पुलिस टीमें बीएसएफ मुख्यालय के बाहर पहुंची और जांच की। टीमों ने वहां से कुछ सैंपल और लिए और फोरेंसिक जांच के लिए भेज दिए।

जालंधर में बीएसएफ के पंजाब फ्रंटियर मुख्यालय के बाहर हुए धमाके के मामले में घटनास्थल पर जांच करती पुलिस। जागरण

पार्सल वाले को क्लीन चिट

घटना के बाद पुलिस ने उस युवक गुरप्रीत से भी पूछताछ की, जिसकी एक्टिवा के पास रखे कूड़ेदान में धमाका हुआ था। गुरप्रीत ने पुलिस को बताया कि वह केवल पार्सल देने के लिए वहां आया था। इसी दौरान धमाका हो गया। पुलिस ने युवक की गतिविधियों और बयान की जांच के बाद उसे क्लीन चिट दी है। आरोपित को यह पता था कि डिलीवरी देने वाला युवक अक्सर उसी स्थान पर अपनी एक्टिवा खड़ी कर पार्सल देने जाता है।

फर्जी जाति व निवास प्रमाणपत्रों से एमबीबीएस में दाखिला, दो पर केस

जागरण संवाददाता, देहरादून : यहां डोईवाला तहसील में फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से जाति और निवास प्रमाण पत्र बनवाने का मामला सामने आया है। इस मामले में राजस्व उपनिरीक्षक की शिकायत पर डोईवाला निवासी दो भाइयों अभिनव शर्मा और हर्षित शर्मा के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है।

अभिनव शर्मा ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर देहरादून स्थित श्री गुरुरामराय इंस्टीट्यूट आफ मेडिकल एंड हेल्थ साइंस में एमबीबीएस में दाखिला भी ले लिया था।

राजस्व उपनिरीक्षक दिनेश चंद्र ने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि दोनों भाइयों ने कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर अनुसूचित जाति व निवास प्रमाण पत्र प्राप्त किया। जांच में पता चला कि इन प्रमाणपत्रों के लिए गए विद्युत बिल, नगर निगम का प्रमाण पत्र और आधार कार्ड भी एडिट कर बनाए गए थे। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक कमल कुमार लुंठी ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

कश्मीरी हिंदुओं के पलायन के लिए फारूक को जिम्मेदार मानता था कमल

- आरोपित ने 11 मार्च 2026 को जम्मू में फारूक पर चलाई थी गोली
- पुलिस ने जांच पूरी कर आरोपित के खिलाफ चार्जशीट पेश की

जेएनएन, जम्मू : जम्मू के ग्रेटर कैलाश स्थित रायल पार्क में गत 11 मार्च को आरोपित कमल सिंह जम्वाल ने एक सोची समझी साजिश के तहत जम्मू कश्मीर के पूर्व मुख्यमंत्री व नेशनल कान्फ्रेंस के अध्यक्ष डा. फारूक अब्दुल्ला पर गोली चलाकर जानलेवा हमला किया था। वह कश्मीरी हिंदुओं के घाटी से पलायन के लिए डा. फारूक को जिम्मेदार मानता था। पिछले लंबे समय से वह डा. फारूक पर हमला करने की साजिश रच रहा था। जम्मू पुलिस ने शुक्रवार को कोर्ट में पेश की गई चार्जशीट में यह दावा किया। पुलिस ने मामले में अपनी जांच पूरी करके चार्जशीट पेश कर दी है। वर्तमान में आरोपित कमल जेल में बंद है।

चार्जशीट के अनुसार कमल यह मानता था कि डा. फारूक अब्दुल्ला के कारण ही कश्मीरी हिंदुओं को अपनी संपत्तियां छोड़कर घाटी से पलायन करना पड़ा था। इसलिए वह सालों से डा. फारूक अब्दुल्ला को मारने का प्रयास कर रहा था। आरोपित को उक्त शादी समारोह में डा. फारूक के पहुंचने की खबर थी, इसलिए वह भरी हुई रिवाल्वर लेकर वहां पहुंचा और मौका पाकर उसने डा. फारूक को मारने की कोशिश की। जैसे ही उसने रिवाल्वर से फायर किया, डा. फारूक के सुरक्षाकर्मियों ने उसे दबोच लिया। पुलिस की चार्जशीट के अनुसार घटना के समय डा. फारूक कई वरिष्ठ नेताओं, व्यक्तियों और मेहमानों के साथ समारोह में मौजूद थे।

राजस्थान के सबसे बड़े रोप वे पर रोक

80 करोड़ वाले की जगह 350 करोड़ में काम करने वाले को दिया गया ठेका

- तीन फर्मों ने किया था आवेदन, एक फर्म की ओर से दायर की गई थी याचिका

जागरण संवाददाता, जयपुर

राजस्थान के सबसे बड़े रोप वे परियोजना पर उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को रोक लगा दी है। जयपुर में आमेर से लेकर जयगढ़ एवं नाहरगढ़ किलों को एक साथ दिखाने के लिए रोप वे की परियोजना प्रस्तावित थी। साढ़े छह किलोमीटर के रोप वे के ठेके में गड़बड़ी को लेकर उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई थी। याचिका में कहा गया कि 80 करोड़ रुपये के स्थान पर ठेका 350 करोड़ रुपये में दिया गया था। उच्च न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई 19 मई तय की है।

न्यायाधीश समीर जैन ने रोप वे परियोजना के लिए दो फरवरी को दी गई सरकारी मंजूरी पर रोक लगाने का आदेश दिया है। याचिकाकर्ता की ओर से वकील अभि गोयल और हार्दिक मिश्रा ने पैरवी करते हुए तर्क दिया कि निजी फर्म 80 करोड़ रुपये में रोप वे बनाने को तैयार थी, लेकिन सरकार द्वारा 350 करोड़ की लागत वाले को काम दिया गया। इस पूरे मामले में ठेके देने के राजस्थान पारदर्शिता लोक उपापन अधिनियम के नियमों का उल्लंघन हुआ है। राजस्थान सरकार ने केंद्र सरकार के अनुरूप धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर रोप वे बनाने की घोषणा की थी। इसमें आमेर, नाहरगढ़ एवं जयगढ़ किलों को जोड़ने वाली रोप वे परियोजना प्रस्तावित थी।

इसके लिए बजट में घोषणा करने के बाद बजट आवंटित किया गया था। याचिकाकर्ता फर्म शिवम प्राइम इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के वकीलों ने न्यायालय में तर्क दिया कि इस रोप वे परियोजना के लिए ठेके के लिए तीन फर्मों ने आवेदन किया था, जिसमें याचिकाकर्ता की फर्म भी शामिल थी। याचिकाकर्ता की फर्म 80 करोड़ में रोप वे बनाने को तैयार थी। लेकिन 350 करोड़ में ठेका दूसरी फर्म को दिया गया। ठेका देने में आरटीपीपी एक्ट (राजस्थान सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता अधिनियम) के प्रविधान लागू नहीं किए गए। उच्च न्यायालय ने सभी पक्षों को सुनने के बाद परियोजना पर रोक लगाई है।

उच्च न्यायालय। फाइल

सांड़ों की लड़ाई में गई वृद्धा की जान, बाराबंकी में 16 को घायल किया

जागरण टीम, लखनऊ

सांड़ों ने उन्नाव और बाराबंकी में जमकर उत्पात मचाया। उन्नाव में सांड़ों की लड़ाई में एक वृद्धा की जान चली गई। बाराबंकी में लखनऊ-अयोध्या हाईवे पर रात में एक सांड़ ने वाहनों और उसके बाद राहगीरों पर हमला किया, जिसमें 16 लोग घायल हो गए।

उन्नाव में 70 वर्षीय राजकुमारी गुरुवार दोपहर घर के बरामदे में बैठकर खाना खा रही थीं। उनकी बेटी दयावती सरकारी राशन की दुकान गई थी। तभी लड़ते हुए दो सांड़ बरामदे में पहुंच गए। जब तक राजकुमारी उठकर भागतीं, एक सांड़ ने उठाकर उन्हें पटक दिया। ग्रामीणों ने सांड़ को भगाया। स्वजन महिला को लेकर जिला अस्पताल पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। बाराबंकी में राष्ट्रीय राजमार्ग पर गुरुवार रात एक सांड़ के आतंक से तीन घंटे तक राहगीरों की जान सांसत में रही। रामसनेहीघाट के दिलौना कट के समीप एक सांड़ तेजी से सड़क पर आक्रमक होकर वाहनों पर हमला करने लगा। एक मेटाडोर सांड़ से टकराने से बची तो, अयोध्या की ओर से आने वाले वाहन जहां-तहां रुक गए। सांड ने सर्विस लेन की राह पकड़ ली और रास्ते में जो भी मिला, उस पर हमला करने लगा।

बाराबंकी में रेबीज संक्रमित सांड़ को पकड़ वाहन पर लादते हुए। जागरण

3 आर्केस्ट्रा कर्मियों की मौत हो गई बिहार में सारण जिले के छपरा–सिवान मुख्य मार्ग पर शुक्रवार सुबह पिकअप वैन व तेज रफ्तार ट्रक की आमने-सामने की टक्कर में। जबकि नौ अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए।

कर्नल कुरैशी मामले में मध्य प्रदेश सरकार को मंत्री विजय शाह पर कार्रवाई का निर्देश

मंत्री शाह की आपत्तिजनक टिप्पणी पर सर्वोच्च न्यायालय ने कहा–अब बहुत हो चुका

कहा–ये राजनीतिक व्यक्ति प्रशंसा करना चाहते हैं, तो कितने कुशल होते हैं

सुप्रीम कोर्ट। फाइल

कुंवर विजय शाह। फाइल

नई दिल्ली, प्रेट्र : "अब बहुत हो चुका", सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को यह टिप्पणी की जब उसने मध्य प्रदेश सरकार से कहा कि वह अपने मंत्री कुंवर विजय शाह के कर्नल सोफिया कुरैशी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणियों पर कार्रवाई करने के लिए अनुमति देने का निर्णय ले। यह टिप्पणियां आपरेशन सिंदूर के बाद की गई थीं।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और जस्टिस जायमाल्य बागची की पीठ ने शाह के आपत्तिजनक बयान को "सबसे दुर्भाग्यपूर्ण" करार दिया, जब राज्य की ओर से पेश हुए सालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि मंत्री ने "दुर्भाग्यपूर्ण" टिप्पणियां कीं और जल्दी ही माफी मांगी। इस पर मुख्य न्यायाधीश ने कहा, "जो उन्होंने कहा, वह निश्चित रूप से दुर्भाग्यपूर्ण था। दुर्भाग्यपूर्ण नहीं, बल्कि सबसे दुर्भाग्यपूर्ण और फिर उनके पास पछतावे की भी कोई भावना नहीं है।"

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने शाह और राज्य की ओर से आगे की दलीलें सुनने से इन्कार कर दिया और चार सप्ताह के भीतर अपने 19 जनवरी के निर्देश का पालन करने के लिए कहा, जिसमें मध्य प्रदेश सरकार को अनुमति देने के संबंध में उचित निर्णय लेने के लिए कहा गया था। पीठ ने राज्य सरकार से कहा, "अब बहुत हो चुका। आप हमारे पिछले आदेश के अनुच्छेद पांच और छह में दिए गए निर्देशों का पालन करें" और मामले को गर्मी की छुट्टियों के बाद सूचीबद्ध किया।

शुरुआत में मसालिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि विशेष जांच दल (एसआइटी) ने इस मामले में एक रिपोर्ट दाखिल की है। मेहता ने कहा कि शायद मंत्री शाह का इरादा अधिकारी की प्रशंसा करना था, लेकिन उन्होंने कुछ और कह दिया और इसे सही तरीके से व्यक्त नहीं कर सके। इस पर सीजेआइ ने कहा, "ये राजनीतिक व्यक्ति, हम जानते हैं कि अगर वे प्रशंसा करना चाहते हैं, तो वे अपने शब्दों के साथ कितने कुशल होते हैं। अगर यह जुबान की फिसलन थी तो शाह जल्द ही माफी मांग सकते थे।"

मप्र सरकार के मंत्री विजय शाह की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता मनींदर सिंह ने कहा कि मंत्री ने तुरंत माफी जारी की थी। शीर्ष न्यायालय की पीठ ने कहा कि अपने 19 जनवरी के आदेश के अनुसार, राज्य को अनुमति देने के संबंध में निर्णय लेने के लिए दो सप्ताह का समय दिया गया था। राज्य इस पर निर्णय ले।

ओडिशा हाई कोर्ट के आदेश पर जताई चिंता

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट ने ओडिशा हाई कोर्ट द्वारा पारित एक परेशान करने वाले आदेश का संज्ञान लेते हुए हत्या के एक दोषी को जमानत दे दी। न्यायालय ने हाई कोर्ट के उस दृष्टिकोण पर गंभीर चिंता जताई, जिसने देरी के आधार पर उसकी अपील खारिज कर दी थी। जस्टिस जेबी पार्डीवाला और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की पीठ ने कहा कि हाई कोर्ट को मामले पर व्यावहारिक और सहानुभूतिपूर्ण दृष्टिकोण अपनाना चाहिए था और दोषी को उसकी अपील पर मेरिट के आधार पर बहस करने का अवसर देने के लिए देरी को माफ कर देना चाहिए था। शीर्ष अदालत ने इस बात पर गौर किया कि दोषी को एक बार भी पैरोल या फर्लो पर रिहा नहीं किया गया और कहा कि मामले को हाई कोर्ट में वापस भेजना और आपराधिक अपील पर गुण-दोष के आधार पर सुनवाई करना व्यर्थ होगा। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि उसने यह आदेश इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए पारित किया है कि याचिकाकर्ता पिछले 22 वर्षों से सजा काट रहा है।

पंजाब में नशे के बढ़ते खतरे पर चिंतित सुप्रीम कोर्ट ने कहा, बड़े मगरमच्छों को पकड़ा जाना चाहिए

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

- कोर्ट ने कहा, पुलिस केवल छोटे अपराधियों को पकड़कर प्रचार हासिल करने में लगी

सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब में नशे के बढ़ते खतरे पर चिंता जताई है। शीर्ष अदालत ने नशे के कारोबार में लगे छोटे अपराधियों को पकड़कर राज्य पुलिस द्वारा वाहवाही लूटने पर फटकार लगाते हुए कहा कि वे पब्लिसिटी के लिए छोटे अपराधियों पर तो ध्यान देते हैं, लेकिन बड़े तस्करों को आजाद घूमने देते हैं। कहा कि बड़े मगरमच्छों या रसूखदार लोगों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। लुधियाना इस तरह के कारोबार का केंद्र है। इससे होने वाला नुकसान चिंताजनक है और राज्य सरकार को इससे निपटने के तरीके में बुनियादी बदलाव करने की जरूरत है।

कोर्ट ने इस समस्या से निबटने के लिए राज्य और केंद्र के मिलकर काम करने की जरूरत पर बल दिया। ये टिप्पणियां प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और जोयमाल्या बाग्ची की पीठ ने विशेष कानूनों जैसे एनडीपीएस और यूएपीए के मुकदमों की सुनवाई के लिए विशेष अदालतों के गठन से जुड़े मामले में सुनवाई के दौरान कीं। इस पर कोर्ट स्वतः संज्ञान लेकर सुनवाई कर रहा है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने पंजाब में ड्रग्स के बढ़ते नेटवर्क पर चिंता जताई। पीठ की अगुवाई कर रहे सीजेआइ ने सुनवाई के दौरान एक घटना का जिक्र किया, जिसमें एक महिला ने नशे की लत के कारण अपने पांचों बेटों को खो दिया था। जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि जरा देखिए, हम क्या पढ़ रहे हैं। एक मां रो रही है। उसने नशे की वजह से अपना पांचवां बेटा भी खो दिया। उसने नशे की लत के कारण अपने सभी बच्चों को खो दिया। पुलिस को इस मामले में और ज्यादा संवेदनशील होने की जरूरत है। कोर्ट ने कहा कि नशे का खतरा अब उस हद तक पहुंच गया है, जहां केंद्र सरकार के दखल की जरूरत पड़ सकती है। लेकिन, जब वह दखल दे तो ऐसा नहीं सोचा जाना चाहिए कि केंद्र सरकार दखलंदाजी कर रही है।

कोर्ट ने राज्य पुलिस को फटकार लगाते हुए कहा कि जहां छोटे मोटे अपराधियों को अक्सर अखबारों में पब्लिसिटी पाने के लिए गिरफ्तार कर लिया जाता है, वहीं इस व्यापार को चलाने वाले बड़े मगरमच्छ और रसूखदार लोग जांच से बच निकलते हैं। बड़े मगरमच्छों और रसूखदार लोगों को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। पीठ ने एनडीपीएस के लंबित मामलों की भारी संख्या पर चिंता जताते हुए सभी राज्यों में विशेष एनडीपीएस अदालतें बनाने की बात कही, ताकि मामलों की सुनवाई में तेजी आए।

भारतीय वन सेवा परीक्षा के परिणाम घोषित, बसवराज ने हासिल किया पहला स्थान

नई दिल्ली, प्रेट्र : संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने भारतीय वन सेवा परीक्षा 2025 के परिणाम शुक्रवार को घोषित कर दिए। आयोग ने बताया कि बसवराज केंपावाड ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है, अंशुमन कुमार सिंह ने दूसरा और सिद्धार्थ ने तीसरा स्थान प्राप्त किया।

148 उम्मीदवारों को वन सेवा में नियुक्त करने की सिफारिश की गई है। इनमें से 42 सामान्य वर्ग से, 21 आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) से, 52 अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) से, 22 अनुसूचित जाति (एससी) से और 11 अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग से हैं।

ईडब्ल्यूएस/ओबीसी/एससी/एसटी और दिव्यांग वर्ग के तहत आरक्षण की स्थिति के संबंध में अनुशंसित उम्मीदवारों के दावों का सत्यापन संबंधित अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। यूपीएससी के परिसर में परीक्षा हाल भवन के पास 'सुविधा काउंटर' है। उम्मीदवार कार्यदिवसों में सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे के बीच व्यक्तिगत रूप से या टेलीफोन नंबर 011-23385271/ 23381125 पर अपनी परीक्षा और भर्ती के संबंध में कोई भी जानकारी या स्पष्टीकरण प्राप्त कर सकते हैं। परिणाम आयोग की वेबसाइट पर भी उपलब्ध होगा। हालांकि, उम्मीदवारों के अंक परिणाम घोषित होने की तारीख से 15 दिनों के भीतर आयोग की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिए जाएंगे।

शिक्षक भर्ती के विज्ञापन जारी करने को प्रदर्शन कर रहे लोगों पर लाठीचार्ज

जागरण संवाददाता, पटना

- पटना के जेपी गोलंबर पहुंचे अभ्यर्थियों को रोका तो हुए उग्र, पुलिस ने दौड़ा-दौड़ाकर पीटा, कई घायल
- पुलिस को भी आईं चोटें, मारपीट के विरोध में जेपी गोलंबर पर अर्धनग्न होकर बैठे अभ्यर्थी

पुलिस लाठीचार्ज में घायल अभ्यर्थी। जागरण

बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) द्वारा शिक्षक भर्ती के चौथे चरण (टीआरई-4) का विज्ञापन जारी करने की मांग को लेकर शुक्रवार को अभ्यर्थियों ने जमकर हंगामा किया। पटना कालेज से कारगिल चौक होते हुए बड़ी संख्या में अभ्यर्थी जेपी गोलंबर पहुंचे तो पुलिस ने रोक दिया। अभ्यर्थियों ने बैरिकेडिंग तोड़ने का प्रयास किया तो पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। उन्हें दौड़ा-दौड़कर पीटा। पुलिस के बल प्रयोग से कई को चोटें आईं। बचाव के लिए अभ्यर्थी सड़क पर जूता-चप्पल छोड़कर भागे। धक्का-मुक्की में कुछ पुलिसकर्मी भी घायल हुए। कुछ अभ्यर्थियों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। नाराज अभ्यर्थी अर्धनग्न होकर जेपी गोलंबर पर बैठ गए।

मालूम हो कि टीआरई-4 में कुल चार विभागों में 46,882 पदों पर नियुक्ति की जाएगी। शिक्षा विभाग, पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग, अनुसूचित जाति एवं जनजाति कल्याण विभाग और अल्पसंख्यक कल्याण विभाग में ये बहाली होंगी। विरोध कर रहे अभ्यर्थियों ने कहा कि टीआरई-4 के लिए आयोग लगातार झूठ बोल रहा है। शिक्षा विभाग और बीपीएससी द्वारा लाखों विद्यार्थियों को गुमराह किया जा रहा है। 24 अगस्त 2024 से टीआरई-4 का विज्ञापन जारी किए जाने की बात कही जा रही है। 2025 में भी अभ्यर्थियों को कई बार विज्ञापन जारी करने का आश्वासन दिया गया। पिछले महीने परीक्षा नियंत्रक राजेश कुमार सिंह ने वीडियो जारी कर कहा था कि 19 अप्रैल को विज्ञापन जारी कर दिया जाएगा।

राजस्थान : स्वास्थ्य योजना में 900 करोड़ का घोटाला

नरेंद्र शर्मा ● जागरण

- चार साल में हुआ घोटाला, सरकार ने दर्ज करवाया योजना का काम संभाल रही एजेंसी के खिलाफ मुकदमा
- करीब छह दर्जन सरकारी चिकित्सक व कर्मचारी निलंबित, दवा विक्रेताओं व सरकारी चिकित्सकों का फर्जीवाड़ा

शिप्रा विक्रम। इंटरनेट मीडिया

जयपुर : राजस्थान के साढ़े चार लाख सरकारी कर्मचारियों और करीब आठ लाख पेंशनधारियों को निश्शुल्क उपचार और दवा सहित स्वास्थ्य की विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए चलाई जा रही राज्य सरकार की स्वास्थ्य योजना (आरजीएचएस) में बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। योजना के क्रियान्वयन का जिम्मा संभाल रहे अधिकारियों, सरकारी चिकित्सकों, निजी अस्पतालों, दवा विक्रेताओं और लाभान्वितों ने मिलकर 900 करोड़ से अधिक का घोटाला किया है। चार साल में हुआ यह घोटाला सामने आने के बाद सरकार ने योजना के क्रियान्वयन का जिम्मा संभाल रही अधिकारी शिप्रा विक्रम को हटाने के साथ ही 200 से अधिक चिकित्सकों, दवा विक्रताओं और लाभान्वितों के खिलाफ केस दर्ज करवाया है। करीब छह दर्जन सरकारी चिकित्सकों व कर्मचारियों को निलंबित किया है। इन्हें सरकारी सेवा से बर्खास्त करने की कार्रवाई होगी। चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने बताया कि लंबे समय से योजना में अनियमितताओं की शिकायतें मिल रही थीं।

राजस्थान राज्य स्वास्थ्य बीमा इंश्योरेंस एजेंसी ने फर्जीवाड़े में शामिल 473 कर्मचारियों के खिलाफ उनसे संबंधित विभागों को पत्र लिखकर कार्रवाई करने के लिए कहा है। 100 दवा विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। साथ ही योजना के क्रियान्वयन का जिम्मा वित्त विभाग से छीनकर चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग को सौंपा गया है। दो दर्जन निजी अस्पतालों को योजना से बाहर कर दिया गया। अब इन अस्पतालों में आरजीएचएस का लाभ नहीं मिल सकेगा।

ऐसे हुआ घोटाला : स्वास्थ्य योजना के तहत सरकारी कर्मचारी, पेंशनधारी और उनके आश्रित अधिकृत दवा विक्रेताओं से सरकारी अस्पताल के चिकित्सक की पर्ची पर लिखी गई दवा ले सकते हैं। दवा विक्रेता बिल पेश कर सरकार से भुगतान लेता है। जांच में सामने आया कि कई दवा विक्रेताओं से मिलीभगत करके लाभान्वितों ने दवा के स्थान पर घरेलू सामान खरीद लिया। कुछ मामलों में दवा विक्रेताओं ने सरकारी चिकित्सकों से मिलीभगत करके फर्जी पर्चियां बनवाकर दवा लिखवा ली, जिसके बदले चिकित्सक को कमीशन और उपभोक्ता को घर का सामान दे दिया। कई मामलों में दवा विक्रेताओं ने सरकारी कर्मचारियों से मिलीभगत करके एक ही बिल को कई बार पेश कर वित्त विभाग से भुगतान उठाया। प्रदेश के सबसे बड़े सवाई मानसिंह अस्पताल के चिकित्सक डा. मनोज जैन ने 500 से ज्यादा ओपीडी पर्चियां बनवाई। मरीजों के नाम भी फर्जी लिखे गए। फिर जयपुर के दो दवा विक्रेताओं ने करोड़ों रुपये के बिल बनाकर वित्त विभाग से भुगतान ले लिया। उल्लेखनीय है कि ओपीडी पर्ची पर 50 हजार और गंभीर बीमारी के इलाज पर अधिकतम पांच लाख रुपये सरकार वहन खर्च कर सकती है।

'20% से कम दिव्यांगता पर भी सैन्य कर्मियों को पेंशन का हक'

राज्य ब्यूरो, जागरण ● चंडीगढ़

- केंद्र सरकार की अपील को किया खारिज, एएफटी के फैसले पर मुहर
- मेडिकल बोर्ड की कम प्रतिशत आकलन सीमा नहीं बनेगी बाधा

पंजाब एवं हरियाणा। फाइल

सेना से मेडिकल आधार पर बाहर किए गए कर्मियों के लिए पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट ने महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि यदि किसी सैनिक को सेवा अवधि के दौरान बढ़ी या गंभीर हुई बीमारी/दिव्यांगता के कारण सेवा से मुक्त किया गया है, तो केवल इस आधार पर उसे दिव्यांगता पेंशन से वंचित नहीं किया जा सकता कि उसकी दिव्यांगता 20 प्रतिशत से कम आंकी गई थी। हाई कोर्ट ने केंद्र सरकार की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें सशस्त्र बल न्यायाधिकरण द्वारा दिए गए दिव्यांगता पेंशन के आदेश को चुनौती दी गई थी।

खंडपीठ ने कहा कि जब सेवा से मुक्त किए जाने का वास्तविक कारण वही बीमारी या दिव्यांगता है, जो सेवा के दौरान बढ़ी तो केंद्र यह नहीं कह सकता कि संबंधित सैनिक दिव्यांगता पेंशन का पात्र नहीं है। मामला एक ऐसे पूर्व सैनिक से जुड़ा था, जिसने नवंबर 1971 में भारतीय सेना ज्वाइन की थी और सितंबर 1992 तक सेवा दी। सेवा से मुक्त किए जाने के समय उसे 'हेपाटो-इन्टेस्टाइनल अमीबायसिस' बीमारी से पीड़ित पाया गया। मेडिकल आकलन में उसकी दिव्यांगता 15 से 19 प्रतिशत के बीच मानी गई। इसी आधार पर केंद्र सरकार ने दिव्यांगता पेंशन देने का विरोध किया। सरकार का तर्क था कि बीमारी न तो सैन्य सेवा से जुड़ी थी और न ही उससे बढ़ी थी। हाई कोर्ट ने कहा कि जब रिकार्ड यह दर्शाता है कि बीमारी के कारण सैनिक सेवा जारी रखने में सक्षम नहीं था और उसे मेडिकल आधार पर बाहर करना पड़ा तो कानूनन उसे न्यूनतम 20 प्रतिशत दिव्यांग मानते हुए पेंशन लाभ दिया जाएगा।

यात्रा

गंगोत्री धाम के यात्रा मार्ग में करें प्रकृति एवं संस्कृति का अनुपम दर्शन

मार्ग पर पड़ने वाले दयारा बुग्याल, हर्षिल, क्यारकोटी ट्रेक, नेलांग घाटी व नचिकेता ताल की सैर आपकी यात्रा को बना देगी और यादगार

अजय कुमार ● जागरण

मन मोह लेने वाले दयारा बुग्याल ट्रेक पर आगे बढ़ते पर्यटक ● सभी फोटो जागरण आर्काइव

उत्तरकाशी: गंगोत्री धाम की यात्रा श्रद्धालुओं को तीर्थाटन के साथ खूबसूरत पर्यटन स्थलों के दीदार का भी अवसर प्रदान करती है। गंगोत्री यात्रा मार्ग पर प्रकृति एवं संस्कृति का ऐसा अनूठा संगम देखने को मिलता है कि तन-मन तरोताजा और आत्मा तृप्त हो जाए। ऐसे में गंगोत्री दर्शन को आने वाले श्रद्धालु इन पर्यटन स्थलों का भ्रमण कर सकते हैं, जिससे उनकी यात्रा और यादगार बन जाए। ये स्थल हैं दयारा बुग्याल, हर्षिल, क्यारकोटी ट्रेक, नेलांग घाटी व नचिकेता ताल। धाम के कपाट खुलने के साथ ही इन पर्यटन स्थलों पर चहल-पहल बढ़ जाती है।

हर्षिल : गंगोत्री यात्रा मार्ग पर स्थित हर्षिल गांव प्रसिद्ध पर्यटन स्थलों में से एक है। गंगोत्री धाम से करीब 20 किमी पहले भागीरथी (गंगा) नदी के तट पर स्थित हर्षिल घाटी की प्राकृतिक सुंदरता बरबस पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है। हर्षिल उपला टकनौर क्षेत्र के आठ गांवों में से एक है। इससे लगे गंगा ग्राम बगोरी में जाड़-भोटिया जनजाति के लोग निवास करते हैं, जो अपने पहाड़ी शैली में निर्मित घरों को अब होम स्टे रूप में विकसित कर पर्यटकों को विश्राम की सुविधा उपलब्ध करा रहे हैं।

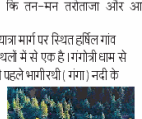

प्रसिद्ध पर्यटन स्थल हर्षिल

दयारा बुग्याल : समुद्रतल से करीब 11 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित मखमली घास के इस मैदान तक पहुंचने के लिए यात्रा मार्ग पर स्थित भटवाड़ी से रैथल गांव होते हुए करीब आठ किमी की ट्रेकिंग करनी पड़ती है। भटवाड़ी से आगे बार्सू गांव जाने वाली सड़क से भी यहां पहुंचने के लिए पैदल ट्रेक है। वन विभाग की निगरानी वाले रैथल-दयारा ट्रेक पर ग्रामीण अपनी छानियों (खेती के लिए बनाया गया अस्थाई निवास) में पर्यटकों को रहने-खाने की सुविधा प्रदान करते हैं। दयारा बुग्याल ट्रेक पर सालभर पर्यटकों की चहल-पहल रहती है, लेकिन इन दिनों कुछ और बढ़ जाती है। अगस्त में यहां प्रसिद्ध बटर फेस्टिवल (अंढूड़ी उत्सव) का भी आयोजन होता है।

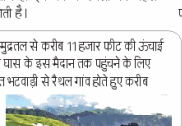

दयारा बुग्याल बरबस लुभाता है

क्यारकोटी ट्रेक : समुद्रतल से 11,414 फीट की ऊंचाई पर स्थित हर्षिल-क्यारकोटी ट्रेक अपनी प्राकृतिक सुंदरता और मनोरम दृश्यों के लिए जाना जाता है। इस ट्रेक की शुरुआत भागीरथी नदी के किनारे बसे हर्षिल गांव से होती है। करीब 16 किमी लंबा यह ट्रेक भोजपत्र व देवदार के घने जंगल और खूबसूरत घाटियों से होता हुआ मखमली घास के मैदान तक पहुंचता है। पर्यटक बुग्याल में जब पहुंचते हैं तो हिमालयी फूलों की खुशबू और क्यारकोटी झील के मनोरम दृश्य उनका स्वागत करते हैं।

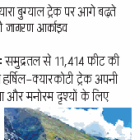

फूलों से लकदक क्यारकोटी

नेलांग घाटी : चीन सीमा से लगी नेलांग घाटी गंगोत्री नेशनल पार्क क्षेत्र में आती है। गंगोत्री धाम से करीब छह किमी पहले नेलांग घाटी के लिए सड़क निकलती है। भौगोलिक परिस्थितियों में यह घाटी केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख और स्पीति घाटी की अनुभूति कराती है। इसे उत्तराखंड का लद्दाख या छोटा लद्दाख नाम से भी जाना जाता है। इनर लाइन क्षेत्र में स्थित होने के कारण नेलांग घाटी भ्रमण के लिए एसडीएम भटवाड़ी के कार्यालय से अनुमति लेना जरूरी होता है।

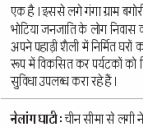

नेलांग घाटी का मनमोहक दृश्य

ऐसे पहुंचें और चखें पहाड़ी रसोई का स्वाद, मिलेंगे पहाड़ी व्यंजन

आप गंगोत्री यात्रा पर आ रहे हैं तो गर्म कपड़े व जरूरी दवाइयां साथ लाना न भूलें। यहां पहुंचने के लिए देहरादून या ऋषिकेश पहुंचें। इसके बाद उक्त सभी स्थानों के लिए वाहनों की सुविधा उपलब्ध है। पूरे यात्रा मार्ग और पर्यटन स्थलों पर होटल व होम स्टे उपलब्ध हैं। होम स्टे में आप पहाड़ी रसोई का स्वाद भी ले सकते हैं। यहां आपको पहाड़ के पारंपरिक घरों में रहने की अनुभूति होगी।

नचिकेता ताल : उत्तरकाशी-लंबगांव मार्ग पर चौरंगीखाल नामक स्थान से नचिकेताताल के लिए करीब चार किमी लंबा पैदल ट्रेक शुरू होता है। देवदार के घने जंगल के बीच स्थित नचिकेता ताल को ऋषिकुमार नचिकेता की जन्मस्थली भी कहा जाता है। ताल के किनारे नचिकेता का एक मंदिर भी है। मान्यता है कि नचिकेता को यमराज ने इसी ताल के किनारे मृत्यु के रहस्य से परिचित कराया था।

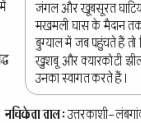

नचिकेता ताल का मनोरम नजारा

निदा को एआइएमआइएम के सभासद ने दी थी शरण

राज्य ब्यूरो, जागरण ● मुंबई

- मतांतरण की आरोपित टीसीएस कर्मचारी है निदा, सभासद के कुछ आतंकी संगठनों के संपर्क में होने का भी शक, मामले में एनआइए और राज्य एटीएस भी कर रही जांच

निदा खान। फाइल

नासिक स्थित टीसीएस कार्यालय में मतांतरण और यौन शोषण के गंभीर मामले में फरार चल रही मुख्य आरोपित निदा खान को महाराष्ट्र के छत्रपति संभाजीनगर में असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआइएमआइएम के सभासद मतीन पटेल ने छुपाकर रखा था। पुलिस ने गुरुवार देर रात छत्रपति संभाजीनगर से ही निदा खान को गिरफ्तार कर शुक्रवार को कड़ी सुरक्षा के बीच नासिक के न्यायालय में पेश किया। न्यायालय ने उसे 11 मई तक हिरासत में भेज दिया। अब पुलिस ने छत्रपति संभाजी नगर महानगरपालिका के एमआइएमआइएम सभासद मतीन पटेल को भी इस मामले में सहआरोपित बना लिया है।

निदा इस मामले में गिरफ्तार आठवीं आरोपित है। सात आरोपित पहले ही गिरफ्तार किए जा चुके हैं। उस पर आरोप है कि वह टीसीएस नासिक कार्यालय में काम कर रही महिलाओं पर मतांतरण का दबाव बनाती थी। वह महिलाओं पर हिजाब पहनने और इस्लामी मान्यताओं का पालन करने के लिए भी दबाव बनाती थी। उसने पीड़िता के मोबाइल में धार्मिक रूप से प्रभावित करने के लिए कुछ एप एवं यूट्यूब के लिंक भी भेजे थे। वह मलेशिया के किसी इमरान नामक व्यक्ति के भी संपर्क में थी, जिसके माध्यम से वह महिलाओं को विदेश भेजने की फिराक में थी। निदा के कुछ आतंकी संगठनों के संपर्क में होने का भी शक किया जा रहा है। इस मामले में एनआइए और राज्य एटीएस भी जांच कर रही है। इस बात की भी जांच की जा रही है कि निदा सहित अन्य आरोपितों के खातों में कहां-कहां से पैसे आते थे और उनका किस प्रकार उपयोग हो रहा था।

नासिक में निदा के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई थी। लेकिन, पिछले 27 दिनों से वह फरार चल रही थी। उसने नासिक कोर्ट में स्वयं के गर्भवती होने का कारण बताते हुए अग्रिम जमानत की याचिका दायर की थी। जिसे कोर्ट ने खारिज कर दिया था। गुरुवार देर रात उसे छत्रपति संभाजी नगर के नारेगांव से गिरफ्तार किया गया। वह खेतों के बीच स्थित एक घर में अपने माता, पिता, भाई और मौसी के साथ रह रही थी। आरोप लग रहा है कि उसे एआइएमआइएम के स्थानीय सभासद मतीन पटेल ने वहां छिपने में मदद की थी। गुरुवार देर रात ही छत्रपति संभाजी नगर से ट्रांजिट रिमांड लेकर शुक्रवार सुबह उसे नासिक रोड पुलिस थाने लाया गया। शुक्रवार को दिनभर पूछताछ के बाद उसे शाम को न्यायालय में पेश किया गया।

हैदराबाद में रिटायर्ड आइपीएस की पत्नी की हत्या

- घरेलू सहायिका की मदद से नेपाली गिरोह ने की हत्या
- घर में वृद्धा के मुंह में नोटों का बंडल ठूंसकर मारा

हैदराबाद, प्रेट्र : रिटायर्ड आइपीएस अधिकारी विनय रंजन राय की पत्नी की हैदराबाद स्थित उनके घर में हत्या कर दी गई है। उनकी घरेलू सहायिका की मदद से एक नेपाली गिरोह ने इस लूट और हत्या की वारदात को अंजाम दिया है। पुलिस के अनुसार 62 वर्षीय तनूजा का शव पाश जुबली हिल्स स्थित प्रशासन नगर कालोनी के उनके तीन मंजिला आवास की पहली मंजिल पर मिला। पीड़ित महिला के मुंह में नोटों का बंडल ठूंसकर गला घोंटकर उन्हें मारा गया है। पुलिस को हत्या में परिवार के हाल ही में नियुक्त घरेलू सहायिका और उसके सहयोगियों की संलिप्तता का संदेह है। नेपाल की घरेलू सहायिका कल्पना ने अपने सहयोगियों के साथ मिलकर तनूजा का गला घोंटकर मार डाला और घर से कीमती सामान और नकद लेकर फरार हो गई। पुलिस का मानना है कि हत्या लगभग 2 बजे रात को हुई। घरेलू सहायिका और उसके दो सहयोगियों को पकड़ने के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं, जो भी नेपाल भेजी जा रही हैं। आंध्र प्रदेश में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) के पद से रिटायर हुए राय घटना के समय शहर से बाहर थे और तनूजा घर के अपने हिस्से में अकेली थीं, जबकि उनके बच्चे ऊपरी मंजिलों पर थे। माना जा रहा है कि घरेलू सहायिका ने अपने दो सहयोगियों को घर में प्रवेश करने में मदद की।

नेपाली घरेलू सहायिका से सतर्क रहने की अपील

पुलिस आयुक्त ने नागरिकों से अपील की कि वे किसी नेपाली को घरेलू सहायिका के रूप में नियुक्त करते समय सतर्क रहें। जो पहले से ही नेपाली को नियुक्त कर चुके हैं, उन्हें सभी सावधानियां बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि नेपाली गिरोहों को मुंबई, पुणे और बेंगलुरु जैसे शहरों में समान अपराधों में शामिल पाया गया है। खैरताबाद के विधायक दानम नागेंद्र ने भी पूर्व आइपीएस अधिकारी के घर का दौरा किया और अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि पुलिस जल्द ही आरोपितों को गिरफ्तार करेगी।

पुडुचेरी की अदालत ने बच्ची से दुष्कर्म और हत्या मामले में सुनाई मौत की सजा

पुडुचेरी, प्रेट्र : पुडुचेरी की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने नौ साल की बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के मामले में दोषी 'काक्का' उर्फ करुणास को शुक्रवार को मौत की सजा सुनाई। साथ ही, पीड़ित के परिवार को 10 लाख रुपये का मुआवजा देने का भी आदेश दिया है। जज ने 30 अप्रैल को आरोपित को 2024 में हुई नाबालिग बच्ची से दुष्कर्म और हत्या के सभी आरोपों में दोषी पाया था। शुरुआत में, मार्च 2024 में बच्ची के अपने घर से लापता होने की रिपोर्ट दर्ज की गई थी। बाद में, उसका शव नाले में मिला था। उसे आखिरी बार करुणास के साथ देखा गया था, जो उस समय 19 साल का था और पीड़ित बच्ची के घर के पास ही रहता था। पुलिस ने करुणास को गिरफ्तार किया और पूछताछ के दौरान उसके साथी विवेकानंद को भी गिरफ्तार कर लिया।

www.jagran.com
राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
शनिवार, 09 मई, 2026

दैनिक जागरण

मनुष्य जैसा सोचता है वैसा ही बनने लगता है

विपक्षी गठबंधन में दरार

तमिलनाडु में अभिनेता जोसेफ विजय की नई बनी पार्टी टीवीके के सबसे बड़े दल के रूप में उभरते ही कांग्रेस ने जिस तरह उसके साथ जाने के संकेत दिए और फिर बिना किसी संकोच ऐसा ही किया, उससे डीएमके का क्रुद्ध होना स्वाभाविक है। डीएमके नेताओं ने कांग्रेस के छिटकने को केवल धोखेबाजी ही नहीं बताया, बल्कि यह भी फैसला किया कि अब संसद में उसके सांसद कांग्रेस सांसदों के साथ नहीं बैठेंगे। यह आइएनडीआइए से नाता तोड़ने की घोषणा ही है। कांग्रेस की तरह डीएमके संग मिलकर चुनाव लड़ने वाली माकपा, भाकपा और वीसीके नामक दल ने भी जिस प्रकार विजय के साथ जाना पसंद किया, वह अवसरवाद के अलावा और कुछ नहीं। चूंकि अब माकपा और भाकपा की कोई खास राजनीतिक अहमियत नहीं, इसलिए उनके डीएमके से अलग होने का कोई अधिक महत्व नहीं, लेकिन कांग्रेस का अलगाव विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए को और अधिक कमजोर करने वाला है। यह एक तथ्य है कि आइएनडीआइए से छिटकने वाले दलों की संख्या बढ़ती चली जा रही है। पहले जदयू अलग हुआ, फिर आम आदमी पार्टी। अब एक तरह से कांग्रेस ही उससे किनारा कर रही है। कांग्रेस नेताओं का तर्क है कि वे चुनाव से पहले ही टीवीके के साथ जाने पर विचार रहे थे, लेकिन यह कथित विचार उन्हें चुनाव बाद गठबंधन तोड़ने का लाइसेंस नहीं देता। आखिर राजनीतिक नैतिकता और गठबंधन धर्म नाम की कोई चीज है या नहीं?

आने वाले समय में आइएनडीआइए के बिखरने की आशंका इसलिए और बढ़ गई है, क्योंकि अन्य राज्यों में कांग्रेस की घटक दलों से खटपट होती रहती है, जैसे महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे की शिवसेना से। यह भी ध्यान रहे कि हाल के विधानसभा चुनावों में बंगाल और केरलम में इस गठबंधन के घटक आमने-सामने ही थे। इस नतीजे पर पहुंचने के पर्याप्त कारण हैं कि कांग्रेस को उसी गठबंधन के भविष्य की परवाह नहीं, जिसका नेतृत्व वह अपने हाथ रखना चाहती है। पहले भी इस गठबंधन का भविष्य बहुत उज्ज्वल नहीं दिख रहा था, पर अब तो वह और स्याह दिखने लगा है। डीएमके संग चुनाव लड़ने वाली कांग्रेस सत्ता की मलाई खाने जिस तरह एक झटके में टीवीके के साथ चली गई, उससे यही साफ हुआ कि वह अपने स्वार्थ के लिए किसी का भी साथ छोड़ सकती है। तमिलनाडु में कांग्रेस और डीएमके का साथ दो दशक से भी अधिक पुराना था, लेकिन उसने अपने स्वार्थ के लिए इस लंबे साथ को कोई अहमियत नहीं दी। अब इसके भरे-पूरे आसार हैं कि इस गठबंधन के अन्य घटक भी मौका देखते ही कांग्रेस से अलग होने में देर नहीं करेंगे। इसकी अनदेखी न की जाए कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कांग्रेस के पलटी मारने पर यह कहकर उस पर तंज ही कसा है कि हम वे नहीं, जो मुश्किलों में साथ छोड़ दें।

जनस्वास्थ्य से खिलवाड़

देहरादून के डोईवाला क्षेत्र में सुसवा नदी के किनारे कूड़े के ढेर में आयरन एवं फोलिक एसिड सिरप की सैकड़ों शीशी मिलना निश्चित रूप से चिंताजनक है। यह पहला मामला नहीं है, जब सरकारी अस्पतालों की दवाइयां इस तरह कूड़े में डाल दी गईं। उत्तराखंड में पहाड़ से लेकर मैदान तक अक्सर ऐसे मामले सामने आते रहते हैं। जांच के बाद विभागीय कार्यवाही की बात होती है और फिर मामला आया-गया हो जाता है। यह विचार करने की जरूरत शायद ही कभी महसूस की गई होगी कि ये दवाइयां आखिर जरूरतमंदों तक क्यों नहीं पहुंच पातीं। जबकि, प्रदेश में गर्भवती महिलाओं व बढ़ते बच्चों में खून की कमी के मामलों की कमी नहीं है। देखा जाए तो इसके लिए कहीं न कहीं स्वास्थ्य विभाग भी जिम्मेदार है। एक ओर सरकारी अस्पतालों में दवाइयों का अभाव किसी से छिपा नहीं है, वहीं जो दवाइयां आ भी रही हैं, उनकी ऐसी बर्बादी हो रही है। अक्सर तर्क दिया जाता है कि एक्सपायरी होने के कारण दवाइयां अनुपयोगी हो गई थीं, लेकिन ऐसी नौबत क्यों आई, इसका कभी जवाब नहीं मिलता। यह सीधे-सीधे जनस्वास्थ्य से खिलवाड़ है, क्योंकि इन दवाइयों को एनीमिया मुक्त भारत अभियान के तहत बांटा जाना था। इससे साफ है कि किस तरह स्वास्थ्य विभाग जनस्वास्थ्य से जुड़े अभियानों पर पलीता लगा रहा है। विभाग अगर जनस्वास्थ्य को लेकर सचमुच गंभीर है तो इसकी झलक उसकी कार्यप्रणाली में भी दिखनी चाहिए। सरकार को भी इस दिशा में कड़े कदम उठाने होंगे।

एक ओर सरकारी अस्पतालों में दवाइयों का घोर अभाव है, वहीं जो दवाइयां आ भी रही हैं, उनकी ऐसी बर्बादी हो रही है

बंगाल में परिवर्तन के साथ पुनर्जागरण

राजनाथ सिंह

बंगाल में हुआ बदलाव सिर्फ राजनीतिक सत्ता का हस्तांतरण नहीं, बल्कि यह ऐसे लोगों के खिलाफ जनादेश भी है, जिन्होंने राज्य को उसके मूल से दूर किया

अवधेश राजपूत

'हे नूतन, देखा दिक आर-बार, जन्मेरो प्रथम शुभोखोन।'' इसका अर्थ है-हे नवीन, एक बार फिर से सामने आओ, ठीक उसी तरह जैसे जन्म के समय वह पहला शुभ क्षण आया था। गुरुदेव रवींद्रनाथ टैगोर की ये पंक्तियां केवल एक कविता का हिस्सा नहीं हैं, बल्कि समय-समय पर स्वतःस्फूर्त और नवीन होने वाली बंगाल के आत्मा का आह्वान भी हैं। गुरुदेव भली-भांति समझते थे कि बंगाल समय के साथ केवल बदलता नहीं है, बल्कि वह बार-बार बेहतर और नए रूप में पल्लवित होता है। गुरुदेव की जयंती पर गाई जाने वाली यह कविता नवजागरण और नवचेतना का प्रतीक है। यह एक सुखद संयोग है कि टैगोर की 165वीं जयंती से कुछ दिन पहले ही बंगाल कई दशकों के बाद नवजागरण का साक्षी बना। भाजपा और प्रधानमंत्री मोदी के लिए यह चुनाव सिर्फ एक राजनीतिक प्रतिस्पर्धा नहीं था। यह इस महान भूमि के खोए हुए गौरव को पुनर्स्थापित करने का एक अवसर था-एक ऐसा सभ्यतागत आह्वान, जो चुनावी समीकरणों और गणनाओं से कहीं ऊपर है।

आज जब बंगाल की चेतना और गौरव का अरुणोदय हो रहा है, तो यह समझने की आवश्यकता है कि बंगाल क्या है और उसकी चेतना का पुनर्जागरण किसे कहा जा सकता है? बंगाल सामाजिक चेतना का केंद्र होने से पहले ज्ञान और आध्यात्मिकता की पवित्र भूमि थी। 15वीं शताब्दी में नबद्वीप के गंगा तट पर एक युवा संन्यासी निमाई ने अपने कीर्तन के माध्यम से समाज को नई दिशा दी। उस युवा संन्यासी को हम संत चैतन्य महाप्रभु के नाम से जानते हैं। उनके द्वारा दिखाया गया भक्ति मार्ग आध्यात्मिक शांति प्राप्त करने के साथ-साथ सामाजिक समरसता का अभियान भी था। उनके द्वारा प्रवाहित वैष्णव परंपरा ने समाज में करुणा, समावेशिता, समता और सद्भावना को बल दिया। यही चेतना बाउल परंपरा में भी दिखाई दी। बाउल परंपरा के फकीरों की पहचान जाति, पंथ या कोई ग्रंथ नहीं, बल्कि मानवता की भावना थी। बाउल परंपरा के सबसे महान प्रवर्तक लालन फकीर थे। वे किस संप्रदाय से थे, यह कभी महत्वपूर्ण नहीं रहा। उन्होंने हिंदू समाज में प्रचलित जाति व्यवस्था का भी विरोध किया तथा मुस्लिम समाज में होने वाले भेदभाव के खिलाफ भी आवाज उठाई। वे बंगाल की उस सांस्कृतिक चेतना के प्रतीक थे, जिसमें सहिष्णुता और सह-अस्तित्व का भाव समाहित था।

विगत तीन शताब्दियों में बंगाल और यहां के लोगों ने केवल भारत के सामाजिक नवजागरण आंदोलन में भाग ही नहीं लिया, बल्कि उसका नेतृत्व भी किया। राजा राममोहन राय ने लोगों को आत्मबोध कराकर समाज को भीतर से सुधारने का मार्ग चुना। सती प्रथा जैसी अमानवीय कुरीति के विरुद्ध उनका संघर्ष केवल समाज सुधार से जुड़ा आंदोलन नहीं था, बल्कि भारतीय आत्मा को पुनर्जीवित करने का एक तप था। इसी तरह ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने शिक्षा को नारी शक्ति के उत्थान, सशक्तीकरण और मुक्ति का साधन बनाया। बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने ''वंदे मातरम्'' जैसा अमर मंत्र राष्ट्र को दिया। इस गीत ने ब्रिटिश साम्राज्य से लड़ने में हमारे स्वतंत्रता सेनानियों को बल दिया और सदियों से सोए हुए देश को जगा दिया। यह गीत आज भी भारत के लोगों के अंतरात्मा का स्वर है। भारत की पहली महिला चिकित्सक डा. कादंबिनी गांगुली ने सभी को और विशेषकर महिलाओं को प्रेरित किया। बंगाल की ही धरती पर जन्मे प्रखर राष्ट्रवादी डा. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने भारत की एकता, अखंडता और संप्रभुता के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया। संभवतः बंगाल की धरती ने जितनी विलक्षण प्रतिभाओं और महान लोगों को जन्म दिया, उनमें सबसे देदीप्यमान और प्रबुद्ध स्वामी विवेकानंद को कहा जा सकता है। शिकागो में दिया गया उनका भाषण इतिहास के पन्नों में स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। उन्होंने विश्व को वेदांत और भारत के महान सभ्यतागत मूल्यों से परिचित कराया।

दुर्भाग्यवश लंबे समय तक बंगाल के कुछ बुद्धिजीवियों और राजनीतिक वर्गों ने अपनी ही सांस्कृतिक विरासत को बोझ समझा और उसे हेय दृष्टि से देखा। सभ्यता, धर्म, संस्कृति और बंगाल की चेतना की बात करने वाले लोगों को और उनकी आवाज को दबाया गया। परिणामस्वरूप बंगाल ने दशकों तक विकासहीनता, अराजकता, संस्थागत पतन और वैचारिक जड़ता का दंश झेला। बंगाल में हुआ परिवर्तन सिर्फ राजनीतिक सत्ता का हस्तांतरण नहीं हैं, बल्कि यह ऐसे लोगों के खिलाफ जनादेश भी है, जिन्होंने बंगाल को उसके मूल से दूर किया। प्रधानमंत्री मोदी के लिए बंगाल विधानसभा का चुनाव सत्ता की लड़ाई नहीं, बल्कि बंगाल के गौरव और विरासत को पुनर्स्थापित करने का यज्ञ था। बेलूर मठ से प्रधानमंत्री मोदी का आत्मिक जुड़ाव, स्वामी विवेकानंद के प्रति उनकी अगाध श्रद्धा और सुशासन को 'सेवा' के रूप में देखने का उनका दृष्टिकोण, ये सभी इसके प्रमाण हैं कि 'प्रधान सेवक' बंगाल के विकास और पुनर्जागरण को एक पावन दायित्व मानते हैं, जिसे वे अपने 'प्रधान धर्म' और 'प्रधान कर्म' के रूप में निभा रहे हैं।

बंगाल के विकास और पुनर्निर्माण का अर्थ कई दशकों से उपेक्षित और जीर्ण-शीर्ण हो चुके इंफ्रास्ट्रक्चर का निर्माण तो है ही, साथ ही उन घाटों को पुनर्जीवित करना भी है, जहां चैतन्य महाप्रभु के कीर्तन ने लोगों को भाव-विभोर किया था। इसका अर्थ उन शैक्षणिक संस्थानों को सशक्त करना भी है, जिनका स्वप्न ईश्वर चंद्र विद्यासागर ने देखा था। इसका अर्थ आदिवासी भाइयों-बहनों को गरिमा, सम्मान और अवसर देना और उपेक्षा झेल रहे पर्वतीय क्षेत्रों के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करना भी है।

पिछले कुछ दशकों में भय और कुशासन के कारण ऐसा प्रतीत होने लगा था मानो बंगाल का स्वर्णिम युग बीत चुका हो, किंतु आज बंगाल एक बार फिर नए आत्मविश्वास और नई ऊर्जा के साथ समृद्धि एवं शांति से भरे नए युग में प्रवेश कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में बनने वाली पहली भाजपा सरकार गुरुदेव के द्वारा वर्णित 'नूतन' भावना के साथ सेवा का संकल्प लेकर आगे बढ़ेगी और बंगाल की प्रतिष्ठा और समृद्धि के साथ राज्य का सांस्कृतिक गौरव बढ़ाने के लिए कार्य करेगी।

(लेखक भारत सरकार में रक्षा मंत्री हैं)
response@jagran.com

सरकार और देश में अंतर करना जरूरी

प्रो. मनोज कुमार झा

एक सशक्त लोकतंत्र वही है, जहां नागरिक निर्भीक होकर सवाल पूछ सकें और जहां असहमति को भी सम्मान मिले

लोकतंत्र की सबसे बुनियादी सच्चाइयों में से एक यह है कि देश और सरकार एक ही इकाई नहीं होते। यह फर्क केवल सैद्धांतिक नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक स्वास्थ्य का मूल आधार है। देश एक जीवंत, बहुस्तरीय और निरंतर विकसित होने वाली सामूहिक चेतना है और उसकी विविधताओं, संघर्षों, इतिहास, आकांक्षाओं और भविष्य का समुच्चय होता है। इसके विपरीत, सरकार एक अस्थायी व्यवस्था है, जिसे जनता समय-समय पर चुनती है। सरकारें आती-जाती रहती हैं, पर देश बना रहता है। इस सरल-सी प्रतीत होने वाली सच्चाई को धुंधला करना, लोकतंत्र के आत्मा को कमजोर करना है। समस्या तब उत्पन्न होती है, जब सत्ताधारी दल अपने राजनीतिक हितों को राष्ट्रहित के रूप में प्रस्तुत करने लगता है। यह प्रवृत्ति नई नहीं है, लेकिन आज के दौर में इसका स्वर अधिक मुखर और आक्रामक हो गया है। सरकार की आलोचना को देश की आलोचना के रूप में चित्रित करना, असहमति को राष्ट्रद्रोह के साथ जोड़ देना और किसी एक नेता की छवि को राष्ट्र की गरिमा के साथ मिला देना, ये सभी प्रवृत्तियां लोकतांत्रिक विमर्श को सीमित करने के औजार हैं। इससे नागरिकों पर दबाव बढ़ता है कि वे सवाल उठाने से बचें, अन्यथा उन्हें ''देश-विरोधी'' ठहरा दिया जाएगा। यह माहौल लोकतंत्र की मूल भावना-स्वतंत्र विचार और बहस के सर्वथा प्रतिकूल है।

किसी भी स्वस्थ लोकतंत्र में आलोचना केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि नागरिकों का कर्तव्य भी होती है। सरकार की नीतियों, निर्णयों और कार्यशैली पर सवाल उठाना, उनका विश्लेषण करना और आवश्यकतानुसार उनका विरोध करना सक्रिय नागरिकता के अनिवार्य तत्व हैं। यदि यह प्रक्रिया कमजोर पड़ती है, तो सत्ता का केंद्रीकरण बढ़ता है और जवाबदेही कम होती जाती है। जब-जब सरकार और राष्ट्र को एक मान लिया गया, तब-तब लोकतांत्रिक संस्थाएं कमजोर हुईं, नागरिक अधिकारों पर आघात हुआ और तानाशाही प्रवृत्तियां पनपीं। किसी भी उच्च पदस्थ नेता की गरिमा और प्रतिष्ठा निस्संदेह महत्वपूर्ण होती है,

आलोचना को अवसर माने सरकार | फाइल

लेकिन उसे राष्ट्र की गरिमा का पर्याय बना देना एक खतरनाक सरलीकरण है। राष्ट्र की प्रतिष्ठा किसी एक व्यक्ति की छवि पर नहीं, बल्कि उसके संस्थानों की मजबूती, नागरिकों की स्वतंत्रता, न्यायपालिका की निष्पक्षता और समाज की समावेशी संरचना पर निर्भर करती है। जब हम किसी नेता की आलोचना को राष्ट्र के अपमान के रूप में देखने लगते हैं, तो हम अनजाने में लोकतंत्र के उस संतुलन को बिगाड़ देते हैं, जो संस्थाओं और व्यक्तियों के बीच स्थापित होना चाहिए। यह याद रखना प्रासंगिक है कि लोकतंत्र में संस्थाएं व्यक्तियों से बड़ी होती हैं। हर दल स्वाभाविक रूप से अपने विस्तार, प्रभाव और चुनावी सफलता के लिए काम करता है और यह लोकतांत्रिक राजनीति का हिस्सा है, पर जब इन हितों को राष्ट्रहित के रूप में प्रस्तुत किया जाता है और विरोध की आवाजों को दबाने का प्रयास होता है, तब समस्या पैदा होती है। इससे नीति-निर्माण में विविध दृष्टिकोणों की गुंजाइश कम हो जाती है और निर्णय एकतरफा हो सकते हैं।

लोकतंत्र का सार ही यह है कि विभिन्न विचारों के बीच संवाद हो और उसी से नीतियों का निर्माण हो। इस बहस में सबसे केंद्रीय भूमिका नागरिक की है। लोकतंत्र में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। सवाल पूछना, जानकारी जुटाना, नीतियों का मूल्यांकन करना और अपनी स्वतंत्र राय बनाना, ये सभी लोकतांत्रिक नागरिकता के आवश्यक तत्व हैं। यदि नागरिक इस जिम्मेदारी से पीछे हटते हैं, तो सत्ता का असंतुलन बढ़ता है और लोकतंत्र कमजोर पड़ने लगता है। समझना जरूरी है कि आलोचना का अर्थ विरोध या नकारात्मकता नहीं होता। रचनात्मक आलोचना वह प्रक्रिया है, जिसके माध्यम से नीतियों में सुधार होता है और शासन अधिक प्रभावी बनता है। एक परिपक्व लोकतंत्र में सरकार आलोचना को अवसर के रूप में देखती है, न कि खतरे के रूप में, पर जब आलोचना को ही शत्रुता के रूप में देखा जाने लगे, तो यह लोकतांत्रिक असुरक्षा का संकेत है। आवश्यक है कि हम देश और सरकार के बीच इस अंतर को स्पष्ट रूप से समझें और बनाए रखें। हमें यह स्वीकार करना होगा कि सरकारें अस्थायी हैं, लेकिन देश स्थायी है। इसलिए हमारी सर्वोपरि निष्ठा किसी दल या व्यक्ति के प्रति नहीं, बल्कि उन मूल्यों के प्रति होनी चाहिए, जो इस देश को परिभाषित करते हैं-लोकतंत्र, न्याय, समानता, संप्रभुता और स्वतंत्रता।

एक सशक्त लोकतंत्र वही है, जहां नागरिक निर्भीक होकर सवाल पूछ सकें, जहां असहमति को सम्मान मिले और जहां सरकारें स्वयं को जनता के प्रति जवाबदेह मानें। देश और सरकार के बीच की इस आवश्यक दूरी को बनाए रखना ही लोकतंत्र की सुरक्षा की सबसे बड़ी गारंटी है। यदि हम इस अंतर को भूल जाते हैं, तो हम न केवल अपनी नागरिक जिम्मेदारी से विमुख होते हैं, बल्कि उस लोकतांत्रिक आत्मा को भी कमजोर कर देते हैं, जिसने हमें एक राष्ट्र के रूप में एकजुट रखा है।

(लेखक राजद के राज्यसभा सदस्य हैं)
response@jagran.com

ऊर्जा

समय का महत्व

विचारकों ने समय की तुलना धन से की है। जो समय बीत गया, उसके अनुभवों का लाभ तो लेना चाहिए, लेकिन उस पर पश्चाताप नहीं करना चाहिए। इससे सिर्फ ग्लानि ही हाथ लगती है। यदि अतीत के दिनों में किसी स्तर पर नासमझी हो गई, तो उसे सुधार कर आने वाले समय को बेहतर बनाने के लिए योजना बनानी चाहिए। समय बहुत है। शारीरिक स्तर पर देखा जाए, तो नवजात शिशु बहुत कोमल और सुंदर लगता है। शनैः शनैः वह बड़ा होता है। कोमलता कम होती जाती है। एक समय आता है कि शरीर जर्जर हो जाता है, चेहरे पर झुर्रियां पड़ जाती हैं। कितना भी यत्न कोई कर ले, लेकिन बाल्यावस्था जैसी कोमलता, स्निग्धता और मधुरता को बरकरार नहीं रख पाता है। जहां समय इस तरह के सौंदर्य को अपहृत करता है, वहीं जैसे-जैसे इंसान बड़ा होता है, तो बदले में यही समय अनुभव, नई जानकारियों का तोहफा देता है तथा परिचय का दायरा विस्तृत करता है। जब समय की यह गति है, तो इसके साथ तालमेल बैठाना चाहिए। समय अपहर्ता है, तो वह दाता भी है। बशर्ते उसके द्वारा दी गई विशिष्टताओं को पूंजी की तरह संभाल कर रखा जाए।

समय की महत्ता को प्रतिपादित करते हुए कहा गया है कि यदि किसी दिन कोई नया काम न किया गया हो, किसी नए व्यक्ति से परिचय न हुआ हो, तो उस दिन को अपने जीवन से निकाल देना चाहिए और मान लेना चाहिए कि यह उसके जीवन का निरर्थक दिन था। नए काम करते रहने से बहुआयामी प्रतिभा का विकास होता है। नए-नए व्यक्तियों से परिचय होने से जुड़ाव बढ़ता है। इस प्रकार समय को सार्थक ढंग से जीते हुए कोई भी व्यक्ति बहुत बड़ी छलांग लगा सकता है। प्रकृति सबके साथ एक जैसा व्यवहार करती है। व्यक्ति जब भी जागृत हो जाता है, तो सामने उपलब्धियों का सूरज दिखाई पड़ने लगता है।

सलिल पांडेय

जैविक खेती की राह दिखाता सिक्किम

देवेंद्रराज सुथार

जैविक खेती केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि दीर्घकालिक आवश्यकता बनती जा रही है

हाल में सिक्किम के राज्य बनने की 50वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने राज्य के जैविक और प्राकृतिक खेती माडल की सराहना करते हुए उसे पूरे देश के लिए प्रेरणास्रोत बताया। सिक्किम ने वर्ष 2016 में स्वयं को पूर्णतः जैविक राज्य घोषित कर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की, जिसके तहत रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया।

भारत में हरित क्रांति के बाद उत्पादन बढ़ाने के लिए रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का व्यापक उपयोग हुआ। प्रारंभिक वर्षों में इससे उत्पादन में वृद्धि हुई, लेकिन लंबे समय में इसके दुष्परिणाम सामने आने लगे। मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना और विभिन्न कृषि अनुसंधानों के अनुसार देश की बड़ी कृषि भूमि में जैविक कार्बन की मात्रा 0.5 प्रतिशत से भी कम रह गई है, जबकि उपजाऊ मिट्टी के लिए यह एक से 1.5 प्रतिशत के बीच होनी चाहिए। इससे मिट्टी की उर्वरता घटती है और अधिक उत्पादन के लिए और अधिक रासायनिक इनपुट की आवश्यकता पड़ती है, जिससे एक दुष्चक्र बन जाता है। रासायनिक खेती का दूसरा बड़ा प्रभाव जल स्रोतों पर पड़ता है। उर्वरकों में मौजूद नाइट्रेट भूजल में मिलकर उसे प्रदूषित करते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार नाइट्रेट युक्त जल का अधिक उपयोग स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है, विशेषकर बच्चों में 'ब्लू बेबी सिंड्रोम' जैसी समस्याएं उत्पन्न कर सकता है। इसके अलावा कीटनाशकों के अवशेष भोजन के माध्यम से मानव शरीर में प्रवेश करते हैं, जिससे दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ता है। पर्यावरणीय दृष्टि से भी रासायनिक खेती जैव विविधता को प्रभावित करती है। मधुमक्खियों, केंचुओं और अन्य सूक्ष्म जीवों की संख्या में कमी देखी गई है, जो प्राकृतिक कृषि चक्र के लिए आवश्यक हैं। जलवायु परिवर्तन के संदर्भ में भी रासायनिक उर्वरकों का अत्यधिक उपयोग हानिकारक ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को बढ़ाता है।

सिक्किम का आकार छोटा है और जनसंख्या कम है, जिससे नीति लागू करना अपेक्षाकृत आसान रहा। बड़े राज्यों में यह प्रक्रिया चरणबद्ध तरीके से ही संभव है। उदाहरण के लिए आंध्र प्रदेश प्राकृतिक खेती की दिशा में लाखों किसानों को जोड़ने का प्रयास कर रहा है। इसी तरह कुछ अन्य राज्यों में भी जैविक क्लस्टर विकसित किए जा रहे हैं। अन्य राज्यों के लिए आवश्यक है कि वे सीधे पूर्ण प्रतिबंध के बजाय मिश्रित और क्रमिक रणनीति अपनाएं। किसानों को प्रशिक्षण, बाजार तक पहुंच, जैविक उत्पादों के लिए उचित मूल्य और संक्रमण काल में आर्थिक सहायता देना आवश्यक होगा। साथ ही उपभोक्ताओं में जागरूकता बढ़ाना भी जरूरी है, ताकि जैविक उत्पादों की मांग स्थिर बनी रहे।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं)

बंगाल में हिंसा क्यों

'चुनाव बाद हिंसा का दुष्चक्र' संपादकीय पढ़ा। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद से राज्य में हिंसा की खबरें भी आने लगी हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि चुनाव के बाद हिंसा की यह प्रवृत्ति राज्य में नई नहीं है। आखिर चुनाव समाप्त होने और जनादेश स्पष्ट हो जाने के बाद भी बंगाल में हिंसा क्यों होती है? क्या इसके पीछे राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता, हार-जीत की प्रतिक्रिया और स्थानीय स्तर पर बढ़ती कटुता जिम्मेदार है? यदि ऐसा है, तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए गंभीर चिंता का विषय है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन हिंसा किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं हो सकती। यह स्थिति न केवल कानून-व्यवस्था पर प्रश्न खड़े करती है, बल्कि लोकतांत्रिक परिवेश को भी प्रभावित करती है। अब इस समस्या का स्थायी समाधान होना चाहिए। राजनीतिक दलों के बीच बढ़ती टकराहट का लाभ देशविरोधी और असामाजिक तत्व उठा सकते हैं। इससे सामाजिक सौहार्द बिगड़ने का खतरा बढ़ जाता है और सबसे अधिक नुकसान आम नागरिकों को उठाना पड़ता है। केंद्र और राज्य सरकारों को मिलकर ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए। साथ ही राजनीतिक दलों को भी संयम और जिम्मेदारी का परिचय देना होगा। मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर होने वाली बहसें ऐसी होनी चाहिए, जो शांति और संवाद को बढ़ावा दें, न कि तनाव और उत्तेजना को। कई बार तीखी बयानबाजी माहौल को और अधिक संवेदनशील बना देती है। लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व, जनादेश के सम्मान और सामाजिक सौहार्द में निहित है। इसलिए सभी पक्षों को मिलकर यह सुनिश्चित करना चाहिए कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा कभी भी हिंसा का कारण न बने।

राजेश कुमार चौहान, जालंधर

मेलबाक्स

स्वास्थ्य बिगाड़ते रासायनिक उर्वरक

हरित क्रांति ने उत्पादन बढ़ाया, पर रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के अंधाधुंध उपयोग ने स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव डाले हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में हर वर्ष लगभग 38.5 करोड़ अनजाने कीटनाशक विषाक्तता के मामले सामने आते हैं तथा लाखों लोग इससे प्रभावित होते हैं। भारत में भी सब्जियों और फलों में अवशेष सीमा से अधिक कीटनाशक पाए जाने की घटनाएं सामने आती रही हैं। विशेषज्ञों के अनुसार ऐसे रसायनों से कैंसर, हार्मोन असंतुलन, त्वचा रोग, बांझपन, तंत्रिका तंत्र की समस्याएं तथा बच्चों में विकास संबंधी विकार बढ़ सकते हैं। भूजल और मिट्टी भी विषैली होती जा रही है, जिससे खाद्य श्रृंखला प्रभावित होती है। समय की मांग है जैविक खेती को लाभ के व्यवसाय में परिवर्तित किया जाए।

ओपी चौधरी, रतलाम

जनादेश का हो सम्मान

लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनादेश को स्वीकार करना और आत्ममंथन करना राजनीतिक परिपक्वता का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। मतदाता चाहते हैं कि उन्हें भयमुक्त वातावरण, बेहतर सुविधाएं और सम्मानजनक जीवन मिले। ऐसे में चुनाव परिणामों को केवल राजनीतिक हार-जीत के रूप में नहीं, बल्कि जनता की अपेक्षाओं और संदेश के रूप में भी देखा जाना चाहिए। लोकतंत्र की मजबूती इसी में है कि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों जनादेश का सम्मान करें। यदि जनता ने बदलाव का निर्णय दिया है, तो उसे स्वीकार करते हुए भविष्य की रणनीति पर विचार करना अधिक उचित माना जाता है। एक संवैधानिक पद पर लंबे समय तक रहने वाले नेताओं से यह अपेक्षा की जाती है कि वे राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर लोकतांत्रिक मर्यादाओं का पालन करें और राज्य के विकास में सकारात्मक भूमिका निभाएं। दोषारोपण की राजनीति से आगे बढ़कर जनभावनाओं को समझना ही स्वस्थ लोकतंत्र की पहचान है।

yj929282joshi@gmail.com

इस स्तंभ में किसी भी विषय पर राय व्यक्त करने अथवा दैनिक जागरण के राष्ट्रीय संस्करण पर प्रतिक्रिया व्यक्त करने के लिए पाठकगण सादर आमंत्रित हैं। आप हमें पत्र भेजने के साथ ई-मेल भी कर सकते हैं।

अपने पत्र इस पते पर भेजें:
दैनिक जागरण, राष्ट्रीय संस्करण,
डी-210-211, सेक्टर-63, नोएडा
ई-मेल: response@jagran.com

संस्थापक-स्व. पूर्णचन्द्र गुप्त, पूर्व प्रधान संपादक-स्व. नरेन्द्र मोहन, नॉन एग्जीक्यूटिव चेयरमैन-महेन्द्र मोहन गुप्त, प्रधान संपादक- संजय गुप्त, जागरण प्रकाशन लि. के लिए: नीतेन्द्र श्रीवास्तव द्वारा 501, आई.एन.एस. बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली-110001 से प्रकाशित और उन्हीं के द्वारा डी-210, 211, सेक्टर-63 नोएडा-201309 से मुद्रित, संपादक (राष्ट्रीय संस्करण) -विष्णु प्रकाश त्रिपाठी*
दूरभाष: नई दिल्ली कार्यालय: 011-43166300, नोएडा कार्यालय: 0120-4615800, E-mail: delhi@nda.jagran.com, R.N.I. No. DELHIN/2017/74721 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन ही होंगे। हवाई/रेल शुल्क ₹-2 अतिरिक्त।

28 प्रतिशत थी तत्कालीन पूर्वी बंगाल में हिंदुओं की जनसंख्या वर्ष 1941 की जनगणना के अनुसार। बंटवारे के बाद वर्ष 1951 की जनगणना में यह संख्या घटकर 22 प्रतिशत रह गई थी, जो निरंतर कम होती गई।

आजकल

चीन से संबंधित भारत की भूआर्थिक चुनौतियां

भारत की सामरिक चुनौती और एशियाई शक्ति-संतुलन के बदलते भूगोल और वैश्विक राजनीति में चीन का उभार सबसे निर्णायक घटनाओं में समझा जा रहा है। पिछले चार दशकों में चीन ने जिस गति से आर्थिक, सैन्य, तकनीकी और भूराजनीतिक शक्ति अर्जित की है, उसने विश्व व्यवस्था की दिशा बदल दी है। कभी पश्चिमी पूंजी और उत्पादन का केंद्र बना चीन अब स्वयं वैश्विक शक्ति-संरचना को प्रभावित करने की स्थिति में पहुंच चुका है। भारत के लिए यह परिस्थिति सामान्य पड़ोसी प्रतिस्पर्धा नहीं रह गई है। लिहाजा भारत को उसी अनुरूप रणनीति बनानी होगी

प्रो. एम. एल. मीणा
विभागाध्यक्ष भूगोल विभाग, हरियाणा केंद्रीय विश्वविद्यालय

समुद्री क्षेत्र में अपनी रणनीति को विस्तार देना सामरिक महत्व के लिहाज से आवश्यक है। प्रतीकात्मक

पिछले कुछ दशकों से चीन निरंतर अपनी भूआर्थिक सीमाओं के सुनियोजित विस्तार में जुटा हुआ है। पिछले एक दशक में ऐसी कई घटनाएं हुई हैं, जो इस तथ्य की पुष्टि करते हैं। यह एशिया में शक्ति-संतुलन, सीमा सुरक्षा, समुद्री हितों, आर्थिक आत्मनिर्भरता और रणनीतिक अस्तित्व से जुड़ा प्रश्न बन चुका है। वास्तव में अगर हम अनौपचारिक तरीके से भू-राजनीतिक गणनाओं पर ध्यान दें तो चीन की विदेश नीति का मूल स्वभाव विस्तारवादी प्रकार का ही रहा है। बात चाहे दक्षिण चीन सागर में कृत्रिम द्वीपों का निर्माण, ताइवान पर सैन्य दबाव, जापान के साथ समुद्री विवाद या फिर हिमालयी सीमाओं पर आक्रामक गतिविधियों की हो, ये सब घटनाएं संकेत देती हैं कि चीन एशिया में प्रभुत्व स्थापित करने की दिशा में व्यवस्थित ढंग से आगे बढ़ रहा है।

इसी व्यवस्थित रूप से आगे बढ़ने की प्रवृत्ति में भारतीय संदर्भ शामिल होता है। इसमें सबसे गंभीर चिंता वास्तविक नियंत्रण रेखा पर चीन की गतिविधियां हैं। वर्ष 2020 की गलवन घाटी की घटना ने दोनों देशों के संबंधों को निर्णायक रूप से बदल दिया था। लगभग चार दशकों बाद सीमा पर सैनिकों की मृत्यु ने यह स्पष्ट कर दिया कि चीन सीमा विवाद को स्थायी रूप से जीवित रखना चाहता है। चीन की रणनीति 'सलामी स्लाइडिंग' के सिद्धांत पर आधारित मानी जाती है, जिसमें छोटे-छोटे भूभागों पर धीरे-धीरे दबाव बनाकर सामरिक बढ़त हासिल की जाती है। पूर्वी लद्दाख, देपसांग और अरुणाचल प्रदेश के संदर्भ में चीन की बयानबाजी इसी नीति का हिस्सा मानी जा सकती है। भारत के लिए समस्या और गहरी तब हो जाती है, जब चीन सीमाई तनाव को समय-समय पर सक्रिय रखकर जानबूझकर सामरिक दबाव बनाए रखना चाहता है, ताकि भारत की क्षेत्रीय और वैश्विक महत्वाकांक्षाएं नियंत्रित रहें।

चीन की विस्तारवादी रणनीति का दूसरा आयाम आर्थिक प्रभाव है। बीआरआइ के माध्यम से चीन ने एशिया, अफ्रीका और यूरोप में बंदरगाह, रेलमार्ग, सड़क और ऊर्जा परियोजनाओं का विशाल नेटवर्क तैयार किया है। पाकिस्तान में चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा, श्रीलंका का हंबनटोटा बंदरगाह, म्यांमार का क्याउकफ्यू पोर्ट और अफ्रीकी देशों में चीनी निवेश इस नीति के प्रमुख उदाहरण हैं। चीन इन परियोजनाओं के माध्यम से आर्थिक निर्भरता को सामरिक प्रभाव में परिवर्तित कर रहा है। श्रीलंका में ऋण संकट के बाद हंबनटोटा बंदरगाह को 99 वर्षों की लीज पर चीन को सौंपना इस माडल की वास्तविकता को उजागर करता है। भारत के लिए यह चिंता का विषय इसलिए भी है, क्योंकि दक्षिण एशिया लंबे समय तक भारत के प्रभाव क्षेत्र के रूप में देखा जाता रहा है, जबकि अब चीन आर्थिक निवेश के जरिये इस क्षेत्र में अपनी स्थायी उपस्थिति दर्ज करा चुका है।

चीन की बढ़ती सक्रियता का तीसरा आयाम हिंद महासागर क्षेत्र में देखने को मिलता है, जोकि भारत की समुद्री सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती बन रहा है। 'स्ट्रिंग आफ पर्ल्स' रणनीति के तहत चीन ने भारत के चारों ओर बंदरगाह और लाजिस्टिक नेटवर्क विकसित किए हैं। पाकिस्तान का ग्वादर, श्रीलंका का हंबनटोटा, बांग्लादेश का चटगांव और जिबूती में सैन्य अड्डा भारत की सामरिक गणनाओं को प्रभावित कर रहे हैं। हिंद महासागर भारत के व्यापार, ऊर्जा आपूर्ति और समुद्री संचार का प्रमुख मार्ग है। हालांकि भारत भी इस रणनीति को गंभीरता से लेते हुए अपने सैन्य और सामरिक प्राथमिकताओं का पुनरावलोकन कर रहा है। इसी कारण पिछले कुछ समय से भारत ने अंडमान-निकोबार कमांड को मजबूत करने, नौसेना आधुनिकीकरण और क्वाड के साथ सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया है।

भारत के लिए सबसे चिंताजनक पक्ष यह है कि चीन दक्षिण एशिया में भारत की पारंपरिक भूमिका को कमजोर करने की कोशिश कर रहा है। नेपाल, श्रीलंका, मालदीव और बांग्लादेश में चीन का बढ़ता निवेश राजनीतिक प्रभाव में बदलता दिखाई दे रहा है। नेपाल में आधारभूत परियोजनाएं, श्रीलंका में पोर्ट निवेश और मालदीव में अवसंरचनात्मक सहयोग इस दिशा के प्रयास हैं। चीन इन देशों को आर्थिक सहायता देकर अपने पक्ष में रणनीतिक वातावरण तैयार कर रहा है।

चीन के उभार का एक महत्वपूर्ण पहलू मनोवैज्ञानिक और वैचारिक प्रभाव भी है। चीन स्वयं को कुशल शासन माडल के रूप में प्रस्तुत करता है, जहां तेज आर्थिक विकास को लोकतांत्रिक बहस से अधिक महत्व दिया जाता है। कई विकासशील देशों में यह धारणा बन रही है कि अधिनायकवादी व्यवस्था तेजी से निर्णय लेने और बड़े आर्थिक परिवर्तन करने में सक्षम होती है। भारत के लिए यह चुनौती वैचारिक स्तर पर भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि भारत लोकतांत्रिक ढांचे के साथ विकास का माडल प्रस्तुत करना चाहता है। यदि भारत आर्थिक असमानता, बेरोजगारी और अवसंरचनात्मक कमजोरियों को दूर नहीं कर पाता, तो चीन का माडल कई देशों को प्रभावी दिखाई दे सकता है।

इसलिए आने वाले समय में भारत को चीन के साथ अधिक कुशलता और कौशलता के साथ निपटना होगा। अंततः चीन का विस्तार भारत के लिए चेतावनी भी है और अवसर भी है। चेतावनी इसलिए, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में शक्ति-संतुलन तेजी से बदल रहा है। अवसर इसलिए कि भारत अपने आर्थिक, तकनीकी और सामरिक ढांचे को पुनर्गठित कर सकता है।

ग्रेट निकोबार का रणनीतिक महत्व

डा. नवीन कुमार मिश्र
भू-राजनीतिक मामलों के जानकार

भू-राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण और दुनिया के व्यस्ततम समुद्री मार्गों में से एक मलक्का के मुहाने पर ग्रेट निकोबार द्वीप की अवस्थिति वैश्विक व्यापार के प्रवाह को नियंत्रित करने वाली है। चीन के ऊर्जा आयात और समुद्री व्यापार का एक बड़ा हिस्सा इसी संकरे रास्ते से होकर गुजरता है, जो चीन की एक बड़ी रणनीतिक कमजोरी के रूप में मौजूद है। गलाथिया खाड़ी में अंतरराष्ट्रीय कंटेनर ट्रांसशिपमेंट पोर्ट विकसित किया जा रहा है। यह बंदरगाह पूर्व-पश्चिम अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक मार्ग के निकट है तथा इसकी प्राकृतिक जल गहराई 20 मीटर से अधिक है। ग्रेट निकोबार के विकास से पूर्वी-हिंद महासागर में भारत के समुद्री प्रभाव के बढ़ने के साथ ही उसकी ट्रांसशिपमेंट पोर्ट, इंटरनेशनल एयरपोर्ट, पावर प्लांट और नई टाउनशिप के विकास से भारत वैश्विक समुद्री व्यापार और लाजिस्टिक्स नेटवर्क में मजबूत स्थिति हासिल कर सकेगा। वहीं कार्गो ट्रांसशिपमेंट के लिए सिंगापुर व कोलंबो बंदरगाहों पर उसकी निर्भरता में भी कमी आएगी और आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलने की संभावनाएं भी हैं।

भारत के पूर्वी क्षेत्र में राजनीतिक बदलाव के क्रम में बांग्लादेश का दृष्टिकोण तथा पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर का फ्लोरिडा में पिछले वर्ष पूर्वी मोर्चे पर लड़ाई का नया क्षेत्र खोलने जैसे दावे पूर्वी सीमा पर भारत को अपनी स्थिति को मजबूत करने के लिए मजबूर करते हैं। इसके अलावा वर्षों से रणनीतिक चर्चा का केंद्र रहा थाईलैंड का 'क्रा इस्थमुस' की सफलता मलक्का समुद्री मार्ग को बाईपास कर आने वाले समय में सीधे हिंद महासागर में प्रवेश का अवसर दे सकता है। ऐसे समय में जब ईरान ने होर्मुज समुद्र मार्ग के माध्यम से पूरे विश्व को प्रभावित कर सकता है, भारत को भी इसकी महत्ता को देखते हुए हमें अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के सबसे दक्षिणी छोर पर स्थित मलक्का के पश्चिमी प्रवेश द्वार से लगभग 40 समुद्री मील की दूरी पर स्थित ग्रेट निकोबार में अपनी एक मजबूत आधुनिक सैन्यीकृत उपस्थिति चीन के 'स्टिंग आफ पर्ल्स' रणनीति को कमजोर करने वाला है तथा इसके विस्तारवादी मंसूबे को नाकाम करने के साथ ही इंडोनेशिया, मलेशिया, सिंगापुर, जापान, दक्षिण कोरिया व रूस को भी प्रभावित करने की क्षमता रखता है। यह क्षेत्र भारत के लिए एक नया रणनीतिक सामुद्रिक और आर्थिक केंद्र के रूप में उभरने का पर्याप्त अवसर भी देती है।

भू-राजनीतिक दृष्टिकोण से ग्रेट निकोबार में बुनियादी ढांचे का विकास इस पूरे परिक्षेत्र का समीकरण बदलने के साथ ही हिंद प्रशांत क्षेत्र में शक्ति संतुलन को भी प्रभावित करने की क्षमता रखता है। बंगाल की खाड़ी में बांग्लादेश की लगभग 360 मील लंबी, म्यांमार की लगभग 1385 मील लंबी समुद्री तटरेखा के साथ थाईलैंड की स्थिति मौजूद है। जब दुनिया अंतरराष्ट्रीय कानून पर कम भरोसा कर रही हो, तब सामरिक और आर्थिक आवश्यकताओं को देखते हुए देशहित में रणनीति तय करते समय राष्ट्रीय सुरक्षा को प्राथमिकता देना उचित है।

क्वाड की वजह से भारत की स्थिति मजबूत प्रतीत जरूर होती है, परंतु ग्रेट निकोबार परियोजना को हिंद-प्रशांत महासागरीय क्षेत्र में गेम चेंजर के तौर पर देखा जा रहा है, जो भारत के सबसे दक्षिणी द्वीप को एक रणनीतिक वाणिज्यिक एवं सैन्य हब में बदल देगा। यह समुद्र में रेत की हिमालयी दीवार की तरह रक्षक बन सकता है, जो आर्थिक रूप से भारत की दशकों पुरानी रसद और ढांचागत कमियों को दूर करने और रणनीतिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने में मददगार साबित होने वाला है।

खरी-खरी

आदमी सड़क का

मनीष कुमार चौधरी

सड़क का आदमी सड़क का ही होता है। वह सड़क या सड़कनुमा जैसी किसी जगह पर पैदा होता है, ताउम्र सड़क पर सड़कनुमा जिंदगी जीता है और अंततः सड़क पर ही दम तोड़ देता है। सड़क का यही आम आदमी कुछ लोगों को चुनाव में जिताता है और उन्हें खास बनाता है। फिर वही खास आदमी सड़क के आदमी को कभी खास नहीं बनने देता और उसे सड़क का ही बनाए रखता है। क्योंकि वह जानता है कि यह सड़क का आदमी ही उसे खास बनाता है। सड़क का आदमी जिंदगीभर सिस्टम से लड़ता रहता है, पर सिस्टम उसे कभी भी सड़क के आदमी की औकात से ऊपर उठने नहीं देता। लेकिन यह बात उसे बहुत समय के बाद समझ में आती है।

वह जानता है कि जिस दिन यह सड़क का आदमी अपनी औकात से ऊपर उठ गया तो वह बैठ जाना है। सिस्टम यह भी जानता है कि इसी सड़क के आदमी से देश चलेगा, इसलिए अपनी ठसक बनाए रखने के लिए सड़क के आदमी को हर पल याद दिलाता रहता है कि तू सड़क का बन, सड़क पर ही रह। वह उसे बार-बार दुत्कार कर इतना हीन बना देता है कि बेचारा सड़क का आदमी उसे नियति मानकर स्वीकार कर लेता है और स्वभाव व कार्य-कलापों में सड़क के किसी आदमी की तरह ही व्यवहार करने लगता है। कभी कोई सड़क का आदमी खुद को सिस्टम से ऊपर समझने की भूल न कर बैठे, इसलिए सिस्टम उसे कदम-कदम पर तुच्छ साबित करता रहता है।

वह जागते-सोते, रोते-हंसते, चलते-दौड़ते, बैठते-उठते... अपने रोम-रोम में सड़क को बसाए रखता है और मन को यही दिलासा देता है कि उसके भाग्य में ही सड़क का आदमी होना लिखा है, तो क्या करे। धीरे-धीरे उसका सोच ही सड़क के आदमी की तरह हो जाता है। जब सोच ही सड़क वाला हो जाएगा तो वह सड़क से ऊपर कैसे उठेगा! इसलिए सड़क का आदमी हमेशा सड़क का होकर रह जाता है। पहले भी वह सड़क का था, अब भी सड़क का है और मरते दम तक सड़क का ही रहेगा। हां, सड़क के आदमी की छवि से उसे छुटकारा मौत के बाद ही मिलेगा, क्योंकि मरने के बाद सड़क के आदमी को कोई याद नहीं करता।

X पोस्ट

पिछले दो बार से भाजपा मुख्यमंत्री के नाम की पर्ची नहीं निकाल रही। बिहार के बाद बंगाल में भी उम्मीद के मुताबिक सुवेंदु अधिकारी को मुख्यमंत्री चुना गया है।
सुकेश रंजन@RanjanSukesh

लगता है कांग्रेस के द्रमुक गठबंधन से बाहर निकलने के बाद आइएनडीआइए का स्वरूप समाप्त हो गया है। डीएमके को गुस्सा इस बात पर आया है कि कांग्रेस ने फैसले की जानकारी एमके स्टालिन को नहीं दी, जबकि अन्य सहयोगी दल उनसे बातचीत कर रहे थे। कांग्रेस का कहना है कि हमें क्यों बताना चाहिए? परिणाम राष्ट्रीय स्तर पर होंगे।
धन्य राजेंद्रन@dhanyarajendran

तमिलनाडु में इन दिनों जिस तरह पुराने गठबंधन टूट रहे हैं एवं सत्ता की लालसा उन राजनीतिक रंजिशों पर भारी पड़ रही है, जिन्हें कभी न भूलने योग्य बताया जाता था, वह स्थिति बहुत कुछ सिखाने वाली है। असल में आज सत्ता ही एकमात्र उद्देश्य बन गई है। बाकी सब खरीदे और बेचे जाने वाली चीज बनकर रह गई हैं।
निस्तुला हेब्बार@nistula

जागरण जनमत — कल का परिणाम

क्या तमिलनाडु के राज्यपाल ने जोसेफ विजय के सरकार बनाने के दावे को ठुकरा कर सही किया?

सभी आंकड़े प्रतिशत में

आज का सवाल

क्या कांग्रेस के डीएमके से नाता तोड़ने से विपक्षी गठबंधन आइएनडीआइए और अधिक कमजोर होगा?

परिणाम जागरण इंटरनेट संस्करण के पाठकों का मत है

जनपथ

हारीं ममता जी मगर परेशान अखिलेश,
है उनके आगे खड़ा सत्ताइस का क्लेश।
सत्ताइस का क्लेश जमे पहले से बाबा,
नाचो-गाओ आप दिलों में रखकर 'काबा'!
बीजेपी का दांव पड़ रहा सब पर भारी,
चला न 'खेला' एक उसी से ममता हारीं!!
-ओम प्रकाश तिवारी

बिहार डायरी

सरकारी कामकाज में तेजी आने की आशा

अरुण अशेष
उप राजनीतिक संपादक, बिहार

राज्य मंत्रिमंडल के पूर्ण विस्तार के बाद अब आशा की जा सकती है कि सरकार अगले विधानसभा चुनाव तक बहुत तेजी से काम करेगी। क्योंकि 2025 के विधानसभा चुनाव के समय आदर्श आचार संहिता के कारण सरकारी कामकाज की गति ठहर गई थी। नवंबर में चुनाव परिणाम आए, उसके बाद से अब तक विशुद्ध राजनीति ही चल रही थी। राज्य में पहली बार भाजपा को सरकार बनाने का अवसर मिला है। अच्छी बात यह है कि सरकार की स्थिरता में इस समय कोई बाधा नजर नहीं आ रही है। इसलिए मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से यह अपेक्षा की जा सकती है कि वे तेजी से काम करेंगे। अच्छी बात यह है कि उन्होंने विकास और सुशासन के मुद्दे पर अपनी प्राथमिकताएं भी तय कर ली हैं।

सरकार की संरचना पर ध्यान दें तो यह कुछ-कुछ नीतीश कुमार के वर्ष 2005-10 के कार्यकाल की तरह है। नीतीश के कार्यकाल का वह दौर ऐसा था, जिसमें सरकार को कहीं से चुनौती नहीं मिल रही थी। नीतीश अपने एजेंडा के अनुसार सरपट चल रहे थे। आज बिहार में जो कुछ अच्छा नजर आ रहा है, उसकी नींव उन्हीं वर्षों में रखी गई थी। उसके बाद के शासन में नीतीश को राजनीतिक मोर्चे पर हर कार्यकाल में कठिनाइयां उठानी पड़ीं। 2010 में जब एनडीए को प्रचंड बहुमत मिला था, भाजपा से नीतीश का मध्य अवधि में टकराव हो गया। वर्ष 2015-20 और 2020-25 के बीच उन्हें दो बार गठबंधन बदलना पड़ा। राज्य का विकास और सरकार बचाने की चुनौती, नीतीश को इन दोनों मोर्चों पर लड़ना पड़ा था।

ध्वस्त हो चुके पुल निर्माण कार्य में तेजी। फाइल

यह ठीक है कि सम्राट को नीतीश की समृद्ध विरासत मिली है। लेकिन, राज्य को आगे बढ़ाने और समय-समय पर जनता से किए गए वादों को पूरा करने के लिए यही काफी नहीं है। यह सभी जानते हैं कि सरकार को नियम संगत ढंग से चलाने में अधिकारियों की बड़ी भूमिका होती है। तंत्र यदि सुस्त हो या उसमें स्वयंभू होने का भाव उत्पन्न हो जाए तो वह राज्य के लिए फलदायक नहीं रह जाता है। तंत्र के कामकाज में सुस्ती और लापरवाही का एक उदाहरण भागलपुर में गंगा नदी पर बना विक्रमशिला सेतु है। इसका एक स्लैब टूट कर नदी में समाहित हो गया। प्रत्यक्ष रूप में यह एक घटना है। लेकिन, पृष्ठभूमि को देखें तो पता चलता है कि इसमें तंत्र की सुस्ती का बड़ा योगदान है। क्योंकि पुल की मरम्मत के लिए धन आवंटन की संचिका सरकारी विभागों के बीच घूमती रही। समय पर उपचार न होने से पुल का एक हिस्सा गिर गया।

इससे पता चलता है कि तंत्र आम जनता की सुविधाओं के प्रति कितना संवेदनहीन हो सकता है। वह फाइलों को किस हद तक उलझा कर रखने में सक्षम है। इससे पहले भी कई पुल टूटे हैं। ढंग से खोजबीन हो तो हर मामले में तंत्र की ऐसी ही सुस्ती सामने आएगी। इन वर्षों में राज्य के प्रशासनिक तंत्र में एक तरह की जड़ता बन गई है। यहां उपलब्ध केंद्रीय और राज्य सेवाओं के पूरे कार्य बल का शायद ही कभी उपयोग हो पाया। परिणाम यह निकला कि अधिकारियों का एक छोटा समूह ही हमेशा सक्रिय रहा। बड़ा हिस्सा केवल नौकरी करने के लिए छोड़ दिया गया।

राज्य सचिवालय में एक-एक अधिकारी के पास प्रभार वाले कई विभाग हैं। इन अधिकारियों की क्षमता पर प्रश्न नहीं है। मगर, यह प्रश्न तो है ही कि कार्य बल की पूर्ण क्षमता का उपयोग क्यों नहीं हो रहा है। इस प्रवृत्ति ने बहुत सीमा तक तंत्र से जुड़े लोगों के मन से उत्तरदायित्व की भावना को कमजोर किया है। क्योंकि उन्हें पता है कि परिणाम के आधार पर कुछ बनने-बिगड़ने वाला नहीं है। इस स्थिति से निर्वाचित जन प्रतिनिधि आहत नहीं हैं। उनका विक्षोभ कभी-कभी विधानसभा की बैठकों में सामने आता है, जब वे अपनी ही सरकार की किसी उपलब्धि वाले दावे को तथ्यों के साथ चुनौती देने लगते हैं। इसी से भ्रष्टाचार को भी संरक्षण मिलता है।

नीतीश कुमार के शासन में भ्रष्टाचार को लेकर शून्य सहनशीलता की नीति के पालन का दावा किया गया। मुख्यमंत्री के रूप में सम्राट चौधरी भी कह रहे हैं कि भ्रष्टाचार, अपराध और सांप्रदायिकता के मामले में वे शून्य सहनशीलता की नीति पर चलते रहेंगे। भला इस सच से कैसे इन्कार किया जा सकता है कि भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहनशीलता की नीति के बावजूद यह कम नहीं हुआ है। इसका पता उस समय चलता है कि जब कोई निगरानी एजेंसी किसी लोकसेवक को पकड़ती है तो अकूत बेनामी संपत्ति का रहस्य खुलता है। इन वर्षों में भ्रष्टाचार करने और उसे रोकने के बीच लगातार संघर्ष चल रहा है। आशा है कि आने वाले दिनों में भ्रष्टाचार के मोर्चे पर शून्य सहनशीलता की जीत होगी।

भारत-बांग्लादेश

आबादी की हो अदला-बदली

बांग्लादेशी हिंदुओं पर हो रहे जुल्मों को देखते हुए भारत में रह रहे हिंदू संगठनों को भारत व बांग्लादेश के बीच हिंदू एवं मुस्लिम आबादी की अदला-बदली की मांग उठानी चाहिए

ओमप्रकाश तिवारी
मुंबई ब्यूरो प्रमुख

बंगाल में भाजपा की प्रचंड विजय के बाद बांग्लादेश ने उम्मीद जताई है कि नई सरकार बनने पर वहां बसे बांग्लादेशियों को जबरन बांग्लादेश नहीं भेजा जाएगा। वहां के गृहमंत्री ने वहां की प्रेस द्वारा पूछे गए एक प्रश्न का उत्तर देते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि भारत की ओर से बांग्लादेशियों को जबरन बांग्लादेश नहीं भेजा जाएगा। इससे पहले बांग्लादेश के विदेश मंत्री खलील-उर-रहमान कह चुके हैं कि अगर लोगों को जबरन धकेलने की कोशिश की गई, तो बांग्लादेश उसे रोकने के लिए कार्रवाई करेगा। बांग्लादेश सरकार की ओर से 'बार्डर गार्ड बांग्लादेश' को लोगों को जबरन भेजने की कोशिश को रोकने के लिए सीमा पर सतर्क रहने के लिए भी कह दिया गया है। विधानसभा चुनाव के दौरान असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा के एक बयान को लेकर भी बांग्लादेश के विदेश विभाग ने वहां भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त पवन बाधे को बुलाकर अपना विरोध दर्ज कराया था। बिस्वा सरमा ने असम से अवैध बांग्लादेशियों को वापस भेजने की बात कही थी।

यह तो बात हुई बंगाल में सत्ता परिवर्तन की आहट सुनाई देते ही बांग्लादेश में उपजी बेचैनी की। अब हमें आंकड़ों के आलोक में भारत और बांग्लादेश में स्थायी शांति और दोनों देशों की उन्नति की संभावनाओं पर भी विचार करना चाहिए। 1941 की जनगणना के अनुसार तत्कालीन पूर्वी बंगाल में हिंदुओं की जनसंख्या लगभग 28 प्रतिशत थी। बंटवारे के बाद 1951 की पहली जनगणना में यह संख्या घटकर 22 प्रतिशत (लगभग 97 लाख) रह गई थी। हालांकि बांग्लादेश की 2022 की जनगणना के अनुसार वहां अब 1.31 करोड़ हिंदू ही बचे हैं। कुल जनसंख्या के अनुपात में हिंदुओं की हिस्सेदारी घटकर 7.95 प्रतिशत रह गई है।

अब एक नजर डालते हैं भारत की आजादी एवं देश विभाजन के समय हुई जनसंख्या के विस्थापन पर। वर्ष 1947 के भारत विभाजन के बाद पश्चिमी और पूर्वी पाकिस्तान से भारत आने वाले और भारत से पाकिस्तान जाने वाले लोगों के आंकड़ों के लिए 1951 की जनगणना को मुख्य स्रोत माना जाता है। भारत विभाजन के समय पश्चिमी पाकिस्तान (आज का पाकिस्तान) से लगभग 47 लाख हिंदू और सिख शरणार्थी और पूर्वी पाकिस्तान (आज का बांग्लादेश) से लगभग 26 लाख लोग भारत आए थे। अर्थात 1951 की भारतीय जनगणना के अनुसार, पाकिस्तान के दोनों हिस्सों से कुल 73 लाख हिंदू और सिख विस्थापित होकर भारत आए। बदले में भारत से लगभग 65 लाख मुसलमान पश्चिमी पाकिस्तान और सात लाख पूर्वी पाकिस्तान गए। इस प्रकार विभाजन के दौरान 1.45 करोड़ लोगों ने सीमा पार की, जो इतिहास के सबसे बड़े मानव विस्थापन में से एक था।

अब बात करते हैं बांग्लादेशी घुसपैठियों की। वर्ष 2004 में तत्कालीन गृहराज्यमंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल ने संसद में बताया था कि असम में लगभग 50 लाख एवं बंगाल में लगभग 57 लाख बांग्लादेशी घुसपैठिए रह रहे थे। रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रा) के पूर्व विशेष सचिव अमर भूषण जैसे विशेषज्ञों के शोध पर भरोसा करें, तो अकेले बंगाल में ही आज तीन करोड़ से ज्यादा बांग्लादेशी घुसपैठिये हो सकते हैं। इनमें बड़ी संख्या गैरमुस्लिम घुसपैठियों की भी हो सकती है। इस प्रकार बंगाल एवं असम के मुस्लिम बांग्लादेशी घुसपैठियों की ही कुल अनुमानित संख्या आज बांग्लादेश में रह रहे हिंदुओं से लगभग दोगुनी बैठेगी। यह स्थिति तब है, जब इन दोनों राज्यों में घुसपैठियों की संख्या का कोई सटीक निर्धारण नहीं हो सका है।

भारत और बांग्लादेश के बीच आबादी के व्यावहारिक अदला-बदली करने पर हो विचार। फाइल

वास्तव में, न सिर्फ इसका सटीक निर्धारण किया जाना चाहिए, बल्कि आजादी के बाद से अब तक कई बार बांग्लादेशी हिंदुओं पर हो चुके जुल्मों को देखते हुए भारत में रह रहे हिंदू संगठनों को भारत और बांग्लादेश के बीच हिंदू और मुस्लिम जनसंख्या की अदला-बदली की मांग जोर-शोर से उठानी चाहिए। भारत सरकार को भी अपने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) में संशोधन करके बांग्लादेशी हिंदुओं के संदर्भ में इसकी समय सीमा बढ़ाने की पहल करनी चाहिए। यह बात कुछ लोगों को अतार्किक लग सकती है, लेकिन पांच अगस्त, 2024 को बांग्लादेश में शेख हसीना सरकार को अपदस्थ किए जाने के बाद वहां के हिंदुओं पर जिस तरह के अत्याचार हुए हैं, उसे देखते हुए इस 'अतार्किक' सी लगनेवाली बात को भी 'तार्किक प्रस्ताव' में बदले जाने की आवश्यकता महसूस होती है। आखिरकार 1903 से 1905 के बीच लार्ड कर्जन द्वारा लाए गए बंगाल विभाजन के प्रस्ताव के बाद सुरेंद्रनाथ बनर्जी एवं 1947 में भारत विभाजन के दौरान बंगाल में श्यामाप्रसाद मुखर्जी और असम में गोपीचंद बोरदोलोई ने हिंदुओं का हित देखते हुए ही तब जिन्ना और सुहरावर्दी जैसे नेताओं का विरोध कर बंगाल एवं असम समेत पूरे पूर्वोत्तर को पाकिस्तान का हिस्सा बनने से बचा लिया था।

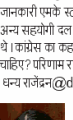

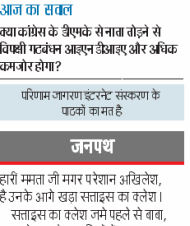

माना कि आज इस सोच को गले से नीचे उतारना आसान नहीं होगा। लेकिन आज असम और बांग्लादेश के साथ केंद्र में भी भाजपा जैसी राष्ट्रवादी सोच की सरकार रहते इस लक्ष्य को मुश्किल से ही सही, लेकिन पूरा किया जा सकता है। यदि भारत की ओर से ऐसा कोई प्रस्ताव दिया जाए, तो बांग्लादेश की सरकार को भी उस पर गंभीरता से सोचकर 'हां' या 'ना' कहना चाहिए। क्योंकि अपनी सवा करोड़ से ज्यादा आबादी को निरंतर खतरे में डालकर, और दोयम दर्जे का नागरिक बनाकर कोई राष्ट्र प्रगति नहीं कर सकता।

चौथी तिमाही में टाइटन को 1,179 करोड़ का लाभ

नई दिल्ली: टाटा समूह की आभूषण और घड़ी निर्माता कंपनी टाइटन को जनवरी-मार्च 2026 तिमाही के दौरान 1,179 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है। कंपनी ने रेग्युलेटरी फाइलिंग में बताया कि इसमें पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के 871 करोड़ रुपये के मुकाबले 35.36 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। बीती तिमाही के दौरान कंपनी की बिक्री 48.28 प्रतिशत बढ़कर 20,607 करोड़ रुपये रही है। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कंपनी का लाभ 52 प्रतिशत बढ़कर 5,073 करोड़ रुपये रहा है। (प्रेट्र)

भारत के डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर ने विश्व-स्तरीय पैमाना हासिल कर लिया है, लेकिन डिजिटल पहुंच, डाटा गवर्नेंस, इंटरआपरेबिलिटी और साइबर सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियां अभी भी चिंता का विषय बनी हुई हैं।

– वी. अनंत नागेश्वरन, मुख्य आर्थिक सलाहकार

संसेक्स	77,328.19	▼ 516.33
निफ्टी	24,176.15	▼ 150.50
सोना प्रति दस ग्राम	₹1,55,900	▼ ₹100
चांदी प्रति किलो ग्राम	₹2,61,300	▼ ₹200
डालर	₹94.47	▲ ₹0.25
क्रूड प्रति बैरल	$100	

एक नजर में

हुंडई मोटर इंडिया के लाभ में 22 प्रतिशत की गिरावट

नई दिल्ली: हुंडई मोटर इंडिया ने शुक्रवार को बताया कि जनवरी-मार्च 2026 तिमाही के दौरान उसका लाभ 22.22 प्रतिशत घटकर 1,255.63 करोड़ रुपये रहा है। इसकी वजह ज्यादा खर्च रही है। जनवरी-मार्च 2025 के दौरान कंपनी को 1,614.35 करोड़ रुपये का लाभ हुआ था। पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान भी कंपनी का लाभ घटकर 5,431.52 करोड़ रुपये रहा है, जो इससे पिछले वित्त वर्ष 2024-25 में 5,640.21 करोड़ रुपये था। कंपनी 21 रुपये प्रति शेयर की दर से लाभांश देगी। (प्रेट्र)

7.79 अरब डालर घटा विदेशी मुद्रा भंडार

मुंबई: बीते सप्ताह देश के विदेशी मुद्रा भंडार में 7.79 अरब डालर की गिरावट रही है। आरबीआइ के अनुसार, एक मई को समाप्त सप्ताह में कुल विदेशी मुद्रा भंडार घटकर 60.693 अरब डालर रह गया है। बीते सप्ताह विदेशी मुद्रा आस्तियों में 2.797 अरब डालर की कमी दर्ज की गई और अब यह घटकर 551.825 अरब डालर रह गई हैं। इसी तरह, स्वर्ण भंडार का मूल्य 5.021 अरब डालर घटकर 115.216 अरब डालर रह गया है। इससे पहले 24 अप्रैल को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 4.82 अरब डालर घटा था। (प्रेट्र)

जेप्टो समेत छह कंपनियों के आइपीओ को मिली मंजूरी

नई दिल्ली: कैपिटल मार्केट रेग्युलेटर सेबी ने छह कंपनियों को आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आइपीओ) लाने की मंजूरी दी है। इन कंपनियों में क्विक कामर्स यूनिकार्न जेप्टो, आटो उपकरण निर्माता धूत ट्रांसमिशन, हारिजन इंडस्ट्रियल पार्क्स, सर्गीवियर, क्रिस्टल क्राप प्रोटेक्शन और होटल पोलो टावर्स शामिल हैं। आइपीओ के जरिये जेप्टो करीब 11 हजार करोड़ रुपये और धूत ट्रांसमिशन 2,258 करोड़ रुपये जुटा सकती हैं। हारिजन इंडस्ट्रियल पार्क्स नए शेयरों की बिक्री के जरिये आइपीओ में 2,600 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। (प्रेट्र)

तेल कंपनियों को 30 हजार करोड़ का नुकसान

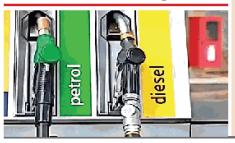

अब बढ़ाई जा सकती है पेट्रोल-डीजल की कीमत, आम जनता पर अभी तक नहीं डाला गया बोझ

- पश्चिम एशिया संकट के कारण 50 प्रतिशत से अधिक बढ़ी तेल कंपनियों की इनपुट लागत
- एक्साइज ड्यूटी नहीं घटाई जाती तो 62,500 करोड़ रुपये तक बढ़ जाता यह नुकसान

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली: पश्चिम एशिया संघर्ष ने वैश्विक क्रूड बाजार में जिस तरह से आग लगाई है, उससे अभी तक तो आम जनता को बचा कर रखा गया है लेकिन अब ज्यादा दिनों तक यह संभव नहीं दिख रहा। वजह यह है कि सरकार की तरफ से तमाम उपायों के बावजूद सरकारी क्षेत्र की तीनों तेल कंपनियों (इंडियन आयल, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, भारत पेट्रोलियम) के लिए अब पेट्रो उत्पादों की बिक्री में होने वाले घाटा को सहना मुश्किल हो गया है। पेट्रोलियम मंत्रालय का आकलन है कि सिर्फ मार्च व अप्रैल के बीच उक्त तीनों कंपनियों को संयुक्त तौर पर 30 हजार करोड़ रुपये का घाटा हो गया है। अगर केंद्र सरकार ने उन्हें उत्पाद शुल्क में कटौती करके मदद नहीं की होती तो यह घाटा 62,500 करोड़ रुपये का हो गया होता।

पेट्रोलियम मंत्रालय के सूत्रों का कहना है कि जब कच्चे तेल की कीमत 120 डालर प्रति बैरल को पार गई थी, तब पेट्रोल पर प्रति लीटर लगभग 24 रुपये और डीजल पर लगभग 30 रुपये का बोझ उठाया था। केंद्र सरकार ने पेट्रोल पर उत्पाद शुल्क को 13 रुपये से घटकर 3 रुपये प्रति लीटर और डीजल पर 10 रुपये से शून्य करके हानि को कम करने में मदद की है। लेकिन इससे केंद्र सरकार को भी राजस्व का नुकसान भी हुआ है। पश्चिम एशिया संघर्ष अब ग्यारहवें सप्ताह में प्रवेश कर चुका है और मौजूदा व्यवस्था अनिश्चितकाल तक नहीं चलाई जा सकती। वैसे भी दुनिया के बाकी देशों की तुलना में भारतीय ग्राहक अभी तक पेट्रो महंगाई से सुरक्षित रखे गए हैं। इस दौरान हांगकांग में पेट्रोल की कीमत में 25 प्रतिशत, सिंगापुर में 30 प्रतिशत, इटली-जर्मनी-फ्रांस जैसे देशों में 35-30 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। जबकि भारत में पेट्रोल अभी भी लगभग 95-96 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। कई छोटे देशों ने और भी सख्त कदम उठाए जैसे बांग्लादेश ने ईंधन राशनिंग लागू की, श्रीलंका ने चार दिवसीय कार्य सप्ताह, फिलीपींस ने राष्ट्रीय ऊर्जा आपातकाल घोषित किया, पाकिस्तान और ताइवान में भी प्रतिबंध लगाए गए।

वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान पर हमले शुरू करने से पहले 72 डालर प्रति बैरल के आसपास था। पश्चिम एशिया में तनाव के चरम के दौरान ब्रेंट क्रूड 144 डालर प्रति बैरल के उच्च स्तर तक पहुंचा था।

ऊर्जा सुरक्षा परियोजनाओं पर असर संभव

अधिकारी बताते हैं कि अगर खुदरा कीमतों को बढ़ाकर पेट्रोलियम व्यवसाय को व्यवस्थित नहीं किया गया तो भारत में पेट्रोलियम उत्पादों का रणनीतिक भंडार बनाने, गैस पाइपलाइन बिछाने, रिफाइनरियों की क्षमता बढ़ाने जैसी ऊर्जा सुरक्षा परियोजनाओं पर भी असर पड़ सकता है। भारत का वर्तमान रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व मात्र 53.3 लाख टन है, जो करीब 15 दिन के आयात के बराबर है। एलपीजी के लिए 30 दिन का समर्पित रिजर्व बनाने की योजना है। पश्चिम एशिया संकट के बाद इन योजनाओं पर तेजी से काम करने की जरूरत है। रिफाइनरियां पूरी क्षमता पर चल रही हैं जिसे ज्यादा दिनों तक बनाए रखना संभव नहीं है।

हमारी तेल विपणन कंपनियां बाजार से महंगा कच्चा तेल, गैस और एलपीजी खरीद रही हैं। लेकिन अपने उपभोक्ताओं को बचाने के लिए वे इसे कम कीमतों पर बेच रही हैं। इससे तेल वितरण कंपनियों को हर महीने करीब 30 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। एक्साइज ड्यूटी में कटौती से सरकार को भी हर महीने 14 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा है। **– सुजाता शर्मा**, संयुक्त सचिव, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय

बीते वित्त वर्ष में एसबीआइ को 80,032 करोड़ रुपये का लाभ

वित्त वर्ष 2024-25 के 70,901 करोड़ रुपये के मुकाबले 13 प्रतिशत की वृद्धि रही, 17.35 रुपये प्रति शेयर लाभांश देगा बैंक

नई दिल्ली, प्रेट्र: सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक एसबीआइ को बीते वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कुल 80,032 करोड़ रुपये का लाभ हुआ है। बैंक ने शुक्रवार को बताया कि इसमें वित्त वर्ष 2024-25 के 70,901 करोड़ रुपये के मुकाबले 13 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। बैंक के बोर्ड ने 17.35 रुपये प्रति शेयर का लाभांश देने की सिफारिश की है। लाभांश का भुगतान चार जून को किया जाएगा।

बैंक ने रेग्युलेटरी फाइलिंग में बताया कि जनवरी-मार्च 2026 तिमाही के दौरान उसका एकल शुद्ध लाभ छह प्रतिशत बढ़कर 19,684 करोड़ रुपये रहा है। इसमें खराब लोन में कमी का प्रमुख योगदान रहा है। जनवरी-मार्च 2025 के दौरान बैंक को 18,643 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ था। हालांकि, बीती तिमाही के दौरान बैंक की कुल आय घटकर 1,40,412 करोड़ रुपये रही है, जो पिछले वर्ष समान अवधि में 1,43,876 करोड़ रुपये थी। तिमाही के दौरान बैंक ब्याज से आय बढ़कर 1,23,098 करोड़ रुपये रही है, जो एक वर्ष पहले समान अवधि में 1,19,66 करोड़ रुपये थी।

बीती तिमाही के दौरान बैंक का सकल एनपीए घटकर कुल अग्रिम का 1.49 प्रतिशत पर आ गया है।

किफायती घरों की परिभाषा की समीक्षा हो: शेट्टी

एसबीआइ के चेयरमैन सीएस शेट्टी ने कहा कि औसत लोन का आकार अब बढ़कर 51 लाख रुपये हो गया है, जबकि दो साल पहले यह करीब 35-40 लाख रुपये था। ऐसे में किफायती घरों की परिभाषा में बदलाव की जरूरत है। अभी 45 लाख रुपये तक की लागत वाले घरों को किफायती घर कहा जाता है।

अप्रैल में शाकाहारी व मांसाहारी थाली की लागत दो प्रतिशत बढ़ी

टमाटर और एलपीजी की कीमतों में तेजी का दिखा असर, सस्ते प्याज, आलू और दाल ने वृद्धि की कुछ भरपाई की

नई दिल्ली, एएनआइ: अप्रैल 2026 में घर पर बनी शाकाहारी और मांसाहारी, दोनों तरह की थालियों की लागत में वार्षिक आधार पर दो प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। क्रिसिल इंटेलिजेंस की ताजा 'रोटी राइस रिपोर्ट' के अनुसार, इसकी वजह टमाटर, वनस्पति तेल और लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) सिलिंडरों की कीमतों में हुई बढ़ोतरी है, जिससे खाने-पीने का खर्च बढ़ गया।

थाली की लागत बढ़ने के पीछे एक बड़ी वजह टमाटर की कीमतों में तेजी रही है। रिपोर्ट के मुताबिक, दक्षिणी राज्यों में खेती का रकबा कम होने से उत्पादन में 3-4 प्रतिशत की गिरावट आई है, जिसके चलते अप्रैल 2026 में टमाटर की कीमतें पिछले साल के मुकाबले 38 प्रतिशत बढ़कर 29 रुपये प्रति किलो हो गईं। अप्रैल 2025 में यह कीमत 21 रुपये प्रति किलो थीं। वैश्विक आपूर्ति में रुकावटों के कारण वनस्पति तेल और एलपीजी सिलिंडरों की कीमतें भी सालाना आधार पर सात प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गईं। ब्रायलर (चिकन) की कीमतों में तेजी के कारण मांसाहारी थाली की लागत भी दो प्रतिशत बढ़ी है।

हालांकि, थाली की कीमतों में हुई बढ़ोतरी की कुछ हद तक भरपाई प्याज, आलू और दालों की कम कीमतों से हो गई। पिछले महीने प्याज की कीमतों में वार्षिक आधार पर 16 प्रतिशत और आलू की कीमतों में 14 प्रतिशत की गिरावट रही है। वहीं, दाल की कीमतों में चार प्रतिशत की कमी रही है।

भारत में ड्रोन और सर्वर बनाएगी गूगल: वैष्णव

नई दिल्ली, आइएएनएस: केंद्रीय इलेक्ट्रानिक्स मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को इंटरनेट की दिग्गज कंपनी गूगल के अधिकारियों से मुलाकात है। इसके बाद वैष्णव ने एक्स पोस्ट में कहा कि गूगल भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में निवेश को मौकों की तलाश कर रही है। इसमें सर्वर और ड्रोन का उत्पादन भी शामिल है।

केंद्रीय मंत्री की यह टिप्पणी गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई की उस घोषणा के कुछ समय बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था कि कंपनी इस साल अपना कुल पूंजीगत खर्च बढ़ाकर 185 अरब डालर कर देगी। इसका मुख्य कारण एआइ इन्फ्रास्ट्रक्चर में किया जा रहा जोरदार निवेश है। गूगल ने आंध्र प्रदेश में पहले ही 15 अरब डालर की एक बड़ी निवेश योजना का ऐलान किया है, जिसके तहत विशाखापत्तनम में एआइ हब बनाया जाएगा।

एअर इंडिया ने वेतन वृद्धि तीन माह टाली

- कुछ रूट्स पर सेवाएं रोकने पर भी विचार करेगी विमानन कंपनी
- कंपनी के सीएचआरओ ने कहा, हमें छंटनी की कोई उम्मीद नहीं

नई दिल्ली, प्रेट्र: पश्चिम एशिया संकट के कारण विमान ईंधन महंगा हो गया है, जिससे विमानन कंपनियों की लागत बढ़ गई है। इससे निपटने के लिए कंपनियां विभिन्न उपाय कर रही हैं। इस बीच एअर इंडिया ने शुक्रवार को अपने कर्मचारियों से गैर-आवश्यक खर्चों को टालने के लिए कहा। साथ ही कंपनी ने कहा कि कर्मचारियों की वार्षिक वेतन वृद्धि को कम से कम एक तिमाही के लिए स्थगित किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, एअर इंडिया ने कर्मचारियों को आश्वस्त किया है कि छंटनी की कोई उम्मीद नहीं है।

एक टाउनहाल को संबोधित करते हुए विमानन कंपनी के सीईओ और प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन ने कहा कि कंपनी कुछ रूट्स पर उड़ानों की संख्या कम करने या सेवाओं को रोकने पर विचार करेगी। इसका कारण यह है कि कुछ उड़ानें या तो पहले जितनी लाभदायक नहीं रहीं या फिर एयरस्पेस की पाबंदियों के कारण घाटे में चल रही हैं। एअर इंडिया के बेड़े में अभी लगभग 190 विमान हैं। वित्त वर्ष वर्ष के दौरान कंपनी ने हर सप्ताह लगभग 8,000 उड़ानें संचालित कीं। विल्सन ने कहा कि रुपये में तेज गिरावट हो रही है और जेट ईंधन की कीमतों में 2.5-3 गुना वृद्धि हुई है। एअर इंडिया समूह का अनुमान है कि उसे वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 22 हजार करोड़ से अधिक का नुकसान हुआ है।

योजनाबद्ध पदोन्नति जारी रखेगी कंपनी: कंपनी के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी (सीएचआरओ) रविंद्र कुमार ने बताया कि एयरलाइन पिछले वित्त वर्ष के लिए परिवर्तनीय वेतन जारी रखेगी और योजनाबद्ध पदोन्नतियों को जारी रखेगी। वार्षिक वृद्धि को कम से कम एक तिमाही के लिए स्थगित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम छंटनी की उम्मीद नहीं करते। इससे पहले गुरुवार को एयरलाइन की बोर्ड बैठक में भी विभिन्न लागत-बचत के कदमों पर चर्चा हुई थी। इसमें कर्मचारियों को बिना वेतन छुट्टी पर भेजना भी शामिल है। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एअरलाइन के पास लगभग 24,000 कर्मचारी हैं।

बिजनेस से जुड़ी खबरों और अपडेट के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

71 पैसे बढ़कर 93.51 पर बंद हुआ रुपया

मुंबई, प्रेट्र: पश्चिम एशिया अस्थिर हालात के बीच ऊर्जा आपूर्ति को लेकर नई चिंताएं पैदा हो गई हैं। इससे शुक्रवार को डालर में गिरावट दर्ज की गई और रुपया अपनी शुरुआती गिरावट से उबरते हुए 71 पैसे की जोरदार बढ़त के साथ 93.51 प्रति डालर पर बंद हुआ।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि निवेशकों की भावनाएं तब प्रभावित हुईं, जब ईरान ने अमेरिका पर संघर्ष विराम का उल्लंघन करने का आरोप लगाया। ईरान ने कहा कि अमेरिका ने होर्मुज जलडमरूमध्य और नागरिक इलाकों में नए हमले किए हैं, जबकि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि संघर्ष विराम अभी भी लागू है। कारोबारियों ने कहा कि वैश्विक बाजारों में जोखिम से बचने की प्रवृत्ति और कमजोर घरेलू बाजारों का भी रुपये पर दबाव रहा। शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 516.33 अंक गिरकर 77,328.19 पर और निफ्टी 150.50 अंक गिरकर 24,176.15 पर आ गया।

राष्ट्रीय फलक

अनिल अंबानी की एडीएजी से जुड़ी बैंकिंग धोखाधड़ी की जांच जरूरी: सुप्रीम कोर्ट

- कोर्ट ने जांच की निगरानी की योजना बनाई, जुलाई में सुनवाई
- सात मामलों में अनुमानित नुकसान करीब 27,337 करोड़ रुपये

नई दिल्ली, प्रेट्र: सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अनिल धीरूभाई अंबानी समूह (एडीएजी) और इनकी कंपनियों से जुड़े कथित विशाल पैमाने पर बैंकिंग धोखाधड़ी के मामले की गहन जांच की आवश्यकता है, क्योंकि सीबीआइ ने बताया कि सात मामलों में कुल अनुमानित नुकसान लगभग 27,337 करोड़ है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह वर्तमान में जांच की निगरानी करने की योजना बना रहा है।

पीठ ने शुक्रवार को जनहित याचिका पर सुनवाई की जिसमें एडीएजी की कंपनियों द्वारा 40,000 करोड़ रुपये से अधिक के ऋण धोखाधड़ी की अदालत द्वारा निगरानी की जांच की मांग की थी। सीबीआइ ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि नौ एफआइआर दर्ज की गई हैं, जिनमें से दो में चार्जशीट दाखिल की गईं और सात मामलों में जांच जारी है।

सुप्रीम कोर्ट। फाइल

याची के अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि यह अजीब है कि सीबीआइ और ईडी दोनों ने कहा कि यह 27,000 करोड़ का घोटाला है और अनिल अंबानी मुख्य आरोपित हैं, लेकिन अब तक उन्हें गिरफ्तार नहीं किया गया। भूषण ने कहा, "हर जगह सीबीआइ और ईडी कह रहे हैं कि इस 27,000 करोड़ रुपये के घोटाले में अनिल अंबानी मुख्य आरोपित हैं। फिर भी ना तो सीबीआइ और ना ही ईडी उन्हें गिरफ्तार करने को तैयार हैं, जैसे कि वह एक पवित्र गाय हैं।" पीठ ने अवलोकन किया कि सुप्रीम कोर्ट ने बार-बार कहा कि गिरफ्तारी का आदेश देने में वह अत्यंत संकोच करेगा जब तक कि जांच एजेंसी ऐसा नहीं चाहती। अनिल अंबानी का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि अनिल अंबानी जांच में सहयोग कर रहे हैं। लेकिन उनका एकमात्र एजेंडा अनिल अंबानी को गिरफ्तार करना है। जबकि भूषण ने स्पष्ट किया कि याची नहीं चाहता कि किसी को प्रताड़ित किया जाए। पीठ ने कहा कि वह किसी भी पक्ष को पूर्वाग्रहित नहीं करना चाहती।

लालू समेत अन्य पर आरोप तय करने पर 22 तक टला आदेश

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: राउज एवेन्यू स्थित विशेष अदालत ने आइआरसीटीसी होटल घोटाला मामले में राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव, उनकी पत्नी राबड़ी देवी, बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव समेत अन्य आरोपितों के खिलाफ आरोप तय करने के आदेश को 22 मई तक के लिए टाल दिया है। विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने को इस मामले में शुक्रवार को आदेश सुनाना था, लेकिन कोर्ट ने फैसला अगली सुनवाई तक के लिए स्थगित कर दिया। कोर्ट ने इससे पूर्व 13 फरवरी को ईडी और आरोपितों की ओर से दलीलें सुनने के बाद सुनवाई पूरी कर ली थी।

यह मामला आइआरसीटीसी होटल घोटाले से जुड़े मनी लांड्रिंग का है। ईडी के अनुसार, 2004 से 2009 के बीच लालू के रेल मंत्री रहने के दौरान आइआरसीटीसी होटलों के संचालन व रखरखाव में अनियमितता हुई थीं।

मनमाना निलंबन होता रहा तो कोई अधिकारी काम ही नहीं करेगा: हाई कोर्ट

- इंदौर में आइएएस अधिकारी के फार्म हाउस पर जुआ पकड़ने वाले थाना प्रभारी का निलंबन किया निरस्त
- कार्रवाई को प्रतिशोधात्मक बताया, कहा- ऐसे दंडित करना अदालत की अंतरात्मा को झकझोरता है

नईदुनिया प्रतिनिधि, इंदौर

आइएएस अधिकारी के किराये पर दिए फार्म हाउस पर जुए का संचालन पकड़ने वाले इंदौर के मानपुर थाना प्रभारी के निलंबन की कार्रवाई को हाई कोर्ट ने मनमाना और प्रतिशोधात्मक मानते हुए निरस्त कर दिया। इसके साथ ही कोर्ट ने कहा कि इस तरह से कार्रवाई होगी तो कोई भी अधिकारी निलंबन के भय से किसी परिसर पर छापा मारने का साहस नहीं करेगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि कानून को लागू करने वाले अधिकारी को त्वरित, कुशल एवं कानून सम्मत कर्तव्य पालन करने पर दंडित करना न्यायालय की अंतरात्मा को झकझोरता है और अधिकारियों की दुर्भावना की ओर संकेत करता है।

प्रकरण में मानपुर थाना पुलिस ने गत 10 मार्च की रात मध्य प्रदेश वित्त निगम की प्रबंध निदेशक आइएएस अधिकारी वंदना वैद्य के इंदौर स्थित फार्म हाउस पर जुआ खेलते हुए कुछ लोगों को पकड़ा था।

अगले ही दिन पुलिस अधिकारियों ने मानपुर थाना प्रभारी लोकेंद्र सिंह हिहोरे और दो उप निरीक्षकों को निलंबित कर दिया। 18 मार्च को हिहोरे का मुख्यालय इंदौर से बदलकर बुरहानपुर कर दिया गया। हिहोरे ने इस आदेश को चुनौती देते हुए हाई कोर्ट की इंदौर खंडपीठ में याचिका प्रस्तुत की।

अपराध का स्थल बदलने के लिए बनाया गया दबाव

हाई कोर्ट ने कहा कि विवादित निलंबन आदेश गंभीर त्रुटियों से ग्रसित है। एसपी ने निलंबन आदेश में लिखा कि थाना प्रभारी वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने में असफल रहे जबकि यह बात रिकार्ड पर है कि थाना प्रभारी ने मुखबिर की सूचना पर त्वरित कार्रवाई की और बड़े पैमाने पर चल रहे जुए के संचालन पर छापा मारा। थाना प्रभारी ने पूर्ण निष्ठा का परिचय देते हुए एफआइआर में वास्तविक तथ्यों को दर्ज कराया, लेकिन अगले ही दिन उनका निलंबन आदेश जारी कर दिया गया। कोर्ट ने कहा कि सामान्यत: कोर्ट निलंबन आदेशों में हस्तक्षेप नहीं करती, लेकिन याचिकाकर्ता निलंबित थाना प्रभारी ने यह भी गंभीर आरोप लगाया है कि उन पर अपराध का स्थल बदलने के लिए दबाव बनाया गया था।

मोहाली व चंडीगढ़ में बिल्डरों के ठिकानों पर ईडी की दूसरे दिन भी जांच जारी

राज्य ब्यूरो, जागरण • चंडीगढ़

- जांच एजेंसी ने अब तक करीब एक करोड़ की नकदी व अन्य दस्तावेज किए बरामद

किसानों व निवेशकों से धोखाधड़ी करने वाले बिल्डरों के मोहाली व चंडीगढ़ में 11 स्थानों पर ईडी की जांच शुक्रवार को भी जारी रही। ईडी अधिकारी मोहाली के खरड़ स्थित वेस्टर्न टावर्स सोसायटी के 9वीं मंजिल पर स्थित एक फ्लैट के अलावा अन्य ठिकानों पर जांच छानबीन कर रहे हैं। अब तक जांच में ईडी ने करीब एक करोड़ रुपये की नकदी के अलावा अहम दस्तावेज जब्त किए हैं।

ईडी की ओर से जिन बिल्डरों के ठिकानों पर जांच की जा रही है, उनमें इंडियन कोआपरेटिव हाउसिंग बिल्डिंग सोसायटी से जुड़े सुरेश बजाज और अजय सहगल पर आरोप है कि उन्होंने 15 जमीन मालिकों की 30.5 एकड़ जमीन के संबंध में फर्जी हस्ताक्षर और अंगूठे के निशान लगाए और सनटेक सिटी नाम के मेगा प्रोजेक्ट के लिए मंजूरी हासिल की। जांच में आल्टस स्पेस बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम भी सामने आया है। आरोप है कि कंपनी ने खरीदारों को गुमराह किया और करोड़ों रुपये का निवेश करवाया। वहीं, ईडी ने दावा किया कि गौरव धीर ने कंपनी से आल्टस स्पेस बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड का प्रोजेक्ट करीब 130 करोड़ में खरीदा, जबकि परियोजना की वास्तविक कीमत 170 करोड़ रुपये से अधिक है। एजेंसी के अनुसार, गौरव धीर पंजाब के कैबिनेट मंत्री का करीबी है।

आप प्रदेश अध्यक्ष का आरोप, केंद्र सरकार कर रही राजनीति: आप के प्रदेश अध्यक्ष व कैबिनेट मंत्री अमन अरोड़ा ने शुक्रवार को केंद्र व ईडी पर मनगढ़ंत कहानियां लीक कर उन्हें बदनाम करने के लिए राजनीति से प्रेरित मुहिम चलाने का आरोप लगाया।

वैष्णो देवी से लौट रहे बाइक सवार दंपती और तीन बच्चों की ट्रक से कुचलकर मौत

जागरण संवाददाता, बुलंदशहर

- बुलंदशहर में अलीगढ़-गाजियाबाद हाईवे पर धमरावली के पास हादसा
- दो वर्षीय बेटे को दादा-दादी के पास छोड़ गए थे, नहीं पहना था हेलमेट

माता वैष्णो देवी के दर्शन के बाद खुर्जा से लौट रहे बाइक सवार दंपती और उनके तीन बच्चों को हाईवे पर ट्रक ने कुचल दिया। पांचों की मौके पर ही मौत हो गई। दंपती अपने दो वर्ष के एक बेटे को घर पर छोड़ गया था। हादसे के बाद चालक फरार है। बाइक चला रहे युवक ने हेलमेट नहीं पहना था। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया।

45 वर्षीय उत्तम सिंह ब्याज पर पैसे देने का काम करते थे। पांच मई को 40 वर्षीय पत्नी उर्मिला, 10 वर्षीय पुत्र निशांत, आठ वर्षीय पुत्री दिशा व पांच वर्षीय अनायरा के साथ माता वैष्णो देवी के दर्शन करने गए थे। उन्होंने अपने दो वर्षीय पुत्र रेयांश को दादा-दादी के पास गांव में छोड़ दिया था। यात्रा के दौरान उत्तम ने खुर्जा में अपनी साली के घर बाइक खड़ी की और परिवार के साथ खुर्जा जंक्शन से ट्रेन पकड़कर दिल्ली गए और वहां से जम्मू। शुक्रवार सुबह वैष्णो देवी के दर्शन के बाद वे खुर्जा लौटे और कुछ घंटे साली के घर पर रुके। दोपहर बाद वह पत्नी व बच्चों के साथ बाइक से गांव लौट रहे थे। शाम लगभग साढ़े चार बजे अलीगढ़-गाजियाबाद हाईवे पर गांव धमरावली में ठंडी प्याऊ पुलिस चौकी के पास पीछे से तेज गति से आए ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। सभी सड़क पर गिर गए और ट्रक उन्हें कुचलता हुआ चला गया। दंपती और तीनों बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई।

परिवार के साथ बाएं से निशांत, उर्मिला, उत्तम सिंह और दिशा। सौ. स्वजन

पुलिस ने मृतकों के आधार कार्ड के जरिये उनकी पहचान की और स्वजन को सूचित किया। रोते-बिलखते स्वजन अस्पताल पहुंचे। पुलिस ने नंबर प्लेट के आधार पर ट्रक की पहचान करते हुए बताया कि ट्रक गुरुग्राम के श्रीआनंद के नाम पर है। उनसे संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है।

अभिनेत्री आकांक्षा की मौत मामले में पुलिस को हलफनामा देने का अंतिम अवसर

जागरण संवाददाता, प्रयागराज

- कहा, पुलिस कमिश्नर व एसएचओ सारनाथ दाखिल करें हलफनामा

भोजपुरी अभिनेत्री आकांक्षा दुबे की संदिग्ध मौत के मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने वाराणसी पुलिस को हलफनामा दाखिल करने का अंतिम अवसर दिया है। न्यायमूर्ति सिद्धार्थ और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने मामले की सीबीआइ जांच की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए पुलिस कमिश्नर वाराणसी व थानाध्यक्ष सारनाथ को निर्देशित किया कि वे अगली सुनवाई तिथि 22 मई को अपना जवाबी हलफनामा दाखिल करें। यदि ऐसा नहीं किया गया तो अगली सुनवाई तिथि पर सुबह 10 बजे दोनों को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होना होगा।

पुलिस आयुक्त वाराणसी को कोर्ट ने इस बात के लिए भी निर्देशित किया है कि वह व्यक्तिगत रूप से यह सुनिश्चित कराएं कि थानाध्यक्ष हलफनामा दाखिल कर दें। मामले में आरोपित समर सिंह तथा संजय सिंह को भी कोर्ट ने 48 घंटों के भीतर नोटिस जारी करने का निर्देश याचिकाकर्ता को दिया है। याची के अधिवक्ता सौरभ तिवारी के अनुसार कोर्ट ने यह भी कहा है कि अगली सुनवाई पर यह मामला सूची में सबसे ऊपर रखा जाएगा। इससे पहले चार मई को कोर्ट ने इस मामले में आदेश सुरक्षित रख लिया था। 26 मार्च 2023 को वाराणसी में सारनाथ स्थित एक होटल में आकांक्षा दुबे का शव मिला था।

आकांक्षा दुबे। फाइल

मां ने की सीबीआइ जांच की मांग, हत्या का लगाया है आरोप

8 मई को कैथोलिक चर्च के प्रमुख पोप लियो ने वैश्विक तनाव और युद्ध की स्थिति पर चिंता जताते हुए विश्व नेताओं से हिंसा का रास्ता छोड़ने की अपील की है। वेटिकन में अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो से मुलाकात के एक दिन बाद पोप ने कहा कि ईश्वर दुनिया के नेताओं को "घृणा और वैमनस्य शांत करने" की प्रेरणा दें।

अमेरिका-ईरान में फिर मिसाइल और ड्रोन से हमले

ईरान का दावा ▸ अमेरिकी नौसेना ने दो जहाजों और कई द्वीपों को निशाना बनाया, 10 नाविक घायल, ट्रंप बोले- युद्धविराम नहीं टूटा

अमेरिकी सेंटकाम ने कहा- नाकेबंदी तोड़ रहे जहाजों पर किया गया हमला, जवाब में ईरान ने तीन युद्धपोतों पर किए विफल हमले

- यूएई ने फिर कहा- ईरान ने दो मिसाइल और तीन ड्रोन से किए हमले, सभी को विफल किया गया
- अमेरिका के युद्ध समाप्ति के प्रस्ताव पर ईरान ने अब तक नहीं दिया आधिकारिक जवाब, कहा-कर रहे हैं विचार

ईरानी नौसेना ने शुक्रवार को एक अज्ञात स्थान पर मिसाइल दागी। रायटर >>

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

ईरान के दो जहाजों और होर्मुज के आसपास के द्वीपों पर गुरुवार देर रात अमेरिकी नौसेना ने हमला करके खाड़ी के तनाव को बढ़ा दिया। न्यूयार्क टाइम्स के अनुसार, इस हमले में एक जहाज में आग लग गई, जिसमें 10 नाविक घायल हुए, जबकि पांच लापता हो गए। इसमें एक का शव शुक्रवार को बरामद किया गया। इसके जवाब में ईरानी सेना ने मिसाइलों और ड्रोन से तीन अमेरिकी डेस्ट्रायर युद्धपोतों पर हमला कर दिया।

इससे एक महीने पुराने युद्धविराम पर अब तक का सबसे बड़ा संकट पैदा हो गया। हालांकि दोनों देशों ने संकेत दिए कि वे हालात को और नहीं बिगाड़ना चाहते। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इस कार्रवाई को ईरान पर 'प्यार भरी थपकी' बताया और दावा किया कि संघर्षविराम अब भी प्रभावी है। वहीं, ईरान ने भी कहा कि स्थिति दोबारा सामान्य हो गई है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि जब भी कूटनीतिक समाधान आगे बढ़ता है, अमेरिका गैरजिम्मेदाराना हरकतें करने लगता है। वैश्विक तेल बाजार में हलचल मची और कच्चे तेल के दाम तीन प्रतिशत तक बढ़ गए।

रायटर के अनुसार, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने दावा किया है कि ईरान ने उस पर दो बैलिस्टिक मिसाइल और तीन ड्रोन से हमले किए। यूएई के रक्षा मंत्रालय ने एक्स पर कहा कि सभी हमलों को हवा में विफल कर दिया गया। हालांकि, हमले में तीन लोग घायल हुए हैं। हालांकि इस दावे पर ईरान की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। अमेरिका-ईरान के बीच ताजा संघर्ष ऐसे समय में हुआ जब वाशिंगटन, युद्ध समाप्त करने के लिए भेजे गए अमेरिकी प्रस्ताव पर ईरान के जवाब का इंतजार कर रहा है। प्रस्ताव में लड़ाई रोकने की बात है, लेकिन ईरान के परमाणु कार्यक्रम जैसे विवादित मुद्दों को बाद के लिए छोड़ दिया गया है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शुक्रवार को ईरान का जवाब मिलने की उम्मीद जताई है।

ईरान के संयुक्त सैन्य मुख्यालय ने अमेरिका पर संघर्षविराम उल्लंघन का आरोप लगाया। ईरानी सेना के अनुसार अमेरिका ने होर्मुज स्ट्रेट में प्रवेश कर रहे एक तेल टैंकर और एक अन्य जहाज को दक्षिणी ईरान के जास्क बंदरगाह के करीब निशाना बनाया और होर्मुज में स्थित केशम द्वीप, बंदर खामिर और सीरिक के इलाकों में नागरिक क्षेत्रों पर हवाई हमले किए।

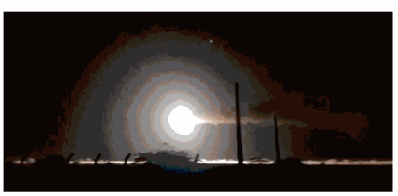

इसके जवाब में ईरान ने स्ट्रेट के पूर्वी हिस्से और चाबहार बंदरगाह के दक्षिण में मौजूद अमेरिकी सैन्य पोतों पर हमला किया, जिसमें अमेरिकी बलों को भारी नुकसान पहुंचा।

होर्मुज में चीनी टैंकर पर हमले से चीन नाराज

एपी के अनुसार, होर्मुज में बुधवार को ईरानी हमले का शिकार हुए चीनी तेल टैंकर को लेकर चीन के विदेश मंत्रालय ने चिंता जताई। हालांकि, हमले से तेल टैंकर को नुकसान नहीं पहुंचा। इस बीच ईरान ने ओमान की खाड़ी में 'ओशन कोई' नाम के एक तेल टैंकर जब्त कर लिया। ईरानी मीडिया ने सेना के हवाले से बताया कि बारबाडोस के ध्वज वाला टैंकर ईरान के तेल निर्यात को बाधित करने की कोशिश कर रहा था।

ईरान जल्दी ही जीत का जश्न मनाएगा : उपराष्ट्रपति

एएनआइ के अनुसार, ईरान के प्रथम उपराष्ट्रपति मोहम्मद रजा आरिफ ने दावा किया है कि तेहरान जल्द ही अमेरिका और इजरायल के खिलाफ बड़ी जीत का जश्न मनाएगा। सरकारी चैनल प्रेस टीवी के अनुसार आरिफ ने कहा कि ईरान पर वर्षों से लगाए गए प्रतिबंध और दबाव जल्द समाप्त हो जाएंगे। उन्होंने संकेत दिया कि ईरान आर्थिक और कूटनीतिक अलगाव के दौर से बाहर निकलने के करीब है।

होर्मुज में युआन आधारित टोल की तैयारी, पेट्रोडालर व्यवस्था को चुनौती

आकलैंड, द कन्वर्सेशन: अमेरिका-इजरायल के साथ खाड़ी क्षेत्र में जारी युद्ध के बीच ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों से टोल वसूलना शुरू कर दिया है। दुनिया के सबसे अहम रणनीतिक समुद्री मार्गों में शामिल इस जलडमरूमध्य से वैश्विक तेल आपूर्ति का करीब 20 प्रतिशत हिस्सा गुजरता है। ईरान का अनुमान है कि टोल वसूली से उसे सालाना 40 से 50 अरब डालर तक की आमदनी हो सकती है, जिससे अमेरिकी आर्थिक प्रतिबंधों से हुए नुकसान की भरपाई करने में मदद मिलेगी। हालांकि, इस कदम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि ईरान टोल की वसूली चीनी मुद्रा- युआन- में करना चाहता है। माना जा रहा है कि इसका मकसद वैश्विक तेल व्यापार में अमेरिकी डालर के वर्चस्व यानी पेट्रोडालर व्यवस्था को चुनौती देना है। ईरानी संसद में इस प्रक्रिया को औपचारिक रूप देने पर काम चल रहा है। इसके अलावा ईरान क्रिप्टोकरेंसी में भी टोल भुगतान स्वीकार कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि ईरान इस प्रयोग में सफल रहता है तो अमेरिकी डालर की पिछले लगभग पांच दशकों से कायम वैश्विक बादशाहत को चुनौती मिल सकती है और दुनिया का आर्थिक झुकाव अमेरिका से हटकर चीन की ओर बढ़ सकता है। पेट्रोडालर की शुरुआत 1970 के दशक में हुई थी।

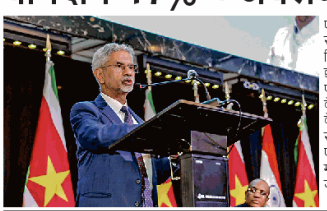

वैश्विक विकास में भारत का योगदान 17% : जयशंकर

पारामारिबो में सूरीनाम के विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान 'प्रगति के लिए साझेदारी' विषय पर बोलते विदेश मंत्री एस. जयशंकर। प्रेट्र

- वैश्विक आर्थिक स्थिरता में भारत की बढ़ती भूमिका का किया उल्लेख
- विदेश मंत्री ने सूरीनाम में विभिन्न वर्गों के प्रतिनिधियों को किया संबोधित

परामारिबो, एएनआइ : विदेश मंत्री एस जयशंकर ने वैश्विक स्तर पर भारत की बढ़ती भूमिका का उल्लेख किया और बताया कि वैश्विक विकास में भारत का योगदान 17 प्रतिशत है। जयशंकर ने शुक्रवार को सूरीनाम में विभिन्न सामाजिक वर्गों के प्रतिनिधियों के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए यह बात कही।

एस जयशंकर ने हालिया आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि इस वर्ष वैश्विक विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आइएमएफ) के अनुमान के अनुसार भारत कुल वैश्विक विकास में 17 प्रतिशत का योगदान देता है। उन्होंने कहा कि भारत अंतरराष्ट्रीय अर्थव्यवस्था के जोखिम को कम करने में मदद कर रहा है और अपने वैश्विक सहयोगियों के लिए अधिक विकल्प तैयार कर रहा है। बता दें कि विदेश मंत्री इस समय दो से दस मई तक जमैका, सूरीनाम व त्रिनिदाद और टोबैगो की नौ दिवसीय यात्रा पर हैं। वह जमैका की यात्रा के बाद बुधवार को सूरीनाम पहुंचे।

कुछ देशों ने आबादी से आठ गुना ज्यादा जमा कर ली थी वैक्सीन : जयशंकर ने कोविड काल के दौरान भारत की वैक्सीन कूटनीति का जिक्र किया और कहा कि उस दौरान भारत ने मानवीय दृष्टिकोण अपनाया और लाखों की संख्या में लोगों की जान बचाई। उन्होंने उस दौर में वैक्सीन वितरण में असमानता की ओर इशारा करते हुए कहा कि कुछ देशों ने अपनी आबादी से आठ गुना ज्यादा तक वैक्सीन जमा कर ली थी, जबकि विकासशील दुनिया पीछे रह गई थी।

अमेरिकी पक्ष को भारतीय जहाजों के आवागमन के लिए राजी करना मुश्किल नहीं

प्रथम पृष्ठ से आगे

अधिकारियों का कहना है कि होर्मुज जलमार्ग के मुहाने पर नाकेबंदी कर रहे अमेरिकी पक्ष को भारतीय जहाजों के आवागमन के लिए राजी करना मुश्किल नहीं है। असली समस्या होर्मुज जलमार्ग के अंदर विभिन्न बंदरगाहों पर अटके जहाजों को बाहर लाने की है।

मोटे तौर पर अभी उस क्षेत्र में दुनियाभर के तकरीबन 1600 जहाजों के फंसे होने की बात सामने आ रही है। सामान्य दिनों में रोजाना 150-200 कार्गो या अन्य ढुलाई करने वाले जहाज वहां से दुनिया भर में जाते हैं।

अभी यह संख्या घट कर 5-10 रह गई है। ऐसे में अगर ईरान व अमेरिका के बीच होर्मुज को खोलने की सहमति बन भी जाती है तो वहां से जहाजों को सुरक्षित बाहर निकाल कर स्थिति को सामान्य करने में कई सप्ताह का समय लग सकता है।

होर्मुज जलडमरूमध्य भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। देश के कुल कच्चे तेल की जरूरत का करीब 30 प्रतिशत और एलपीजी का 90 प्रतिशत इसी मार्ग से आता है। संघर्ष शुरू होने के तुरंत बाद भारत ने रूस, अमेरिका, मेक्सिको और नाइजीरिया जैसे गैर-खाड़ी देशों से बड़ी मात्रा में तेल खरीदना शुरू कर दिया।

इससे गैर-खाड़ी क्षेत्रों से तेल आपूर्ति की हिस्सेदारी काफी बढ़ गई और खाड़ी क्षेत्र पर निर्भरता घटकर लगभग 30 प्रतिशत रह गई है। इससे न सिर्फ आपूर्ति सुनिश्चित हुई, बल्कि होर्मुज में फंसे जहाजों को लेकर सख्त रुख अपनाने में भी भारत को रणनीतिक मजबूती मिली। विदेश मंत्रालय लगातार ईरानी अधिकारियों से संपर्क में है और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारतीय जहाजों की सुरक्षित निकासी की मांग कर रहा है। बाकी 14 जहाजों के चालक दल की सुरक्षा और उनकी समय पर वापसी सरकार की प्राथमिकता बनी हुई है। सरकार खाड़ी और पश्चिम एशिया क्षेत्र में मौजूद भारतीयों की सुरक्षा से जुड़े हर घटनाक्रम पर नजर बनाए हुए है।

यूएई पर सबसे ज्यादा हमले कर ईरान ने खाड़ी से अमेरिका तक दिया संदेश

न्यूयार्क टाइम्स से

- ईरान का आरोप, अमेरिका-इजरायल के साथ साजिश रच रहा यूएई
- ईरान से कम दूरी और दुबई की आर्थिक अहमियत हमले को मारक बनाते हैं

ईरानी मिसाइलों व ड्रोनों ने पिछले दिनों यूएई में कई ठिकानों पर हमले किए, जिनमें फुजैराह तेल टर्मिनल भी शामिल है। फाइल

रियाद: अमेरिका और इजरायल के साथ जारी तनाव के बीच ईरान ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) को सबसे अधिक निशाना बनाया है। विशेषज्ञों का मानना है कि इसके पीछे केवल सैन्य कारण नहीं, बल्कि रणनीतिक, आर्थिक और राजनीतिक संदेश भी छिपे हैं। ड्रोन और मिसाइल हमलों के बावजूद यूएई ने अमेरिका और इजरायल से अपने रिश्ते और मजबूत कर लिए हैं।

ईरान के विदेश मंत्रालय ने बुधवार को अबू धाबी के शासकों को चेतावनी देते हुए अमेरिका और इजरायल के साथ साजिश का आरोप लगाया और कहा कि यदि यूएई ने उनसे दूरी नहीं बनाई तो उसे खतरनाक परिणाम भुगतने होंगे। इसके कुछ ही घंटों बाद यूएई के राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से फोन पर बात कर एकजुटता दिखाई।

विश्लेषकों के अनुसार यूएई पर ईरान का फोकस कई वजहों से है। यूएई का अमेरिका और इजरायल से सबसे करीबी संबंध है। अमीराती-लेबनानी टिप्पणीकार नदीम कोटेइच के मुताबिक, यूएई खाड़ी क्षेत्र में अमेरिका का बड़ा सैन्य साझेदार है और वहां अमेरिकी एयरबेस मौजूद है। 2020 में इजरायल के साथ संबंध सामान्य करने के बाद दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत हुए हैं। युद्ध के दौरान इजरायल ने यूएई में अपना आयरन डोम मिसाइल रक्षा तंत्र भी तैनात किया है।

दुबई की वैश्विक आर्थिक अहमियत भी उसे हमले के प्रति संवेदनशील बनाता है। कोटेइच का कहना है कि यूएई, खासकर दुबई, पश्चिम एशिया का आर्थिक और कारोबारी केंद्र है। ईरान जानता है कि यहां हमला होने से वैश्विक व्यापार, ऊर्जा बाजार और निवेशकों के भरोसे पर असर पड़ता है। इसलिए दुबई पर हमला कुवैत या बहरीन की तुलना में कहीं बड़ा आर्थिक संदेश देता है। इसके अलावा यूएई और ईरान के बीच काफी कम दूरी है।

ईरान युद्ध में झलकी अमेरिकी सैन्य क्षमता पर चीन ने उठाए सवाल

न्यूयार्क टाइम्स से

- उत्साहित चीन ने अमेरिका की ताइवान रक्षा क्षमता पर उठाए सवाल
- अमेरिकी मिसाइल भंडार घटने को चीन ने बताया रणनीतिक कमजोरी

बीजिंग: ईरान युद्ध में अमेरिकी हथियारों और मिसाइलों के तेजी से इस्तेमाल ने चीन को अमेरिका की सैन्य क्षमता पर सवाल उठाने का नया मौका दे दिया है। चीनी सैन्य विश्लेषकों का कहना है कि लंबे संघर्ष ने अमेरिकी हथियार भंडार को कमजोर कर दिया है, जिससे ताइवान की रक्षा करने की उसकी क्षमता पर भी असर पड़ सकता है। यह स्थिति अगले सप्ताह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग की प्रस्तावित शिखर वार्ता से पहले अमेरिकी दबाव की ताकत को कमजोर कर सकती है।

अमेरिकी रक्षा विभाग के आंतरिक आकलनों के मुताबिक फरवरी के अंत से शुरू हुए युद्ध में अमेरिका अपने लंबी दूरी के स्टेल्थ क्रूज मिसाइलों का लगभग आधा भंडार खर्च कर चुका है। इसके अलावा अमेरिका एक साल में जितनी टामहाक मिसाइलें खरीदता है, उससे करीब 10 गुना अधिक इस युद्ध में दाग चुका है।

चीनी विश्लेषकों का मानना है कि इससे अमेरिकी वैश्विक सैन्य वर्चस्व की सीमाएं उजागर हुई हैं। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के सेवानिवृत्त कर्नल यूए गांग ने कहा कि अमेरिका लगातार युद्ध की स्थिति में अपने हथियारों की भरपाई तेजी से नहीं कर पा रहा, जिससे उसकी युद्ध क्षमता कमजोर दिख रही है।

चीनी राष्ट्रवादी हलकों में यह तर्क दिया जा रहा है कि यदि अमेरिका ईरान जैसे क्षेत्रीय शक्ति वाले देश के खिलाफ त्वरित जीत हासिल नहीं कर सका, तो वह चीन के खिलाफ और कठिन स्थिति में होगा। इससे ताइवान को लेकर चीन का आत्मविश्वास बढ़ा है।

नेपाल के बदले सुर, बोला, भारत संग बातचीत से निकालेंगे समाधान

काठमांडू, प्रेट्र : भारत के साथ सीमा विवाद को लेकर लगातार बयानबाजी करने वाला नेपाल अब नरम पड़ता दिखाई दे रहा है। नेपाल ने शुक्रवार को कहा कि वह भारत के साथ सीमा से जुड़े मुद्दों का समाधान कूटनीतिक माध्यमों और आपसी संवाद से करना चाहता है। नेपाल ने एक बार फिर लिपुलेख, कालापानी और लिम्पियाधुरा क्षेत्रों पर अपना दावा भी दोहराया।

नेपाल के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लोक बहादुर क्षेत्री ने कहा कि नेपाल पहले ही लिपुलेख को लेकर अपना पक्ष सार्वजनिक कर चुका है। उन्होंने कहा कि भारत और चीन के बीच प्रस्तावित कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर भी नेपाल ने अपनी आपत्ति दर्ज कराई है।

क्षेत्री ने कहा कि नेपाल सरकार ऐतिहासिक समझौतों, तथ्यों, नक्शों और साक्ष्यों के आधार पर भारत के साथ सीमा विवाद को कूटनीतिक माध्यमों से सुलझाने के लिए प्रतिबद्ध है।

चीन की मदद के बाद भी आपरेशन सिंदूर में पाक को मिली शिकस्त

- चीन ने पहली बार माना, पाकिस्तान को मुहैया कराई थी तकनीकी सहायता
- पिछले वर्ष मई में भारत-पाकिस्तान में चार दिन चला था संघर्ष

बीजिंग, प्रेट्र: आपरेशन सिंदूर के एक वर्ष बाद ही सही, आखिर चीन ने पहली बार यह माना कि उसने भारत के खिलाफ चार दिन चले संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को मदद मुहैया कराई थी। उसने अपने सदाबहार मित्र पाकिस्तान को मौके पर तकनीकी सहायता दी थी। गत वर्ष सात-दस मई तक चले संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को भारत के हाथों मुंह की खानी पड़ी थी। उसी समय से यह बात आ रही थी कि संघर्ष में चीन पर्दे के पीछे से पाकिस्तान की मदद कर रहा था, लेकिन उसने इसकी पुष्टि नहीं की थी।

चीन के सरकारी प्रसारक सीसीटीवी ने गुरुवार को एविएशन इंडस्ट्री कार्पोरेशन आफ चाइना (एवीआइसी) के चेंगदू एयरक्राफ्ट डिजाइन एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट के इंजीनियर झांग हेंग का इंटरव्यू प्रसारित किया। उन्होंने संघर्ष के दौरान पाकिस्तानी सेना के साथ काम करने का अनुभव साझा किया। इस इंस्टीट्यूट की चीन के उन्नत लड़ाकू विमानों और ड्रोन के विकास में अहम भूमिका है। हांगकांग आधारित साउथ चाइना मार्निंग पोस्ट ने सीसीटीवी के हवाले से अपनी रिपोर्ट में बताया कि झांग ने पिछले वर्ष मई में चार दिन चले संघर्ष के दौरान पाकिस्तान को तकनीकी सहायता दी थी।

पाकिस्तान की वायुसेना के पास चीन निर्मित जे-10सीई लड़ाकू विमानों का बेड़ा है, जो एवीआइसी की एक सहायक कंपनी द्वारा निर्मित हैं। झांग ने कहा, "सपोर्ट बेस पर हम लगातार लड़ाकू विमानों के उड़ान भरने की आवाज और एयर रेड सायरन की आवाज सुनते थे। सुबह के समय ही तापमान करीब 50 डिग्री हो जाता था। मानसिक और शारीरिक रूप से यह हमारे लिए बहुत कठिन समय था।"

ट्रंप के दूसरे टैरिफ आदेश को भी अमेरिकी कोर्ट ने किया खारिज

- एक संघीय अदालत ने 10 प्रतिशत ग्लोबल टैरिफ को अमान्य करार दिया
- कहा- ट्रंप प्रशासन ने ट्रेड एक्ट के तहत शक्तियों का गलत इस्तेमाल किया

डोनाल्ड ट्रंप। फाइल

वाशिंगटन, प्रेट्र : व्हाइट हाउस को एक और झटका देते हुए अमेरिका की एक संघीय अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 10 प्रतिशत ग्लोबल टैरिफ को रद कर दिया है। अदालत ने इन टैरिफ को अमान्य एवं अवैध करार दिया है। ये नए टैरिफ ट्रंप ने 24 फरवरी को भारत सहित सभी देशों पर 150 दिनों के लिए लगाए थे। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के उस आदेश के बाद आया है, जिसने ट्रंप के पहले के व्यापक टैरिफ को रद कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट का कहना था कि इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनमिक पावर्स एक्ट राष्ट्रपति को टैरिफ लगाने का अधिकार नहीं देता।

कोर्ट आफ इंटरनेशनल ट्रेड ने गुरुवार को अपने फैसले में कहा कि 1974 के ट्रेड एक्ट के प्रविधान केवल भुगतान संतुलन (बैलेंस आफ पेमेंट) संकट की स्थिति में ही प्रभावी हो सकते हैं। ट्रंप ने 10 प्रतिशत टैरिफ लगाने के लिए इसी कानून का इस्तेमाल किया था। जस्टिस मार्क ए. बर्नेट और जस्टिस क्लेयर आर. केली ने अपने फैसले में कहा कि अगर राष्ट्रपति के पास हर उप-खाते के संतुलित होने तक भुगतान संतुलन का घाटा घोषित करने का अधिकार होगा, तो राष्ट्रपति हमेशा ही भुगतान संतुलन घाटा घोषित करते रहेंगे। कानून की इतनी व्यापक व्याख्या से राष्ट्रपति ट्रंप को टैरिफ लगाने की असीमित शक्ति मिल जाएगी, जो कांग्रेस के पास होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कानून की ऐसी मनमाफिक सरकारी व्याख्या स्वीकार नहीं की जानी चाहिए। पीठ के एक जज टिमोथी सी. स्टैंस्यू ने फैसले से असहमति जताई। उम्मीद है कि ट्रंप प्रशासन इस फैसले के विरुद्ध अपील करेगा। यह फैसला सीधे तौर पर सिर्फ तीन याचिकाकर्ताओं पर लागू होता है। ये हैं- वाशिंगटन राज्य और दो कंपनियां- मसाला कंपनी बर्लैप एंड बैरल और खिलौना कंपनी बेसिक फन।

भारतीय वस्तुओं पर अमेरिकी टैरिफ : कालक्रम

- **अप्रैल, 2025 से पहले :** केवल एमएफएन टैरिफ। बिना भेदभाव सभी देशों पर।
- **2 अप्रैल-6 अगस्त, 2025 :** 26 प्रतिशत (10 प्रतिशत मूल टैरिफ व 16 प्रतिशत जवाबी टैरिफ)। एमएफएन टैरिफ से अतिरिक्त।
- **9 अप्रैल :** अमेरिका ने 90 दिनों के लिए (9 जुलाई तक) टैरिफ स्थगित किया गया।
- **31 जुलाई :** अमेरिका ने सात अगस्त से प्रभावी 25 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा की।
- **6 अगस्त :** रूस से तेल खरीद के कारण 27 अगस्त से प्रभावी अतिरिक्त 25 प्रतिशत टैरिफ।
- **7 अगस्त-26 अगस्त :** 25 प्रतिशत जवाबी टैरिफ। एमएफएन टैरिफ से अतिरिक्त।
- **27 अगस्त- 6 फरवरी, 2026 :** भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ।
- **7 फरवरी-23 फरवरी :** रूसी तेल खरीद से जुड़ा 25 प्रतिशत टैरिफ वापस लिया।
- **20 फरवरी :** अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट से जवाबी टैरिफ को df ;k रद।
- **24 फरवरी :** 150 दिनों के लिए 10 प्रतिशत टैरिफ की घोषणा।
- **7 मई :** अमेरिकी संघीय अदालत से 10 प्रतिशत टैरिफ रद।

पेंटागन ने यूएफओ से संबंधित जानकारियां कीं सार्वजनिक

- लेकिन एलियन के बारे में अभी कुछ नहीं कहा
- दशकों उड़नतश्तरी की सूचना भी रखी थी गुप्त

वाशिंगटन, एपी : अमेरिकी रक्षा मंत्रालय पेंटागन ने आकाश में उड़ने वाली अज्ञात मशीनों (यूएफओ) से संबंधित कुछ जानकारियों को सार्वजनिक किया है। कहा है कि लोग इनके बारे में निष्कर्ष तक खुद पहुंचें। कई दशकों तक उड़नतश्तरी के बारे में जानकारी होने से इन्कार करने के बाद अमेरिका ने उनसे जुड़ी बातों को सार्वजनिक किया है।

उड़नतश्तरी से संबंधित जानकारियां सार्वजनिक करने का निर्णय व्हाइट हाउस ने लिया है जबकि इसमें खुफिया विभाग, एफबीआइ, नासा और ऊर्जा विभाग ने भी सहमति जताई है। पेंटागन ने कहा कि पिछली सरकारों ने अमेरिकी लोगों को यूएफओ से संबंधित जानकारियों से दूर रखा। लेकिन ट्रंप सरकारी कामकाज में अधिकतम पारदर्शिता बरतने में विश्वास रखते हैं। इसी के चलते यूएफओ से जुड़ी जानकारियों को सार्वजनिक किया जा रहा है। अब जनता इन जानकारियों के आधार पर निष्कर्ष निकाले। पेंटागन इन जानकारियों को सार्वजनिक करने का सिलसिला जारी रखेगा। वैसे पेंटागन ने 2022 से यूएफओ से जुड़ी जानकारियों को सार्वजनिक करना शुरू कर रखी है लेकिन उड़नतश्तरी से आए एलियन से संबंधित कोई विशेष जानकारी नहीं दी है। लेकिन पेंटागन की 2024 में आई रिपोर्ट में कहा गया था कि एलियन से जुड़ी तकनीक अमेरिका के हाथ लगी है। यह एलियन के अस्तित्व की पुष्टि थी। राष्ट्रपति के तौर पर ट्रंप पहले भी गोपनीय सूचनाओं को सार्वजनिक करवाते रहे हैं। फरवरी में उन्होंने जान एफ केनेडी, सेन राबर्ट एफ केनेडी और मार्टिन लूथर किंग जूनियर की हत्याओं से संबंधित जानकारियां सार्वजनिक करने की घोषणा की थी।

क्रूज शिप पर हंटावायरस का खतरा, चालक दल में शामिल दो भारतीय निगरानी में

- भारत ने कहा- घबराने की जरूरत नहीं, स्थिति पर कड़ी नजर
- आस्ट्रेलियाई लैब से गायब हुई थीं हंटावायरस की शीशियां

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

अटलांटिक महासागर में यात्रा कर रहे लग्जरी क्रूज शिप एमवी हौंडियस पर फैले हंटावायरस संक्रमण ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता बढ़ा दी है। जहाज के चालक दल में दो भारतीय नागरिक भी निगरानी में रखे गए हैं। हालांकि राहत की बात यह है कि दोनों भारतीयों में अब तक संक्रमण के कोई लक्षण नहीं मिले हैं और वे अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रोटोकाल के तहत आब्जर्वेशन में हैं।

जहाज पर 28 देशों के करीब 150 यात्री और चालक दल के सदस्य सवार थे। इनमें 38 लोग फिलीपींस, 31 ब्रिटेन, 23 अमेरिका, 16 नीदरलैंड्स, 14 स्पेन, नौ जर्मनी, छह कनाडा और दो भारतीय चालक दल सदस्य शामिल हैं।

भारत सरकार अलर्ट, डब्ल्यूएचओ के साथ लगातार संपर्क : केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि दोनों भारतीय नागरिकों की स्थिति स्थिर है और उनमें किसी प्रकार के लक्षण नहीं हैं। एनसीडीसी, आइडीएसपी, डब्ल्यूएचओ और अन्य अंतरराष्ट्रीय स्वास्थ्य एजेंसियों के साथ लगातार समन्वय बनाए हुए है।

कौन सा वायरस फैला रहा संक्रमण? : विशेषज्ञों के मुताबिक, जहाज पर फैला वायरस हंटावायरस का एंडीज स्ट्रेन है। यह वही दुर्लभ स्ट्रेन है जिसमें सीमित स्तर पर इंसान से इंसान में संक्रमण फैलने की क्षमता होती है। हालांकि इसके लिए लंबे समय तक बेहद करीबी संपर्क जरूरी माना जाता है। एम्स दिल्ली के सामुदायिक चिकित्सा विभाग के प्रमुख डा पुनीत मिश्रा ने कहा कि हंटावायरस, कोविड-19 जैसे तेजी से फैलने वाले वायरस से बिल्कुल अलग है। आइएमए कोविड टास्कफोर्स के सह-अध्यक्ष डा राजीव जयदेवन ने कहा कि भारत में पाए जाने वाले हंटावायरस स्ट्रेन अलग हैं और वे आमतौर पर किडनी को प्रभावित करते हैं, जबकि एंडीज स्ट्रेन मुख्य रूप से फेफड़ों पर हमला करता है। डब्ल्यूएचओ महानिदेशक ने कहा कि यह गंभीर घटना जरूर है, लेकिन फिलहाल वैश्विक सार्वजनिक स्वास्थ्य जोखिम कम माना गया है।

हंटावायरस के दो सैंपल वायल गायब : इसी बीच एक और चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। आस्ट्रेलिया की एक लैब से दो साल पहले हंटावायरस के दो सैंपल वायल गायब हो गए थे।

चीन भी नहीं बचा पाया पाकिस्तान की डूबती अर्थव्यवस्था

- आठ अरब डालर का निवेश गंवाया, पांच लाख नौकरियां भी हाथ से निकलीं

शी चिनफिंग और शहबाज शरीफ। फाइल

नई दिल्ली, आइएएनएस : पाकिस्तान की बदहाल अर्थव्यवस्था और खोखले दावों की सच्चाई अब उसके अपने मंत्री ही उजागर करने लगे हैं। पाकिस्तान के निवेश मंत्री कैसर अहमद शेख ने स्वीकार किया है कि 2018 से 2024 के बीच पाकिस्तान करीब आठ अरब डालर के विदेशी निवेश से हाथ धो बैठा। इतना ही नहीं, करीब पांच लाख औद्योगिक नौकरियों का मौका भी गंवा दिया। सबसे बड़ी बात यह है कि यह निवेश मुख्य रूप से चीन से आने वाला था। पाकिस्तानी अखबार डान ने इसे पाकिस्तान की लगातार विफल सरकारों की नाकामी बताया है। रिपोर्ट में कहा गया कि चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा यानी सीपेक को पाकिस्तान ने कभी अपनी अर्थव्यवस्था का गेम चेंजर बताया था, लेकिन वर्षों बाद भी यह परियोजना पाकिस्तान के लिए विकास से ज्यादा कर्ज और विफलता की पहचान बनती जा रही है।

जरूरी ढांचा ही तैयार नहीं कर पाया : रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान ने चीन से अरबों रुपये का कर्ज लेकर सड़कें, ऊर्जा और परिवहन परियोजनाएं तो शुरू कर दीं, लेकिन उद्योगों के लिए जरूरी ढांचा ही तैयार नहीं कर पाया। चीन की कंपनियों को बसाने के लिए बनाए जाने वाले विशेष आर्थिक क्षेत्र आज भी अधूरे पड़े हैं। एक दशक बीतने के बाद भी केवल चार विशेष आर्थिक क्षेत्र ही योजना के स्तर से थोड़ा आगे बढ़ पाए।

बल्लेबाज	रन
हेनरिक क्लासिन	494
अभिषेक शर्मा	475
केएल राहुल	468

गेंदबाज	विकेट
भुवनेश्वर कुमार	17
अंशुल कंबोज	17
प्रिंस यादव	16

आइपीएल में हनी ट्रैप के खतरे को लेकर सावधान हुआ बीसीसीआइ

बीसीसीआइ ने सुरक्षा जोखिम को देखते हुए टीमों को जारी की विस्तृत एडवाइजरी

अभिषेक त्रिपाठी • जागरण

नई दिल्ली: बीसीसीआइ ने आइपीएल में बढ़ती अनुशासनहीनता, सुरक्षा चूक और एंटी करप्शन प्रोटोकाल के उल्लंघन पर बड़ा कदम उठाते हुए खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और टीम अधिकारियों के होटल के कमरों में अनधिकृत लोगों के प्रवेश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। बोर्ड ने सभी 10 फ्रेंचाइजियों को गुरुवार रात विस्तृत एडवाइजरी जारी करते हुए हनी ट्रैप और सुरक्षा जोखिमों को लेकर गंभीर चेतावनी दी है।

बीसीसीआइ सचिव देवजीत सैकिया ने फ्रेंचाइजी सीईओ को भेजे पत्र में कहा कि मौजूदा आइपीएल सीजन के दौरान खिलाड़ियों, सपोर्ट स्टाफ और टीम अधिकारियों से जुड़े प्रोटोकाल उल्लंघन सामने आए हैं। अगर इन्हें समय रहते नहीं रोका गया तो इससे भारत में क्रिकेट की छवि को गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। बोर्ड ने साफ किया कि अब किसी भी खिलाड़ी या अधिकारी के होटल रूम में किसी मेहमान को तभी जाने की अनुमति होगी जब टीम मैनेजर लिखित मंजूरी देगा। बीसीसीआइ के अनुसार कई मामलों में टीम मैनेजर को यह तक जानकारी नहीं थी कि खिलाड़ियों के कमरों में कौन लोग आ-जा रहे हैं। बोर्ड ने इस प्रथा को तत्काल प्रभाव से प्रतिबंधित कर दिया है।

आइपीएल टीमों के कप्तान • फाइल फोटो

ये सख्ती की

- टीम होटल, डगआउट में अनधिकृत लोगों के प्रवेश पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाई
- टीम मैनेजर की लिखित मंजूरी के बाद ही खिलाड़ियों से मिल सकेंगे लोग
- खिलाड़ियों व सपोर्ट स्टाफ के बिना सूचना के देर रात होटल छोड़ने पर लगी रोक
- टीम मालिकों के मैदान, डगआउट में जाकर खिलाड़ियों से मिलने पर भी रहेगी रोक

अब प्रशंसक और बिना अनुमति वाले लोगों को टीम होटल, टीम बस या खिलाड़ियों के निजी क्षेत्रों में उनसे मिलने की इजाजत नहीं होगी। आइपीएल की पारदर्शिता बनाए रखने और खिलाड़ियों के लिए सुरक्षित माहौल तैयार करने के लिए ये नियम अगले कुछ दिनों में लागू किए जा सकते हैं।

– **राजीव शुक्ला**, उपाध्यक्ष, बीसीसीआइ

दैनिक जागरण के पास मौजूद एडवाइजरी में कहा गया है कि हाई प्रोफाइल खेल आयोजनों में हनी ट्रैप का खतरा हमेशा बना रहता है। बीसीसीआइ ने फ्रेंचाइजियों को चेताया कि ऐसी घटनाएं यौन दुराचार जैसे गंभीर कानूनी मामलों को जन्म दे सकती हैं, इसलिए सभी टीमों को हर समय सतर्क रहना होगा। इसके साथ ही खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को बिना सूचना दिए देर रात होटल छोड़ने पर भी रोक लगा दी गई है। अब किसी भी खिलाड़ी को होटल से बाहर जाने से पहले सिक्योरिटी लायजन आफिसर (एसएलओ) और टीम इंटीग्रिटी आफिसर (टीआइओ) को सूचित करना होगा। बीसीसीआइ ने यह भी स्पष्ट किया कि समय-समय पर औचक जांच की जाएगी और नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर आर्थिक जुर्माना, निलंबन या टूर्नामेंट से अयोग्यता जैसी सख्त कार्रवाई की जा सकती है। बोर्ड ने फ्रेंचाइजी मालिकों के व्यवहार पर भी नाराजगी जताई है। एडवाइजरी में कहा गया कि कुछ टीम मालिक मैच के दौरान डगआउट, ड्रेसिंग रूम या मैदान के पास जाकर खिलाड़ियों को गले लगाते, बातचीत करते या टीम गतिविधियों में दखल देते देखे गए हैं, जो प्रोटोकाल का सीधा उल्लंघन है। अब मैच के दौरान किसी भी फ्रेंचाइजी मालिक या उनके प्रतिनिधि को खिलाड़ियों और टीम अधिकारियों से सीधे संपर्क की अनुमति नहीं होगी। खिलाड़ियों और अधिकारियों तक पहुंच केवल निर्धारित और स्वीकृत माध्यमों से ही संभव होगी।

वेपिंग पर भी सख्ती: हाल में राजस्थान रायल्स के कप्तान रियान पराग का ड्रेसिंग रूम में वेपिंग करते वीडियो प्रसारित होने के बाद बोर्ड ने इस मुद्दे पर भी सख्त रुख अपनाया है। बीसीसीआइ ने कहा कि भारत में ई-सिगरेट और वेपिंग कानूनन प्रतिबंधित है। ऐसे में किसी खिलाड़ी या अधिकारी का टूर्नामेंट परिसर में वेपिंग करना सिर्फ आइपीएल और बीसीसीआइ नियमों का उल्लंघन नहीं, बल्कि भारतीय कानून के तहत दंडनीय अपराध भी हो सकता है। बोर्ड ने ड्रेसिंग रूम, डगआउट, टीम होटल और प्रैक्टिस सुविधाओं सहित सभी आइपीएल परिसरों में वेप, ई-सिगरेट और अन्य प्रतिबंधित पदार्थों के उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है।

एलन के अविजित शतक से कोलकाता नाइटराइडर्स ने आठ विकेट से जीता मैच

घर पर दिल्ली का हुआ बुरा हाल

लोकेश शर्मा • जागरण

नई दिल्ली: दिल्ली कैपिटल्स के लिए आइपीएल 2026 में घरेलू मैदान पर प्रदर्शन किसी बुरे सपने से कम साबित नहीं हो रहा है। अरुण जेटली स्टेडियम में बीते आठ अप्रैल को गुजरात टाइटंस के विरुद्ध एक रन की हार से शुरू हुआ हार का सिलसिला आठ मई को लगातार पांच मैचों तक पहुंच गया यानी एक महीने से दिल्ली की टीम अपने घर पर जीत नहीं सकी है।

शुक्रवार को कोलकाता नाइटराइडर्स ने फिन एलन (100) के अविजित शतक के दम पर दिल्ली कैपिटल्स को आठ विकेट से रौंद दिया। दिल्ली ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 143 रन का स्कोर खड़ा किया था, जिसे केकेआर ने 34 गेंद शेष रहते समाप्त कर दिया। इस हार के साथ ही अब दिल्ली कैपिटल्स के लिए प्लेआफ के दरवाजे लगभग बंद हो चुके हैं। अब उसके तीन मैच शेष हैं और तीनों जीतकर उसके लिए प्लेआफ में जगह बनाना मुश्किल हो गया है।

दबाव में बिखरी बल्लेबाजी: दिल्ली की सबसे बड़ी समस्या इस समय बल्लेबाजी क्रम का दबाव में बिखरना बन चुकी है। आरसीबी और चेन्नई सुपर किंग्स के विरुद्ध लगातार हार का असर खिलाड़ियों के चेहरे और खेल दोनों में साफ दिखाई दिया।

पंजाब किंग्स ने इसी मैदान पर 265 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल किया था, लेकिन उसी पिच पर दिल्ली के बल्लेबाज रन बनाने के लिए संघर्ष करते नजर आए। केकेआर के विरुद्ध पथुम निसांका को छोड़ दिया जाए तो दिल्ली का कोई भी बल्लेबाज आत्मविश्वास के साथ बल्लेबाजी नहीं कर सका। टीम के सबसे भरोसेमंद बल्लेबाज केएल राहुल भी शुरुआत से ही रक्षात्मक नजर आए। राहुल बड़े शाट खेलने से बचते दिखे और उनका धीमा अंदाज टीम पर अतिरिक्त दबाव डाल गया। मध्यक्रम में नितीश राणा, समीर रिजवी और कप्तान अक्षर पटेल एक बार फिर उम्मीदों पर खरे नहीं उतर सके। पूरे सीजन में दिल्ली का यही मध्यक्रम टीम की सबसे बड़ी कमजोरी बना हुआ है।

फिन का कैच छोड़ना पड़ा भारी: आठवें ओवर में कुलदीप यादव की गेंद पर ट्रिस्टन स्टब्स ने फिन एलन का आसान कैच छोड़ दिया। उस समय एलन 42 रन पर खेल रहे थे। यह मौका दिल्ली को भारी पड़ गया। जीवनदान मिलने के बाद एलन ने खुलकर बल्लेबाजी की और कैमरून ग्रीन के साथ 116 रनों की मैच जिताऊ साझेदारी कर डाली।

केकेआर के स्पिनर हिट, दिल्ली के फ्लाप : जिस पिच पर केकेआर के सुनील नारायण, वरुण चक्रवर्ती और अनुकूल राय की स्पिन तिकड़ी ने अपने जाल में दिल्ली के बल्लेबाजों को फंसाया तो उसी पिच पर दिल्ली के स्पिनर बुरी तरह पिटे। केकेआर के तीनों स्पिनरों कुल 12 ओवर में 34 गेंद डाट फेंकी और 76 रन देकर तीन विकेट चटकाए तो दिल्ली के स्पिनरों केवल 16 गेंद डाट फेंकी।

वहीं कुलदीप और विप्रज दोनों ने ही 75 रन लुटाए। कुलदीप ने तो अपने तीन ओवर में 13.66 की इकोनामी से 41 रन दिए।

शाट लगाते फिन एलन • प्रेट्र

स्कोर बोर्ड

दिल्ली कैपिटल्स : 142/8 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
निसंका स्टं. अंगकृष बो. अनुकूल	50	29	5/3
राहुल का. ग्रीन बो. कार्तिक	23	14	4/0
नीतीश का. सुनील बो. ग्रीन	8	10	1/0
समीर का. पावेल बो. सुनील	3	7	0/0
स्टब्स बो. अनुकूल	2	4	0/0
अक्षर का. अनुकूल बो. वैभव	11	22	0/0
आशुतोष का. रहाणे बो. कार्तिक	39	28	3/3
विपराज अविजित	3	3	0/0
स्टार्क रन आउट	0	2	0/0
नगिदी अविजित	1	1	0/0

अतिरिक्त : 2 (वा : 2)
विकेटपतन : 1-49 (राहुल, 4.6), 2-74 (नीतीश, 7.6), 3-80 (समीर, 9.5), 4-85 (निसंका, 10.1), 5-89 (स्टब्स, 10.5), 6-128 (अक्षर, 18.3), 7-140 (आशुतोष, 19.2), 8-140 (स्टार्क, 19.4)
गेंदबाजी : अनुकूल 4-0-31-2, वैभव 3-0-29-1, सुनील 4-0-17-1, कार्तिक 4-0-25-2, वरुण 4-0-28-0, ग्रीन 1-0-12-1

कोलकाता नाइट राइडर्स : 147/2 (14.2 ओवर)

	रन	गेंद	4/6
रहाणे रन आउट	13	9	1/1
एलन अविजित	100	47	5/10
अंगकृष बो. अक्षर	1	3	0/0
ग्रीन अविजित	33	27	0/2

गेंदबाजी : स्टार्क 3-0-31-0, अक्षर 4-0-27-1, नगिदी 2-0-7-0, विपराज 2-0-34-0, कुलदीप 3-0-41-0, मुकेश 0.2-0-7-0

राजस्थान को पछाड़ने उतरेगी टाइटंस

जयपुर, प्रेट्र: आत्मविश्वास से ओतप्रोत गुजरात टाइटंस शनिवार को राजस्थान रायल्स के विरुद्ध होने वाले आइपीएल मैच में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखकर अंक तालिका में अपनी स्थिति मजबूत करने की कोशिश करेगा। राजस्थान और गुजरात की टीम की स्थिति लगभग समान है। इन दोनों ने अब तक 10 मैचों में छह जीत और चार हार दर्ज की हैं। रायल्स बेहतर नेट रन रेट (0.510) के कारण गुजरात से आगे है। हालांकि गुजरात ने लगातार तीन जीत हासिल की हैं और वह शीर्ष चार में जगह बनाने की कोशिश कर रहा है। रायल्स को पांच मैचों में से तीन मैच में हार का सामना करना पड़ा है।

रायल्स ने दिल्ली के विरुद्ध अपने पिछले मैच में कप्तान रियान पराग के 90 रन की मदद से छह विकेट पर 225 रन बनाए थे लेकिन उसके गेंदबाज इस स्कोर का बचाव नहीं कर पाए थे।

यह लगातार दूसरा मौका था जब रायल्स 220 से अधिक के स्कोर का बचाव नहीं कर पाया। हालांकि राजस्थान वैभव सूर्यवंशी (404 रन), यशस्वी जायसवाल (312) और यहां तक कि ध्रुव जुरैल (290) जैसे शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों के कारण काफी मजबूत है, लेकिन उसका मध्य और निचले क्रम के बल्लेबाज अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

अंक तालिका		मैच	जीत	हार	रद	नेट रन रेट	अंक
1	हैदराबाद	11	7	4	0	+0.737	14
2	पंजाब	10	6	3	1	+0.571	13
3	आरसीबी	10	6	4	0	+1.234	12
4	राजस्थान	10	6	4	0	+0.510	12
5	गुजरात	10	6	4	0	-0.147	12
6	चेन्नई	10	5	5	0	+0.151	10
7	कोलकाता	10	4	5	1	-0.169	9
8	दिल्ली	11	4	7	0	-1.154	8
9	मुंबई	10	3	7	0	-0.649	6
10	लखनऊ	10	3	7	0	-0.934	6

अगर सूर्य हटे तो, संजू बन सकते हैं टी-20 कप्तान

अभिषेक त्रिपाठी • जागरण

श्रेयस

- लंबे समय से टी-20 टीम का हिस्सा रहे संजू पर टीम प्रबंधन का भरोसा
- श्रेयस को सीधे कप्तान बनाने के पक्ष में नहीं हैं चयनकर्ता

संजू

नई दिल्ली: सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में भारत ने इस साल फरवरी में टी-20 विश्व कप जीता था, लेकिन उनकी हालिया फार्म को देखते हुए उनके भविष्य पर सवाल उठ रहे हैं। मौजूदा समय में श्रेयस अय्यर को टी-20 का नया कप्तान बनाने की सबसे ज्यादा चर्चा है, लेकिन विश्वस्त सूत्रों की मानें तो विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन को सूर्य की जगह टी-20 टीम की कप्तानी सौंपी जा सकती है।

आइपीएल के बाद भारतीय टीम को जून-जुलाई में इंग्लैंड और आयरलैंड का दौरा करना है। इन दौरों के लिए चुनी वाली टीम में निश्चित रूप से आइपीएल के प्रदर्शन को भी ध्यान में रखा जाएगा और इस लिहाज से सूर्यकुमार यादव का प्रदर्शन बेहद साधारण रहा है। वहीं संजू सैमसन और श्रेयस अय्यर दोनों का प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। लेकिन सूत्रों के अनुसार, संजू के पक्ष में जो सबसे बड़ी बात है वो है कि वह लंबे समय से भारतीय टी-20 टीम का हिस्सा हैं। संजू 2024 टी-20 विश्व कप से लगातार टीम के साथ हैं और उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खुद को साबित भी किया है। उनके नाम 62 मैचों में 1399 रन हैं, जिनमें वह तीन शतक और छह अर्धशतक लगा चुके हैं। इस साल टी-20 विश्व कप में भी संजू ने अपनी बल्लेबाजी से भारत को ट्राफी दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी और जहां तक कप्तानी का सवाल है तो वह आइपीएल में राजस्थान रायल्स की कप्तानी कर चुके हैं। शांत स्वभाव के साथ परिस्थितियों को संभालने की उनकी क्षमता ने चयनकर्ताओं को प्रभावित किया है। चर्चा भी है कि अगले सत्र में वह चेन्नई की कप्तानी भी करते हुए दिख सकते हैं। श्रेयस की फार्म अच्छी है। वह पंजाब किंग्स के लिए रन भी बना रहे हैं और उनकी कप्तानी पर कोई प्रश्न चिन्ह नहीं है, लेकिन जो बात उनके खिलाफ जा सकती है, वो है कि वह लंबे समय से टी-20 टीम का हिस्सा नहीं है। उन्होंने भारत के लिए अंतिम टी-20 तीन दिसंबर 2203 को खेला था। सूत्रों का कहना है कि श्रेयस को सबसे पहले टी-20 टीम में जगह बनानी होगी, उसके बाद ही उन्हें कप्तान बनाने पर विचार किया जाएगा। वहीं संजू लंबे समय से टीम के साथ हैं, ऐसे में चयनकर्ता उन्हें कप्तान बना सकते हैं। सूत्रों के अनुसार, अगर चयनकर्ता आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे पर सूर्य को मौका देना चाहते हैं तो फिर संजू को उपकप्तान बनाया जा सकता है लेकिन अगर बदलाव होता है, तो संजू इस समय टी-20 कप्तान की दौड़ में आगे हैं।

जरूरत से ज्यादा जश्न मनाने पर नाराज हो गए थे धौनी : अश्विन

नई दिल्ली, प्रेट्र: भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने शुक्रवार को कहा कि अपने करियर के शुरुआती दौर में चैलेंजर ट्राफी में महेंद्र सिंह धौनी को आउट करने के बाद जरूरत से ज्यादा जश्न मनाने पर यह पूर्व भारतीय कप्तान नाराज हो गया था। अश्विन ने कहा कि उन्हें लगा था कि धौनी को आउट करने से उन्हें आइपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेलने का मौका मिल सकता है।

अश्विन ने कहा, चैलेंजर ट्राफी में मुझे धौनी को गेंदबाजी करने का मौका मिला। धौनी हमारी टीम के विरुद्ध खेलते हुए दो बार आउट हुए। मैंने डाइव लगाकर कैच लपक लिया। मैंने इतना जश्न मनाया कि वह सच में नाराज हो गए।

खेल डायरी

सभी खेलों का जश्न मनाया जाए : सात्विक

नई दिल्ली, प्रेट्र: स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने शुक्रवार को कहा कि थामस कप में भारतीय टीम द्वारा कांस्य पदक जीतने के बाद जनता की फीकी प्रतिक्रिया पर की गई उनकी हालिया टिप्पणी का उद्देश्य पैसे या भव्य स्वागत की मांग करना नहीं था, बल्कि लोगों से सभी खेलों में हर छोटी-बड़ी जीत का जश्न मनाने की अपील करना था। विश्व रैंकिंग में चौथे स्थान पर काबिज एशियाई खेलों के चैंपियन सात्विक और चिराग शेट्टी की जोड़ी हाल ही में डेनमार्क में आयोजित थामस कप में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थी। हालांकि, सात्विक ने स्वदेश लौटने पर इंटरनेट मीडिया पर उनकी उपलब्धि को अपेक्षित पहचान न मिलने को लेकर अपनी भावनाएं व्यक्त की थीं। डेनमार्क से वापस आने के बाद सात्विक ने लिखा था कि अब घर वापस आ गया हूं। हमेशा की तरह पिछले दो सप्ताहों में क्या हुआ, यह किसी को पता नहीं है और ऐसा लगता है कि किसी को वास्तव में इसकी परवाह भी नहीं है।

ग्लोबल शतरंज लीग का चौथा सत्र भारत में

नई दिल्ली, प्रेट्र: टेक महिंद्रा और फिडे की संयुक्त पहल ग्लोबल शतरंज लीग (जीसीएल) का चौथा सत्र भारत में आयोजित किया जाएगा। टूर्नामेंट के आयोजकों ने शुक्रवार को यह घोषणा करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य देश में लोकप्रिय हो रही शतरंज संस्कृति का लाभ उठाना है। जीसीएल ने कहा कि मेजबान शहर की घोषणा जल्द की जाएगी। इस आयोजन का तीसरा सत्र पिछले दिसंबर में मुंबई में आयोजित किया गया था, जिसमें एल्पाइन एसजी पाइपर्स टीम चैंपियन बनी थी। लीग ने खेल के प्रारूप में बदलाव किया है। लीग के आयुक्त गौरव रक्षित ने कहा कि खेल के प्रति भारत का जुनून और इसका तेजी से बढ़ता शतरंज पारिस्थितिकी तंत्र इसे लीग के लिए एक स्वाभाविक गंतव्य बनाता है। हम सत्र का इंतजार कर रहे हैं।

कारुआना को हराकर चौथे स्थान पर गुकेश

वारसा (पोलैंड), प्रेट्र: विश्व चैंपियन डी गुकेश ने सुपर रैपिड और ब्लिट्ज टूर्नामेंट के रैपिड वर्ग के नौवें और अंतिम दौर में अमेरिकी ग्रैंडमास्टर फैबियानो कारुआना को हराकर संयुक्त चौथा स्थान हासिल किया। पिछले कुछ महीनों से अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने वाले गुकेश ने इस तरह से फार्म में वापसी की। रैपिड वर्ग के बाद अब ब्लिट्ज वर्ग में 18 दौर की बाजियां खेली जानी बाकी हैं। रैपिड के अंतिम दिन 19 वर्षीय गुकेश ने फ्रांसीसी ग्रैंडमास्टर मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के विरुद्ध हार के साथ शुरुआत की और फिर आठवें दौर में स्लोवेनिया के व्लादिमीर फेडोसेव के साथ ड्रा खेला। अमेरिकी खिलाड़ी हैंस मोके नीमन ने 13 अंकों के साथ इस वर्ग का विजेता बनकर इतिहास रचा। नीमन ने अपने हमवतन वेस्ली सो को एक अंक से पीछे छोड़ा।

गुकेश • एक्स

प्रिंस ने 'विराट' की सलाह पर कोहली को किया आउट

विकास मिश्र • जागरण

लखनऊ: इंडियन प्रीमियर लीग में हर सीजन कोई न कोई युवा खिलाड़ी अपनी प्रतिभा से सबका ध्यान खींचता है। इस बार यह काम किया है प्रिंस यादव ने। लखनऊ सुपर जायंट्स के युवा तेज गेंदबाज प्रिंस यादव ने अपने दमदार प्रदर्शन से न सिर्फ एलएसजी को कई अहम मुकाबलों में बढ़त दिलाई, बल्कि भारतीय टी-20 टीम के लिए अपनी मजबूत दावेदारी भी पेश कर दी है। 24 वर्षीय इस तेज गेंदबाज ने आइपीएल में अपनी गति, अनुशासित लाइन-लेंथ और डेथ ओवरों की सटीक गेंदबाजी से क्रिकेट विशेषज्ञों को प्रभावित किया है। खासतौर पर बड़े बल्लेबाजों को आउट करने की उनकी क्षमता ने उन्हें चर्चा के केंद्र में ला दिया है।

हेड को भी किया था बोल्ड: गुरुवार को रायल चैलेंजर्स बेंगलुरु के विरुद्ध मुकाबले में प्रिंस ने जिस तरह दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली को अंदर आती गेंद पर बोल्ड किया, उसे क्रिकेट जगत में टूर्नामेंट की गेंद तक कहा गया। इस मैच में प्रिंस ने तीन विकेट झटके और लखनऊ की जीत में अहम भूमिका निभाई। पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायडू ने भी उनकी जमकर तारीफ करते हुए कहा कि उनमें भारत के लिए खेलने की पूरी क्षमता है। मैच के बाद दाएं हाथ के गेंदबाज ने बताया कि पिछले मुकाबले के दौरान विराट भइया ने उन्हें सलाह दी थी कि जब तक गेंद आफ लेंथ से स्विंग हो रही हो, उसी लेंथ पर गेंद डालनी चाहिए। मैंने उसी रणनीति को अपनाकर उन्हें ही आउट कर दिया।

प्रिंस यादव • फाइल फोटो

नेट बालर से स्टार बनने तक का सफर: दिल्ली के रहने वाले प्रिंस यादव का सफर संघर्षों से भरा रहा है। वह पहले लखनऊ सुपर जायंट्स के साथ नेट गेंदबाज के रूप में जुड़े थे। घरेलू क्रिकेट और दिल्ली प्रीमियर लीग में शानदार प्रदर्शन के बाद एलएसजी ने उन्हें आइपीएल की नीलामी में 30 लाख रुपये के बेस प्राइस पर अपनी टीम में शामिल किया। दिल्ली प्रीमियर लीग में उन्होंने लगातार विकेट निकालकर चयनकर्ताओं का ध्यान खींचा था। आइपीएल के मौजूदा सत्र में प्रिंस यादव 16 विकेट के साथ पर्पल कैप की दौड़ में हैं।

तीरंदाजों ने पदक की उम्मीद बरकरार रखी

शंघाई, प्रेट्र: रिकर्व तीरंदाज सिमरनजीत कौर और कंपाउंड तीरंदाज साहिल जाधव ने शुक्रवार को उतार-चढ़ाव भरे अभियान में भारत के लिए अप्रत्याशित रूप से शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने पहले तीरंदाजी विश्व कप में पदक की उम्मीदें बरकरार रखी हैं।

सिमरनजीत ने क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे की 19 वर्षीय खिलाड़ी के खिलाफ नौ तीरों में से सिर्फ छह अंक गंवाते हुए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन जारी रखा। उनके सामने अब सेमीफाइनल में दक्षिण कोरिया की विश्व नंबर एक खिलाड़ी कांग चेयांग की चुनौती होगी। पिछले महीने ही विश्व कप में पदार्पण करने वाले साहिल ने रोमांचक शूट-आफ में आस्ट्रिया के निको वीनर को हराकर पुरुष कंपाउंड स्पर्धा के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

भारतीय टीम ने क्वार्टर फाइनल में जगह बनाकर रचा इतिहास

सुझोउ (चीन), प्रेट्र: भारत ने शुक्रवार को अपने आखिरी ग्रुप बी मैच में लेबनान के विरुद्ध 4-0 की शानदार जीत के साथ पहली बार एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप के क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करके इतिहास रच दिया।

भारत का क्वार्टर फाइनल में पहुंचना तब पक्का हो गया जब फिलीपींस और चीनी ताइपे अपने आखिरी ग्रुप सी मैच को 12 या उससे ज्यादा गोल के अंतर से जीतने में नाकाम रहे। फिलीपींस को चीनी ताइपे को 12 गोल से हराना था, जबकि चीनी ताइपे को 13 गोल से जीतना था। इससे पहले, भारत को जापान ने 3-0, जबकि आस्ट्रेलिया ने 2-0 से हराया था। सूझोउ ताइहू फुटबाल स्पोर्ट्स सेंटर में खेले गए मैच में भारत की ओर से प्रीतिका बर्मन ने छठे और 85वें मिनट में दो गोल दागे, जबकि अल्वा देवी सेंजाम ने 36वें मिनट और जया ने 72वें मिनट में गोल कर टीम को ऐतिहासिक उपलब्धि के करीब पहुंचा दिया था। सेमीफाइनल में पहुंचने से भारत का 2026 फीफा अंडर-17 विश्व कप में स्थान पक्का हो जाएगा।

अंडर 17 फुटबाल महिला टीम • एक्स

दबाव मुझे और ज्यादा खतरनाक बनाता है : एलेक्जेंडर वोल्कोव

खेल संवाददाता, नई दिल्ली : रूसी एमएमए स्टार एलेक्जेंडर वोल्कोव ने रविवार को यूएफसी के हैवीवेट वर्ग में ब्राजीली फाइटर वाल्डो कोर्टेस अकोस्टा से होने वाली बाउट से पहले कहा है कि दबाव और घबराहट उन्हें कमजोर नहीं बल्कि और मजबूत बनाती है। न्यूजर्सी के प्रूडेंशियल एरिना में होने वाली इस फाइट का प्रसारण भारत में सुबह 6: 30 बजे सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा।

वोल्कोव ने दैनिक जागरण से विशेष बातचीत में कहा कि उनके ट्रेनिंग कैंप की संरचना में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ। स्पारिंग, स्ट्रेचिंग, किकबाक्सिंग, रेसलिंग और कंडीशनिंग पर उन्होंने हमेशा की तरह मेहनत की, लेकिन इस बार उन्होंने अपनी तकनीक और शरीर को और बेहतर बनाने पर ज्यादा फोकस किया। अकोस्टा की आक्रामक शैली और नाकआउट ताकत पर बात करते हुए वोल्कोव ने कहा कि उनके डिवीजन में ऐसे फाइटर्स की कमी नहीं है और वह पहले भी कई खतरनाक फाइटर का सामना कर चुके हैं। यूएफसी में लंबे अनुभव के बावजूद वोल्कोव ने माना कि बड़े मुकाबलों से पहले आज भी उन्हें घबराहट होती है।

एलेक्जेंडर वोल्कोव • यूएफसी

एस्टन विला यूरोपा लीग के फाइनल में पहुंचा

लंदन, एपी : जान मैकगिन के दो गोल की मदद से एस्टन विला ने नाटिंघम फॉरेस्ट को सेमीफाइनल के दूसरे चरण में 4-0 से हराकर यूरोपा लीग फुटबाल टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। यह पिछले 44 वर्षों में पहला अवसर है जबकि एस्टन विला ने यूरोप के किसी बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। इंग्लैंड की दो टीम के बीच खेले गए सेमीफाइनल में एस्टन विला ने शुरू से ही दबदबा बनाए रखा था। वह सेमीफाइनल के पहले चरण में 0-1 से हार गया लेकिन आखिर में 4-1 के कुल स्कोर से जीत दर्ज करने में सफल रहा।

एस्टन विला 20 मई को इस्तांबुल में होने वाले फाइनल में जर्मन क्लब फ्रीबर्ग से भिड़ेगा। फ्रीबर्ग ने सेमीफाइनल के दूसरे चरण में ब्रागा को 3-1 से हराकर कुल 4-3 से जीत हासिल की। एस्टन विला 1982 में यूरोपा कप में बायर्न म्यूनिख पर जीत हासिल करने के बाद से पहली बार यूरोप के किसी बड़े टूर्नामेंट के फाइनल में खेलेगा।

फुटबाल डायरी

सऊदी प्रो लीग में रोनाल्डो ने लगाया 'शतक'

रियाद, एपी : दिग्गज फुटबालर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने सऊदी प्रो लीग में अपना 100वां गोल किया, जिससे अल-नस्त्र ने अल-शबाब को 4-2 से हराकर तालिका में शीर्ष पर पांच अंकों की बढ़त बना ली। इस 41 वर्षीय फारवर्ड ने गुरुवार को मैच समाप्त होने से 15 मिनट पहले सादियो माने के क्रास पर हुए गोल किया जो उनके करियर का 971वां गोल है। यह इस सत्र में लीग में उनका 26वां गोल भी था। चेल्सी के पूर्व खिलाड़ी जोआओ फेलिक्स ने अल-नस्त्र की तरफ से तीन गोल किए। इस जीत से अल-नस्त्र के 32 मैचों में 82 अंक हो गए हैं, जो दूसरे नंबर पर काबिज अल-हिलाल से पांच अंक अधिक हैं। अल-हिलाल को अभी तीन मैच खेलने हैं जो अल-नासर से एक अधिक है। पांच बार के बैलोन डिओर विजेता रोनाल्डो दिसंबर 2022 में अल-नस्त्र से जुड़े थे लेकिन उनकी मौजूदगी में इस टीम ने सऊदी अरब में अभी तक कोई बड़ी ट्राफी नहीं जीती है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो • एक्स

अल नस्त्र की अल शबाब पर 4-3 की जीत में रोनाल्डो ने दागा शानदार गोल, करियर में कुल 971वां गोल भी दागा

क्रिकेट और स्पोर्ट्स की अन्य खबरों के लिए स्कैन करें या विजिट करें jagran.com

दैनिक जागरण
सप्तरंग
जोश नई राहों का
शनिवार, 9 मई, 2026

आइआइएम देश का एक ऐसा प्रतिष्ठित प्रबंधन संस्थान है, जहां युवाओं को न केवल अच्छी नौकरी या फिर बेहतरीन करियर के लिए तैयार किया जाता है, बल्कि वास्तविक दुनिया की चुनौतियों का सामना करने के लिए मानसिक प्रशिक्षण भी दिया जाता है। संस्थान कैसे युवाओं को तैयार करता है, इस बारे में बता रहे हैं आइआइएम लखनऊ के आइटी प्रोफेसर प्रदीप कुमार...

टर्निंग प्वाइंट

फोटो: फ्रीपिक

बढ़ता जा रहा है कौशल का महत्व

ऐसा नहीं है कि संस्थान आज भी पुराने ढांचे और कोर्सेज के आधार पर ही चल रहे हैं। इंडस्ट्री की मांग के हिसाब से संस्थान में करियर के स्वरूप बदलते रहते हैं। परामर्श, वित्त और विपणन जैसे पारंपरिक कारपोरेट भूमिकाओं को अब तकनीकी इस्तेमाल से नया रूप मिल रहा है। डाटा एनालिटिक्स, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल ट्रांसफार्मेशन में कौशल तेजी से महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं।

पढ़ाई और जीवन के बीच बनाएं संतुलन

देश के प्रबंधन शिक्षा तंत्र में आइआइएम का दबदबा आज भी कायम है, इसमें कोई दोराय नहीं है। कठोर चयन प्रक्रिया, विश्व स्तरीय संकाय, मजबूत पूर्व छात्र नेटवर्क और उद्योग से मजबूत संबंध जैसे इन चार कारणों के चलते ही आइआइएम से डिग्री प्राप्त करने के लिए बड़ी संख्या में युवा उत्सुक रहते हैं। यहां ऐसे युवाओं को न केवल डिग्री दी जाती है, बल्कि उन्हें मानसिक रूप से मजबूत भी बनाया जाता है।

अंकों से आगे देखें युवा: कई युवा केवल डिग्री, नंबर और प्रदर्शन के पीछे भागते रहते हैं और फिर असल जिंदगी कहीं पीछे छूट जाती है। दिमाग में हर समय अच्छे नंबर लाने की होड़ चलती है, लेकिन इस बीच मन कहीं अशांत रहता है। नए माहौल में खुद को एडजस्ट करने की कोशिश अंत तक जारी रहती है। इससे युवाओं के अंदर कई सारी चीजों को लेकर एक जद्दोजहद चलती है। इस जद्दोजहद को समझने में एक मेंटर ही उनकी मदद कर सकता है, जो न केवल उनकी बुद्धिमत्ता को समझे, बल्कि उनकी भावनाओं को समझकर सही राह दिखा सके। आइआइएम यह जिम्मेदारी बखूबी निभाता है। ऐसे युवाओं को यही सलाह दी जाती है कि वे पढ़ाई के साथ-साथ अपनी भावनाओं की भी कद्र करें और खुद को समझें।

पढ़ाई के साथ हाबी भी जरूरी: आइआइएम जैसे संस्थान में पढ़ाई करना आसान नहीं है। अगर अच्छा करियर बनाना है तो अच्छे अंकों से डिग्री हासिल करना जरूरी है, लेकिन कई बार युवा पढ़ाई के दबाव में आकर खुद को भूल जाते हैं। उन्हें लगता है कि अगर पढ़ाई में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं हुआ तो बाकी सारी चीजें व्यर्थ हैं। नतीजा अवसाद, अकेलापन, उदासी उन्हें घेर लेती है। इसलिए बहुत जरूरी है कि पढ़ाई और निजी जिंदगी के बीच एक संतुलन बनाकर चला जाए। पढ़ाई के साथ-साथ कोई न कोई हाबी अपनाएं, खेलकूद को भी समय दें। इससे उनके अंदर की रचनात्मक शक्ति भी जाग्रत रहती है।

बच्चों पर न थोपें अपनी उम्मीदें: बच्चों पर पढ़ाई के दबाव के साथ-साथ माता-पिता की उम्मीदों का दबाव भी रहता है। अभिभावक चाहते हैं कि उनका बच्चा आइआइएम से पढ़ रहा है तो जरूर सफलता मिलेगी, उसका करियर अच्छा बनेगा। ऐसे में बच्चों के दिमाग में भी हर समय एक प्रतियोगिता की भावना बनी रहती है। इसलिए वे खूब मेहनत करते हैं, लेकिन जब मन-मुताबिक रिजल्ट नहीं ला पाते, तब निराश हो जाते हैं। जब वे दूसरों को अच्छा प्रदर्शन करते हुए देखते हैं तो और नकारात्मकता से भर जाते हैं। ऐसे में माता-पिता की भी जिम्मेदारी बनती है कि वे अपने बच्चों पर अपनी उम्मीदें न थोपें।

संस्थान की अहम भूमिका: कई बार पढ़ाई के दौरान बच्चों के मन में कई तरह की भावनाएं उमड़ती हैं, लेकिन वे किसी से बांट नहीं पाते। अंदर-अंदर ही घुटते रहते हैं। यह डर भी रहता है कि कहीं उनके मन की बातें दूसरों तक फैल न जाएं। ऐसे समय में संस्थान की भूमिका अहम हो जाती है। वे बच्चों को तनावमुक्त करके उन्हें छात्र के हिसाब से नहीं, एक दोस्त की तरह देखें।

बातचीत: सुमन अग्रवाल

कुश्ती खेल का प्रशिक्षक बनना चाहता हूं...

काउंसलर

देवाशीष उपाध्याय
councelor@nda.jagran.com

लखनऊ विश्वविद्यालय से मैं बीए कर रहा हूं और कुश्ती का खिलाड़ी हूं। मैं खेल प्रशिक्षक बनना चाहता हूं। मुझे क्या करना चाहिए।

संतोष कुमार यादव

हाल के दिनों में बच्चों और अभिभावकों का खेल के क्षेत्र में रुझान बढ़ा है। अब खेल को बेहतरीन करियर विकल्प के रूप में देखा जा रहा है। आप कुश्ती के क्षेत्र में करियर बनाने के साथ-साथ खेल प्रशिक्षक के रूप में भी कार्य कर सकते हैं। इसके लिए आप स्नातक करने के बाद दो वर्ष का बैचलर आफ फिजिकल एजुकेशन (बीपीएड) कोर्स कर सकते हैं। बीपीएड कोर्स करने के बाद आप सरकारी और प्राइवेट स्कूल/खेल संस्थान में खेल प्रशिक्षक के रूप में कार्य कर सकते हैं। बीपीएड करने के बाद मास्टर इन फिजिकल एजुकेशन का कोर्स भी कर सकते हैं, जिससे खेल प्रशिक्षण के क्षेत्र अधिक अवसर उपलब्ध हो सकेंगे।

मैंने वर्ष 2022 में यूपी टीजीटी परीक्षा के लिए आवेदन किया था। परीक्षा समय से न होने और विवाह हो जाने के कारण मैंने तैयारी छोड़ दी है। अब पता चला है कि तीन और चार जून को टीजीटी परीक्षा होने वाली है। मुझे परीक्षा में शामिल होना चाहिए या इसे छोड़ देना चाहिए, कृपया मार्गदर्शन करें।

आरुषी प्रजापति

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा सेवा चयन आयोग की टीजीटी और पीजीटी परीक्षा 2022 समय से नहीं होने के कारण बहुत से उम्मीदवारों ने तैयारी छोड़ दी। कुछ का चयन कहीं और हो गया तो वहीं बहुत सारे लोग दूसरे कार्यों में व्यस्त हो गए। यदि आपका परीक्षा देने का मूड है तो अभी कुछ नहीं बिगड़ा है। कम समय में पूर्व में की गई तैयारी को आधार बनाकर कुशल रणनीति के माध्यम से परीक्षा में सफलता हासिल की जा सकती है। आप मानक पुस्तकों और चयनित अध्ययन सामग्री एवं पूर्व में तैयार किए गए नोट्स के फैक्ट का बार-बार रिवीजन करें।

मैं 12वीं का छात्र हूं। आर्किटेक्ट बनना चाहता हूं।

इरफान अहमद

आर्किटेक्ट बनने के लिए आपको बैचलर आफ आर्किटेक्चर कोर्स करना होगा। इसके लिए 12वीं में भौतिकी, रसायन और गणित विषय होना चाहिए। यह पांच वर्ष का कोर्स होता है, जो देश की विभिन्न प्रतिष्ठित और प्राइवेट संस्थानों में कराया जा रहा है। आप जेईई मेंस या नेशनल एप्टीट्यूट टेस्ट इन आर्किटेक्चर परीक्षा के माध्यम से बैचलर आफ आर्किटेक्चर के इस कोर्स में प्रवेश प्राप्त कर सकते हैं। इसके बाद बतौर आर्किटेक्ट करियर बना सकते हैं।

इस पेज के बारे में अपनी राय और सुझाव भेजें
-feature@jagran.com

असफलता से अ हटाना आसान

लाइफ स्किल

नम्रता कचोलिया
लाइफ कोच

असफलता किसको नहीं मिलती? क्या हर सफल इंसान पहली बार में ही जीत गया? जवाब है नहीं। दुनिया के 99 प्रतिशत सफल लोगों के बारे में जब आप पता करेंगे तो एक चीज आपको उनमें समान मिलेगी, वह यह कि ये पहली बार में ही सफलता तक नहीं पहुंचे हैं, उन्हें भी एक या एक से अधिक बार प्रयास करने पड़े। असफल होने के बावजूद दोबारा खड़ा हुए और अधिक मेहनत से आगे बढ़े। परिणामस्वरूप सफलता आज उनके कदम चूम रही है। जैसे, एक कक्षा के सभी बच्चे एक ही टीचर से समान विषयों को एक साथ पढ़ते हैं, पर उन सभी में से किसी का प्रथम स्थान आता है तो किसी का आखिरी। उन सभी बच्चों के बीच में सारी चीजें कामन होने के बावजूद कुछ बातें होती हैं, जो उन्हें दूसरे से अलग करती है, वह है उनकी अपनी मेहनत और जरूरी नजरिया। इसे आप कुछ इस तरह से भी समझ सकते हैं :

अगर आज आप किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं और यदि उसमें असफल हो चुके हैं तो आपके पास दो विकल्प हैं। पहला यह कि आसानी से हार मान लीजिए या फिर शांति से इस पर विचार करें कि क्या कारण रहा, जिससे इस बार में सफल नहीं हो पाया। फिर पुनः अपनी पूरी सकारात्मकता के साथ अपने लक्ष्य की दिशा में जुट जाइए। जब आप इस नजरिये से जीना शुरू कर देंगे तो असफलता शब्द के पहले अच्छर अ को हटाना मुश्किल नहीं होगा।

इन बातों पर जरूर दें ध्यान

- जब खुद पर भरोसा कम लगे तो किसी ऐसे व्यक्ति से बात कीजिए, जिसने अपने जीवन में असफलता झेली है और फिर उन्हें सफलता मिली। उनकी कानोसुनी कहानियां आपको यह सिखाएंगी कि असफलता शुरुआत है, अंत नहीं।
- जो समय आज आप पढ़ने-लिखने में बिता रहे हैं, वह समय आपको केवल आज ही मिला है। कल आप सोचें कि दोबारा इस तरह से मिलेगा तो संभव नहीं, क्योंकि समय बदलेगा तो परिस्थितियां भी बदल जाएंगी। हो सकता है तब तक देर हो जाए। इसलिए समय की कीमत पहचानें। आज के इस अवसर को ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करें।
- असफलता को पहचान मत बनाइए, बस इसे एक घटना मानिए।
- ध्यान रखें कि यह असफलता नहीं, बल्कि आपके भविष्य के लिए एक सीख है, जो बता रही है–कहां ध्यान रखना था, कहां तैयारी कम रह गई।

वर्ग पहेली-3329

बाएं से दाएं:
1. खतरों से भरा (5)। 5. साहित्य की एक विधा (4)। 7. नदी का किनारा, बाण (2)। 9. शुरुआत, प्रारंभ (3)। 10. अप्रसन्न (3)। 12. वेतन, पैर में लगी हुई मिट्टी (3)। 14. फीका, मैला (3)। 16. एक नंबर का छंटा हुआ, तेज (3)। 17. पुन: स्वस्थ होना, ... जाना (3)। 18. पाने की इच्छा (3)। 20. पृथ्वी, जमीन (3)। 22. गर्व (2)। 23. बराबर होने का भाव (4)। 24. आग लगाना (2,3)।

ऊपर से नीचे:
2. झगड़ा, विवाद, लड़ाई (3)। 3. और, एवं (2)। 4. बाढ़ या पानी से किसी स्थान का डूब जाना (5)। 6. गलना, द्रवित होना (3)। 8. चंद्रमा, राजा, पृथ्वीपति (4)। 9. तीन घंटे का समय (3)। 11. शांत करना, बुझाना (3)। 13. नष्ट, बर्बाद (3)। 15. गले लगना, अलिंगन करना या होना (4)। 16. वैभव, तड़क-भड़क (2,3)। 17. बिना जोती हुई भूमि (3)। 19. हत्या या वध करना (3)। 21. बाराही कंद, पिंडालू (3)। 23. बढ़ावा देना, ... देना (2)।

© Bird Features & Writing Agency

कल का हल

अ			वा	द		ग	नी	म	त
व	र	दा	न			द		ह	
स्थि			र	ला	क	र		सू	
त	मी	ज			ल		ह	स	न
		न	का	र	ना		र		ट
पा		शु		ग	द	ग	द		
स	मि	ति		ड			म	न	सा
	च		अ	ना	या	स			र
	क		ज्ञा			मु	ला	का	त
दं	ना	द	न		कं	द्र			त्व

सुडोकू-3329

7	1		9		4		8	5
9				3				6
				7	8			
		3	8			7		4
5	7			2	6	1		3
	2		3				6	
			7	4				2
2					3			9
8	4		5	1		6	3	

कल का हल

4	5	6	9	8	1	2	7	3
8	3	1	2	7	4	6	5	9
2	9	7	3	6	5	8	4	1
7	8	3	4	2	6	9	1	5
1	4	9	5	3	8	7	6	2
5	6	2	7	1	9	3	8	4
9	7	5	6	4	3	1	2	8
3	2	8	1	5	7	4	9	6
6	1	4	8	9	2	5	3	7

आज का भविष्यफल: 09 मई, 2026 शनिवार

पं. के. ए. दुबे पद्मेश

आज की ग्रह स्थिति : ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष सप्तमी। आज का राहुकाल : प्रात: 09 बजे से 10 बजकर 30 मिनट तक। आज का दिशाशूल: पूर्व। विशेष: महापंचक (रात्रि 11 बजकर 25 मिनट से प्रारंभ 14 मई को रात्रि 10 बजकर 34 मिनट पर समाप्त)

कल 10 मई, 2026 का पंचांग
कल का दिशाशूल: पश्चिम
विशेष: पंचक
कल का पर्व : शीतलाष्टमी
वसंत ऋतु ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष की अष्टमी 15 घंटे 07 मिनट तक तत्पश्चात नवमी, धनिष्ठा नक्षत्र तत्पश्चात शतभिषा नक्षत्र,, ब्रह्म योग तत्पश्चात ऐन्द्र योग, मकर में चंद्रमा तत्पश्चात कुंभ में।

मेष: बुद्धि कौशल से किया गया कार्य संपन्न होगा। निकटता बढ़ेगी।
वृष: दूसरों से सहयोग मिलेगा। चल या अचल संपत्ति में वृद्धि होगी।
मिथुन: उदासीनता कष्टदायी हो सकती है। मन को मजबूत करें।
कर्क: पिता या धर्म गुरु का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।
सिंह: रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे। विरोधी भी सक्रिय रहेंगे।
कन्या: आर्थिक मामलों में प्रगति होगी। सेहत के प्रति सचेत रहें।
तुला: रचनात्मक प्रयास फलीभूत होगा। सत्ता का सहयोग रहेगा।
वृश्चिक: पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। सहयोग मिल सकता है।
धनु: दूसरों पर अधिक विश्वास न करें। जीवनसाथी की सलाह लें।
मकर: पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।
कुंभ: रिश्तों में निकटता आएगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।
मीन: गृह उपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। योजना फलीभूत होगी।

गुलमर्ग में फंसे 24 पर्यटकों को सेना ने सुरक्षित निकाला

- निजी हेलीकाप्टर में तकनीकी खराबी से पहाड़ी हिस्से में फंस गए थे पर्यटक
- अचानक बदले मौसम और बर्फीले हालात ने चुनौतियां बढ़ाई

जागरण संवाददाता, श्रीनगर

कश्मीर के विख्यात पर्यटन स्थल गुलमर्ग के सनशाइन पीक पर फंसे 24 पर्यटकों को भारतीय सेना ने बड़े रेस्क्यू आपरेशन से सुरक्षित बचा लिया। जिन पर्यटकों को सुरक्षित निकाला वह भोपाल, महाराष्ट्र, पुणे, बंगाल और यूपी के निवासी हैं। पर्यटक करीब 14 हजार फीट की ऊंचाई पर अचानक बदले मौसम और बर्फीले हालात के बीच फंस गए थे। वह एक निजी हेलीकाप्टर से सनशाइन पीक पर घूमने आए थे।

जानकारी के अनुसार एक निजी हेलीकाप्टर पर्यटकों को सनशाइन पीक पर घुमाने ले गया था। इसी दौरान हेलीकाप्टर में तकनीकी खराबी आ गई, जिससे पर्यटक पहाड़ पर ही फंस गए। मौसम तेजी से बिगड़ रहा था। इलाके में घना कोहरा छा गया। इसकी सूचना मिलने पर भारतीय सेना के चिनार वारियर्स, जम्मू-कश्मीर पुलिस, बारामूला प्रशासन और गुलमर्ग विकास प्राधिकरण ने संयुक्त रूप से रेस्क्यू आपरेशन चलाया।

सेना के एविएशन पायलटों ने बेहद खराब विजिबिलिटी और तेज हवाओं के बीच कई बार उड़ान भरकर पर्यटकों तक पहुंच बनाई। कठिन परिस्थितियों के बावजूद सेना ने सभी 24 पर्यटकों को सुरक्षित निकाल लिया। अधिकारियों ने इसे सेना की त्वरित कार्रवाई और बेहतर समन्वय का उदाहरण बताया।

जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने गुलमर्ग के ऊंचे इलाकों में एक निजी हेलीकाप्टर में तकनीकी खराबी के बाद फंसे पर्यटकों को सुरक्षित निकालने में सेना और सिविल प्रशासन के त्वरित और समन्वित प्रयासों की सराहना की है।

हर-हर महादेव के जयकारों के साथ आदि कैलास को चले श्रद्धालु

- केएमवीएन का प्रथम दल हल्द्वानी से पहुंचा पिथौरागढ़, आज धारचूला व टनकपुर रूट से भी शुभारंभ
- 20 सदस्यीय दल के सदस्य कैंची धाम, गोलज्यू मंदिर व जागेश्वर धाम के दर्शन से अभिभूत

हल्द्वानी से आदि कैलास यात्रा के लिए रवाना होने से पूर्व हर हर महादेव के जयकारे लगाते श्रद्धालु। जागरण

जागरण संवाददाता, हल्द्वानी

उत्तराखंड में पिथौरागढ़ जिले के उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित आदि कैलास और ओम पर्वत की यात्रा के लिए कुमाऊं मंडल विकास निगम की ओर से पहले यात्री दल को रवाना किया गया। शुक्रवार सुबह हल्द्वानी से हर-हर महादेव के जयकारों के साथ रवाना हुआ 20 सदस्यीय दल कैंची धाम, चितई गोलज्यू मंदिर और जागेश्वर धाम के दर्शन करते हुए देर शाम पिथौरागढ़ पहुंचा। दल में गुजरात से 11, दिल्ली से पांच, उत्तराखंड से दो और उत्तर प्रदेश व महाराष्ट्र से एक-एक श्रद्धालु शामिल हैं। अब शनिवार को धारचूला (पिथौरागढ़) व टनकपुर (चंपावत) से भी एक-एक दल आदि कैलास यात्रा के लिए निकलेगा।

दिव्य व पवित्र स्थल आदि कैलास में शिव मंदिर के कपाट एक मई को खुल चुके हैं। निजी टूर आपरेटर व व्यक्तिगत रूप से यात्री दर्शन कर रहे हैं। शुक्रवार को यात्रा संचालक संस्था केएमवीएन का पहला 20 सदस्यीय दल स्वागत-सत्कार के साथ हल्द्वानी से रवाना किया गया। ज्यादातर लोग पहली बार आदि कैलास और ओम पर्वत दर्शन करेंगे। आठ दिवसीय यात्रा के लिए केएमवीएन प्रति यात्री 45 हजार रुपये शुल्क ले रहा है। केएमवीएन के महाप्रबंधक विजयनाथ शुक्ल ने बताया कि तीर्थ यात्रियों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। यात्रा के दौरान केएमवीएन आवास गृहों में ठहराने की व्यवस्था के साथ उन्हें कुमाऊंनी व्यंजन भी परोस रहा है। पहला दल शनिवार को पिथौरागढ़ से धारचूला रवाना होगा।

पहले दल में शामिल मुंबई के मुरली प्रसाद सबसे उम्रदराज हैं। वह 76 वर्ष की उम्र में आदि कैलास और ओम पर्वत की यात्रा के लिए बेहद उत्सुक हैं। अहमदाबाद की बिंदी त्रिपाठी व बिंदेश त्रिपाठी ने कहा कि दल में शामिल 11 लोग गुजरात से आए हैं।

नैनी झील को दूषित कर रहा नावों का रंग-रोगन, काम रुकवाया

- झील किनारे नौका में पेंट करने पर दो नौका संचालकों का तीन-तीन हजार का किया चालान

जागरण संवाददाता, नैनीताल

नौका मरम्मत के लिए प्रयुक्त थिनर (पेंट) नैनी झील को भी प्रदूषित कर रहा है। झील की पारिस्थितिकी पर नकारात्मक प्रभाव को देखते हुए नौकाओं में हो रहे रंग-रोगन के कार्य को झील किनारे से हटवा दिया है। साथ ही दो नौका संचालकों का तीन-तीन हजार रुपये का चालान किया गया।

पर्यटन सीजन से पहले नौका संचालक नौकाओं की तख्तियां बदलने के साथ ही पेंट आदि लगाकर उसे आकर्षक बनाते हैं। उसमें तुन की लकड़ी, तांबे की कील लगाने के बाद पेंट को थिनर मिलाकर पतला कर लगाया जाता है। हाल ही में अपर माल रोड के ट्रीटमेंट वाले क्षेत्र में झील किनारे नौका संचालकों ने नाव की मरम्मत की तो थिनर झील में जा गिरा। इसका वीडियो इंटरनेट मीडिया में प्रसारित होने के बाद पालिका के अधिशासी अधिकारी रोहिताश शर्मा ने नौका संचालकों को सख्त हिदायत देते हुए नौकाओं को वहां से हटवा दिया। नौका संचालकों को चेतावनी दी गई है कि यदि किसी ने झील के नजदीक नौका मरम्मत की तो लाइसेंस निरस्त किया जाएगा। अब नौका संचालक झील से 30 मीटर की दूरी पर नौकाओं में रंगरोगन और मरम्मत का कार्य कर रहे हैं।

नैनीझील किनारे नौकाओं में रंगरोगन करते नौका चालक। वीडियो ग्रैब

सीबीएसई 10वीं की दूसरी बोर्ड परीक्षा के एडमिट कार्ड जारी

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: सीबीएसई ने 10वीं की दूसरी बोर्ड परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं। बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर स्कूलों के लिए एडमिट कार्ड उपलब्ध करा दिए गए हैं। वहीं, निजी परीक्षार्थी अपने एडमिट कार्ड आनलाइन डाउनलोड कर सकते हैं।

सीबीएसई के अनुसार, दूसरी चरण की परीक्षा 15 मई से शुरू होंगी। यह परीक्षा एक ही शिफ्ट में सुबह साढ़े दस बजे से दोपहर डेढ़ बजे तक होगी। इस बार परीक्षा में छह लाख से अधिक छात्रों के शामिल होने की संभावना है। छात्रों को सुबह 10 बजे से पहले परीक्षा केंद्र पहुंचना होगा। विद्यार्थियों के लिए स्कूल की यूनिफार्म पहनना अनिवार्य होगा, साथ ही उन्हें स्कूल आईडी कार्ड के साथ एडमिट कार्ड साथ लाना होगा। सीबीएसई ने परीक्षा केंद्रों में मोबाइल फोन, स्मार्ट वाच और अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरणों पर प्रतिबंध लगाया है। केवल आवश्यक स्टेशनरी सामग्री ले जाने की अनुमति होगी।

बिहार में फिर मध्याह्न भोजन से तीन विद्यालय के 150 छात्र बीमार

- एनजीओ ने तीन विद्यालयों में दिया था भोजन

जागरण संवाददाता, सहरसा

बिहार के सहरसा में मध्याह्न भोजन को लेकर दूसरे दिन शुक्रवार को भी तीन विद्यालयों में मध्याह्न भोजन खाने के बाद 150 विद्यार्थी बीमार पड़ गए। सभी को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जिलाधिकारी ने मामले की जांच कर दोषियों के विरुद्ध कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। मालूम हो कि एक दिन पहले गुरुवार को महिषी के बलुआहा मध्य विद्यालय में मध्याह्न भोजन खाने से 250 बच्चे बीमार पड़ गए थे।

स्कूलों में भारत रत्न डा. भीमराव आंबेडकर दलित उत्थान एवं शिक्षा समिति नई दिल्ली नामक एनजीओ मध्याह्न भोजन की आपूर्ति करती है। एक दिन पहले महिषी में भी इसी एनजीओ ने भोजन दिया था। शुक्रवार को सबसे पहले कन्या मध्य विद्यालय मुरचा के छात्रों ने मध्याह्न भोजन खाने के बाद पेट में दर्द होने की शिकायत शिक्षकों से की। इसके बाद उत्क्रमित मध्य विद्यालय चौंदंडा और नवप्राथमिक विद्यालय विजयपुर में भी छात्रों की तबीयत बिगड़ने लगी। तीनों विद्यालयों में 150 से अधिक बच्चे बीमार पड़ गए। मध्याह्न भोजन में छात्रों को छोला-चावल एवं केला दिया गया था।

बिहार के सहरसा में अस्पताल में भर्ती छात्र। जागरण

महिषी के बलुआहा मध्य विद्यालय में मध्याह्न भोजन मामले को लेकर शुक्रवार को ग्रामीणों ने जमकर हंगामा किया। बच्चों के बीमार पड़ने की घटना के दूसरे दिन जब एनजीओ का वाहन भोजन लेकर विद्यालय पहुंचा तो ग्रामीणों ने भोजन लेने से इन्कार करते हुए वाहन वापस लौटा दिया।

मजाक में फेंके गए चाकू से लाउंज के कैशियर की मौत

नागपुर, प्रेट्र : नागपुर के एक लाउंज में काम करने वाले 26 साल के कैशियर की जान चली गई। उसके एक साथी ने मजाक में उस पर एक फोल्ड होने वाला चाकू फेंका था, लेकिन हवा में ही वह तेज धार वाला हथियार खुल गया और सीधे उसके सीने में जा लगा। यह घटना गुरुवार शाम करीब 4:30 बजे शहर के धरमपेठ इलाके में स्थित लाउंज में हुई। कैशियर की पहचान अवधेश कुमार के रूप में हुई है, जो मूल रूप से उत्तर प्रदेश का रहने वाला था। वहीं, आरोपित आयुष सुखबीरसिंह नेगी उत्तराखंड का रहने वाला है। आयुष को हिरासत में ले लिया गया है। दोनों वेस्ट हाई कोर्ट रोड पर स्थित 'टोक्यो बार लाउंज' में काम करते थे और हिलटाप इलाके में साथ ही रहते थे। पुलिस अधिकारी ने बताया, दोनों आपस में मजाक कर रहे थे, तभी आरोपित ने अवधेश की ओर एक फोल्ड होने वाला चाकू फेंक दिया। लेकिन, चाकू हवा में ही खुल गया और सीधे उसके सीने में जा लगा, जिसके बाद वह वहीं गिर पड़ा।

आइआइटी पटना व मुंबई की कंपनी कर रही विक्रमशिला सेतु की जांच

- जांच की रिपोर्ट के आधार पर तैयार होगी मरम्मत और सुधार की योजना
- जांच के दौरान लिए गए नमूनों को परीक्षण के लिए आइआइटी पटना की लैब में भेजा जाएगा

जागरण संवाददाता, भागलपुर

भागलपुर में क्षतिग्रस्त विक्रमशिला सेतु की वैज्ञानिक जांच शुरू हो गई है। इसकी स्थिति का आकलन करने के लिए आइआइटी पटना और मुंबई की बड़ोदरा कंपनी की संयुक्त टीम आधुनिक मशीनों से सेतु की जांच कर रही है। जांच रिपोर्ट के आधार पर ही आगे मरम्मत और सुधार की योजना तैयार की जाएगी। शुक्रवार को टीम ने भागलपुर छोर से जांच कार्य शुरू किया। जांच शाम छह बजे तक चली, लेकिन पहले दिन प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी। पुल निर्माण निगम के वरीय परियोजना अभियंता ज्ञान चंद्र दास ने बताया कि मुख्यालय के निर्देशानुसार जांच टीम को हर आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जा रहा है। तीन मई की रात इस सेतु के पोल संख्या 133 के पास 34 मीटर हिस्सा टूटकर गंगा में समा गया था।

पूरे सेतु की विस्तृत तकनीकी जांच में पांच से छह दिन का समय लग सकता है। सेतु की जांच के लिए दो अत्याधुनिक एमबीआइ मशीनों का उपयोग किया जा रहा है। मशीनों की मदद से पुल के बाहरी हिस्से के साथ-साथ अंदरूनी संरचना की भी बारीकी से जांच की जा रही है।

अंदरूनी हिस्सों में रोशनी की विशेष व्यवस्था की गई है ताकि किसी प्रकार की दरार, कमजोरी या क्षति को स्पष्ट रूप से देखा जा सके।

बिहार के भागलपुर में मशीन के जरिये विक्रमशिला सेतु की हो रही स्कैनिंग। जागरण

21 को खुलेंगे द्वितीय केदार मध्यमेश्वर धाम के कपाट

जासं, रुद्रप्रयाग: उत्तराखंड में पंचकेदार में द्वितीय भगवान मध्यमेश्वर धाम के कपाट 21 मई को खोले जाएंगे। इससे पूर्व, 19 मई को शीतकालीन प्रवास स्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ से बाबा की चल विग्रह उत्सव डोली मध्यमेश्वर के लिए प्रस्थान करेगी। कपाट खोलने के लिए श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति ने तैयारियां शुरू कर दी हैं।

प्रथम केदार भगवान केदारनाथ और तृतीय केदार भगवान तुंगनाथ धाम के कपाट खुलने के बाद अब द्वितीय केदार मध्यमेश्वर धाम के कपाट खोलने के लिए तैयारियां शुरू हो गई है। इसी क्रम में 17 मई को बाबा की चल विग्रह उत्सव मूर्ति को शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर के गर्भगृह से बाहर लाकर सभामंडप में विराजमान किया जाएगा।

मंदिर समिति के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी डीएस भुजवाण ने बताया कि 19 मई को डोली ओंकारेश्वर मंदिर से मध्यमेश्वर के लिए प्रस्थान करेगी और 21 मई मध्यमेश्वर धाम पहुंचेगी और इसी दिन कर्क लग्न में मंदिर के कपाट खोल दिए जाएंगे।

राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण शनिवार, 9 मई, 2026
आजकल
14
www.jagran.com

जर्मनी के आत्मसमर्पण के साथ यूरोप में हुआ द्वितीय विश्व युद्ध का अंत

1945 में आज ही सोवियत संघ और सहयोगी देशों ने नाजी जर्मनी पर पूर्ण विजय प्राप्त की थी। जर्मनी के आत्मसमर्पण के साथ ही यूरोप में द्वितीय विश्व युद्ध का औपचारिक अंत हुआ। रूस सहित कई अन्य देशों में आज भी इस दिन को विक्ट्री डे के रूप में मनाया जाता है।

क्रिस्टोफर कोलंबस ने शुरू की अपनी अंतिम समुद्री यात्रा

प्रसिद्ध खोजी यात्री क्रिस्टोफर कोलंबस ने 1502 में आज ही स्पेन के कादिज से अपनी चौथी और अंतिम समुद्री यात्रा शुरू की थी। उनका उद्देश्य एशिया के लिए एक नया समुद्री मार्ग खोजना था। वे एशिया नहीं पहुंच सके, लेकिन यात्रा के दौरान निकारागुआ और कोस्टा रिका की खोज की थी।

महात्मा गांधी गोपाल कृष्ण गोखले को मानते थे अपना राजनीतिक गुरु

गोपाल कृष्ण गोखले का जन्म 1866 में आज ही के दिन बांबे प्रेसीडेंसी के रत्नागिरी जिले में हुआ था। 1884 में बांबे के एल्फिंस्टन कालेज से उच्च शिक्षा पूरी की। 1905 में सर्वेंट्स आफ इंडिया सोसाइटी की स्थापना की ताकि नौजवानों को देश सेवा के लिए प्रशिक्षित किया जा सके। उन्होंने विधान परिषद में शिक्षा और अर्थव्यवस्था पर प्रभावशाली भाषण दिए। गोखले कांग्रेस के नरम दल के प्रमुख नेता थे और सत्य, अहिंसा और संवैधानिक तरीकों से सुधार लाने में विश्वास रखते थे। गांधी जी उनको अपना राजनीतिक गुरु मानते थे। 19 फरवरी, 1915 को गोखले का निधन हो गया।

ब्लड टेस्ट से बीमारी की स्थिति के बारे में लगा सकेंगे पता

वेलोसीडी नामक इस परीक्षण विधि से अनुमान लगाया जा सकता है कि बीमारी ठीक होगी या स्थिति बिगड़ जाएगी

आरएनए मार्करों के पैटर्न किसी व्यक्ति की बीमारी के कारण की पहचान करने में मदद कर सकते हैं

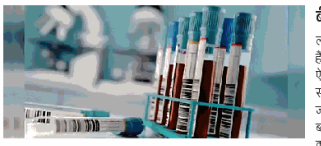

नई दिल्ली, प्रेट्र : एक ब्लड टेस्ट यह भविष्यवाणी करने में मदद कर सकता है कि किसी व्यक्ति की बीमारी की प्रगति कैसे होगी और वे उपचार के प्रति कितनी अच्छी तरह प्रतिक्रिया देंगे। एक अध्ययन के अनुसार यह जानकारी सामने आई है।

लंदन के इम्पीरियल कालेज के विज्ञानियों के नेतृत्व में शोधकर्ताओं ने कहा, वेलोसीडी नामक इस परीक्षण विधि से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि तीव्र बुखार से ग्रस्त बच्चों के ठीक होने की संभावना है या उनकी स्थिति बिगड़ने की और क्या स्वस्थ वयस्कों में वायरस के संपर्क में आने के बाद फ्लू या कोविड-19 विकसित होने की संभावना है। यह परीक्षण एक प्रमाण आधारित अध्ययन में वर्णित किया गया है और इसे जर्नल नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित किया गया है। यह ब्लड में प्रमुख मार्करों को मापता है, जो बीमारी के प्रति जीन अभिव्यक्ति के स्तर को प्रकट करता है, ताकि बीमारी की संभावित प्रगति का अनुमान लगाया जा सके। नियमित ब्लड टेस्ट (जैसे एचबीए1सी, लिपिड प्रोफाइल) डायबिटीज और हृदय रोगों के प्रबंधन में मदद करते हैं।

प्रतीकात्मक

बीमारी के कारणों की पहचान करने में करेगी मदद

लंदन के इम्पीरियल कालेज में संक्रामक रोगों के विभाग के प्रमुख और वरिष्ठ लेखक आब्रे कन्निंगटन ने कहा, हम मानते हैं कि इस प्रकार का परीक्षण मरीजों और स्वास्थ्य कर्मियों के लिए अत्यधिक लाभकारी हो सकता है। चिकित्सकों को एक ऐसा परीक्षण प्रदान करके जो बीमारी के पाठ्यक्रम की भविष्यवाणी कर सकता है, यह सही उपचार को सही समय पर सही मरीज तक पहुंचाने में मरीजों को बहुत तेजी से प्राथमिकता देने में मदद कर सकता है। शोधकर्ताओं ने समझाया कि जब कोई व्यक्ति बीमार होता है, तो जीनों के संयोजन 'आन' और 'आफ' होते हैं, जिससे आरएनए मार्कर पैदा होते हैं जिन्हें ब्लड में पहचाना जा सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि आरएनए मार्करों के पैटर्न किसी व्यक्ति की बीमारी के कारण की पहचान करने में मदद कर सकते हैं, जैसे कि बुखार बैक्टीरियल या वायरल संक्रमण के कारण है या नहीं।

एकल कोशिकाओं का किया जा सकेगा अध्ययन

टीम ने 'आरएनए वेलासिटी' नामक एक विधि का उपयोग किया, जिसे मूल रूप से एकल कोशिकाओं के अध्ययन के लिए विकसित किया गया था, लेकिन इसे संपूर्ण ब्लड सैंपल का परीक्षण करने के लिए अनुकूलित और संवर्धित किया गया, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या मार्कर भविष्यवाणी भी कर सकते हैं, क्या एक मरीज बेहतर होने की संभावना है या बिगड़ने की और वे उपचार के प्रति कैसे प्रतिक्रिया देंगे। इस विधि ने शोधकर्ताओं को यह देखने में मदद की कि कौन से जीन सक्रिय हो रहे हैं और क्या बिना समय के साथ बार-बार माप किए उनकी गतिविधि बढ़ रही है या घट रही है।

भविष्य की क्लिनिकल स्थिति की मिलेगी जानकारी

उदाहरण के लिए, टीम यह अनुमान लगा सकती थी कि किसी व्यक्ति के ब्लड में जीन अभिव्यक्ति के पैटर्न में परिवर्तन अधिक या कम गंभीर बीमारियों या हल्की, स्व-समाधान करने वाली बीमारियों के परिणामों के समान हो रहे हैं या नहीं। किसी व्यक्ति की भविष्य की क्लिनिकल स्थिति और उनकी बीमारी के पाठ्यक्रम के बारे में परिणाम की जानकारी प्रदान कर सकते हैं। शोध लेखकों ने लिखा कि हमने वेलोसीडी विकसित किया, जो एकल समय बिंदु आरएनए नमूने से क्लिनिकल स्थिति में संक्रमणों की भविष्यवाणी के लिए एक विधि है। उन्होंने कहा कि यह इन्फ्लूएंजा ए और एसएआरएस-सीओवी-2 नियंत्रित मानव संक्रमण अध्ययनों में ट्रांसक्रिप्टोमिक प्रगति और भविष्य के संक्रमण की स्थिति की भविष्यवाणी करता है।

नाइट्रस आक्साइड के कैनिस्टर बने चुनौती

फ्रांस की राजधानी पेरिस के उत्तर-पूर्व में स्थित सेंट पैथस में डीआइ सर्विसेज की रीसाइक्लिंग फैक्टरी में इस्तेमाल किए जा चुके नाइट्रस आक्साइड कैनिस्टरों की रीसाइक्लिंग का काम करता एक कर्मचारी। सीन ए मार्ने में स्थित इस शोर-शराबे वाले गोदाम में नाइट्रस आक्साइड के कैनिस्टर हजारों की संख्या में जमा हो जाते हैं। पार्टियों और मनोरंजन के माहौल में 'लाफिंग गैस' के तौर पर इसके दुरुपयोग से पैदा होने वाले सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट के अलावा पूरे फ्रांस में यत्र-तत्र फेंकी गई इन बोतलों को इकट्ठा करना और उन्हें रीसाइकल करना एक बहुत बड़ी पर्यावरणीय चुनौती भी है। इसके कारण चक्कर आना, बेहोशी, दिल का दौरा, दौरे पड़ना और गंभीर मामलों में मौत हो सकती है। एएफपी

इधर-उधर

गर्दन से बस खींचकर बनाया वर्ल्ड रिकार्ड

एग्मंड ने 9,860 किग्रा वजनी बस को 20 मीटर खींचा। इंटरनेट मीडिया

ओरानजेस्टेड, एजेंसी: द्वीपीय देश अरूबा के रहने वाले एग्मंड मोलिना ने अपनी असाधारण ताकत से दुनिया को हैरान कर दिया है। उन्होंने अपनी गर्दन की मदद से 21,737 पाउंड (लगभग 9,860 किलोग्राम) वजनी एक भारी-भरकम बस को खींचकर नया गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड बनाया है। एग्मंड ने इस बस को 20 मीटर तक खींचकर यूक्रेन के दिमित्रो हुंस्की का पिछला रिकार्ड तोड़ा है। अपनी इस अद्भुत क्षमता के कारण उन्हें ह्यूमन क्रेन के नाम से भी जाना जाता है। एग्मंड ने बस खींचने के लिए अपनी गर्दन और शरीर के ऊपरी हिस्से का इस्तेमाल किया। उन्होंने यह उपलब्धि अपने बच्चों और अपने देश अरूबा को समर्पित की है। गर्दन से बस खींचने के अलावा, वे दांतों से ट्राम खींचने और एक उंगली से भारी वजन उठाने जैसे कई रिकार्ड भी बना चुके हैं। यह कारनामा न केवल शारीरिक शक्ति बल्कि मानसिक दृढ़ता का भी प्रतीक है, जो दिखाता है कि कड़ी मेहनत से कुछ भी संभव है।

प्रमुख अकादमिक पत्रिकाओं में एआइ का उपयोग 42% बढ़ा

- अध्ययन में 2021- 2026 के बीच 11,887 लेखकों के प्रस्तुत किए गए लगभग 7,000 सारांशों को देखा
- एआइ आधारित लेखन के कारण जर्नल में बड़ी संख्या में आ रहे हैं कम गुणवत्ता वाले पेपर

नई दिल्ली, प्रेट्र : एक अध्ययन के अनुसार, नवंबर 2022 में जब चैटजीपीटी पहली बार आम लोगों के लिए जारी किया गया था, तब से किसी बड़े जर्नल में वैज्ञानिक शोध-पत्र जमा करने में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) के इस्तेमाल में 42 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इससे लेखन की गुणवत्ता में गिरावट आई है। अध्ययन ने जनवरी 2021 और फरवरी 2026 के बीच 11,887 लेखकों द्वारा अकादमिक पत्रिका आर्गेनाइजेशन साइंस में प्रस्तुत किए गए लगभग 7,000 सारांशों को देखा, जिसे प्रबंधन और संगठन सिद्धांत में एक प्रमुख प्रकाशन माना जाता है, जो 10,400 बार से अधिक 2,500 से अधिक समीक्षकों द्वारा समीक्षा की गई थी। एआइ के उपयोग के लिए 8,000 से अधिक पीयर समीक्षाओं का भी विश्लेषण किया गया।

एआइ के इस्तेमाल की रिपोर्ट करने वाला पहला जर्नल : पेन्सिलवेनिया यूनिवर्सिटी के व्हार्टन स्कूल और ड्यूक यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने बताया कि यह जर्नल वैज्ञानिक प्रकाशन की समीक्षा प्रक्रिया में एआइ के इस्तेमाल के शुरुआती प्रभावों की रिपोर्ट करने वाला पहला जर्नल है। टीम ने कहा कि एआइ आधारित लेखन के कारण जर्नल में बड़ी संख्या में कम गुणवत्ता वाले पेपर आ रहे हैं और इस अचानक आई बाढ़ ने उस स्वयंसेवी श्रम पर दबाव डाल दिया है जो शोध का मूल्यांकन करता है। यह बात आंशिक रूप से उन समीक्षाओं के उच्च प्रतिशत की व्याख्या करती है जिनमें हमें एआइ जनित हस्ताक्षर देखने को मिलते हैं।

प्रतीकात्मक

सभी के लिए समान अवसर नहीं दे रहा एआइ : उन्होंने आगे कहा कि एआइ सभी के लिए समान अवसर नहीं दे रहा है। जो लेखक टीमें ऐसे संस्थानों से हैं जहाँ अंग्रेजी मूल भाषा नहीं है या जो लोग इस क्षेत्र में नए आए हैं और जिन्हें उम्मीद है कि एआइ उनके लेखन को बेहतर बनाएगा, उन्हें अपने पेपर छपने की संभावना बढ़ने के मामले में बहुत कम फायदा मिलता है। इसके अलावा, एआइ रिव्यू, इंसानों द्वारा किए गए रिव्यू के बराबर या उनसे बेहतर नहीं होते हैं, वे लिखने के मामले में कमज़ोर होते हैं और व्यवस्थित रूप से ज्यादा सीमित होते हैं।

जर्नल में जमा की गई ज्यादातर सामग्री में एआइ का इस्तेमाल

प्रत्येक पाठ का विश्लेषण 'पैंग्राम' नामक उपकरण द्वारा किया गया, जो एक गहन शिक्षण माडल है जिसे मानव या एआइ जनित पाठ के रूप में वर्गीकृत करने के लिए प्रशिक्षित किया गया है। इस उपकरण का दावा है कि यह मनुष्य लिखित पाठ पर 99.84 प्रतिशत सटीकता की रिपोर्ट करता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि फरवरी 2026 तक, 'आर्गेनाइजेशन साइंस' जर्नल में जमा की गई ज्यादातर सामग्री में लिखने के लिए किसी न किसी हद तक एआइ का इस्तेमाल किया गया था। रिपोर्ट में 70 प्रतिशत या उससे ज्यादा टेक्स्ट एआइ द्वारा तैयार किया गया था। लेख लिखने के लिए एआइ पर निर्भरता लेखकों की संस्थानों द्वारा दिए जाने वाले प्रोत्साहनों के प्रति "तर्कसंगत प्रतिक्रिया" को दर्शाती है।

वजन घटाने वाली दवा खुशी महसूस करने को कर सकती है प्रभावित

अनुसंधान

वजन घटाने के लिए लोग क्या-क्या नहीं करते। वह सुबह टहलने से लेकर दवा लेने से भी परहेज नहीं करते। एक शोध में पता चला है कि वजन घटाने वाली नई दवाएं सिर्फ भूख कम करने से कहीं ज्यादा प्रभाव डाल सकती है। वे सीधे तौर पर दिमाग के उन सर्किट को भी बदल सकती हैं, जो मोटिवेशन और इनाम को कंट्रोल करते हैं। इस शोध के नतीजों का असर सिर्फ वजन घटाने तक ही सीमित नहीं हो सकता, बल्कि यह इस बात पर भी असर डाल सकता है कि कोई व्यक्ति खुशी को कैसे महसूस करता है।

जीएलपी-1 रिसेप्टर एगोनिस्ट असल में टाइप-2 डायबिटीज के इलाज के लिए बनाए गए थे, ताकि इंसुलिन के रिस्पांस को बेहतर बनाया जा सके। वजन कम होना इसका एक दूसरा फायदा था। ये दवाएं दिमाग के पिछले हिस्से में मौजूद कोशिकाओं या न्यूरांस पर काम करती हैं। अमेरिका की वर्जीनिया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने जेनेटिक रूप से तैयार किए गए चूहों के एक माडल में पाया है कि ज्ञात प्रभावों के अलावा, जीएलपी-1 श्रेणी की नई दवाएं जिनमें डैनुग्लिप्रोन व् आरफोरग्लिप्रोन जैसी दवाएं शामिल हैं, मस्तिष्क के भीतरी हिस्सों तक पहुंच सकती हैं। ये एक अलग सर्किट को सक्रिय करती हैं, जो दिमाग के पिछले हिस्से को सेंट्रल एमिग्डाला (भावनाओं को समझने वाला केंद्र) से जोड़ता है, और आखिरकार डोपामाइन बनाने वाले न्यूरांस तक पहुंचता है। (प्रेट्र)

एडीएचडी और आटिज्म को समझने की नई पहल 'अनुभव'

लोकेश शर्मा, जागरण ● नई दिल्ली: समाज में अटेंशन डेफिसिट हाइपरएक्टिविटी डिसआर्डर (एडीएचडी) और आटिज्म को लेकर जागरूकता तो बढ़ रही है, लेकिन अब भी बड़ी संख्या में लोग इन स्थितियों को सही तरीके से समझ नहीं पाते। अक्सर बच्चों के व्यवहार को अनुशासनहीनता, जिद या ध्यान न देने की आदत मान लिया जाता है। इसी सोच को बदलने के उद्देश्य से रामजस कालेज के 20 छात्र अनुभव" नामक पहल शुरू की गई है। इसके तहत इंटरैक्टिव गतिविधियां, सिमुलेशन और गेम आधारित लर्निंग के माध्यम से प्रतिभागियों को यह समझाने की कोशिश की जाती है कि ऐसे बच्चों और युवाओं के लिए सामान्य माहौल भी कितना चुनौतीपूर्ण हो सकता है। परियोजना से जुड़ी छात्रा ईशा गुप्ता के अनुसार, अनुभव का मुख्य उद्देश्य लोगों की सोच को 'जज करने' से 'समझने' की ओर ले जाना है। इसके लिए स्कूलों और कंप्यूटर लैब में विशेष सत्र आयोजित किए जा रहे हैं।

फिल्म रिव्यू

दादी की शादी ✪✪◖

प्रमुख कलाकार : नीतू कपूर, कपिल शर्मा, सादिया खतीब, आर सरथ कुमार, दीपक दत्ता, रिद्धिमा कपूर, जितेंद्र हुड्डा
निर्देशक : आशीष आर मोहन
अवधि : दो घंटे 30 मिनट

आइडिया दिलचस्प पर भाषणबाजी ज्यादा

फिल्म में एक संवाद है कि अच्छे पैरेंट्स बनने के लिए अच्छी संतान बनना बहुत जरूरी है। पारिवारिक कामेडी ड्रामा दादी की शादी के जरिये पारिवारिक रिश्तों, बुजुर्गों के अकेलेपन और व्यस्त जिंदगी में टूटते संवादों को हल्के-फुल्के अंदाज में कहने की कोशिश की गई है।

कहानी यह है कि दिल्ली में संयुक्त परिवार में रह रहे टोनी कालरा (कपिल शर्मा) के दादाजी योगराज सिंह कालरा उसकी शादी को लेकर परेशान हैं। कनु आहूजा (सादिया खतीब) का रिश्ता टोनी के लिए आता है। कनु की शर्त है कि शादी से पहले दूल्हे और उसके परिवार को समझना चाहती है और शादी दो साल बाद करेगी। सगाई के दिन खबर आती है कि कनु की दादी विमला आहूजा (नीतू कपूर) शादी करने वाली हैं। शिमला में आलीशान घर में रह रही विमला पारंपरिक दादी से अलग फिट और स्टाइलिश हैं। उनके दोनों बेटे जीवन (दीपक दत्ता) और नाग (जितेंद्र हुड्डा) तथा बेटी सुनैना (रिद्धिमा कपूर साहनी) अपनी जिंदगी और परिवारों में इतने व्यस्त हैं कि उनके पास मां के लिए समय ही नहीं है, लेकिन विमला की दूसरी शादी की खबर सुनकर सभी को मजबूरन उनके पास आना पड़ता है। नाटकीय मोड़ों के बीच विमला बताती हैं कि वह कर्नल थरन देवराजन (आर सरथ कुमार) के साथ शादी कर रही हैं। पूरा परिवार शादी तुड़वाने की कोशिशों में लग जाता है।

ढीली पटकथा फिल्म के प्रभाव को कमजोर करती है। चित्र सौ. : फिल्म टीम

फिल्म की शुरुआत दिलचस्प और मनोरंजक लगती है, लेकिन आशीष आर. मोहन, बंटी राठौर और साहिल एस. शर्मा द्वारा लिखी गई पटकथा कई जगह उपदेशात्मक हो जाती है। पात्रों के भाव उभर कर नहीं आ पाते हैं। मसलन जब मां के खर्चों को दोनों बेटे और बेटी गिनाना शुरू करते हैं तो यह झकझोरता नहीं है। मां का जुए में 17 करोड़ रुपये हार जाने का प्रसंग भी विश्वसनीय नहीं बन पाया है। जीवन अपनी मां और भाई को बेटी की सगाई में क्यों नहीं बुलाता है, यह खटकता है। आठ करोड़ की संपत्ति की मालकिन विमला आत्मविश्वासी हैं, फिर भी अपने बच्चों के पास रहने क्यों नहीं जाती, यह समझ से परे है।

सिनेमैटोग्राफर मार्क नटकिंस और सुरेश बीसावेनी ने शिमला की खूबसूरती को बखूबी कैमरे में कैद किया हैं। एडिटर प्रोतिम खाउंड चुस्त संपादन से फिल्म की अवधि को थोड़ा कम कर सकते थे।

फिल्म में हल्के-फुल्के हंसी के पल कपिल शर्मा और दीपक दत्ता लेकर आते हैं। नीतू कपूर अपने पात्र में आकर्षक और सहज दिखती हैं। सादिया खतीब भूमिका के अनुरूप मासूम और सुंदर लगी हैं। कर्नल की भूमिका में आर. सरथ कुमार जंचते हैं। नीतू कपूर की बेटी रिद्धिमा कपूर ने इस फिल्म से अभिनय में कदम रखा है। वह स्टाइलिश दिखी हैं। सहयोगी भूमिका में जितेंद्र हुड्डा, तेजस्विनी कोल्हापुरे अपनी भूमिकाओं के साथ न्याय करते हैं। इस फिल्म को बनाने के पीछे इरादा नेक है, लेकिन ढीली पटकथा उसके प्रभाव को कमजोर करती है।

स्मिता श्रीवास्तव

✪✪✪✪✪ उत्कृष्ट ✪✪✪✪ बहुत अच्छी ✪✪✪ अच्छी ✪✪ औसत ✪ औसत से कम

अपनी राय हमें जरूर बताएं : feature@jagran.com

स्क्रीन शाट

फिल्मों में कोई भी जानर कभी खत्म नहीं होगा : मुदस्सर अजीज

हिंदी सिनेमा में बदलाव का दौर हमेशा चलता रहता है और किसी एक जानर का दबदबा हमेशा कायम नहीं रहता। यह मानना है कि कामेडी फिल्म पति पत्नी और वो 2 के निर्देशक मुदस्सर अजीज का।

वह कहते हैं कि अलग-अलग दौर होते हैं, हिंदी सिनेमा ने ऐसे दौर कई बार देखे हैं। कई बार लगता है कि सिर्फ एक्शन चलेगा मारधाड़ वाली फिल्में चलेंगी, फिर अचानक पिछले दशक के आठवें दशक के अंत में तीन खान आए और उन्होंने एक घूंसा भी नहीं मारा, फिर लोगों को लगा कि सिर्फ प्रेम कहानियां की चलेंगी। जब चीची (गोविंदा) सर की तूती (कामेडी में) बोल रही थी, तब लोगों को लगा सिर्फ़ कामेडी चलेगी। सिनेमा समाज की तरह होता है, जैसे समाज में अलग-अलग लोगों के विचार बदलते रहते हैं, वैसे ही सिनेमा में भी होता है। मुझे नहीं लगता है कि कोई भी जानर थिएटर में दर्शक के लिए बंद या खत्म हो जाएगा। मुझे लगता है कि हिंदुस्तान की जनता सिनेमा से प्यार करती है और करती रहेगी। हर तरह की फिल्में चलेंगी, बशर्ते वह अच्छी हों। मुझे इस बात से कोई घबराहट महसूस नहीं होती है कि अब केवल बड़ी फिल्में बनेंगी और चलेंगी।

फिल्म पति पत्नी और वो 2 फिल्म के निर्देशक हैं मुदस्सर। फाइल

मैंने कई बड़ी फिल्मों को फ्लाप होते हुए इसी दौर में देखा है और कई छोटी फिल्मों को हिट होते हुए देखा है, जैसे सैयारा फिल्म है। फिल्मों का बस अच्छा होना ज़रूरी है और दर्शकों का उसे चाहना जरूरी है। मुदस्सर अजीज का मानना है कि सिनेमा का भविष्य उज्ज्वल है, बशर्ते कि फिल्में गुणवत्ता में उत्तम हों।

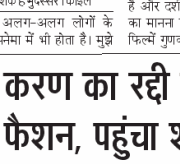

इसलिए संजय के लिए कठिन रहा आखिरी सवाल को शूट करना

अभिनेता संजय दत्त हर तरह के रोल को निभाने की प्रतिभा रखते हैं। उन्होंने नायक, खलनायक हर तरह के रोल निभाए हैं। लेकिन फिल्म आखिरी सवाल की शूटिंग उनके लिए आसन नहीं रही। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के आसपास घूमती और उनसे जुड़े कई प्रश्नों के उत्तर बेबाकी से देती इस फिल्म का शुक्रवार को मुंबई में ट्रेलर किया गया। इस मौके पर फिल्म की स्टारकास्ट से संजय दत्त, अमित साध, नीतू चंद्रा, नोमाशी चक्रवर्ती समेत कई लोग मौजूद रहे। लांच के मौके पर अपनी भूमिका को लेकर बात करते हुए संजय ने कहा कि यह बहुत अलग और कठिन रोल रहा। देखा जाए तो इसमें एक कमरे के अंदर बहस चलती है। पूरी पटकथा और संवादों को बेहतरीन तरीके से लिखा गया है। एक कुर्सी पर बैठकर डायलाग बोलना और भावों को व्यक्त करना मेरे लिए नया था। मुझे इसे करने में मजा भी आया, क्योंकि यह करना कलाकार के लिए चुनौतीपूर्ण भी हो जाता है। यह फिल्म पूरे हिंदुस्तान को देखनी चाहिए। आखिरी सवाल फिल्म 15 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। संजय दत्त की इस फिल्म में उनके अभिनय की गहराई और विविधता को देखने का अवसर मिलेगा, जो दर्शकों के लिए एक नई अनुभव प्रदान करेगा। इसमें आरएसएस से जुड़े कई सवालों के जवाब मिलेंगे। संजय दत्त ने एक बार फिर साबित किया है कि वे किसी भी भूमिका को निभाने में सक्षम हैं, चाहे वह कितनी भी चुनौतीपूर्ण क्यों न हो। फिल्म का ट्रेलर दर्शकों के बीच उत्सुकता पैदा करने में सफल रहा है।

फिल्म आखिरी सवाल में नजर आएंगे संजय दत्त। फाइल

करण का रद्दी वाले से सीखा फैशन, पहुंचा शाह रुख तक

प्रतिभा हो, तो उसका प्रयोग करना चाहिए। ऐसा ही कुछ करण जौहर भी करते हैं। अपने फैशन के लिए जाने जाने वाले करण ने अभिनेता शाह रुख खान के लिए भी कपड़े डिजाइन किए हैं। इसकी शुरुआत उन्होंने की थी फिल्म दिलवाले दुल्हनियां ले जाएंगे फिल्म से। एक किस्सा सुनाते हुए करण कहते हैं कि मैं उस फिल्म पर असिस्टेंट डायरेक्टर था। दूसरे दिन ही आदि (फिल्म के निर्देशक आदित्य चोपड़ा) जो मेरे बेस्ट फ्रेंड हैं, उन्होंने कहा तुम शाह रुख के कपड़े डिजाइन करो। चांदनी फिल्म के दौरान जो कपड़े पेटी में रखे गए हैं, उसे खोलो उसमें से जो टीशर्ट और जींस का इस्तेमाल नहीं किया गया है, उसे लेकर कुछ बनाओ। मैंने पेटी खोली, उसमें सफेद और लाल स्ट्राइप वाला स्वेटर मिला, जो फटा हुआ था। एक कोट भी था, उस पर एक चिन्ह जैसा कुछ बना हुआ था। मैंने उस चिन्ह को काट कर स्वेटर की फटी हुई जगह पर लगा दिया। फिल्म में जब काजोल की पात्र कल्पना करती है कि उसके सामने शाह रुख का पात्र खड़ा है, तो जो स्वेटर उन्होंने पहनी है, वो वही है। वह मेरा बनाया पहला कास्ट्यूम था। वहां से मैंने शाह रुख के लिए कई कास्ट्यूम बनाए। करण कहते हैं कि बचपन में मैं हमेशा ही दूसरे लड़कों से अलग रहा हूं। मुझे पुरानी मैग्जीन पढ़ना बेहद पसंद था। घर के पास एक रद्दी वाला था, जहां कई पुरानी फैशन मैग्जीन बिका करती थीं। मैं उन्हें खरीदता था, क्योंकि वो सस्ते में मिला करती थीं। मैं उसमें सितारों के फैशनेबल फोटो देखता था।

शाह रुख की कई फिल्मों के लिए कपड़े डिजाइन कर चुके हैं करण। इंस्टाग्राम - @karanjohar

नितेश तिवारी की रामायणम् में रावण की भूमिका में होंगे यश। इंस्टाग्राम - @thenameisyash

'रामायणम्' के लिए सीता स्वंयवर का सीक्वेंस शुरू किया यश ने

नितेश तिवारी निर्देशित रामायणम् फिल्म के दूसरे भाग की शूटिंग जोरों पर चल ही है। यश पिछले कुछ दिनों से मुंबई में बनाए गए विशाल सेट पर शूटिंग कर रहे हैं। अब फिल्म की यूनिट इस सप्ताह कहानी के एक अहम मोड़ पर पहुंच गई है। फिल्म से जुड़े सूत्रों के अनुसार टीम सीता के भव्य स्वयंवर सीक्वेंस की शूटिंग कर रही है, जो महाकाव्य का एक बड़ा टर्निंग पाइंट माना जाता है। निर्देशक इस दृश्य को पर्दे पर बेहद भव्य और रोमांचक अंदाज में पेश करने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। गोरेगांव स्थित फिल्म सिटी में चल रही शूटिंग में मिथिला साम्राज्य को दर्शाने वाला एक विशाल सेट तैयार किया है, जिसमें बड़े-बड़े महलनुमा आंगन, शाही बालकनी और फूलों से सजे पारंपरिक डिजाइन बनाए गए हैं। सैकड़ों जूनियर आर्टिस्ट सेट पर मौजूद हैं। सबसे खास आकर्षण यश हैं, जिनके साथ वह दृश्य फिल्माया जा रहा है, जहां रावण शिव धनुष उठाने की कोशिश करता है, लेकिन असफल हो जाता है। फिलहाल शूट हो रहा हिस्सा स्वयंवर सभा में रावण के आगमन और धनुष उठाने को लेकर पैदा होने वाले नाटकीय तनाव पर केंद्रित है। इस सीक्वेंस में यश की एंट्री बेहद दमदार रखी गई है। जैसे ही रावण दरबार में प्रवेश करता है, माहौल पूरी तरह बदल जाता है। उस आभा को पर्दे पर प्रभावशाली ढंग से दिखाने के लिए काफी मेहनत की जा रही है। सीता का पात्र निभाने वाली अभिनेत्री साई पल्लवी कुछ दिनों बाद इस शूटिंग शेड्यूल से जुड़ेंगी। यश की लोकप्रियता और उनके अभिनय कौशल के चलते इस फिल्म को लेकर दर्शकों में काफी उत्साह है। रामायणम् का यह दूसरा भाग न केवल एक महाकाव्य कथा को जीवंत करेगा, बल्कि दर्शकों को एक अद्भुत अनुभव भी प्रदान करेगा।